



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]
No. 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 3, 1981/आश्विन 11, 1903
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 3, 1981/ASVINA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1981

का०आ० 2509.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सै० क्लॉथ ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 814/71) के निरस्तकरण को अधिसूचित करती है।

2. तथापि, कम्पनी यह सुनिश्चित करेगी कि वह कोई ऐसा नवीन कार्य-कलाप, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, की धारा 22 के अन्तर्गत सरकार का पूर्व अनुमोदन प्राप्त किये बिना, प्रारम्भ नहीं करेगी, जो उक्त अधिनियम की धारा 2(फ) तथा 2(द) के क्षेत्राति आता हो, क्योंकि यह इस अधिनियम की कथित धारा के अर्थान्तर्गत एक नवीन उपक्रम की स्थापना के समान होगा।

[सं० 16/19/80-एस-III]

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(Department of Company Affairs)

New Delhi, the 7th September, 1981

S.O. 2509.—In pursuance of sub-section (3) of Section 26 of the Monopolies & Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. Cloth Traders Private Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 814/71).

2. The company will, however, ensure that it may not take up any fresh activity which would fall within the scope of Sections 2(v) and 2(r) of the MRTP Act without the prior approval of the Government under section 22 of the MRTP Act, as it would amount to setting up a new undertaking within the meaning of said section of the MRTP Act.

[No. 16/19/80-M.III]

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1981

का० आ० 2510.—एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 26 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सै० दि ग्रामोफोन कम्पनी आफ इंडिया लि० के कथित अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 696/71) के निरस्तकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 16/7/79-एस-III]

चन्द्रकान्त खुशालदास, निदेशक

New Delhi, the 15th September, 1981

S.O. 2510.—In pursuance of sub-section (1) of Section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of the registration of M/s. The Gramophone Company India Limited under the said Act (Certificate of Registration No. 696/71).

[No. 16/7/79-M.III]

C. KHUSHALDAS, Director.

(Departments of Legal Affairs)

NOTICE

New Delhi, the 3rd September, 1981

S.O. 2511.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries Rules 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Sant Kumar Awasthi, Advocate, Sitapur, Uttar Pradesh for appointment as a Notary to practice in Sitapur District.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(16)/81-JudL.]

K. C. D. GANGWANI, Competent Authority

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1981

क्र.सं. 2512.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खंड (5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में कार्य करने वाले व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक-महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण और अपील) चतुर्थ संशोधन नियम, 1981 है;

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1965 के नियम 10 के उप-नियम (1) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु ऐसी और जांच के आदेश तब तक नहीं किए जाएंगे जब तक कि किसी ऐसी स्थिति से निपटना आवश्यक न हो जहां न्यायालय ने मामले के गुणगुण पर ध्यान दिए बिना बिल्कुल तकनीकी आधार पर आदेश पारित कर दिया है।

[संख्या 35012/2/80-स्था. (ए)]

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 7th September, 1981

S.O. 2512.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 read with clause (5) of article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Fourth Amendment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, to sub-rule (4) of rule 10. the following proviso shall be added, namely:—

“Provided that no such further inquiry shall be ordered unless it is intended to meet a situation where the court has passed an order purely on technical grounds without going into the merits of the case.”

[No. 35012/2/80-Fsts(A)]

नई दिल्ली, 11 सितम्बर, 1981

क्र.सं. 2513.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 148 के खण्ड

(5) के साथ पठित अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में सेवारत व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् मूल नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम मूल चतुर्थ संशोधन नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. मूल नियम के नियम 56 में, विद्यमान खण्ड (अ) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(अ) इस नियम में अन्तर्दिष्ट किसी बात के होते हुए भी, ममुक्ति प्राधिकारी को यदि उसकी यह राय है कि ऐसा करना लोकहित में होगा तो किसी सरकारी सेवक को कम से कम तीन मास की लिखित सूचना या ऐसी सूचना के बराबर में तीन मास का वेतन और भत्ते देकर—

(i) यदि वह समूह “क” या समूह “ख” सेवा में है अथवा अधिष्ठायी या स्थायीवत् या अस्थायी हैसियत में पद पर है अथवा अधिष्ठायी हैसियत में समूह “ग” के किसी पद पर या सेवा में है किन्तु समूह “क” या समूह “ख” के किसी पद या सेवा में स्थानापन्न रूप से है और वह 35 वर्ष की आयु पूरी कर लेने के पूर्व सरकारी सेवा में प्रविष्ट हुआ था तो 50 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर;

(ii) किसी अन्य मामले में 55 वर्ष की आयु पूरी कर लेने पर; सेवा निवृत्त करने का आत्यंतिक अधिकार होगा:

परन्तु इस खण्ड की कोई बात खण्ड (ड) में निर्दिष्ट किसी ऐसे सरकारी सेवक को जो 23-7-66 को या उसके पूर्व सरकारी सेवा में प्रविष्ट हुआ था लागू नहीं होगी;

परन्तु यह और कि कोई सरकारी सेवक जो अधिष्ठायी हैसियत में समूह “ग” पद पर या सेवा में है किन्तु समूह “क” या समूह “ख” में स्थानापन्न रूप से कोई पद धारण किए हुए है या सेवा में है तो उस दशा में जब कि लोकहित में उसे समूह “क” या समूह “ख” पद या सेवा से निवृत्त करने का विनिश्चय किया जाता है, उसके लिखित अनुरोध पर उसे समूह “ग” पद पर या सेवा में जो कि वह अधिष्ठायी हैसियत से धारण किए हुए है, में बने रहने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।”

[सं. 25013/4/80 स्था. (ए)]

बी० एम० निम, निदेशक

New Delhi, the 11th September, 1981

S.O. 2513.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309, read with clause (5) of article 148 of the Constitution, and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby

makes the following rules further to amend the Fundamental Rules, 1972, namely —

1 (1) These rules may be called the Fundamental (Fourth Amendment) Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2 In rule 56 of the Fundamental Rules, for the existing clause (j), the following shall be substituted

“(j) Notwithstanding anything contained in this rule, the appropriate authority shall if it is of the opinion that it is in the public interest so to do, have the absolute right to retire any Government servant by giving him notice of not less than three months in writing or three months' pay and allowances in lieu of such notice—

(i) If he is, in Group 'A' or Group 'B' service or post in a substantive, quasi permanent or temporary capacity or in a Group 'C' post or service in a substantive capacity, but officiating in a Group 'A' or Group 'B' post or service and had entered Government service before attaining the age of 35 years, after he has attained the age of 50 years,

(ii) In any other case after he has attained the age of 55 years

Provided that nothing in this clause shall apply to a Government servant referred to in Clause (e) who entered Government service on or before 23-7-1966 .

Provided further that a Government servant who is in a Group 'C' post or service in a substantive capacity, but is holding a Group 'A' or Group 'B' post or service in an officiating capacity shall, in case it is decided to retire him from the Group 'A' or Group 'B' post or service in the public interest, be allowed on his request in writing to continue in service in the Group 'C' post or service which he holds in a substantive capacity”

[No 25013/4/80-Ests(A)]
B S NIM, Director

नई दिल्ली 19 सितम्बर, 1981

क्र.सं. 2514—आन्ध्र प्रदेश प्रशासनिक अधिकरण आदेश, 1975 (जी एस आर 285 (ई) तारीख 19 मई, 1975) के पैराग्राफ 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति उपर्युक्त अधिकरण के अध्यक्ष, न्यायमूर्ति श्री एच. पी. सिन्हा के तारीख 14 सितम्बर, 1981 से 1 अक्टूबर, 1981 तक (दोनों दिन शामिल हैं) छुट्टी पर जाने के कारण गैर हाजिरी, की अवधि के दौरान आन्ध्र प्रदेश प्रशासनिक अधिकरण के सदस्य श्री पी. एच. रामचंद्राणा को अध्यक्ष पद के कर्तव्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

[एफ संख्या 21013/5/81-एस आर]

ओ. पी. कलरा, अवसर सचिव

New Delhi the 19th September, 1981

S.O. 2514—In exercise of the powers conferred by paragraph 4 of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal Order, 1975 (GSR 285(E) dated the 19th May 1975), the President is pleased to appoint Shri P. H. Ramchandani a member of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal to perform the duties of the office of Chairman during the period of absence of Shri Justice S. P. Sinha, the Chairman of the said Tribunal on leave from 14th September 1981 to 1st October, 1981 (both days inclusive)

[F No 21013/5/81 SR]

O P KALRA, Under Secy

नई दिल्ली 17 सितम्बर 1981

क्र.सं. 2515—दंड प्रक्रिया संहिता 1973 (1974 का 2) की धारा 24 की उप-धारा (९) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए केन्द्रीय सरकार, तृतीय विशेष न्यायाधीश अलीपुर, 24 परगना पश्चिम बंगाल के न्यायालय में ले. कर्नल आर. एन. सेन (सेवानिवृत्त,) तथा अन्य क चिह्नित दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना नियमित मामला संख्या 20-72-सी० आई० यू० (पी०) में अभियोजन का संचालन करने के लिए एतद्वारा कल्पकता के मधुसूदी आर० देव तथा एम० राय, अधिवक्ता, को विशेष लोक अभियोजकों के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 225/26/81-ए० वी० डी० II]

New Delhi, the 17th September, 1981

S.O. 2515—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of section 24 of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), the Central Government hereby appoints Sarvashree R. Deb and S Roy, Advocates, Calcutta as Special Public Prosecutors for conducting prosecution of DSPE RC 20/72 CIU(P) against Lt Col R N Sen (Retd) and another in the Court of 3rd Special Judge, Alipore 24 Parganas, West Bengal

[No 225/26/81-AVD-II]

आदेश

नई दिल्ली, 19 सितम्बर, 1981

क्र.सं. 2516—दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अभिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उत्तर प्रदेश सरकार की सहमति से, भारत सरकार के दिनांक 8 नवम्बर, 1980 के राजपत्र भाग 2 खंड 3(11) में प्रकाशित भारत सरकार कानूनी और प्रशासनिक सुधार विभाग के दिनांक 23-10-1980, के आदेश संख्या मा० आ० 3021 में निम्नलिखित संशोधन करती

अर्थात् —

उपयुक्त आदेश में निम्नलिखित शब्दों

“उत्तर प्रदेश राज्य में ग्राम अब्दुल्लापुर मोरी, जिला गजियाबाद में 8/9 जुलाई, 1980 की रात का श्री बरकत (शिकारपुर के) की कथित हत्या में सम्बंधित पुलिस थाना हापुड की अपराध संख्या 321 के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् —

“उत्तर प्रदेश राज्य में जिला गजियाबाद के ग्राम अब्दुल्लापुर मांसी में दिनांक 8 और 9 जुलाई, 1980 की रात का श्री बरकत (शिकारपुर के) की कथित हत्या में सम्बंधित पुलिस थाना पिलखुआ का अपराध संख्या 321 और प्रति मामला संख्या 321 ए”।

[संख्या 228/8/80 ए० वी० डी० (U)]

एच० के० वर्मा, अवसर सचिव

ORDER

New Delhi the 19th September, 1981

S.O. 2516—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with Section 6 of the Delhi Special Police Act 1946 (25 of 1946), the Central Government with the consent of the Government of Uttar Pradesh, makes the following amendment in the order of the Government of India in the Department of Personnel and Administrative Reforms No S.O. 3021 dated the 23rd October, 1980, published in the Gazette of India Part II section 3 sub section (u) dated the 8th November, 1980 namely —

In the said order, for the words—

Crime No 321 of Police Station Hapur relating to alleged murder of Shri Barkat (of Shikarpur) on the night of 8th/9th July 1980 in village Abdulla-pur, Mauri District Ghaziabad in the State of Uttar Pradesh and Cross case No 321-A dated the 10th July, 1980”, the following words shall be substituted, namely —

"Crime No. 321 and Cross case 321-A of Police Station Pilkhuwa relating to alleged murder of Shri Barkat (of Shikarpur) on the night of 8th and 9th July, 1980 in village Abdulapur Mauri, District Ghazia- bad in the State of Uttar Pradesh"

[No. 228/80-AVD-II]
H. K. VERMA, Under Secy

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1980

आय-कर

का०आ० 2517.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि अधिसूचना सं० 34 द्वारा 23-11-1946 से बंगाल पोटरीस लिमिटेड, कलकत्ता को आय-कर अधिनियम 1922 की धारा 10(2) (xiii) के अधीन दिया गया अनुमोदन, विहित प्राधिकारी अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की सिफारिश पर 25-5-1980 से वापस ले लिया गया है।

[सं० 3771/का०सं० 203/285/80-आई टी ए-II]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 27th December, 1980

INCOME-TAX

S.O. 2517.—It is hereby notified for general information that the approval given under section 10(2)(xiii) of the Income-tax Act, 1922 to Bengal Potteries Ltd., Calcutta by notification No. 34 with effect from 23-11-1946 is withdrawn with effect from 25-5-1980 on the recommendation of the prescribed authority, the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi

[No. 3771/F. No. 203/285/80-IIA-II]

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1981

आय-कर

का०आ० 2518.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि अधिसूचना सं० 34, तारीख 23-11-1946 द्वारा भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण, कलकत्ता को आय-कर अधिनियम, 1922 की धारा 10(2) (xiii) के अधीन दिया गया अनुमोदन, विहित प्राधिकारी अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली की सिफारिश पर तारीख 14-1-81 से वापस ले लिया गया है।

[सं० 3865/का०सं० 203/15/81-आई टी ए-II]

New Delhi, the 17th February, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2518.—It is hereby notified for general information that the approval given under Section 10(2)(xiii) of the Income-tax Act, 1922 to Botanical Survey of India, Calcutta by notification No. 34 with effect from 23-11-1946 is withdrawn with effect from 13-1-1981 on the recommendation of the prescribed authority, the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi

[No. 3865/F. No. 203/15/81-ITA II]

नई दिल्ली, 4 मई, 1981

आय-कर

का०आ० 2519.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम 1962 के नियम 6(vi) के साथ पठित, आयकर-अधिनियम, 1961 की

धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "सगम" प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् —

- (1) यह कि प्राकृतिक उत्पादन अनुसंधान सगम, मुम्बई कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (2) यह कि उक्त सगम प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान सबधी क्रिया-कलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रतिवर्ष 30 अप्रैल तक, ऐसे प्रारूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाए और उसे संचित किए जाए।
- (3) यह कि उक्त सगम प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी और लेखा विवरण आय-कर आयुक्त के भेजेगा।

संस्था

प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान सगम, मुम्बई

यह अधिसूचना 14-4-81 में 13-4-83 तक 2 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3946/का०सं० 203/290/80-आई टी ए (II)]

New Delhi, the 4th May, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2519.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi as the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(vi) of Income-tax Rules, 1962 under the category 'Association' in the areas of other natural and applied science, subject to the following conditions :

- (1) That the Natural Products Research Association, Bombay will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines;
- (2) That the said Association will furnish annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (3) That the said Association will submit the annual return and statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax for every year.

INSTITUTION

Natural Products Research Association, Bombay.

The notification is effective for a period of 2 years from 14-4-81 to 13-4-83.

[No 3946/F. No 203/290/80-ITA II]

नई दिल्ली 12 मई, 1981

आय-कर

का०आ० 2520.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठित आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "महाविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् —

- 1 यह कि कर्नाटक प्रादेशिक इंजीनियरी महाविद्यालय सुराथकन कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि में भिन्न प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।

(ii) यह कि उक्त महाविद्यालय प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी का प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिष्ठित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

(iii) यह कि उक्त महाविद्यालय प्रत्येक वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी और लेखाओं का विवरण आयकर आयुक्त को भेजेगा।

संस्था

कर्नाटक प्रादेशिक इंजीनियरी महाविद्यालय, सुराथकल श्रीनिवासनगर

यह अधिसूचना 27-2-1981 से 26-2-1984 तक की 3 वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 3948/फा० सं० 203/22/81-आई टी ए II]

New Delhi, the 12th May, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2520.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science & Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category "College" in areas of other natural and applied science, subject to the following conditions :—

- (i) That the Karnataka Regional Engineering College Surathkal will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines;
- (ii) That the said college will furnish annual return of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said college will submit the annual return and statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax for every year.

INSTITUTION

Karnataka Regional Engineering College, Surathkal, Srinisnagar.

The notification is effective for a period of 3 years from 27-2-1981 to 26-2-1984.

[F. No. 3948/F. No. 203/22/81-ITA, II]

नई दिल्ली, 24 जून, 1981

आयकर

का०आ० 2521. — हम विभाग की अधिसूचना सं० 2708 (फा० सं० 203/18/79-आई०टी०ए० II) तारीख 2-2-1979 के अनुक्रम में, सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी अर्थात्, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आयकर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगम" प्रवर्ग के अधीन, निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है अर्थात् —

- (i) यह कि संगम चिकित्सा अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि संगम अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् को प्रति वर्ष अधिक से अधिक 31 मई तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिष्ठित किया जाए और उन्हें सूचित किया जाए।

(iii) यह कि संगम लेखाओं का वार्षिक संगरीक्षित विवरण परिषद् को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके प्रतिस्वरुत हमकी एक प्रति सम्बद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगा।

(iv) साकेत में सन्निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए प्रबल प्रयत्न किए जाने चाहिए और केन्द्र के क्रियाकलापों का मोदीनगर से साकेत में नए स्थान पर, यथामंभाव शीघ्र, स्थानांतरण कर लिया जाना चाहिए।

(V) अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों का भवन का सन्निर्माण करने के पश्चात् और अधिक वैज्ञानिक कर्मचारियों भर्ती करके तीव्रगति दी जानी चाहिए।

(vi) अवधि का और विस्तारण तब तक अनुज्ञात नहीं किया जाएगा जब तक कि इन दो (iv और v) शर्तों को इन दो वर्षों (2-1-1981 से 1-1-1983 तक) की अवधि के दौरान पूरा नहीं कर दिया जाता है।

संस्था

गुजरमल मोदी अस्पताल और आयुर्विज्ञान अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली

यह अधिसूचना 2-1-1981 से 1-1-1983 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4035/फा० सं० 203/161/80-आई टी ए II]

New Delhi, the 24th June, 1981

INCOME TAX

S.O. 2521.—In continuation of this Department's Notification No. 2708 (F. No. 203/18/79-ITA.II), dated 2-2-1979, it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of medical research subject to the following conditions :—

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
- (ii) That the Association will furnish annual returns of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (iii) That the Association will furnish an annual audited statement of accounts to the Council by 31st May each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.
- (iv) Vigorous efforts should be made to complete the construction work at Saket and shift the activities of the Centre from Modinagar to the new site at Saket as early as possible.
- (v) The research activities should be intensified after constructing the building and recruiting more scientific staff.
- (vi) No further extension will be allowed unless these two (iv & v) conditions are satisfied during this period of two years (2-1-1981 to 1-1-1983)

INSTITUTION

Gujarmal Modi Hospital & Research Centre for Medical Sciences, New Delhi.

This notification is effective for a period of 2 years from (2-1-1981 to 1-1-1983).

[No. 4035 F. No. 203/161/80-ITA II]

नई दिल्ली, 25 जून 1981

आयकर

क्र०आ० 2522.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि निम्नलिखित प्राधिकारी, अर्थात्, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ने नीचे उल्लिखित सन्धि को आयकर नियम 1962 के नियम 6(ii) के साथ पट्टन, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए आयुर्विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगम" प्रकर्म के अधीन, निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है —

- (i) यह कि प्रतिष्ठान आयुर्विज्ञान अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक् लेखा रखेगा।
- (ii) यह कि प्रतिष्ठान अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी प्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी परिषद् की प्रति वर्ष 31 मई तक ऐसे प्रारूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकृत किए जाएं और उसे सक्षम किए जाएं।
- (iii) यह कि प्रतिष्ठान लेखाओं का वार्षिक संपरीक्षित विवरण परिषद् की प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अतिरिक्त इसकी एक प्रति सम्बद्ध आयकर आयुक्त को भेजेगा।

सन्धि

नेशनल हार्ट फाउन्डेशन, मुम्बई।

यह अधिसूचना 18-6-1981 से 17-6-1983 तक की दो वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4046/फा०सं० 203/102/81-आई टी ए० II]

एस० के० पाण्डेय, उप सचिव

New Delhi, the 25th June, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2522.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "scientific research association" in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

- (i) That the Foundation will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
- (ii) That the Foundation will furnish annual return of it, scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (iii) That the Foundation will furnish an annual audited statement of accounts to the Council by 31st May, each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

INSTITUTION

National Heart Foundation, Bombay

This notification is effective for a period of two years from 18-6-1981 to 17-6-1983.

[No. 4046/F. No. 203/102/81-ITA. II]

M. K. PANDFY, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 1981

आयकर

क्र०आ० 2523.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 3 मई, 1980 की

सं० 3286 [फा० सं० 404/22 (क० व० अ०-प० बंगाल)/79-आ०का० सं०क०] तथा दिनांक 1 अगस्त, 1980 की संख्या 3613 (फा० सं० 398/10/80-आ०का० सं०क०) द्वारा यथा संशोधित दिनांक 26 अप्रैल, 1979 की अधिसूचना संख्या 2784 [फा० सं० 404/22 (क० व० अ०-प० बंगाल)/79-आ० सं० क०] का अधिलेखन करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री रंजीत कुमार सरकार को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री रंजीत कुमार सरकार द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4083/फा० सं० 398/22/81-आ० सं० क०]

New Delhi, the 22nd July, 1981

INCOME TAX

S.O. 2523.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2784 [F. No. 404/22 (TRO-WB)/79-ITCC] dated 26-4-79 as modified vide No. 3286 [F. No. 404/22 (TRO-WB)/79-ITCC] dated 3-5-80 and No. 3613 [F. No. 398/10/80-ITCC] dated 1-8-80, the Central Government hereby authorises Shri Ranjit Kumar Sarkar, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Ranjit Kumar Sarkar takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4083/F. No. 398/22/81-ITCC]

आयकर

क्र०आ० 2524.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (ii) का अनुसरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 3 अगस्त, 1979 की अधिसूचना संख्या 2959 [फा० सं० 404/22 (क० व० अ०-प० बंगाल)/79-आ० सं० क०] का अधिलेखन करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अखिल कुमार सरकार को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री अखिल कुमार सरकार द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4085/फा० सं० 398/22/81-आ० सं० क०]

S.O. 2514.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 2959 [F. No. 404/22 (TRO-WB)/79-ITCC] dated 3-8-79 the Central Government hereby authorises Shri Akhil Kumar Sarkar, being a Gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

This Notification shall come into force with effect from the date Shri Akhil Kumar Sarkar takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4085/F. No. 398/22/81-ITCC]

आयकर

क्र०आ० 2525.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री अखिल कुमार दाम को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री अजित कुमार दास द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4087/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2525.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises Shri Ajit Kumar Das, being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Ajit Kumar Das takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4087/F. No. 398/22/81-ITCC]

क्र० आ० 2526.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री मतीश च० दास की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री मतीश च० दास द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4089/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2526.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Satish Ch. Das, being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Satish Ch. Das takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4089/F. No. 398/22/81-ITCC]

क्र० आ० 2527.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री बी० आर० बर्धन की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री बी० आर० बर्धन द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4091/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2527.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. R. Bardhan being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. R. Bardhan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4091/F. No. 398/22/81-ITCC]

क्र० आ० 2528.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री समोरंजन डे की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री समोरंजन डे द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4093/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2528.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Manoranjan De being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Manoranjan De takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4093/F. No. 398/22/81-ITCC]

क्र० आ० 2529.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करने हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री गोपाल च० सेन की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री गोपाल च० सेन द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4095/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2529.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Gopal Ch. Sen being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Gopal Ch. Sen takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4095/F. No. 398/22/81-ITCC]

क्र० आ० 2530.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री फाल्गुनी मुखोपाध्याय की, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री फाल्गुनी मुखोपाध्याय द्वारा कर बसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4097/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2530.—In pursuance of sub-clause (iii) of Clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises Shri Phalguni Mukhopadhyay being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Phalguni Mukhopadhyay takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4097/F. No. 398/22/81-ITCC]

क्र० आ० 2531.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री ज्योति रंजन चक्रवर्ती की, जो केन्द्रीय सरकार के एक राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री ज्योति रंजन चक्रवर्ती द्वारा कर बसूली अधिकारी का पद भार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4099/फा० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2531.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises Shri Jyoti Ranjit Chakraborty, being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Jyoti Ranjan Chakraborty takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4099/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2532 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री सुकुमार मित्रा को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री सुकुमार मित्रा द्वारा कर वसूली अधिकारी का पदभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4101/का० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2532.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Sukumar Mitra being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Sukumar Mitra takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4101/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2533 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री पी० कार को, जो केन्द्रीय सरकार के एक राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री पी० कार द्वारा कर वसूली अधिकारी का पदभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4103/का० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2533.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri P. Kar being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri P. Kar takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4103/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2534 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बी० मुरुमु को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बी० मुरुमु द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4105/का० सं० 328/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2534.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri B. Murmu being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri B. Murmu takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4105/F. No. 328/22/81-ITCC]

का० आ० 2535 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बिमल बी० सेन को, जो भारत सरकार के एक राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बिमल बी० सेन के कर वसूली अधिकारी का पदभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4107/का० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2535.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause 44 of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Bimal B. Sen being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of the Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Bimal B. Sen takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4107/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2536 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बिमलनन्दा भट्टाचार्य को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बिमलनन्दा भट्टाचार्य के कर वसूली अधिकारी का पदभार का ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4109/का० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2536.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause 44 of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Bimalnanda Bhattacharjee, being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Bimalnanda Bhattacharjee takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4109/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2537.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री यू० पी० धवन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री यू० पी० धवन के कर वसूली अधिकारी का पदभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4111/का० सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2537.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause 44 of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri U. P. Dhawan being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri U. P. Dhawan takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4111/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2538.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री तपश कुमार दासगुप्ता को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री तपश कुमार दासगुप्ता के कर वसूली अधिकारी का पदभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4113/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2538.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Tapash Kumar Dasgupta being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Tapash Kumar Dasgupta takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4113/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2539 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री बरेन्द्र कुमार मिश्रा को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री बरेन्द्र कुमार मिश्रा के कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4115/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2539.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Birendra Kumar Mitra being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Birendra Kumar Mitra takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4115/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2540 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री सत्येन्द्र कुमार राय को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री सत्येन्द्र कुमार राय के कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4117/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2540.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Satyendra Kumar Roy being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of the Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Satyendra Kumar Roy takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4117/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2541 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री ए० के० बर्मन को, जो केन्द्रीय सरकार के

राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री ए० के० बर्मन के कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4119/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2541.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri A. K. Barman, being a gazetted Officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri A. K. Barman takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4119/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2542 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री डी० मुखोपाध्याय को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है। यह अधिसूचना, श्री डी० मुखोपाध्याय के कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4121/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2542.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri D. Mukhopadhyay being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri D. Mukhopadhyay takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4121/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2543 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री शरत च० राय को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री शरत च० राय के कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4123/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2543.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Sarat Ch. Roy being a gazetted officer of the Central Government to exercise the powers of the Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. P. Ghosh Roy takes over charge as tax Recovery Officer.

[No. 4123/F. No. 398/22/81-ITCC]

का० आ० 2544 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री हिरेंद्र नाथ साहा को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री हिरेंद्र नाथ साहा द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4125/का सं० 398/22/81-आ० क० सं० क०]

S.O. 2544.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri Hirendra Nath Saha, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Hirendra Nath Saha takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4125/F. No. 398/22/81-ITCC]

का. आ. 2545 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एस. पी. घोष राय को जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना, श्री एस. पी. घोष राय द्वारा वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं. 4127/का. सं. 398/22/81-आ.क.सं.क.]
एच. वेङ्कटरामन निदेशक

S.O. 2545.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby authorises Shri S. P. Ghosh Roy, being a gazetted Officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri S. P. Ghosh Roy takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4127/F. No. 398/22/81-ITCC]
H. VENKATARAMAN, Director

(आर्थिक कार्य विभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 1 सितम्बर, 1981

का. आ. 2546 :—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री जगत राम को हिमाचल ग्रामीण बैंक, मण्डी का अध्यक्ष नियुक्त करती है तथा 20 अगस्त, 1981 से प्रारम्भ होकर 19 अगस्त, 1984 को समाप्त होने वाली अवधि को उस अवधि के रूप में निर्धारित करती है जिसके दौरान श्री जगत राम अध्यक्ष के रूप में कार्य करेंगे।

[संख्या एफ. 8-39/79-आर. आर. बी.]

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 1st September, 1981

S.O. 2546.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby appoints Shri Jagat Ram as the Chairman of the Himachal Gramin Bank, Mandi and specifies the period commencing on the 20th August, 1981 and ending with the 19th August, 1984 as the period for which the said Shri Jagat Ram shall hold office as such Chairman.

[No. F. 8-39/79-RRB]

नई दिल्ली, 7 सितम्बर, 1981

का. आ. 2547 :—कृषि पुनर्वित्त तथा विकास निगम अधिनियम, 1963 (1963 का 10) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री एस. पी. मुखर्जी, सचिव, कृषि तथा सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय को श्री एस. एस. पुरी के स्थान पर कृषि पुनर्वित्त तथा विकास निगम के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[संख्या एफ. 10(77)/81-ए. सी.]
दिनेश चन्द्र, निदेशक

New Delhi, the 7th September, 1981

S.O. 2547.—In exercise of the powers conferred upon it by clause (c) of section 10 of the Agricultural Refinance and Development Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby nominates Shri S. P. Mukerji, Secretary, Department of Agriculture and Co-operation, Ministry of Agriculture, as a Director of the Agricultural Refinance and Development Corporation vice Shri S. S. Puri.

[No. F. 10(77)/81 AC]
DINESH CHANDRA, Director

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1981

का. आ. 2548 :—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध और प्रकीर्ण उपबन्ध) स्कीम, 1970 के खण्ड 3 के उप-खण्ड (ज) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा नीचे की सारणी के कालम (2) में उल्लिखित व्यक्तियों को उनमें से प्रत्येक के सामने उम्मी सारणी के कालम (3) में उल्लिखित व्यक्तियों के स्थान पर सारणी के कालम (1) में दिए गए राष्ट्रीयकृत बैंकों के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है :—

सारणी

| (1) | (2) | (3) |
|--------------------------|---|------------------------|
| 1 यूनाइटेड कमर्शियल बैंक | श्री कमल कान्त मिश्र निदेशक वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) नयी दिल्ली। | श्री बलदेव सिंह |
| 2 सिन्धीकोट बैंक | श्री अरुण सिन्हा संयुक्त सचिव वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग), नयी दिल्ली। | श्री दिनेश चन्द्र |
| 3 इण्डियन बैंक | श्री अरुण सिन्हा, संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) नयी दिल्ली। | श्री विनोद प्रकाश साहू |

[संख्या एफ. 9/5/81-बी. सी.-1 (1)]

New Delhi, the 8th September, 1981

S.O. 2548.—In pursuance of sub-clause (b) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints the persons specified in column (2) of the Table below as Directors of the nationalised banks specified in column (1) thereof in place of the persons specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table:

| TABLE | | |
|----------------------------|--|---------------------|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. United Commercial Bank. | Shri K.K. Misra, Director, Ministry of Finance Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi. | Shri Baldev Singh |
| 2. Syndicate Bank. | Shri Arun Sinha Joint Secretary, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi. | Shri Dinesh Chandra |
| 3. Indian Bank | Shri Arun Sinha, Joint Secretary, Ministry of Finance Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi. | Shri V P. Sawhney |

[No. F. 9/5/81-BO.I(1)]

(1) (2) (3)

10. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, कोदिया
11. प्रथम आयकर अधिकारी, (सहायक), नागपुर
12. —यथोपरि— —यथोपरि—
13. —यथोपरि— —यथोपरि—
14. आयकर अधिकारी, केन्द्रीय परिमंडल I, नागपुर
15. आयकर अधिकारी, केन्द्रीय परिमंडल-II, नागपुर
16. आयकर अधिकारी, केन्द्रीय परिमंडल-III, नागपुर
17. आयकर अधिकारी, केन्द्रीय परिमंडल-IV, नागपुर
18. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, नागपुर
19. आयकर अधिकारी, ए-वार्ड, बरधा
20. आयकर अधिकारी, बी-वार्ड, बरधा
21. आयकर अधिकारी, परिमंडल-I (1), नागपुर
22. आयकर अधिकारी, परिमंडल-I (2), नागपुर
23. आयकर अधिकारी, परिमंडल-I (3), नागपुर
24. आयकर अधिकारी, परिमंडल-I (4), नागपुर
25. आयकर अधिकारी, परिमंडल-I (5), नागपुर
26. आयकर अधिकारी, परिमंडल-I (6), नागपुर
27. प्रथम आयकर अधिकारी, बरधा
28. द्वितीय आयकर अधिकारी, बरधा
29. प्रथम आयकर अधिकारी, कोदिया
30. द्वितीय आयकर अधिकारी, कोदिया

2. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, 'बी' रेंज, नागपुर

1. आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, नागपुर
2. आयकर अधिकारी, नगर परिमंडल, नागपुर
3. —यथोपरि—ई-वार्ड, नागपुर
4. —यथोपरि—एच-वार्ड, नागपुर
5. —यथोपरि—अतिरिक्त, एच-वार्ड नागपुर
6. —यथोपरि—पी-वार्ड, नागपुर
7. —यथोपरि—अतिरिक्त, पी-वार्ड, नागपुर

| (1) | (2) | (3) | (1) | (2) | (3) |
|-----|---|-----|--|-----|--|
| | 7क. आयकर अधिकारी—एन-वाई, नागपुर | | 3. अपीलीय सहायक आयकर आयुक्त, अकोला रेंज, अकोला | | 1. अधिकार अधिकारी, ए-वाई, अकोला |
| | 8. —यथोपरि—के-वाई, नागपुर | | | | 2. आयकर अधिकारी बी-वाई, अकोला |
| | 9. —यथोपरि—एम-वाई, नागपुर | | | | 3. आयकर अधिकारी, सी-वाई, अकोला |
| | 10. —यथोपरि—एन-वाई, नागपुर | | | | 4. आयकर अधिकारी, डी-वाई, अकोला |
| | 11. प्रथम आयकर अधिकारी, वेतन परिमंडल, नागपुर | | | | 5. आयकर अधिकारी, ई-वाई, अकोला |
| | 12. द्वितीय आयकर अधिकारी, वेतन परिमंडल, नागपुर | | | | 6. प्रतिरिक्त आयकर अधिकारी, ए-वाई, अकोला |
| | 13. प्रथम आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण परिमंडल, नागपुर | | | | 7. आयकर अधिकारी, कामगांव |
| | 14. द्वितीय आयकर अधिकारी, सर्वेक्षण परिमंडल, नागपुर | | | | 8. आयकर अधिकारी ए-वाई, अमरावती |
| | 15. आयकर अधिकारी, ए-वाई, चन्द्रपुर | | | | 9. प्रतिरिक्त आयकर अधिकारी, ए-वाई, अमरावती |
| | 16. आयकर अधिकारी, बी-वाई, चन्द्रपुर | | | | 10. आयकर अधिकारी, बी-वाई, अमरावती |
| | 17. आयकर अधिकारी, ए-वाई, यक्षमाल | | | | 11. आयकर अधिकारी, सी-वाई, अमरावती |
| | 18. आयकर अधिकारी, बी-वाई, यक्षमाल | | | | 12. आयकर अधिकारी, डी-वाई, अमरावती |
| | 19. प्रथम आयकर अधिकारी, न्यास परिमंडल, नागपुर | | | | 13. सहायक संपदा शुल्क नियंत्रक, अकोला |
| | 20. आयकर अधिकारी, न्यास एवं संपदा शुल्क परिमंडल, नागपुर | | | | 14. प्रथम आयकर अधिकारी, अकोला |
| | 21. द्वितीय आयकर अधिकारी, न्यास परिमंडल, नागपुर | | | | 15. द्वितीय आयकर अधिकारी, अकोला |
| | 22. सहायक संपदा शुल्क नियंत्रक, नागपुर | | | | 16. तृतीय आयकर अधिकारी, अकोला |
| | 23. आयकर अधिकारी, परिमंडल-II (1) नागपुर | | | | 17. चतुर्थ आयकर अधिकारी, अकोला |
| | 24. आयकर अधिकारी, परिमंडल-II (2) नागपुर | | | | 18. प्रथम आयकर अधिकारी, अमरावती |
| | 25. आयकर अधिकारी, परिमंडल-II (3) नागपुर | | | | 19. द्वितीय आयकर अधिकारी, अमरावती |
| | 26. आयकर अधिकारी, परिमंडल-II (1) नागपुर | | | | 20. तृतीय आयकर अधिकारी, अमरावती |
| | 27. आयकर अधिकारी, परिमंडल-III (2) नागपुर | | | | 21. चतुर्थ आयकर अधिकारी, अमरावती |
| | 28. आयकर अधिकारी, परिमंडल-III (3) नागपुर | | | | |
| | 29. आयकर अधिकारी, परिमंडल-III (4) नागपुर | | | | |
| | 30. प्रथम आयकर अधिकारी, चन्द्रपुर | | | | |
| | 31. द्वितीय आयकर अधिकारी, चन्द्रपुर | | | | |
| | 32. आयकर अधिकारी, न्यास परिमंडल, नागपुर | | | | |
| | 33. प्रथम आयकर अधिकारी, यक्षमाल | | | | |
| | 34. द्वितीय आयकर अधिकारी, यक्षमाल | | | | |

यहां, जो आयकर परिमंडल, वाई या जिला या उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अंतरित कर दिया गया है, मत: उस आयकर परिमंडल, वाई या जिले या उसके किसी भाग में किए गए कर निर्धारणों से उद्भूत अपीलीय और इस अधिसूचना का तारीख से दुरस्त पहले, रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचारधीन पड़ी हों, जिसके अधिकार-क्षेत्र से अधिकार परिमंडल या जिला या उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अंतरित की जाएगी और उसके द्वारा निपटवाई जाएगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त परिमंडल, वाई या जिला या उसका कोई भाग अंतरित किया जाता है।

यह अधिसूचना 25-5-1981 से लागू होगी।

[सं० 3970/फा० सं० 261/11/81-आयकर शायिक]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 21st May, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2550.—In exercise of powers conferred in sub-Section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all the previous Notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby direct that Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Ranges specified in Column (1) of the Schedule below, shall perform their function in respect of all the persons and income assessed to Income-tax in the Income-tax Circles, Wards and Districts specified in the corresponding entry in column (2) thereof excluding all persons and Incomes assessed to Income-tax over which the Jurisdiction vests in Commissioner of Income-tax (Appeals)

SCHEDULE

| Sr. No. | Range | Income-tax Circle, Wards & Districts |
|---------|--|---|
| 1. | Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, 'A', Nagpur. | 1. Income-tax Officer, A—Ward, Nagpur 2. Additional ITO., A—Ward, Nagpur. 3. Income-tax Officer, B—Ward, Nagpur 4. Income-tax Officer, D—Ward, Nagpur. 5. Income-tax Officer, F—ward Nagpur. 6. Income-tax Officer, I—Ward, Nagpur 7. Additional ITO., I—Ward, Nagpur 8. Income-tax Officer, J—Ward, Nagpur. 9. Income-tax Officer, A—Ward, Gondia. 10. Income-tax Officer, B—Ward, Gondia. 11. 1st Income-tax Officer, (Asstt.), Nagpur. 12. 1st Income-tax Officer, (Asstt.) Nagpur 13. 1st Income-tax Officer, (Asstt.), Nagpur 14. Income-tax Officer, Central Cir. I, Nagpur. 15. Income-tax Officer, Central Cir. II, Nagpur. 16. Income-tax Officer, Central Cir. III, Nagpur. 17. Income-tax Officer, Central Cir. IV, Nagpur. 18. Income-tax Officer, G—Ward, Nagpur. 19. Income-tax Officer, A—Ward, Wardha. 20. Income-tax Officer B—Ward, Wardha. 21. Income-tax Officer, Circle—I(1), Nagpur |

| S. No. | Range | Income-tax Circles, Wards & Districts |
|--------|---|--|
| 1. | Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, 'A', Nagpur—Contd | 22. Income-tax Officer, Circle—I(2), Nagpur. 23. Income-tax Officer, Circle—I(3), Nagpur. 24. Income-tax Officer, Circle—I(4), Nagpur. 25. Income-tax Officer, Circle—I(5), Nagpur. 26. Income-tax Officer, Circle—I(6), Nagpur. 27. 1st Income-tax Officer, Wardha. 28. 2nd Income-tax Officer, Wardha. 29. 1st Income-tax Officer, Gondia 30. 2nd Income-tax Officer, Gondia. |
| 2. | Appellate Assistant Commissioner of Income-tax, 'B' Range, Nagpur | 1. Income-tax Officer, C—Ward, Nagpur. 2. Income-tax Officer, City Circle, Nagpur. 3. Income-tax Officer, E—Ward, Nagpur. 4. Income-tax Officer, H—Ward, Nagpur. 5. Income-tax Officer, Addl, H—Ward, Nagpur. 6. Income-tax Officer, P—Ward, Nagpur. Income-tax Officer, Addl, P—Ward, Nagpur 7. Income-tax Officer, L—Ward, Nagpur. 8. Income-tax Officer, K—Ward, Nagpur. 9. Income-tax Officer, M—Ward, Nagpur 10. Income-tax Officer, N—Ward, Nagpur. 11. 1st Income-tax Officer, Salary Circle, Nagpur. 12. 2nd Income-tax Officer, Salary Cir., Nagpur. 13. 1st Income-tax Officer, Survey Cir., Nagpur. 14. 2nd Income-tax Officer, Survey Cir., Nagpur. 15. Income-tax Officer, A—Ward, Chandrapur. 16. Income-tax Officer, B—Ward, Chandrapur 17. Income-tax Officer, A—Ward, Yeotmal. 18. Income-tax Officer B—Ward, Yeotmal. 19. 1st Income-tax Officer, Trust Circle, Nagpur. 20. Income-tax Officer, Trust-cum-ED. Circle, Nagpur. 21. 2nd Income-tax Officer, Trust Circle, Nagpur. 22. Assistant Controller of Estate Duty, Nagpur. |

| S. No. | Range | Income-tax Circles, Wards & Districts |
|--|-------|---|
| 1 | 2 | 3 |
| 3. Appellate Assistant Commissioner of Income-tax 'B' Range, Nagpur—Contd. | | 23. Income-tax Officer, Circle—II(1), Nagpur. |
| | | 24. Income-tax Officer, Circle—II(2), Nagpur. |
| | | 25. Income-tax Officer, Circle—II(3), Nagpur. |
| | | 26. Income-tax Officer, Circle—II(1), Nagpur. |
| | | 27. Income-tax Officer, Circle—III(2), Nagpur. |
| | | 28. Income-tax Officer, Circle—III(3), Nagpur. |
| | | 29. Income-tax Officer, Circle—III(4), Nagpur. |
| | | 30. 1st Income-tax Officer, Chhadrapur. |
| | | 31. 2nd Income-tax Officer, Chandrapur. |
| | | 32. Income-tax Officer, Trust Circle, Nagpur. |
| | | 33. 1st Income-tax Officer, Yavatmal. |
| | | 34. 2nd Income-tax Officer, Yavatmal. |
| | | 1. Income-tax officer, A—Ward, Akola. |
| | | 2. Income-tax Officer, B—Ward, Akola. |
| | | 3. Income-tax Officer, C—Ward, Akola. |
| | | 4. Income-tax Officer, D—Ward, Akola. |
| | | 5. Income-tax Officer, E—Ward, Akola. |
| | | 6. Addl. Income-tax Officer, A—Ward, Akola. |
| | | 7. Income-tax Officer, Khangaon. |
| | | 8. Income-tax Officer, A—Ward, Amravati. |
| | | 9. Addl. Income-tax Officer, A—Ward, Amravati. |
| | | 10. Income-tax Officer, B—Ward, Amravati. |
| | | 11. Income-tax Officer, C—Ward, Amravati. |
| | | 12. Income-tax Officer, D—Ward, Amravati. |
| | | 13. Assistant Controller of Estate Duty, Akola. |
| | | 14. 1st Income-tax Officer, Akola. |
| | | 15. 2nd Income-tax Officer, Akola. |
| | | 16. 3rd Income-tax Officer, Akola. |
| | | 17. 4th Income-tax Officer, Akola. |
| | | 18. 1st Income-tax Officer, Amravati. |
| | | 19. 2nd Income-tax Officer, Amravati. |
| | | 20. 3rd Income-tax Officer, Amravati. |
| | | 21. 4th Income-tax Officer, Amravati. |

Whereas the Income-tax Circles, Wards or Districts or part thereof stands transferred by their Notification from one Range, to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income-tax Circles, Wards or Districts or Part thereof and pending immediately before the date of this Notification before the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax of the Range from whom the Income-tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date of this Notification takes effect be transferred to and dealt with by the Appellate Assistant Commissioner of the Range to whom the said Circle, Ward, or District or part thereof is transferred.

This Notification shall take effect from 25-5-1981

[No. 3970/F. No. 261/11/81 ITJ]

नई दिल्ली, 30 जून, 1981

आय-कर

का० आ 2551—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 122 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस संबंध में पिछली सभी अधिसूचनाओं का अधिर्भव करते हुए, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि नीचे दी गयी अनुसूची के स्तंभ 2 में विनिर्दिष्ट रेंजों के अधीनस्थ सहायक आयकर आयुक्त, आयकर निर्धारित उन सभी व्यक्तियों और आय को छोड़ कर जिन पर अधिकारिता आयकर आयुक्त (अपील) में निहित है, उक्त अनुसूची के स्तंभ 3 की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट आयकर परिमंडलों, वाडों तथा जिलों में आयकर निर्धारित ऐसे सभी व्यक्तियों और आय से सम्बन्धित कार्य करेगा।

अनुसूची

| क्र० सं० | रेज | आयकर परिमंडल, वाडें तथा जिले |
|---------------------------|-----|--|
| 1 | 2 | (3) |
| 1. इलाहाबाद रेज, इलाहाबाद | | (i) इलाहाबाद (जिसमें सम्पदा शुल्क परिमंडल, शामिल है ए-वाड, बी, ई, एफ तथा जी वाडें इलाहाबाद शामिल नहीं हैं) (ii) ए तथा बी वाडें विशेष जाच परिमंडल, इलाहाबाद (iii) ए-वाडें इलाहाबाद परिमंडल तथा एफ-वाडें इलाहाबाद परिमंडल (iv) मिर्जापुर (v) रोहटसगंज (vi) फतेहपुर (vii) केन्द्रीय परिमंडल (i) तथा (ii) इलाहाबाद |
| 2. बाराणसी रेज, बाराणसी | | (i) बाराणसी (ii) ए तथा बी वाडें विशेष जाच परिमंडल, बाराणसी (iii) ए, बी, सी, डी, ई, एफ तथा जी-वाडें बाराणसी परिमंडल, बाराणसी (iv) जौनपुर (v) गाजीपुर (vi) भादोही (vii) केन्द्रीय परिमंडल, बाराणसी |

SCHEDULE

| (1) | (2) | (3) | Sl. No. | Range | Income Tax Circles, Wards and Districts |
|-------------------------|--|-----|---------|-------------------------------|---|
| 3. गोरखपुर रेंज गोरखपुर | (i) गोरखपुर (ii) बस्ती (iii) बेरिया (iv) केन्द्रीय परिमंडल गोरखपुर (v) बलिया (vi) घाजमगढ़ (vii) मऊ नाथ मजन | | 1. | Allahabad Range Allahabad. | (i) Allahabad (incl. I.D. Circles and excluding D, E, F and G Wards,) Allahabad. (ii) A & B Wards, Special Investigation Circle, Allahabad. (iii) A—Ward Allahabad Circle and F—Ward Allahabad Circle. (iv) Mirzapur. (v) Robertsganj. (vi) Fatehpur. (vii) Central Circle I & II, Allahabad. |
| 4. फैजाबाद रेंज फैजाबाद | (i) फैजाबाद (ii) गोडा (iii) बहुराईच (iv) मुल्तानपुर (v) प्रतापगढ़ (vi) जी, ई, एफ तथा जी-वाई, इलाहाबाद (vii) बी, सी, डी, तथा ई-वाई, इलाहाबाद परिमंडल। | | 2. | Varanasi Range Varanasi | (i) Varanasi. (ii) A & B Ward Special Investigation Circle, Varanasi. (iii) A, B, C, D, E, F & G Wards, Varanasi Circle. (iv) Jaunpur. (v) Ghazipur. (vi) Bhadohi. (vii) Central Circle, Varanasi. |
| | | | 3. | Gorakhpur Range, Gorakhpur | (i) Gorakhpur. (ii) Basti. (iii) Deoria. (iv) Central Circle Gorakhpur. (v) Ballia. (vi) Azamgarh. (vii) Maunath Bhajan. |
| | | | 4. | Faizabad Range, Faizabad | (i) Faizabad. (ii) Gonda. (iii) Bahraich. (iv) Sultanpur. (v) Partapgarh. (vi) D, E, F & G Wards, Allahabad. (vii) B, C, D & E Wards, Allahabad Circle. |

2. यतः, जो आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग इस अधिसूचना द्वारा एक रेंज से किसी अन्य रेंज में अंतरित कर दिया गया है, अतः उस आयकर परिमंडल, वार्ड अथवा जिले अथवा उसके किसी भाग में किये गये कर-निर्धारणों में उद्धृत अर्पीलें जो इस अधिसूचना की तारीख से तुरन्त पहले, रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त के समक्ष विचाराधीन पड़ी हों, जिसके अधिकार क्षेत्र से आयकर परिमंडल अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया गया हो, इस अधिसूचना के लागू होने की तारीख से रेंज के उस अपीलीय सहायक आयुक्त को अंतरित की जाएगी और उसके द्वारा निपटारी जाएगी, जिसके अधिकार क्षेत्र में उक्त परिमंडल, वार्ड अथवा जिला अथवा उसका कोई भाग अंतरित किया जाता है।

3. जहां, किसी स्थान विशेष पर स्थित मुख्यालय वाले सभी परिमंडल, वार्ड अथवा जिले एक ही अपीलीय सहायक आयुक्त को सौंप दिये गये हों, वहां इन मुख्यालयों पर उसके अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत वे परिमंडल, वार्ड तथा जिले भी आएंगे जो समाप्त हो चुके हैं।

4. यह अधिसूचना 1-6-1981 से लागू होगी।

[सं० 4068/फा० सं० 261/15/81-आका म्या]

अजय सिंह, धवर सजिव, केन्द्रीय
प्रत्यक्ष कर बोर्ड,

New Delhi, the 30th June, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2551—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 122 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous Notifications in this regard the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Appellate Asstt. Commissioners of Income tax of the ranges specified in column 2 of the Schedule below shall perform their functions in respect of all persons and incomes assessed to Income tax in the Income tax Circles, Wards or Districts specified in the corresponding entry in column 3 thereof excluding all persons and incomes assessed to Income tax over which the jurisdiction vests in Commissioner of Income tax (Appeals).

2. Where an Income-tax Circle, Ward and District or part thereof stands transferred by this Notification from one Range to another Range, appeals arising out of assessments made in that Income tax Circle, Ward or District or part thereof and pending immediately before the date of this notification before the Appellate Asstt. Commissioner of Income tax from whom that Income tax Circle, Ward or District or part thereof is transferred shall from the date this Notification shall take effect be transferred to and dealt with by the Appellate Asstt. Commissioner of Income tax of the range to whom the said Circles, Ward or District or part thereof is transferred.

3. Where all Circles, Wards or Districts having headquarters at a particular place have been assigned to an Appellate Asstt. Commissioner he will have jurisdiction in respect of Circles, wards and Districts at these headquarters since abolished also.

4. This Notification shall take effect from 1-6-1981.

[No. 4068/F.No.261/15/81-ITJ]
AJAI SINGH, Under Secy.
Central Board of Direct Taxes

नई दिल्ली, 11 अगस्त, 1981

आयकर

का० आ० 2552 —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, समय-समय पर यथा सशोधित अपनी अधिसूचना सं० 679 [(फाई सं० 187/2/74-आई टी (ए आई))] तारीख 20-7-74 से संलग्न अनुसूची का निम्नलिखित रूप में संशोधन करती है, अर्थात्—

स्तंभ (1) (2) और (3) के अर्धन क्रम सं० 21 और 21-ब के सामने की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएंगी अर्थात्—

अनुसूची

| आयकर आयुक्त 1 | मुख्यालय 2 | अधिकारिता 3 |
|------------------------|---------------|---|
| 21. तमिलनाडु-1 मद्रास | | (1) कम्पनी सर्किल-1, मद्रास (2) नगर सर्किल 1, मद्रास (3) विदेश अनुभाग, मद्रास |
| 21-ब तमिलनाडु-3 मद्रास | | (1) नगर सर्किल-2, मद्रास (2) नगर सर्किल-7, मद्रास (3) विशेष प्रन्वेषण, सर्किल-1, मद्रास (4) विशेष प्रन्वेषण सर्किल-2, मद्रास (5) हुण्डी सर्किल-1, मद्रास (6) कम्पनी सर्किल-3, मद्रास (7) विशेष सर्वेक्षण सर्किल, मद्रास (8) पाण्डिचेरी सर्किल (9) विल्लुपुरम सर्किल (10) कुड्डलोर सर्किल (11) नागपट्टिनम सर्किल (12) कुम्भकोणम सर्किल (13) तंजौर सर्किल |

यह अधिसूचना 17-8-1981 से प्रभावी होगी।

[सं० 4152 फा० सं० 187/11/81-आई टी (ए आई)]

मिलाप जैन, अवर सचिव, केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 11th August, 1981

(INCOME-TAX)

S.O. 2552.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Board of Direct Taxes, hereby makes the following amendments to the Schedule appended to its Notification No. 679 [(F.No.187/2/74-IT(AI)] dated 20-7-74 as amended from time to time.

Existing entries under columns (1), (2) and (3) against Sl. Nos. 21 & 21-B shall be substituted by the following entries:—

SCHEDULE

| Commissioner of Income-Tax 1. | Head-quarters 2. | Jurisdiction 3. |
|----------------------------------|---------------------|--|
| 21. Tamil Nadu-I | Madras | (1) Companies Circle-I, Madras. (2) City Circle-I, Madras. (3) Foreign Section, Madras. |
| 21-B. Tamil Nadu-III | Madras | (1) City Circle-II, Madras. (2) City Circle-VII, Madras. (3) Special Investigation Circle-I, Madras. (4) Special Investigation Circle-II, Madras. |

- (5) Hundi Circle-I, Madras.
- (6) Companies Circle-III, Madras.
- (7) Special Survey Circle, Madras.
- (8) Pondicherry Circle.
- (9) Villupuram Circle.
- (10) Cuddalore Circle.
- (11) Nagapattinam Circle.
- (12) Kumbakonam Circle.
- (13) Thanjavur Circle.

This notification shall take effect from 17-8-1981.

[No. 4152/F.No.187/11/81-JT(AI)]
MILAP JAIN, Under Secy.
Central Board of Direct Taxes

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1981

आयकर

का० आ० 2553 —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 121 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस निम्न पूर्वतन अधिसूचनाओं को अधिस्तान करने हुए निवेदन देता है कि उसने उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट आयकर आयुक्त जिनके मुख्यालय उसके स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, मुख्यालय ऐसे क्षेत्रों या ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों अथवा मामलों के ऐसे वर्गों की बाबत अपने कृत्यों का पालन करेंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट आयकर सर्किलों, बाडों या जिलों में समाविष्ट हैं:

परन्तु आयकर आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों की बाबत भी अपने कृत्यों का पालन करेंगे जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अधीनस्थ किसी आयकर प्राधिकारी द्वारा उसे सौंपे गए हैं या सौंपे जाएं;

परन्तु यह और एक आयुक्त ऐसे व्यक्तियों या ऐसे मामलों की बाबत अपने कृत्यों का पालन नहीं करेगा जो उसकी अधिकारिता के बाहर, किसी आयकर प्राधिकारी द्वारा उसे सौंपे गए हैं या सौंपे जाएं।

अनुसूची

| आयकर आयुक्त (1) | मुख्यालय (2) | अधिकारिता (3) |
|--------------------|-----------------|--|
| जालंधर | जालंधर | 1. जिला-1, जालंधर 2. जिला-2, जालंधर 3. निर्धारण रेंज, जालंधर, जिसके अंतर्गत विशेष सर्किल, जालंधर भी है। 4. सम्पदा शुल्क-एक-आयकर सर्किल जालंधर 5. अपर सम्पदा शुल्क-द्वि-आयकर सर्किल, जालंधर जिसका मुख्यालय फरीशकोट में है 6. फगवाडा 7. कपूरथला 8. मोगा 9. होशियारपुर 10. फिरोजपुर 11. भटिण्डा 12. अंबोहर 13. मंसा 14. फरीशकोट 15. मुक्तसर |

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1981 को प्रभावी होगी।

[सं० 4132/फा० सं० 189/4/81-आई टी (ए आई)]
बी० बी० श्री निवासन, सचिव,
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 24th July, 1981

(INCOME-TAX)

S.O. 2553.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 121 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in supersession of all previous Notifications in this regard, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the Commissioner of Income-tax specified in column (1) of the Schedule hereto annexed with headquarters specified in column (2) thereof shall perform his functions in respect of such areas or of such persons or of such cases or classes of cases as are comprised in the Income-tax Circles, Wards or Districts referred to in column (3) of the said schedule.

Provided that the Commissioner of Income-tax shall also perform his functions in respect of such persons or of such cases as have been or may be assigned by the Central Board of Direct Taxes to any Income-tax authority subordinate to him.

Provided further that the Commissioner shall not perform his functions in respect of such persons or such cases as have been or may be assigned to any Income-tax authority outside his jurisdiction.

SCHEDULE

| Income Tax Commissioner | Headquarter | Jurisdiction |
|-------------------------|-------------|---|
| Jullundur. | Jullundur. | 1. Distt. I, Jullundur. 2. Distt. II, Jullundur. 3. Assessment Range, Jullundur including Special Circles, Jullundur. 4. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Jullundur. 5. Addl. Estate Duty-cum-Income-tax Circle, Jullundur with headquarters at Faridkot. 6. Phagwara. 7. Kapurthala. 8. Moga. 9. Hoshiarpur. 10. Ferozepur. 11. Bhatinda. 12. Abohar. 13. Mansa. 14. Faridkot. 15. Mukatsar. |

This notification shall take effect from 1st August, 1981.

[No. 4132/E.No.189/4/81-IT(AT)]

V.B. SRINIVASAN, Secy.

Central Board of Direct Taxes

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

अधिसूचना सं० 5/के० उ० शु०/1981

कलकत्ता, 13 अगस्त, 1981

का० आ० 2554.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियमावली, 1944 के नियम, 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, श्री बी० एन० रंगवानी समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, कलकत्ता, इसके द्वारा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलकत्ता के अधिकारियों को प्राधिकृत करता हूँ कि वे कलकत्ता समाहर्तालय के अपने अधिकार क्षेत्र में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 19 (2), 27 (4) 49, 147 और 196 के सम्बन्धित शुल्क छूट देने के

समाहर्ता की शक्ति का उपयोग निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित सीमा के अनुसार करें—

| अधिकारी का पदनाम | प्रति मामले में निहित शुल्क की मात्रा |
|------------------|---------------------------------------|
| (1) | (2) |
| प्रधीक्षक | 1000.00 रु० से अधिक नहीं |
| महाप्रक समाहर्ता | 1000.00 रुपये से 2500.00 रुपये तक |
| उप समाहर्ता | 2500.00 रुपये से 5000.00 रुपये तक |

[सी सं IV (8) 1-के उ०शु०/81-एल]

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

CENTRAL EXCISE

Notification No. 5/CE/1981

Calcutta, the 13th August, 1981

S.O. 2554.—In exercise of the powers conferred upon me by Rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I, Shri B. N. Rangwani, Collector of Central Excise, Calcutta hereby authorise, the officers of Central Excise, Calcutta to exercise powers of the Collector involving the remission of duty under Rules 19(2), 27(4), 49, 147 and 196 of the Central Excise Rules, 1944 within their respective jurisdiction in the Collectorate of Central Excise, Calcutta as per limitation shown in the table below:—

| Designation of Officers | Amount of duty involved in each case |
|-------------------------|---|
| 1 | 2 |
| Superintendent | Not exceeding Rs. 1000.00 |
| Assistant Collector | Exceeding Rs. 1000.00 but not exceeding Rs. 2500.00 |
| Deputy Collector | Exceeding Rs. 2500.00 but not exceeding Rs. 5000.00 |

[C.No. IV(8)1-CE/81-L]

शुद्धि-पत्र

कलकत्ता, 21 अगस्त, 1981

विषय :—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क—समाहर्ता की शक्ति का प्रत्यायोजन-सम्बन्धित अनुदेश

का० आ० 2555.—समाहर्तालय की अधिसूचना सं० 1/के० उ० शु०/81 दिनांक 27-2-81 के संलग्नक के पृष्ठ 4 की तरफ ध्यान आकषित किया जाता है।

2. केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 65(3) और (4) के बाव निम्न तालिका युक्त की जाए।

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रत्यायोजित शक्ति का प्रत्यायोजित अधिकारी नियम स्वरूप

| 1 | 2 | 3 |
|--------|-------------------|-----------|
| 71 (3) | लेखों की स्वीकृति | प्रधीक्षक |

भाग "बण्डलों की संख्या को निर्धारित करना" देखें नियम 65 (4) के समक्ष वही कायम 31 मानेवाला शब्द "प्रधीक्षक" को काट दें।

[सी० सं० IV (8) 1-के० उ० शु०/81/एल]

बी० एन० रंगवानी, समाहर्ता

CORRIGENDUM

Calcutta, the 21st August, 1981

Sub:—Central Excise—Delegation of Collector's power—Instructions regarding:

S.O. 2555.—Attention is invited to Page 4 of the enclosures of Collector's Notification No. 1/CE/81 dated 27-2-81.

2. The following table shall be added after Central Excise Rules 65(3) and (4).

| Central Excise Rules | Nature of power Delegated | Officer to whom delegated. |
|----------------------|---------------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 |
| 71(3) | Approval of labels | Superintendent. |

Further, the word "Superintendent" occurring in Column 3 there of against "Fixing number of banderols" vide Rule 65(4) shall be deleted.

[C. No. IV(8)1-CE/81/L]

B. N. RANGWANI, Collector.

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1980

आय-कर

क्रा० आ० 2556.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (2) ग के खंड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'डायोसीस ऑफ कर्नूल' की निर्धारण वर्ष 1973-74 से 1981-82 तक के लिए उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 3681/क्रा० सं० 197/163/79-आ० क (ए1)]

बी० एम० सिंह, अवर सचिव

(Department of Revenue)

New Delhi, the 1st October, 1980

(INCOME TAX)

S.O. 2556.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Diocese of Kurnool" for the purpose of the said section for the assessment year(s) 1973-74 to 1981-82.

[No. 3681 F. No. 197/163/79-IT(AI)]

B. M. SINGH, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1980

आय-कर

परिशिष्ट

क्रा० आ० 2557.—राजस्व विभाग अपनी अधिसूचना सं० 2671 (क्रा० सं० 203/59/77-आई टी ए-II) तारीख 19 जनवरी 1979 का निम्नलिखित रूप में संशोधन करता है:—

"कार्यक्रम की प्रवृद्धि: आयुर्विज्ञान शिक्षा में अनुसंधान जैसा आपक अनुसंधान कार्यक्रम अल्प समय में पूरा नहीं किया जा सकता। अतः यह कहना बहुत कठिन है कि इस अनुसंधान कार्यक्रम की निश्चित प्रवृद्धि क्या होगी। यह कार्य निरन्तर चलने वाला कार्य है। तथापि यह धारा की जाती है कि आयुर्विज्ञान शिक्षा में यह व्यापक अनुसंधान कार्यक्रम दस वर्षों से कम समय में निर्धारण के लिए तैयार हो जाएगा।"

के स्थान पर:—

"कार्यक्रम की प्रवृद्धि: 1-4-1975 से 31-3-1983 तक" यहाँ।

[सं० 3746/क्रा० सं० 203/191/80 आई टी ए-II]

New Delhi, the 17th November, 1980

INCOME TAX

AGENDA

S.O. 2557.—The Department of Revenue hereby amends its notification No. 2671 (F. No. 203/59/77—ITA-II), dated the 19th January, 1979 as under:—

For

Read

Duration of Programme. A major research programme like research in medical education cannot be completed within a short duration of time. Therefore, it is very difficult to say what will be the exact duration of this research programme. It will be of a continuous nature. However, it is expected that the major research programme in medical education will be ready for assessment in less than ten years.

Duration of Programme. From 1-4-1975 to 31-3-1985.

[No. 3746/F.No. 203/191/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1981

आय-कर

क्रा० आ० 2538.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह सूचित किया जाता है कि संस्थान के नाम 15 दिसम्बर, 1979 से "भारत प्रतिष्ठान" से "भारत विकास प्रतिष्ठान" परिवर्तित कर देने के परिणामस्वरूप राजस्व विभाग अपनी अधिसूचना सं० 2755 (क्रा० सं० 203/141/78 आई टी ए-II), तारीख 27 मार्च, 1979 का यह आंशिक संशोधन करता है कि 15 दिसम्बर, 1979 से संस्थान का नाम "भारत विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली" है।

[सं० 3837/क्रा० सं० 203/16/81-आई टी ए-II]

New Delhi, the 7th February, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2558.—It is hereby notified for the general information that consequent upon the change in the name of the Institution from 'India Foundation' to 'India Foundation for Development', with effect from 15th December 1979, the Department of Revenue partially amends its notification No. 2755 (F. No. 203/141/78-ITA. II) dated 27th March, 1979 to read the name of the institution as 'India Foundation, for Development, New Delhi' with effect from 15th December, 1979.

[No. 3837 F. No. 203/16/81-ITA-II]

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1981

आय-कर

क्रा० आ० 2559.—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विज्ञान प्रविर्धन, अर्थात् मछलियाँ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1952 के नियम 6 (iv) के साथ एडिन, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खंड (II) के प्रयोजनों के लिए अन्य प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संराम" प्रवृद्धि के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्:—

(i) यह कि रूनिचमेंट डिजिटल कम्प्यूटेशनल सिस्टम इस्टीमेट नई दिल्ली प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त (कृषि/पशुपालन/सांख्यिकी और आँवधि में भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्य राशियों का एक पृथक संस्था रखेगा।

(ii) उक्त संस्थान प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की एक वार्षिक विवरणी

निम्न प्राधिकारी का प्रतिवर्ष 10 अप्रैल तक ऐसे प्रस्तावों से प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकांशित किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।

- (iii) उक्त सम्मान प्रति वर्ष आय-कर आयुक्त को वार्षिक विवरणी और लेखाओं का विवरण भेजेगा।

संस्था

यूनिवर्सल डिजिटल कम्युनिकेशन रिसर्च इंस्टीट्यूट, हाउस खास, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 8-3-81 से 7-3-84 तक तीन वर्षों के अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं. 3915/फा० सं० 203/270/80-आई टी ए-11]

New Delhi, the 28th March, 1981

INCOME TAX

S.O. 2559.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with Rule 6(iv) of the Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the areas of other natural or applied sciences, subject to the following conditions :—

- (i) That the Universal Digital Communication Research Institute, New Delhi will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines;
- (ii) That the said Institute will furnish Annual Return of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April, each year.
- (iii) That the said Institute will submit the annual return and Statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax for every year.

INSTITUTION

Universal Digital Communication Research Institute, Hauz-Khas, New Delhi.

This notification is effective for a period of 3 years from 8-3-1981 to 7-3-1984.

[No. 3915/F. No. 203/270/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 12 मई, 1981

आय-कर

क्रा० आ० 2560.—संबन्धधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि निम्न प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(ii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिए चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में "वैज्ञानिक अनुसंधान संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्—

- (i) यह कि संगम चिकित्सा अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक् में रखेगा।
- (ii) उक्त संगम प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी किताब-कलापों का एक वार्षिक विवरणी परिषद को प्रति वर्ष 11 मई तक ऐसे प्रारूप में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकांशित किया जाए और उसे सूचित

- (iii) उक्त संगम लेखाओं के वार्षिक संपरीक्षित विवरण की एक प्रति परिषद को प्रति वर्ष 31 मई तक भेजेगा और इसके अनिवार्य इसकी एक प्रति सम्बद्ध आय-कर आयुक्त को भेजेगा।

संस्था

सीताराम भारतीय वैज्ञानिक अनुसंधान, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 28-3-1981 से 27-3-1984 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं. 3947/फा० सं० 203/81/81-आई टी ए-11]

New Delhi, the 12th May, 1981

INCOME TAX

S.O. 2560.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by Indian Council of Medical Research, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of Section 35 of the Income-tax Act, 1961 read with Rule 6(ii) of the Income-tax Rules, 1962 under the category of "Scientific Research Association" in the field of Medical Research subject to the following conditions :—

- (i) That the Association will maintain a separate account of the sums received by it for medical research.
- (ii) That the Association will furnish annual return of its scientific research activities to the Council by 31st May each year at the latest in such form as may be laid down and intimated to them for this purpose.
- (iii) That the Association will furnish a copy of the annual audited statement of accounts to the Council by 31st May each year and in addition send a copy of it to the concerned Income-tax Commissioner.

INSTITUTION

Sita Ram Bhatia Institute of Scientific Research, New Delhi.

The notification is effective for a period of three years from 28-3-1981 to 27-3-1984.

[No. 3947/F. No. 203/81/81-ITA-II]

सूचित

नई दिल्ली, 1 जून, 1981

क्रा० आ० 2561.—अधिसूचना सं० 299 (फा० सं० 203/23/71-आई० टी० ए० II) तारीख 28-10-1971 में, "राघवेंद्र औद्योगिक अनुसंधान प्रतिष्ठान, दिल्ली" शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित रूप में एक उप-पैरा जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

"यह अधिसूचना 31-3-1984 तक विधिवान्वय रहेगी।"

[सं. 3993/फा० सं० 203/87/81-आई टी ए II]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 1st June, 1981

S.O. 2561.—In Notification No. 299 (F. No. 203/23/71-ITA II) dated 28-10-1971, after the Words, "Raghvendra Industrial Research Foundation, Delhi", a sub-para may be added as follows :—

"This notification is valid upto 31-3-1984."

[No. 3993/F. No. 203/87/81-ITA II]

आय-कर

क्रा० आ० 2562.—इस विभाग की अधिसूचना सं० 2111 (फा० सं० 203/44/78-आई टी ए II) तारीख 29-7-78 के अनुक्रम में सर्व-साधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि निम्न

प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और औद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6 (iii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए अथवा प्राकृतिक और अनुप्रयुक्त विज्ञान के क्षेत्र में "संगम" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्—

- (i) यह कि रिसर्च इंस्टीट्यूट फार ग्राफिक आर्ट्स, नई दिल्ली प्राकृतिक या अनुप्रयुक्त (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का पृथक लेखा रखेगा।
- (ii) उक्त संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी विहित अधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकतम किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) उक्त संस्थान प्रत्येक वर्ष के लिए वार्षिक विवरणी और लेखाओं का वार्षिक विवरण आय-कर आयुक्त को भेजेगा।

संस्था

रिसर्च इंस्टीट्यूट फार ग्राफिक आर्ट्स,
नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 12-3-1981 से 11-3-1984 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी होगी।

[सं० 3994/फा० सं० 203/18/80-आई टी ए II]

INCOME-TAX

S.O. 2562.—In continuation of this Department's Notification No. 2441 dated 29-7-78 (F. No. 203/44/78-ITA-II) it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the IT Act, 1961, read with Rule 6 (iii) of Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the areas of other natural and applied sciences, subject to the following conditions :

- (i) That the Research Institute for Graphic Arts, New Delhi, will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculture|animal husbandry|fisheries and medicines ;
- (ii) That the said Institute will furnish annual return of its scientific research activities to the Prescribed Authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Institute will submit the annual return and Statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax for every year.

INSTITUTION

Research Institute for Graphic Arts, New Delhi

This Notification is effective for a period of 3 years from 12-3-1981 to 11-3-1984

[No. 3994/F. No. 203/18/80-ITA-II]

नई दिल्ली, 3 जून, 1981

आय-कर

का० आ० 2563—सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् सचिव, विज्ञान और औद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1962 के नियम 6 (iii) के साथ पठित, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (ii) के प्रयोजनों के लिए

अथवा प्राकृतिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान के क्षेत्र में "विश्वविद्यालय" प्रवर्ग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात्—

- (i) यह कि पेरार्निगर अन्ना यूनिवर्सिटी आफ टेक्नालोजी, गुइन्दी, मद्रास-25 प्राकृतिक या अनुप्रयोगिक (कृषि/पशुपालन/मात्स्यकी और औषधि से भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए प्राप्त राशियों का डिग्न पृथक रूप से रखेगा।
- (ii) उक्त विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष के लिए अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रियाकलापों की वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूपों में प्रस्तुत करेगा जो इस प्रयोजन के लिए अधिकतम किए जाएं और उसे सूचित किए जाएं।
- (iii) उक्त विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष के लिए वार्षिक विवरण और लेखा विवरण आय-कर आयुक्त, मद्रास को भेजेगा।

संस्था

पेरार्निगर अन्ना यूनिवर्सिटी आफ टेक्नालोजी, गुइन्दी, मद्रास-25
यह अधिसूचना 14-4-1981 से 13-4-1984 तक तीन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4004/फा० सं० 203/69/81-आई टी ए-II]

New Delhi, the 3rd June, 1981

INCOME TAX

S.O. 2563.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961, read with rule 6 (iii) of Income-tax rules, 1962 under the category "University" in the areas of other natural and applied science, subject to the following conditions :—

- (i) That the Perarignar Anna University of Technology, Guindy, Madras-25, will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of natural and applied science other than agriculture|animal husbandry|fisheries and medicines ;
- (ii) That the said University will furnish annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April, each year.
- (iii) That the said University will submit the annual return and statement of Accounts to the Commissioner of Income-tax, Madras for every year.

INSTITUTION

Perarignar Anna University of Technology, Guindy Madras-25.

This notification is effective for a period of three years from 14-4-1981 to 13-4-1984.

[No. 4004/F. No. 203/69/81-ITA-II]

नई दिल्ली, 9 जून, 1981

आय-कर

का० आ० 2564—इस विभाग की अधिसूचना सं० 2709 फा० सं० 203/23/79-आई टी ए-II) तारीख 2-2-79 के अनुक्रम में सर्वसाधारण की जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात् भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (i) के खंड (iii) के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है।

1. यह कि बी० शांताराम चलचित्र वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक प्रतिष्ठान, मुम्बई द्वारा इस छूट के अधीन संगृहीत निधियों का उपयोग एकमात्र समाज विज्ञान के अनुसंधान की उन्नति के लिए ही किया जाएगा।

2. यह कि उक्त प्रतिष्ठान इस छूट के अधीन संग्रह की गई निधियों का एक पृथक लेखा रखेगा।

3. यह कि उक्त प्रतिष्ठान छूट के अधीन संग्रह की गई निधियों का और वह रीति जिसमें उनका उपयोग किया गया है दर्शाते करते हुए एक वार्षिक रिपोर्ट भारतीय समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली को भेजेगा।

संस्था

बी० शांताराम चलचित्र वैज्ञानिक अनुसंधान और सांस्कृतिक प्रतिष्ठान, मुम्बई, यह अधिसूचना 1-4-1981 से 31-3-1984 तक तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी है।

[सं० 4018/का० सं० 203/31/81-आई टी०ए०-II]

New Delhi, the 9th June, 1981

INCOME TAX

S.O. 2564.—In continuation of this office Notification No. 2709 (F. No 203/25/79-ITA, II) dated 2-2-79 it is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Indian Council of Social Sciences Research, the prescribed authority for the purposes of clause (iii) of sub-section (1) of section 35 of the Income-tax Act, 1961 on the following conditions :—

1. That the funds collected by the V. Santaram Motion Picture Scientific Research and Cultural Foundation, Bombay, under this exemption will be utilised exclusively for promotion of research in social sciences.
2. That the Foundation shall maintain separate accounts of funds collected by them under the exemption.
3. That the Foundation shall send Annual Reports to the I.C.S.S.R., New Delhi showing the funds collected under the exemption and the manner in which the funds were utilized.

INSTITUTION

V. Santaram Motion Picture Scientific Research and Cultural Foundation, Bombay.

This notification is effective for a period of three years from 1-4-1981 to 31-3-1984.

[No 4018/F. No 203/31/81-ITA-II]

नई दिल्ली 11 जून, 1981

आय-कर

का० आ० 2565—केंद्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80-छ की उपधारा 2 (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "श्री अमरेश्वर स्वामी मंदिर, अमरावती, तालुक, मंगलगिरि जिला गुंटूर" को, आंध्र प्रदेश राज्य में सार्वजनिक पूजा की स्थान अधिसूचित करती है।

[सं० 4018/का० सं० 176/35/81-आ० सं० (ए० I)]

New Delhi, the 11th June, 1981

INCOME TAX

S.O. 2565.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80-C of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Amareswara Swamy Temple, Amaravati, Mangalagiri Taluk, Guntur District" to be a place of public worship of religion throughout the State of Andhra Pradesh

[No. 4022/F. No. 176/35 81-IT(AI)]

नई दिल्ली, 15 जून, 1981

आय-कर

का० आ० 2566—सर्वसाधारण का जानकारी के लिये अधिसूचित किया जाता है कि विहित प्राधिकारी, अर्थात्, मन्त्रि, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली ने निम्नलिखित संस्था को आय-कर नियम, 1962 के नियम 6(iv) के साथ पठन, आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 35 की उपधारा (1) के खण्ड (ii) के प्रयोजनों के लिये ग्राम्य प्राकृतिक और आनुवंशिक विज्ञान के क्षेत्र में 'संगम' प्रयोग के अधीन निम्नलिखित शर्तों पर अनुमोदित किया है, अर्थात् :—

- (i) यह कि मशीन और वैज्ञानिक अनुसंधान उत्पाद सामग्री, नई दिल्ली प्राकृतिक और आनुवंशिक (कृषि/पशुपालन/मात्स्यिकी और औषधि में भिन्न) विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये प्राप्त राशियों का हिसाब पृथक से रखेगा।
- (ii) उक्त संसाधनी प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिये अपने वैज्ञानिक अनुसंधान संबंधी क्रिया-कलापों की एक वार्षिक विवरणी विहित प्राधिकारी को प्रति वर्ष 30 अप्रैल तक ऐसे प्ररूप में प्रस्तुत करेगी जो इस प्रयोजन के लिये अधिकाधिक किये जाये और उसे सूचित किये जाये।
- (iii) उक्त संसाधनी प्रत्येक वर्ष के लिये वार्षिक विवरणी और लेखा विवरण आय-कर अधिनियम को भेजेगी।

संस्था

मशीन और वैज्ञानिक अनुसंधान उत्पाद संसाधनी, नई दिल्ली।

यह अधिसूचना 1-4-1981 से 31-3-1984 तक तीन वर्ष की अवधि के लिये प्रभावी होगी।

[सं० 4026/का० सं० 203/206/80-आई टी०ए०-II]

एम० के० पण्डेय, उप-मन्त्रि

New Delhi, the 15th June, 1981

INCOME TAX

S.O. 2566.—It is hereby notified for general information that the institution mentioned below has been approved by the Secretary, Department of Science and Technology, New Delhi, the prescribed authority for the purposes of clause (ii) of sub-section (1) of section 35 of the I.T. Act 1961, read with Rule 6(IV) of Income-tax Rules, 1962 under the category "Association" in the areas of other natural and applied science, subject to the following conditions :—

- (i) That the Machinery and Scientific Research Product Society, New Delhi, will maintain a separate account of sums received by it for scientific research in the field of natural and applied sciences other than agriculture/animal husbandry/fisheries and medicines;
- (ii) That the said Society will furnish annual return of its scientific research activities to the prescribed authority for every financial year in such forms as may be laid down and intimated to them for this purpose by 30th April each year.
- (iii) That the said Society will submit the annual return and statement of accounts to the Commissioner of Income-tax for every year.

INSTITUTION

Machinery and Scientific Research Product Society, New Delhi.

This notification is effective for a period of 3 years from 1-4-1981 to 31-3-1984

[No 4026/F. No 203/206/80-ITA, II]

M K PANDEY, Dy. Secy

नई दिल्ली, 14 मई, 1981

आय-कर

क्रा०आ० 2567.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'नगर योजना' व्यवसाय को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 3954/फा०सं० 196/26/79-आ०क०(ए-1)]

New Delhi, the 14th May, 1981

INCOME TAX

S.O. 2567.—In exercise of the powers conferred by sub-section (23A) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies the profession of 'Town Planning' for the purposes of the said section.

[No. 3954/F. No. 196/26/79-IT(AI)]

नई दिल्ली, 24 जुलाई, 1981

आय-कर

क्रा०आ० 2568.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "गीता भवन ट्रस्ट सोसाइटी (रजिस्ट्रीकृत)" का निर्धारण वर्ष 1974-75 से 1977-78 और 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4129/फा०सं० 197/74/80-आ०क०(ए-1)]

New Delhi, the 24th July, 1981

INCOME TAX

S.O. 2568.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Gita Bhawan Trust Society (Regd.)" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1974-75 to 1977-78 and 1981-82.

[No. 4129/F. No. 197/74/80-IT(AI)]

क्रा०आ० 2569.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 'बेत देवस्थान समिति' को निर्धारण वर्ष 1964-65 से 1981-82 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4130/फा०सं० 197/135/80-आ०क०(ए-1)]

बी० बी० श्रीनिवासन, उप-सचिव

S.O. 2569.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Bet Devasthan Samiti of Bet-Dwarka" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1964-65 to 1981-82.

[No. 4130/F. No. 197/135/80-IT(AI)]

V. B. SRINIVASAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली 4 अगस्त, 1981

आय-कर

क्रा०आ० 2570.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80B की उपधारा 2(ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "दि मादाई श्री यदुकुण्ड शिव श्रेष्ठ, कन्नूरी" को केरल राज्य में सर्वोच्च विद्वानों की पुरस्कार का श्रेष्ठ अधिसूचित करती है।

[सं० 4142/फा०सं० 178/48/81-आ०क०(ए-1)]

New Delhi, the 4th August, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2570.—In exercise of the powers conferred by sub-section (23b) of section 80-G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "The Madayi Shree Vadukunda Shiva Kshethiam, Cannanore" to be a place of public worship of renown throughout the state of Kerala.

[No. 4148/F. No. 176/48/81-IT(AI)]

क्रा०आ० 2571.—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (V) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, "स्वर्ग आश्रम ट्रस्ट" को निर्धारण वर्ष 1981-82 से 1983-84 के अन्तर्गत आने वाली अवधि के लिये उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 4151/फा०सं० 197/96/79-आ०क०(ए-1)]

मिलाप जैन, सचिव

S.O. 2571.—In exercise of the powers conferred by clause (v) of sub-section (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Swarga Ashram Trust" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1981-82 to 1983-84.

[No. 4151/F. No. 197/96/79-IT(AI)]

MILAP JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1981

आय-कर

क्रा०आ० 2572.—आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खंड (44) के उपखंड (iii) का अनुमरण करते हुए तथा भारत सरकार के राजस्व विभाग की दिनांक 17 दिसम्बर, 1980 की अधिसूचना संख्या 3765 (फा०सं० 398/13/80-आ०क०सं०क०) का अधिलेखन करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री लाभ सिंह को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर वसूली अधिकारों की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2. यह अधिसूचना श्री लाभ सिंह द्वारा कर वसूली अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[संख्या 4189/फा०सं० 398/9/81-आ०क०सं०क०]

एच० वेंकटरामन, निदेशक

New Delhi, the 21st August, 1981

INCOME TAX

S.O. 2572.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of the Government of India in the Department of Revenue No. 3765 (F. No. 398/13/80-ITCC) dated 17th December, 1980, the Central Government hereby authorises Shri Labh Singh, being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri Labh Singh takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4189/F. No. 398/9/81-ITCC]

H VENKATARAMAN, Director

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1981

आय-कर

कांआ० 2573.—प्रत्यक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 41) की धारा 2 के खंड (1) के उप-खण्ड (iii) का अनुसरण करने हुए और केन्द्रीय सरकार ने राजस्व विभाग का दिनांक 9-2-1978 की अधिसूचना सं० 2170 (फ०सं० 104/140/77-आ०क०सं०क०) का अधिलेखन करने हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री जी० सी० जैन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्रित अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर बगुनी अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिये प्राधिकृत करती है।

2 यह अधिसूचना श्री जी० सी० जैन द्वारा कर बगुनी अधिकारी के पद का कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगी।

[सं० 4195/फ०सं० 398/16/81-आ०क०सं०क०]

आर० सी० हाण्डा, उप-सचिव

New Delhi, the 29th August, 1981

INCOME TAX

S.O. 2573.—In pursuance of sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), and in supersession of Notification of Government of India in the Department of Revenue No. 2170 (F. No. 404/140/77-ITCC) dated 9th February, 1978, the Central Government hereby authorises Shri G. C. Jain being a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of a Tax Recovery Officer under the said Act.

2. This Notification shall come into force with effect from the date Shri G. C. Jain takes over charge as Tax Recovery Officer.

[No. 4195/F. No. 398/16/81-ITCC]

R. C. HANDA, Dy. Secy.

प्रवेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर 1981

स्टाम्प

कांआ० 2574.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त शुल्क को माफ करती है, जो कर्नाटक राज्य वित्तीय निगम द्वारा प्रोमिसरी नोट के रूप में जारी किये जाने वाले दो करोड़ और 20 लाख रुपये मूल्य के बन्धपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं० 18/81-स्टाम्प फ०सं०/33/29/81-बि०क०]

दीनेन्द्र कुमार, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 17th September, 1981

STAMPS

S.O. 2574.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of two crores and twenty lakhs of rupees, to be issued by the Karnataka State Financial Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 18/81-Stamp F. No. 33/29/81-ST]

S. KUMAR, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 18 सितम्बर 1981

स्टाम्प

कांआ० 2575.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त शुल्क को माफ करती है जो जम्मू और कश्मीर प्रौद्योगिक निगम द्वारा प्रोमिसरी नोटों के रूप में जारी किये गये एक करोड़ और दस लाख रुपये मूल्य के बन्धपत्रों पर, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभावी है।

[सं० 19/81-स्टाम्प/फ०सं० 33/31/81-बि०क०]

भगवान दास, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 18th September, 1981

STAMPS

S.O. 2575.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of one crore and ten lakhs of rupees, floated by the Jammu and Kashmir State Financial Corporation are chargeable under the said Act.

[No. 19/81-Stamp/F. No. 33/31/81-ST]

BHAGWAN DAS, Under Secy.

आर्थिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1981

कांआ० 2576.—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबन्ध) योजना, 1970 की धारा 3 की उपधारा (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, श्री बलदेव सिंह के स्थान पर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली के संयुक्त सचिव श्री वी० पी० साहनी को एतद्वारा बैंक आफ बड़ौदा के निदेशक के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या एफ-9/5/81-बी०सो०-I]

ब०ब०मी०चन्दानी, उप-सचिव

Department of Economic Affairs

(Banking Division)

New Delhi, the 16th September, 1981

S.O. 2576.—In pursuance of sub-clause (h) of clause 3 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, the Central Government hereby appoints Shri V. P. Sawhney, Joint Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Banking Division), New Delhi as a Director of the Bank of Baroda vice Shri Baldev Singh.

[No. F. 9/5/81-BO. I]

C. W. MURCHANDANI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1981

कां० आ० 2577.—बैंककारी विनियम अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय रिजर्व बैंक की सिकारिश पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10ख की उपधारा (1) और (2) के उपबन्ध, घेनकनाल बैंक लिमिटेड, त्रिपुर पर, 21 अगस्त, 1981 तक प्रयुक्त इस बैंक के अपने पूर्णकार्यिक अध्यक्ष की नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, तक तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15(6)/81-बी० सो०-III],

New Delhi, the 21st September, 1981

S.O. 2577.—In exercise of the powers conferred by section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of section 10B of the said Act, shall not apply to the Dhanalakshmi Bank Ltd., Trichur upto the 21st August, 1981 or till the appointment of the next whole-time Chairman of that bank, whichever is earlier.

[No. 15(6)/81-B.O. III]

का० भा० 2578.—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एनबीआर द्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10B को उपधारा (1) और (2) के उपबंध बनाम स्टेट बैंक लिमिटेड, वाराणसी पर 30 नवम्बर, 1981 तक अथवा उसके अगले पूर्णकालिक अधीक्षक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, तक लागू नहीं होंगे।

[संख्या 15(22)/81-सी० प्रो०-III]

एन०.डी० बट्रा, अवर सचिव

S.O. 2578.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of Reserve Bank of India, declares that the provisions of sub-section (1) and (2) of Section 10B of the said Act, shall not apply to the Benaras State Bank Limited, Varanasi, till the 30th November 1981 or till the appointment of the next whole-time Chairman and Chief Executive Officer, whichever is earlier.

[No. 15(22)/81-B.O.III]

N. D. BATRA, Under Secy.

केन्द्रीय प्रत्यक्ष-कर बोर्ड

नई दिल्ली, 1 जून, 1981

आय-कर

का० भा० 2579.—आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 121-क की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा इसके पूर्व जारी की गई दिनांक 25 अगस्त 1980 की अधिसूचना सं० 3636 में आंशिक संशोधन करने हुए केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड एतद्वारा निदेश देता है कि दिनांक 25 अगस्त 1980 की अधिसूचना सं० 3636 के साथ संलग्न अनुसूची के स्तंभ-2 के अन्तर्गत संगत प्रविष्टियों में निम्नलिखित परिवर्तन किये जाते हैं :—

“आय कर आयुक्त (अपील)—VIII, नई दिल्ली और ‘आय कर आयुक्त (अपील)—IX नई दिल्ली, के सामने स्तम्भ 2 के अन्तर्गत तत्संबंधी प्रविष्टियों में प्रयुक्त अभिव्यक्ति ‘और केन्द्रीय सचिव i से iv में’ को हटा दिया गया है।”

यह अधिसूचना 15 जून 1981 में लागू होगी।

[सं० 3995/का० सं० 261/7/81-आ० क० न्या०]

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

New Delhi, the 1st June, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2579.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 121-A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in partial modification of the notification No. 3636 dated 25-8-1980 issued earlier, the Central Board of Direct Taxes hereby directs that the following changes are made in relevant Entries under Column 2 of the Schedule appended with notification No. 3636 dated 25-8-1980 :

“The expression and Central Circles I to IV, Meerut need in relevant entries under Column 2 against

‘Commissioner of Income-tax (Appeals)-VIII, New Delhi’ and ‘Commissioner of Income-tax (Appeals)-IX, New Delhi is deleted”.

2. The Notification will take effect from 15-6-1981.

[No. 3995/F. No. 261/7 81-ITJ]

नई दिल्ली, 30 जून, 1981

आयकर

का० भा० 2580.—बोर्ड की दिनांक 29-4-1981 की अधिसूचना संख्या 2942 की अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन किये जायेंगे :—

1. ‘अथवा जिने में सभी वार्ड/परिमंडल में शब्द अपीलीय सहायक आयुक्त, औरंगाबाद रेंज, औरंगाबाद के सामने मद (VII) के कालम 2 के अन्तर्गत जोड़ा जायेगा।

2. अपीलीय सहायक आयुक्त, औरंगाबाद रेंज, औरंगाबाद के सामने मद (VI) के कालम 2 से ‘लातूर स्थित मुख्यालय के अन्तर्गत सभी वार्ड/परिमंडलों को छोड़ कर’ शब्द निकाल दिये जायेंगे।

3. अपीलीय सहायक आयुक्त, कोल्हापुर रेंज, कोल्हापुर के सामने कालम 2 के अन्तर्गत मद संख्या 34 तथा 35 निकाल दिये जायेंगे।

यह अधिसूचना 1-7-1981 से लागू होगी।

[सं० 4069/का० सं० 261/5/81-आ० क० न्या०]

अजय सिंह, अवर सचिव

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

New Delhi, the 30th June, 1981

INCOME-TAX

S.O. 2580.—In the Board's Notification No. 3942 dated 29-4-1981 the following amendments shall be made in the Schedule :

1. The words “all Wards/Circles in Jalna District” shall be added under Column 2 as Item (vii) against the Appellate Assistant Commissioner, Aurangabad Range, Aurangabad.

2. The words “except all wards/circles with Headquarters at Latur” under column 2 in item (vi) against ‘Appellate Assistant Commissioner, Aurangabad Range, Aurangabad’ shall be deleted.

3. Item Nos. 34 and 35 under Column 2 against Appellate Assistant Commissioner, Kolhapur Range, Kolhapur shall be deleted.

This Notification shall take effect from 1-7-1981.

[No. 4069/F. No. 261/5/81-ITJ]

AJAY SINGH, Under Secy.

Central Board of Direct Taxes.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 1981

अधिसूचना सं० 218/81-सीमा-शुल्क

का. भा. 2501 :—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उड़ीसा राज्य में बालासोर जिले में भाद्रक के पास गांव रांडिया को भाण्डा-गार स्टेशन के रूप में घोषित करता है।

[फा. सं. 473/109/81-सी. शु.-7]

एन. के. कपूर, अवर सचिव

CENTRAL BOARD OF EXCISE AND CUSTOMS

New Delhi, the 3rd October, 1981

Notification No. 218/81-Customs

S.O. 2581.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declared village Randia near Bhadrak in Balasore District in the State of Orissa to be warehousing station.

[F. No. 473/109/81-CUS-VII]

N. K. KAPUR, Under Secy.

व्यापार मंत्रालय

मुख्य निर्यात आयात-निर्यात का कार्यालय

आदेश

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1981

का० आ० 2582—निर्यातक, सण्डरण, हेस्टन रेलवे कलकत्ता को लाइसेंस अधि अधिन 78—मार्च-79 के दौरान 6 नम टिमकान फ्रंट बोगी एक्स बॉक्स का आयात करने के लिए 43,178 रुपये के लिए आयात लाइसेंस सं० जी०/आर०/3200978/आर० एम० जी०/75/एच०/78, दिनांक 24-1-1978 प्रदान किया गया था।

2. लाइसेंसधारी ने अब उपर्युक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्यात प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर अनुरोध किया है कि मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रयोजन निर्यात प्रयोजन प्रति सीमा शुल्क प्राधिकारियों के पास पंजीकृत कराए बिना और प्रेषण के प्रयोजनार्थ उसका बिल्कुल उपयोग किए बिना खो गई है। लाइसेंसधारी इस बात से सहमत है कि लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रयोजन प्रति यदि बाब में मिल जाएगी तो इस कार्यालय को रिकार्ड के लिए लौटा दी जाएगी।

3. अपने तर्क के समर्थन में लाइसेंसधारी ने 1981-82 की आयात-निर्यात क्रियाविधि हिंड बुक के अध्याय 15 की कड़िका 352 में यथा प्रपेक्षित एक गपच पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संयुक्त है आयात लाइसेंस सं० जी०/आर०/3200978, दिनांक 24-1-1978 की मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रयोजन प्रति खो गई है और निवेदन देता है कि आयात लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्यात प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति लाइसेंसधारी को जारी की जाए। लाइसेंस का मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रयोजन प्रति रद्द कर दी गई है।

4. आयात लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्यात प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति अलग से जारी की जा रही है।

[संख्या-233-सी/रिलवे/78-79/जीएसएस]

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 20th August, 1981

S.O. 2582.—The Controller of Stores, Eastern Railway, Calcutta was granted an Import Licence No. G|R|3200978|R|MG|70|H|78, dated 24-1-1979 for importing Rs. 43,178 for 6 Nos. Timkan Front Bogie Axle Box Roller bearing etc. during April-78—March-79 licensing period.

2. The licensee has now requested for the issue of duplicate of Exchange Control Purposes copy of the above licence on the ground that the Original Exchange Control Purposes copy has been lost without having been registered with the Customs Authorities and not utilized at all for remittance purposes. The licensee agrees to return the Original Exchange Control Purposes copy of the licence, if traced later, to this office for record.

3. In support of his contention, the licensee has filed an affidavit as required in Para. 352 of Chapter XV of Hand Book of Import Export Procedure, 1981-82. The undersigned is satisfied that the Original Exchange Control Purposes copy of Import Licence No. G|R|3200978, dated 24-1-1979 has been lost and directs that duplicate copy of the Exchange Control Purposes Copy of the Import Licence may be issued to the licensee. The Original Exchange Control Purposes Copy of the licence has been cancelled.

727 GI/81—4

4. The duplicate copy of the Exchange Control Purposes copy of the Import Licence is being issued separately.

[No. 233-C|R|y|78-79|GLS]

आदेश

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1981

का० आ० 2583.—सर्वश्री कोल इण्डिया लिमिटेड-402-403, अन्सल भवन, चौथी मंजिल, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली को अप्रैल-77—मार्च-78 अधि के लिए गैर अनुमेय फाल्ट पुर्जों के आयात के लिए 62,34,013 रुपये के लिए आयात लाइसेंस सं० आई०/ए/1078993 टी/यू० आर०/एच०/65/77, दिनांक 26-12-1977 जारी किया गया था।

2. पार्टी ने अब उक्त लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्यात प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रति कलकत्ता पोर्ट पर पंजीकृत कराए बिना और बिल्कुल भी उपयोग में जाए बिना ही खो गई है। पार्टी इस बात के लिए सहमत है और वायदा करती है कि यदि उक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम प्रति बाब में खोजने पर मिल गई तो उसे इस कार्यालय के रिकार्ड के लिए वापस कर दिया जाएगा।

3. अपने तर्क के समर्थन में पार्टी ने आयात-निर्यात क्रियाविधि हिंड बुक 1981-82 के अध्याय 15 की कड़िका 352 में यथा प्रपेक्षित एक गपच पत्र दाखिल किया है। अधोहस्ताक्षरी संयुक्त है कि आयात लाइसेंस सं० आई०/ए/1078993, दिनांक 26-12-77 की मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रति खो गई है और निवेदन देता है कि पार्टी को लाइसेंस की मुद्रा विनियम प्रति की अनुलिपि प्रति जारी की जानी चाहिए। लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम निर्यात प्रति रद्द की जाती है।

4. आयात लाइसेंस की मुद्रा विनियम निर्यात प्रति की अनुलिपि प्रति पार्टी को अलग से जारी की जा रही है।

[मि० सं० सी 2/77-78/पी० एल० एस(ए)]

शंकर चन्द, उपमुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात कृते मुख्य निर्यातक, आयात-निर्यात

ORDER

New Delhi, the 9th September, 1981

S.O. 2583.—M/s. Coal India Limited, 402-403, Ansal Bhawan, 4th Floor, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi have been granted import licence No. I|A|1078993|T|UR|H|65|77, dated 26-12-77 for Rs. 62,34,013 for Import of Non-Permissible Spare parts for April-77—March-78 period.

2. The firm have now requested for the issue of duplicate copy of Exchange Purposes Copy of the above licence on the ground that the original Exchange Control Copy has been misplaced without having been registered with Calcutta port and not utilised at all. The firm agrees and undertakes to return the original Exchange Copy of the above licence if traced later to this office for record.

3. In support of their contention the firm have filed an affidavit as required in Para 352 of Chapter XV of Hand Book of Import Export Procedures 1981-82. The undersigned is satisfied that the original Exchange Purpose Copy of Import Licence No. I|A|1078993, dated 26-12-77 has been lost and directs that duplicate copy of the Exchange Purposes Copy of the licence should be issued to the applicant. The original Exchange Purposes Copy of the licence has been cancelled.

4. The duplicate copy of Exchange Purposes Copy of the import licence is being issued separately.

[F. No. C.2/77-78/PLS(A)]
SHANKAR CHAND, Dy. Chief Controller
of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports.

नागरिक पूति मंत्रालय

भारतीय मानक संस्था

नई दिल्ली, 1981-09-10

क्र० भा० 2584.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के नियम 3 के उपविनियम 2 तथा विनियम 3 के उपविनियम (2) और (3) के अनुसार, भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के बारे में नीचे अनुसूची में दिए गए हैं वे 1979-06-30 को निर्धारित किए गए हैं :

अनुसूची

| क्र० सं० | निर्धारित भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक | नए भारतीय मानक द्वारा अधिसूचित किए गए भारतीय मानक की पदसंख्या और शीर्षक | अन्य विवरण |
|-------------|--|--|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | IS : 416—1978 क्रिकेट और हॉकी बॉल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) | IS : 416—1963 क्रिकेट और हॉकी बॉल की विशिष्टि (पुनरीक्षित) | 1979-04-30 को निर्धारित किया गया, भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 416—1978, 1979-12-01 से लागू होगा। |
| 2. | IS : 418—1978 सामान्य उपयोग के बिजली लैम्प के टंगस्टन फिलामेंट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण) | IS : 418—1963 सामान्य उपयोग के बिजली के लैम्पों के टंगस्टन फिलामेंट की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) | 1979-03-31 को निर्धारित, भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 418—1978 1979-11-01 से लागू होगा। |
| 3. | IS : 799—1978 तरल अमोनिया की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 799—1955 तरल अमोनिया तकनीकी की विशिष्टि | — |
| 4. | IS : 828—1971 क्रिकेट बल्लों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) | IS : 828—1965 क्रिकेट बल्लों की विशिष्टि (पुनरीक्षित) | — *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 828—1979, 1979-12-01 से लागू होगा। |
| 5. | IS : 1448 (पी-87)—1979 पेट्रोलियम और इससे सम्बन्धित उत्पादों की परीक्षण पद्धतियाँ (पी-87) तरल पेट्रोलियम उत्पादों की मोटर गाड़ी वाहन ताल | — | 1979 के 05.31 को निर्धारित |
| 6. | IS : 1511—1979 हस्तचालित कुट्टी काटने की मशीन के ब्लेडों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) | IS : 1511—1968 हल्की इयूटी कुट्टी काटने की मशीन के ब्लेडों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | — |
| 7. | IS : 1865 (भाग अनु 1)—1978 विद्युत् तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली भाग 48 ध्वनि भराई करना अनुभाग 1 टेप करना ध्वनि भराई | IS : 1885 (भाग 3/अनुभाग 3)—विद्युत् तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली भाग 3 ध्वनि की अनुभाग 3 रिकार्ड करना और पुनः बजाना | 1979-05-31 को निर्धारित |
| 8. | *IS : 1901—1978 दृश्य सूचक लैम्पों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 1901—1961 दृश्य सूचक लैम्पों की विशिष्टि | 1979-02-28 को निर्धारित *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 1901—1978, 1979-09-01 से लागू होगी। |
| 9. | IS : 2049—1978 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवा इस्पात की पहचान के लिए रंग संज्ञिता | IS : 1901—1961 सामान्य इंजीनियरी कार्यों के लिए पिटवा इस्पात की पहचान करने के लिए रंग संज्ञिता | — |
| 10. | IS : 2140—1978 बाड़ लगाने में प्रयुक्त लड़दार जस्तीकृत इस्पात के तारों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 2140—1962 बाड़ लगाने में प्रयुक्त लड़दार जस्तीकृत इस्पात के तार की विशिष्टि | 1979-01-31 को निर्धारित |
| 11. | IS : 2578—1978 स्क्वाश रैकेट फ्रेमों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 2578—1963 स्क्वाश रैकेट फ्रेमों की विशिष्टि | — |
| 12. | IS : 2604—1979 विद्युत् लेपन के लिए सीसा अनोड की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 2604—1964 विद्युत् लेपन के लिए सीसा अनोड की विशिष्टि | — |
| 13. | IS : 3181—1978 कोयला खानों में भूमिगत उपयोग के लिए अग्नि प्रतिरोधी कन्वेयर पट्टों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 3181—1966 कोयला खानों में भूमिगत उपयोग के लिए अग्नि प्रतिरोधी कन्वेयर पट्टों की विशिष्टि (प्रयोगात्मक) | — |
| 14. | IS : 3805—1979 ठलवाँ ढक्कन वाले लकड़ी के बक्सों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 3805—1966 पेंट-टॉप लकड़ी के बक्सों की विशिष्टि | — |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|---|--|---|
| 15. IS : 3840—1979 अस्तर लगाने के चमड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 3840—1966 अस्तर लगाने के चमड़े की विशिष्टि | — | |
| 16. IS : 3939—1979 हस्तचालित मक्का कूटने की मशीन की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 3939—1967 हस्तचालित मक्का कूटने की मशीन की विशिष्टि | -- | |
| 17. *IS : 4246—1978 द्रवित पेट्रोलियम गैस वाले स्टोव की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण) | IS : 4246—1972 द्रवित पेट्रोलियम गैस वाले घरेलू गैस स्टोव की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | 1979-02-28 को निर्धारित *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न कार्यों के लिए IS : 4246—78 1979-11-01 से लागू होगा। | |
| 18. *IS : 4431—1978 कार्बन और कार्बन-मैंगनीज इस्पात की साइज कटाई की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 4431—1967 कार्बन और कार्बन-मैंगनीज इस्पात की सहज कटाई की विशिष्टि | *भा० मा० संस्थान प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 4431—1978—1979-10-31 से लागू होगा। | |
| 19. *IS : 4450—1978 ब्रांडियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 4450—1967 ब्रांडियों की विशिष्टि | 1979-05-31 को निर्धारित *भा० मा० संस्थान प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए : IS : 4450—1978 1979-09-30 से लागू होगा | |
| 20. IS : 4839 (भाग 2)—1979 नहरों के रख-रखाव की रीति संहिता भाग 2 अस्तर लगी नहरें (पहला पुनरीक्षण) | IS : 4839 (भाग 2)—1971 नहरों के रख-रखाव की रीति संहिता भाग 2 अस्तर लगी नहरें | — | |
| 21. IS : 4912—1978 फर्श तथा दीवारों के खुले स्थान, रेलिंग और टी-बोर्डों की बचाव अपेक्षाएं (पहला पुनरीक्षण) | IS : 4912—1968 फर्श तथा दीवारों में खुले स्थान, रेलिंग और टी-बोर्डों की बचाव अपेक्षाएं | 1979-05-31 को निर्धारित | |
| 22. IS : 5000 (ओडी-20)—1978 एक दिशाचालक संसाधनों की मापें संसाधन रूपरेखा ओडी-20 | — | — | |
| 23. IS : 5000 (ओ० डी-21)—1978 एक दिशा-चालक संसाधन की मापें संसाधन रूप रेखा ओ० डी० 22 | — | — | |
| 24. IS : 5000 (ओ० डी० 22)—1978 एक दिशा-चालक, संसाधन की रूप रेखा, ओ० डी० 22 | — | — | |
| 25. IS : 5000 (ओ डी-26)—1978 एक दिशा चालक संसाधन की मापें रूप रेखा ओ० डी० 26 | — | — | |
| 26. IS : 5000 (ओ० डी-27)—1978 एक दिशा-चालक संसाधन के मापें, रूप रेखा ओ० डी० 27 | — | — | |
| 27. IS : 5113—1979 ए० सी० मूरिंग, विचों की सामान्य अपेक्षाएं और परीक्षण (जलयान पर उपयोग के लिए) (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5113—1969 ए० सी० मूरिंग विचों की सामान्य अपेक्षाएं और परीक्षण (जलयानों पर उपयोग के लिए) | — | |
| 28. IS : 5224—1978 एक नाली वाले तेल पेड़ने की मशीनों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5224—1969 तेल पेड़ने की मशीनों की विशिष्टि | 1979-01-31 को निर्धारित | |
| 29. *IS : 5287—1978 देसी शराब (पकी) की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5287—1969 देसी शराब की विशिष्टि | 1979-04-30 को निर्धारित *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 5287—1978, 1979-09-30 से लागू होगा। | |
| 30. *IS : 5439—1978 मोटर गाड़ियों के तेल दाब स्विचों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5439—1969 मोटर गाड़ियों के तेल दाब स्विचों की विशिष्टि | 1979-01-31 को निर्धारित *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 5439—1978, 1979-10-01 से लागू होगा। | |
| 31. *IS : 5484—1978 लगातार ढलाई और वेल्लन द्वारा निर्मित ई० सी० ग्रेड एलुमिनियम की छड़ों की विशिष्टि | IS : 5484—1969 लगातार ढलाई और वेल्लन द्वारा निर्मित ई० सी० ग्रेड एलुमिनियम की छड़ों की विशिष्टि | 1979-02-23 को निर्धारित *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 5484—1978, 1979-08-01 से लागू होगी। | |
| 32. *IS : 5518—1979 ड्रॉप फॉर्जिंग के लिए ड्राई बनाने के इस्पात की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5518—1969 ड्रॉप फॉर्जिंग के लिए ड्राई बनाने के इस्पात की विशिष्टि | 1979-05-31 को निर्धारित *भा० मा० संस्था प्रमाणन चिह्न योजना कार्यों के लिए IS : 5518—1979, 1979-10-31 से लागू होगा। | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|---|---|-------------------------|
| 33. | IS : 5866—1979 बहुत ऊंचाई पर उपयोग वाले दस्तानों के लिए क्रोम चमड़े की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5866—1970 बहुत ऊंचाई पर उपयोग दस्तानों के लिए क्रोम चमड़े की विशिष्टि | — |
| 34. | IS : 5904—1978 लोह फाउंट्रियों में प्रयुक्त इस्पात लड़ियों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) | IS : 5904—1970 फाउंट्रियों में प्रयुक्त लड़ियों की विशिष्टि | 1979-05-31 को निर्धारित |
| 35. | IS : 6134 (भाग-1)—1978 सूक्ष्म तरंग ट्यूब की विद्युत् लक्षणों की मापन पद्धतियां, भाग 1 सभी सूक्ष्मतरंग ट्यूबों के लिए समान (पहला पुनरीक्षण) | (1) IS : 6134 (भाग 1/अनु० 1)—1971 सूक्ष्म तरंग ट्यूबों की मापन पद्धतियां भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं, अनुभाग 2 मापन की सामान्य शर्तें और सावधानियां और (2) IS : 6134 (भाग 1/अनुभाग 2)—1972 सूक्ष्म तरंग ट्यूबों की मापन पद्धतियां भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं, अनुभाग 2 सभी संसाधनों के लिए समान | — |
| 36. | IS : 7906 (भाग 6)—1978 कुण्डलीदार संपीठन स्प्रिंग भाग 6 आयताकार सेक्शन इस्पात छड़ों से तैयार किए स्प्रिंगों की डिजाइन और गणना | — | — |
| 37. | IS : 8956—1978 नाइट्रोफेन, तकनीकी की विशिष्टि | — | — |
| 38. | IS : 9016—1979 जो लिनर्स नमूने की दाईं मुड़ी महीन. नुकीली सुई की विशिष्टि | — | — |
| 39. | IS : 9017—1979 जो लिनर्स नमूने की बाईं मुड़ी महीन, नुकीली सुई की विशिष्टि | — | — |
| 40. | IS : 9026—1978 रस्से वाले चूड़ीदार लम्बे छेद करने के आघाती ड्रिल उपकरण की विशिष्टि | — | — |
| 41. | IS : 9029—1978 धात्विक तापक प्रतिरोधकों वाली बैच भट्टियों की परीक्षण पद्धतियां | — | — |
| 42. | IS : 9032—1978 डायजो प्रभावकारी कागज की विशिष्टि | — | — |
| 43. | IS : 9033—1978 प्रतियां निकालने वाले ट्रेसिंग कागज की विशिष्टि | — | — |
| 44. | IS : 9036—1978 शीट रूप में पारदर्शी प्लास्टिक के लिए तरल पालिश की विशिष्टि | — | — |
| 45. | IS : 9041—1979 पायरोस्टील एलिवेटर की विशिष्टि | — | — |
| 46. | IS : 9044—1979 अबरक ब्लकों, पतियों, फिल्मों और चिप्पियों की मोटाई मापन पद्धतियां | — | — |
| 47. | IS : 9045—1979 फ्लोरोपाइड अबरक चिप्पियों को उष्मीय वर्गीकरण | — | — |
| 48. | IS : 9050—1979 विद्युत् आर्क भट्टियों में प्रयुक्त चूड़ीदार साकेट और जुड़वां पिन वाले बेलनाकार मशीनीकृत ग्रेफाइट इलेक्ट्रोडों की सांकेतिक मानें | — | — |
| 49. | IS : 9052—1978 अजलीय एलुमिनियम क्लोराइड की बचाव संहिता | — | — |
| 50. | IS : 9054—1979 अंतर-वाहक स्लेटों की विशिष्टि | — | — |
| 51. | IS : 9055—1979 एक बार प्रयोगी कार्बन कागज की विशिष्टि | — | — |
| 52. | IS : 9056—1979 टाइपराइटरों के रेजमी रिबन की विशिष्टि | — | — |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|-----|-----|-----|
| 53. IS : 9058-1979 जोलनस नमूने के ऊपरी दिशा में कटाई की छुरी की विशिष्टि | | --- | --- |
| 54. IS : 9059-1979 जोलनस नमूने के निचली दिशा में कटाई की छुरी की विशिष्टि | | --- | --- |
| 55. IS : 9061-1979 विलडर्स नमूने के श्वु-डाइलेटर्स की विशिष्टि | | --- | --- |
| 56. IS : 9066-1979 स्नेहक सूती ग्लैड पैकिंग की विशिष्टि | | --- | --- |
| 57. IS : 9067-1979 लाइफबोट विंचों की सामान्य अपेक्षाएं तथा परीक्षण | | --- | --- |
| 58. IS : 9071 (भाग 1)-1979 मूंगफली में एफ्लाटासीन नियंत्रण की रीति संहिता भाग 1 कटाई, परिवहन और मूंगफली की भंडारण | | --- | --- |
| 59. IS : 9071 (भाग 2)-1979 मूंगफली में एफ्लाटासीन नियंत्रण की रीति संहिता भाग 2 आटा और तेल का संयंत्र भंडारण और प्रक्रमण | | --- | --- |
| 60. IS : 9078-1979 रिंगलमन और धुआ मापने के छोटे चार्ट के उपयोग करने की संहिता | | --- | --- |
| 61. IS : 9080 (भाग 1)-1979 विद्युत्-ताप संस्थापनों की बचाव अपेक्षाएं, भाग 1 सामान्य अपेक्षाएं | | --- | --- |
| 62. IS : 9080 (भाग 2/अनुभाग 1)-1979 विद्युत्-ताप संस्थापनों की बचाव अपेक्षाएं भाग 2 प्रतिरोधी ताप उपस्करों की विशेष अपेक्षाएं अनुभाग 1 प्रत्यक्ष प्रतिरोधी ताप संस्थापनों में सुरक्षा | | --- | --- |
| 63. IS : 9086-1979 वायुयानों के लिए युनिवर्सल मल्थेदार एलुमिनियम मिश्रधातु के रिबेट की विशिष्टि | | --- | --- |
| 64. IS : 9089-1979 वायुयानों के लिए एलुमिनियम की रिबेट और पिटवा एलुमिनियम मिश्र धातु के रिबेट की विशिष्टि | | --- | --- |
| 65. IS : 9092-1979 पर्वतारोहण के लिए तम्बूओं की छूटियों की विशिष्टि | | --- | --- |
| 66. IS : 9098-1979 शुद्ध टोन ध्वनि मीटरों की विशिष्टि | | --- | --- |

इन भारतीय मानकों की प्रतियां, भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली-110002 और उसके ग्रहमदाबाद, बंगलौर भोपाल, भुवनेश्वर, बम्बई, कलकत्ता, चंडीगढ़, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, पटना और बिबेन्द्र स्थित शाखा कार्यालयों से बिक्री के लिए उपलब्ध हैं।

[सं० सी० एम० डी०/13:2]

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
INDIAN STANDARDS INSTITUTION
 New Delhi, the 1981-09-10

S.O.2584.—In pursuance of sub-rule (2) of Rule 3 and Sub-regulations (2) and (3) of regulation 3 of Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules and Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the Indian Standard(s), particulars of which are given in the Schedule hereto annexed, have been established on 1979-06-30:

SCHEDULE

| Sl. No. and Title of the Indian Standards No. Established | No. & Title of the Indian Standard or standards, if any, superseded by the new Indian Standard | Remarks, if any |
|---|--|--|
| (1) | (2) | (3) |
| 1. *IS: 416-1978 Specification for cricket and hockey balls (second revision) | IS: 416-1963 Specification for cricket and hockey balls (revised) | Established on 1979-04-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme, IS: 416-1978 shall come into force with effect from 1979-12-01 |
| 2. *IS: 418-1978 Specification for tungsten filament general service electric lamps (third revision) | IS: 418-1963 Specification for tungsten filament general service electric lamps (second revision) | Established on 1979-03-31 *For purposes of ISI Certification Marks Schemes; IS: 418-1978 shall come into force with effect from 1979-11-01 |
| 3. IS: 799-1978 Specification for ammonia, liquor (first revision) | IS: 799-1955 Specification for ammonia, liquor, technical | — |
| 4. *IS : 828-1979 Specification for cricket bats (second revision) | IS: 828-1965 Specification for cricket bats (revised) | — For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 828-1979 shall come into force with effect from 1979-12-01 |
| 5. IS: 1448 [P : 87]—1979 Methods of test for petroleum and its products [P. 87] Auto-ignition temperature of liquid petroleum products | — | Established on 1979-05-31 |
| 6. IS: 1511-1979 Specification for blades for manually-operated chaff cutter (second revision) | IS: 1511-1968 Specification for light duty chaff cutter blades (first revision) | — |
| 7. IS: 1885 (Part XLVIII/Sec 1)—1978 Electrotechnical vocabulary Part XLVIII Recording Sec I tape recording | IS: 1885 (Part III/Sec 3)—1967 Electrotechnical vocabulary Part III Acoustics, Section 3 Sound recording and reproduction. | Established on 1979-05-31 |
| 8. *IS : 1901-1978 Specification for visual indicator lamps (first revision) | IS: 1901-1961 Specification for visual indicator lamps | Established on 1979-02-28 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 1901-1978 shall come into force with effect from 1979-09-01 |
| 9. IS: 2049-1978 Colour code for the identification of wrought steels for general engineering purposes (first revision) | IS: 2049-1963 colour code for the identification of wrought steels for general engineering purposes. | — |
| 10. IS: 2140-1978 Specification for stranded galvanized steel wire for fencing (first revision) | IS: 2140-1962 Specification for stranded galvanized steel wire for fencing. | Established on 1979-01-31 |
| 11. IS: 2578-1978 Specification for squash racket frames (first revision) | IS: 2578-1963 Specification for squash racket frames | — |
| 12. IS: 2604-1979 Specification for lead anodes for electroplating (first revision) | IS: 2604-1964 Specification for lead anodes for electroplating | — |
| 13. IS: 3181-1978 Specification for fire resistant conveyor belting for underground use in coal mines (first revision) | IS: 3181-1966 Specification for fire resistant conveyor belting for underground use in coal mines (tentative) | — |
| 14. IS: 3805-1979 Specification for pent-top wooden cases (first revision) | IS: 3805-1966 Specification for pent-top wooden cases | — |
| 15. IS: 3840-1979 Specification for lining leather (first revision) | IS: 3840-1966 Specification for lining leather | — |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|--|-----|
| 16. IS: 3939-1979 Specification for maize sheller, manually-operated (first revision) | IS: 3939-1967 Specification for hand maize sheller | --- | --- |
| 17. *IS: 4246-1978 Specification for domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (second revision) | IS: 4246-1972 Specification for domestic gas stoves for use with liquefied petroleum gases (first revision) | Established on 1979-02-28 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 4246-1978 shall come into force with effect from 1979-11-01 | --- |
| 18. *IS: 4431-1978 Specification for carbon and carbon-manganese free-cutting steel (first revision) | IS: 4431-1967 Specification for carbon and carbon-manganese free-cutting steels | For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 4431-1978 shall come into force with effect from 1979-10-31 | --- |
| 19. *IS: 4450-1978 Specification for brandies (first revision) | IS: 4450-1967 Specification for brandies | Established on 1979-05-31 For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 4450-1978 shall come into force with effect from 1979-09-30 | --- |
| 20. IS: 4839 (Part II)--1979 Code of practice for maintenance of canals Part II Lined canals (first revision) | IS: 4839 (Part II)-1971 Code of practice for maintenance of canals Part II Lined canals | --- | --- |
| 21. IS: 4912-1978 Safety requirements for floor and wall openings, railings and toe boards (first revision) | IS: 4912-1968 Safety requirements for floor and wall openings, railings and toe boards | Established on 1979-05-31 | --- |
| 22. IS: 5000 (OD 20)-1978 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 20 | --- | --- | --- |
| 23. IS: 5000 (OD 21)-1979 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 21 | --- | --- | --- |
| 24. IS: 5000 (OD 22)--1978 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 22 | --- | --- | --- |
| 25. IS: 5000 (OD 26)-1978 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 26 | --- | --- | --- |
| 26. IS: 5000 (OD 27)-1978 Dimensions of semiconductor devices device outline OD 27 | --- | --- | --- |
| 27. IS: 5113-1979 General requirements and testing of AC mooring winches (for ship board use) (first revision) | IS: 5113-1969 General requirements and testing of ac mooring winches (for ship-board use) | --- | --- |
| 28. IS: 5224-1978 Specification for single barrel oil expellers (first revision) | IS: 5224-1969 Specification for oil expellers | Established on 1979-01-31 | --- |
| 9. *IS: 5287-1978 Specification for country spirit (distilled) (first revision) | IS: 5287-1969 Specification for country spirit | Established on 1979-04-30 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 5287-1978 shall come into force with effect from 1979-09-30 | --- |
| 30. *IS: 5439-1978 Specification for oil pressure switches for automobiles (first revision) | IS: 5439-1969 Specification for oil pressure switches for automobiles | Established on 1979-01-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 5439-1978 shall come into force with effect from 1979-10-01 | --- |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|---|---|--|-----|
| 31. *IS: 5484-1978 Specification for EC grade aluminium rod produced by continuous casting and rolling (first revision) | IS: 5484-1969 Specification for EC grade aluminium rod produced by continuous casting and rolling | Established on 1979-02-28 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme: IS: 5484-1978 shall come into force w.e.f. 1979-08-31 | |
| 32. *IS: 5518-1979 Specification for steels for die blocks for drop forging (first revision) | IS: 5518-1969 Specification for steels for dieblocks for drop forging | Established on 1979-05-31 *For purposes of ISI Certification Marks Scheme; IS: 5518-1979 shall come into force with effect from 1979-10-31 | |
| 33. IS: 5866-1979 Specification for chrome leather for high altitude gloves (first revision) | IS: 5866-1970 Specification for chrome leather for high altitude gloves | | |
| 34. IS: 5904-1978 Specification for steel chaplets for use in ferrous foundries. (first revision) | IS: 5904-1970 Specification for chaplets for use in foundries | Established on 1979-05-31 | |
| 35. IS: 6134 (Part I)-1978 Methods of measurements of electrical characteristics of microwave tubes Part I Common to all microwave tubes (first revision) | (i) IS: 6134 (Part I/Sec 1)-1971 Method of measurement on microwave tubes Part I General measurements, Section 1 General conditions and precautions for measurements and (ii) IS: 6134 (Part I/Sec 2)-1972 Method of measurement on microwave tubes Part I General measurements, Section 2 common to all devices | — | |
| 36. IS: 7906 (Part VI)-1978 Helical compression springs Part VI design and calculations for springs made from rectangular section bar-steel | — | — | |
| 37. IS: 8956-1978 Specification for nitrofen, technical | — | — | |
| 38. IS: 9016-1979 Specification for needle, fine, spear pointed, curved right, Zoellner's pattern | — | — | |
| 39. IS: 9017-1979 Specification for needle, fine, spear pointed, curved left, Zoellner's pattern | — | — | |
| 40. IS: 9026-1978 Specification for rope threaded percussive longhole drilling equipment | — | — | |
| 41. IS: 9029-1978 Methods of tests for batch furnaces with metallic heating resistors | — | — | |
| 42. IS: 9032-1978 Specification for diazo sensitized paper | — | — | |
| 43. IS: 9033-1978 Specification for reproduction tracing paper | — | — | |
| 44. IS: 9036-1978 Specification for polish for transparent plastics in sheet form, liquid | — | — | |
| 45. IS: 9041-1979 Specification for elevator, periosteal | — | — | |
| 46. IS: 9044-1979 Method of measuring thickness off mica blocks, thins, films and splittings | — | — | |
| 47. IS: 9045-1979 Thermal classification of phlogopite mica splittings | — | — | |
| 48. IS: 9050-1979 Nominal dimensions of cylindrical machined graphite electrodes with threaded sockets and connecting pins for use in electric arc furnaces | — | — | |
| 49. IS: 9052-1978 Code of safety for aluminium chloride, anhydrous | — | — | |

| (1) | (2) | (3) | (4) |
|-----------------------------------|--|-----|-----|
| 50. IS: 9054-1979 | Specification for inter-carrier slats | --- | --- |
| 51. IS: 9055-1979 | Specification for one time carbon paper | --- | --- |
| 52. IS: 9056-1979 | Specification for typewriter ribbon, silk | --- | --- |
| 53. IS: 9058-1979 | Specification for knife, upward cutting, Zoellner's pattern | --- | --- |
| 54. IS 9059-1979 | Specification for knife downward cutting, Zoellner's pattern | --- | --- |
| 55. IS: 9061-1979 | Specification for dilators, punctum, Wilder's pattern | --- | --- |
| 56. IS: 9066-1979 | Specification for lubricated cotton gland packings | --- | --- |
| 57. IS: 9067-1979 | General requirements and testing of lifeboat winches | --- | --- |
| 58. IS: 9071 (Part I)-1979 | Code of practice for control of aflatoxin in groundnut Part I harvesting, transport and storage of groundnuts | --- | --- |
| 59. IS: 9071 (Part II)-1979 | Code of practice for control of aflatoxin in groundnut Part II Plant storage and processing flour and oil | --- | --- |
| 60. IS: 9078-1979 | Code for use of ringelmann and miniature smoke charts | --- | --- |
| 61. IS: 9080 (Part I)-1979 | Safety requirements in electro-heat installations Part I General requirements | --- | --- |
| 62. IS: 9080 (Part II/Sec I)-1979 | Safety requirements in electroheat installations Part II particular requirements for resistance heating equipments Section I Protection in direct resistance heating installations | --- | --- |
| 63. IS: 9086-1979 | Specification for universal head aluminium alloy rivets for aircraft | --- | --- |
| 64. IS: 9089-1979 | General requirements for rivets of aluminium and aluminium wrought alloys for aircraft | --- | --- |
| 65. IS: 9092-1979 | Specification for tent pins for mountaineering | --- | --- |
| 66. IS: 9098-1979 | Specification for pure tone audiometers | --- | --- |

Copies of these Indian Standards are available for sale with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its branch offices at Ahmedabad, Bangalore, Bhopal, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Patna and Trivandrum.

[No. CMD/13:2]

का० खा० 2585— समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन बिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 98 लाइसेंस जिनके ब्यारे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार माह मार्च 1979 से स्वीकृत किया गया है।

अनुसूची

| क्रम संख्या | लाइसेंस संख्या सी एम /एल - | वैधता की अवधि से | वैधता की अवधि तक | लाइसेंसधारी का नाम और पता | लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी भारतीय मानक पदनाम |
|-------------|------------------------------|------------------|------------------|--|---|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| 1. | सी एम /एल-7586 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | जे० एंड के० धायर एंड स्टील एंड इंज० प्रा० लि०, 28, औद्योगिक विस्तार क्षेत्र जम्मू तबी (कार्यालय : 9 करम नगर, जम्मू तबी) | सामान्य इंजीनियरी उपयोग के लिए मृदु इस्पात तार - IS : 280-1978 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|---------------------------------|----------|----------|--|---|-----|
| 2. सी एम/एल-7587 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | सन्तोष टाइटल, ए-28, औद्योगिक क्षेत्र, 22, गोडाउन, दक्षिण जयपुर | खिड़की के फ्रेमों में प्रयोग होने वाली पुटी— IS : 419-1967 | |
| 3. सी एम/एल-7588 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | सायनामाइड इंडिया लि०, बल्लभ पेस्ट्रोसाइड से० कं० का बहुता भ्रान्त्य सोजिना रोड, बल्लभ विधानगर, जिला केड़ा (गुजरात) (कार्यालय : नायलाक हाउस, 254, डी 2 डा० एनी बेसेन्ट रोड, नम्बर-400025 (महाराष्ट्र)) | मैलापियान पायसनीय साग्न IS : 2567-1978 | |
| 4. सी एम/एल-7589 1979-03-05 | 79-02-16 | 80-02-15 | भस्म सप्त प्रा० लि०, रोड नं० 3, मिलमिल औद्योगिक क्षेत्र, जी० टी० रोड शाहदरा, दिल्ली-110032 | रक्तचाप मापी, पारा वाले किस्म-ए मापक्रम परास -0 से 300 मिमी— IS : 3390-1977 | |
| 5. सी एम/एल-7590 1979-03-05 | 79-03-01 | 80-02-29 | मोहन स्टील लि०, उन्नाव औद्योगिक क्षेत्र, लखनऊ-कानपुर रोड, उन्नाव (उ० प्र०) | संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में बेस्लन के लिए कार्बन इस्पात की सिलिलिया तथा इंगट IS : 6914-1973 | |
| 6. सी एम/एल-7591 1979-03-05 | 79-03-01 | 80-02-29 | — | संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में बेस्लन के लिए कार्बन इस्पात की सिलिलिया तथा इंगट— IS : 6915-1973 | |
| 7. सी एम/एल-7592 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | जय इंडस्ट्रीज, जी० टी० रोड, मंडी गोबिन्दगढ़, (जिला पटियाला) | संरचना इस्पात (मानक किस्म)— IS : 266-1975 | |
| 8. सी एम/एल-7593 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | — | संरचना इस्पात (साधारण किस्म)— IS : 1977-1975 | |
| 9. सी एम/एल-7594 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | न्यू इंडिया फाउन्ड्री (पंजीकृत) 853, औद्योगिक क्षेत्र (ए) लुधियाना-141003 | बालू डले लोहे के मुबा पाइन, आकार : 75 मिमी केवल— IS : 1729-1964 | |
| 10. सी एम/एल-7595 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | रामधर फार्म मशीन (प्रा०) लि०, 13, रंगास्वामी रोड, कोयम्बटूर-641002 (तमिलनाडु) (कार्यालय : 13/18 पेटिया स्वामी रोड, कोयम्बटूर-641002) | पावर चापित भारतीय फुहारा-ध-धूलि— IS : 7347 के अनुसार मुहर लगे ईजनों में फिट होने वाले बैलानुमा— IS : 7593-1975 | |
| 11. सी एम/एल-7596 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | रफीक मिटर्स, 1-ए, धर्माधर स्ट्रीट, चाकरपेट, साधे/ कुने सूती बनयान : कोटि. धार एन तिरुपुर-638601 (तमिलनाडु) | एंड धार एन एल, आकार : 75 से 100 से० मी० गेज : 24— IS : 4964 (भाग 2) -1975 | |
| 12. सी एम/एल-7597 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | कृषि केमिन (प्रा०) लि०, सिरक्की, जयनगर दक्षिण, बंगलौर-560011 (कर्नाटक) | मैलापियान पायसनीय साग्न IS : 2567-1973 | |
| 13. सी एम/एल-7598 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | श्री बेंकटेश्वर केमिकल इंडस्ट्रीज, ए-5, ए-6 इंडस्ट्रियल एस्टेट, इडोमी जि० कुरनूल (आ० प्र०) [कार्यालय: सराफा बाजार, मडोनी-518501 जि० कुरनूल, (आ० प्र०)] | डी डी टी जलविसर्जनीय पाउडर— IS : 565-1975 | |
| 14. सी एम/एल-7599 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | जीतासु इंडस्ट्रीज, बुक्स मार्केट, लुधियाना (पंजाब) [कार्यालय: 558, लक्कड़ बाजार, लुधियाना-141008 (पंजाब)] | सील करने का मोम, श्रेणी 1 और 2— IS : 868-1958 | |
| 15. सी एम/एल-7600 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | एमको इंडस्ट्रियल कार्पोरेशन, सैदपुर एक्स-टेशन रोड, राजेन्द्र नगर, पटना-800016 | निम्न रेटिंग के उर्ध्व एक सिलिन्डर के जल शीतकार स्ट्रोक वाले बीजल इंजन : निर्गत गति 3.68 कि० वा० 1500 चक्कर (5 घ० श०) प्रति मिनट प्रत्यक्ष एस एस सी वर्ग "बी" 269 जी/किवा/ह० IS : 1601-1960 (198 जी/बीएस पी/एस) — | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----------------------------------|------------|---------------|--|---|---------|------|-----|------------|----------|----|------------|---------------|-----------|------------|----|------------|---|-----------|-----|----|------------|---|-----------|-----------|----|------------|---|------------|---|
| 16. सी एम /एल-7601 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | पूज संम 39, औद्योगिक क्षेत्र, राजपुरा-- 140401 (पंजाब) | मशीन धातुओं के लिए शीतलक पंप, आकार 1, किस्में 1/120 1/170 और 1/220 IS : 2161-1962 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 17. सी एम /एल-7602 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | स्टील थ स्टोल्स एंड वायर्स लि०, गांव चौपाल, होशियारपुर-धर्मशाला रोड, होशियारपुर (पं०) (कार्यालय : शिवमूर्ती हाउस, ऊना रोड, होशियारपुर (पंजाब) | पूर्व प्रवर्तित कंक्रीट के लिए खांचे पड़े तार 4 मिमी व्यास तक के— IS : 6003-1970 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 18. सी एम/ एल -7603 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | एल्नोर स्टील इन्टरप्राइज (प्रा०) लि०, 593/1, बिक्रमोधीयूर, हार्ड रोड, मद्रास- 600057 | संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में युनर्वेल्लन के लिए कार्बन इस्पात की सिलिणियाँ और इंगट— IS : 6914-1973 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 19. सी एम /एल-7604 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | आसाम पेट्रो केमिकल्स लि०, नामरूप, बाक- घर परबालपुर-786623, जि० बिबर- गढ़ (आसाम) | प्लार्डिबुड के लिए संश्लेषित रेजिन चपक (अमीनोप्लास्टिक)— IS : 848-1974 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20. सी एम /एल-7605 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | पी एस जी औद्योगिक संस्था भवनाशी रोड, पीलामेडु, कोयम्बतूर-641004 | निम्नलिखित आकारों के कृषि उपयोगी स्वच्छ, शीतल और ताजे पानी के लिए मोनोसेट पम्प : <table><tr><th>क्र०सं०</th><th>आकार</th><th>गति</th><th>किस्म/माडल</th><th>मोटर बगै</th></tr><tr><td>1.</td><td>65×65 मिमी</td><td>1440 च०प्र०मि</td><td>3एमएससी 8</td><td>2.2 किवा प</td></tr><tr><td>2.</td><td>65×50 मिमी</td><td>"</td><td>3एमएससी 7</td><td>" "</td></tr><tr><td>3.</td><td>75×65 मिमी</td><td>"</td><td>5एमएससी 7</td><td>3.7 किवाई</td></tr><tr><td>4.</td><td>65×50 मिमी</td><td>"</td><td>5एमएस सी 8</td><td>"</td></tr></table> कार्य समय निम्नलिखित है : 1. 15 मी शीर्ष पर, सम्पादन 8.4 एलपीएस और कार्य क्षमता 52 % 2. 18.5 मी शीर्ष पर, सम्पादन 5.4 एल पी एस और कार्य क्षमता 40 % 3. 19 मी शीर्ष पर, सम्पादन 11.8 एल पी एस और कार्य क्षमता 54 % 4. 24 मी शीर्ष पर, सम्पादन 8.3 एल पी एस और कार्य क्षमता 45 % IS : 6595-1972 और IS : 7538-1975 | क्र०सं० | आकार | गति | किस्म/माडल | मोटर बगै | 1. | 65×65 मिमी | 1440 च०प्र०मि | 3एमएससी 8 | 2.2 किवा प | 2. | 65×50 मिमी | " | 3एमएससी 7 | " " | 3. | 75×65 मिमी | " | 5एमएससी 7 | 3.7 किवाई | 4. | 65×50 मिमी | " | 5एमएस सी 8 | " |
| क्र०सं० | आकार | गति | किस्म/माडल | मोटर बगै | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | 65×65 मिमी | 1440 च०प्र०मि | 3एमएससी 8 | 2.2 किवा प | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2. | 65×50 मिमी | " | 3एमएससी 7 | " " | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3. | 75×65 मिमी | " | 5एमएससी 7 | 3.7 किवाई | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4. | 65×50 मिमी | " | 5एमएस सी 8 | " | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 21. सी एम /एल -7606 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | एवरेस्ट आयल कार्पोरेशन, 12-जी० एम० टी० रोड, एरुक्केरी, मुलाकडई, मद्रास- 600051 (तमिलनाडु) | वैराकीन मोम, किस्म-3— IS : 4654-1974 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 22. सी एम /एल-7607 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | फेरो फेब्रिक, 15, इंडस्ट्रीयल इस्टेट, पटमा-13 | एल्यूमिनियम के सभी मानक सुचालक— IS : 398-1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 23. सी एम /एल-7608 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | ट्रोपिकल एग्रो-सिस्टम्स प्रा०-लि०, 5, रा. कृ० नगर बोधवापल्लम-679103, जिला पालघाट (केरल) | मेलायियन पायसपीय तेज द्रव— IS : 2567-1978 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 24. सी एम /एल-7609 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | बी० बी० केमिकल इंडस्ट्रीज, बाटला रोड, पावर हाउस के पास, अमृतसर (पंजाब) | जिक सल्फेट, कृषि प्रेड— IS : 8249-1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 25. सी एम /एल-7610 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | किसान केमिकल एंड फर्टिलाइजर्स 281-ए, मोहन नगर पूर्व अमृतसर-143001 (पंजाब) | जिक सल्फेट, कृषि प्रेड— IS : 8249-1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 26. सी एम /एल-7611 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | एस० एस० केमिकल्स, 281, मोहन नगर पूर्व, अमृतसर-143001 (पंजाब) | जिक सल्फेट, कृषि प्रेड— IS : 8249-1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 27. सी एम /एल-7612 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | मुल्लाइट पेंट इंडस्ट्रीज, 11, मोहन नगर पूर्व, सुल्तानगिरी गेट के बाहर, अमृतसर (पंजाब) | बिजली के केमों में प्रयोग होने वाली पट्टी— IS : 419-1967 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----|----------------------------|----------|----------|--|---|
| 28 | सीएम/एल-7613 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | वा इम्पीरियल मैच बक्स, विश्वनाथम रोड, शिवकाशी - 626123 (तमिलनाडु) (कार्यालय: 12 ए चैयरमैन गानम्युज नाडार रोड, शिवकाशी-626123 (तमिलनाडु) | विवातलाई की किम्बिया - IS : 2653-1964 |
| 29. | सीएम/एल-7614 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | वेकटेश्वर एग्री केमिकल्स एंड मिनेरल्स प्लांट, मं० 3-बी, (एच० पी०) इंडस्ट्रीयल इस्टेट, धम्मपूर, मद्रास- 600058 (तमिलनाडु) | कार्बोरिल जल विसर्जनीय पाउडर—(भूमि पर छिड़की जाने वाली किस्म)--- IS : 7121-1973 |
| 30. | सीएम/एल-7615 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | रामाचन्द्रा पेस्टीसाइड्स प्रा० लि०, 275, न्यू टिम्बर मार्ग ले-माऊट, मैसूर रोड, बंगलौर- 560026 (कर्नाटक) (कार्यालय: 23, चौथी प्रमुख सड़क, बरागपेट, बंगलौर 560002, (कर्नाटक) | डी डी टी पायसनीय सान्द्र IS : 633-1975 |
| 31. | सीएम/एल-7616 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | न्यू केमी इंड प्रा० लि०, अशोक नगर त्रास रोड मं० 1, काबीधली (उर्ब), बम्बई-400067 (महाराष्ट्र) (कार्यालय : रोहित केम्बर्स, ब्रूसरी मजिल, धोणा स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-400023 (महाराष्ट्र) | कार्बोरिल धूलन पाउडर--- IS : 7122-1973 |
| 32. | सीएम/एल-7617 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | ट्रापिकल एग्री-सिस्टम्स, 50/2, बी बनगराम रोड, अम्बाटूर, मद्रास-600058 (तमिलनाडु) | कार्बोरिल जल विसर्जनीय पाउडर—(भूमि पर छिड़की जाने वाली किस्म)--- IS : 7121-1973 |
| 33. | सीएम/एल-7618 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | प्लाईवुड प्राइवेट लिमिटेड, 5, डा० बोरेश गुप्ता स्ट्रीट, कलकत्ता-700017 (कार्यालय : 5, रबीन्द्र सारनी, कलकत्ता-700001) | चाय पेरियों के लिए घास की किटिंग— IS : 10 (भाग 4)—1976 |
| 34 | सीएम/एल-7619 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | राइटएक्स (बम्बई) प्रा० लि०, बी-60, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र फेज-2, नई दिल्ली | फेरो गेल्लो टेनेट फाउन्टेन पेन इंक (0.1 प्रतिशत लौह अयस्क)--- IS : 220—1972 |
| 35. | सीएम/एल-7620 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | छुब पेस्टीसाइड्स, 11-बी, सेक्टर बी औद्योगिक क्षेत्र, गोविन्दपुरा कोपाल | बी एच सी (एच सी एच) धूलन पाउडर--- IS : 561-1972 |
| 36. | सीएम/एल-7621 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | ,, | डी डी टी धूलन पाउडर--- IS : 564-1975 |
| 37. | सीएम/एल-7622 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | इंडिया जूट मिल्स मं० 2 एंड 3 (हील्डस एंड रीब्स फैक्टरी) एल०टी० सी० (एम०एल०) लि०, की एक इकाई, रंमधाल कोयल मार्ग कलाचौको, बम्बई-400033 (महाराष्ट्र) | धूती कार्बों में प्रयुक्त धूती हील्ड--- IS : 1739-1968 |
| 38. | सीएम/एल-7623 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | कोर मजस वेल्ड्स एंड केमिकल्स लि०, डाकघर पैबुरप लि० विद्यावापतनम (कार्यालय : 10-1-20 वाल्टयर उपबैडल, विद्यावापतनम-500003 (आ०प्र०)) | तैयार मिश्रित रंगरोगन लाल-मावसाइव जिंक क्राम, अस्तर देने के--- IS : 2074-1962 |
| 39. | सीएम/एल-7624 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | मिल्कमूड लि०, डाकघर बहादुरगढ़-2 जिला पटियाला (पंजाब) | शिशु कुष्ठ माहुर--- IS : 1547-1968 |
| 40. | सीएम/एल-7625 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | बिहारो लाल एंड कं०, 66 बस्ती नाऊ, जलघर 144002 (पंजाब) | ब्रस्कोटबाल--- IS : 417 (भाग 1, 2, 2)—1974 |
| 41. | सीएम/एल-7626 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | एसोसिएटेड केमिकल इंडस्ट्रीज, प्लांट नं० 144 अन्न नगर, पश्चिमी क्षेत्र, मद्रास-600050 (तमिलनाडु) | डोस कोल तार चाय रंग निमित्तिया --- IS : 5346-1975 |
| 42. | सीएम/एल-7627 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | बी बाबाजी पेस्टीसाइड्स रे० स्टे० पीनपाडी नीरत्तानी-631213 (तं०) | बी०एच०सी० (एच०सी०एच०) धूलन पाउडर IS : 561-1972 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------------------|----------|----------|--|--|---|
| 43. सीएम/एल-7628 1979-03-22 | 79-03-16 | 80-02-15 | राइटएब्लम (बम्बई) प्रा०लि०, बी-60, मायापुरी औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, नई दिल्ली | रंगकों से बनी फाउन्टेन पेन की स्पष्टिदा रायल ब्लू, लाल हरी, काली और भारत ब्लू - IS : 1221-1971 | |
| 44. सीएम/एल-7629 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | नेशनल केबल्स इंडस्ट्रीज, गांव झनौर गाँवी, दिल्ली-110036 | 1100 बी० सहित और बोस्टन तक कार्य करने वाले एल्युमिनियम और ताँबे के सुचालक पी बी सी अवरोधित तार-- IS : 694-1977 | |
| 45. सीएम/एल-7630 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | शक्ति सेल्व कापरेशन 3/18 मुम्बई नगर मेरठ 1 | डाक्टरी यमीनीटर IS : 3055-1965 | |
| 46. सीएम/एल-7631 1979-02-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | ईगल केमिकल्स, 38/75, सुपर्सनपुर औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर | पेराफिन मोम, किस्म 3-- IS : 4654-1974 | |
| 47. सीएम/एल-7632 1979-02-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | रेडोहॉट इलेक्ट्रिकल्स, 17, डिप्टी गज, सवर बाजार, दिल्ली-110006 | स्वचालित बिजली की इस्तरी, 230 बी० ए०सी० 750 वा०-- IS : 366-1965 | |
| 48. सीएम/एल-7633 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | हर्षा सेल्व कापरेशन 23, रिंग रोड प्राणरा-282004 | निम्न रेटिंग के एक सिलिन्डर वाले चार स्ट्रोक जल शीत डीजल इंजन : निर्गत गति प्रबन्ध एल एफ सी 477 कि० 1500 चक्कर बर्ग "बी" 269जी कि०/घ (6.5अ.वा.) प्रतिमिनट (198 जी/बी एच पी/घ) IS : 1601-1960 | |
| 49. सीएम/एल-7634 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | राज प्लास्टिक केबल्स 421एंड 422, जी०आई० डी०सी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, मोघम, ग्रहमदाबाद-382410 (गुजरात) | एक कोड वाले प्रान्छाश्रित और प्रान्छाश्रित एलुमिनियम के सुचालक, पी बी सी अव- रोधित तार-- IS : 694-1977 | |
| 50. सीएम/एल-7635 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | कोरोमंडल पेन्स एंड केमिकल्स लि०, डा० पैनु बुरपी, जि० बिंस/छापटनम (आ०प्र०) (कार्यालय : 10-1-20 वास्टेयर अपलेण्स बिना-छापटनम-530003 (आ०प्र०)) | बोहरे धारकों में सामान्य उपयोग के लिए एलुमिनियम पेन्स-- IS : 2339-1963 | |
| 51. सीएम/एल-7636 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | मल्टीप्लेक्स एप्रीइबस्ट्रीज प्रा०लि०, प्लाट नं० 184/11 एंड 12 जी०आई० डी०सी० इस्टेट नरोका, ग्रहमदाबाद-382410 (गुजरात) | डी डी टी पायसनीय साम्र-- IS : 633-1975 | |
| 52. सीएम/एल-7637 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | सीजिस् (इंडिया) सर्विसेज प्रा०लि० 31.2, के० एम० स्टीम, पाड़ा रोड, अस्तलात्रा धवोदड़ा (गुजरात) | निम्नलिखित आकारों के स्वच्छ, शीतल, और ताजा पानी के लिए कृत्रिम उपयोगी कृत्रिम अपकेन्डी पम्प : क०स० आकार गति टाइप/मात्रा 1. 75X65 1500 चक्कर प्रति मि० डी ई मिमी 2. 100X100-1600 चक्कर प्रति मि० डी ई मिमी IS : 6595-1972 | |
| 53. सीएम/एल-7638 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | श्रीराम केमिकल्स रोड नं० के2, प्लाट नं० 81/9 जी०आई० डी०सी० इंडस्ट्रियल इस्टेट मोतदा ग्रहमदाबाद-382445 गुजरात | ताम्र सल्फेट, तकनीकी-- IS : 261-1966 | |
| 54. सीएम/एल-7639 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | ई०आई०डी० पेरी (इंडिया) लि० धरबाजा नं० 223/225-सी-2 तांडे पल्ली, गुंटूर (आ०प्र०) (कार्यालय : बारे हाउस, पो०बा० नं० 12 मद्रास-600001 (तमिलनाडु)) | बी एच सी (एच सी एच) धूलम पाउडर-- IS : 561-1972 | |
| 55. सी एम/एल-7640 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | सर्वन केमिकल प्राइवेट्स, पेदाककानी-522500 जिला गुंटूर -(आ०प्र०) | ताम्र सल्फेट तकनीकी; IS : 261-1966 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------------------|----------|----------|--|---|---|
| 56. सी एम/एल-7641 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | नेशनल कार्बन कं०, यूनिपन कार्बोइज इंडिया का प्रमाण प्रौद्योगिक क्षेत्र, मोलाघली हैदराबाद 500040-(उ०प्र०) (कार्यालय : 1, मिडिल्टन स्ट्रीट कलकत्ता-700071 (प०/ब०)) | संशोधन आर-20 के लिए शुष्क क्षेत्रियां IS : 203, 1972 | |
| 57. सी एम/एल-7642 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | कामधेनु पेस्टीसिड्स, 50 ए/51 हंसपसर इंडस्ट्रियल इस्टेट पुणे-411013 (महाराष्ट्र) (कार्यालय : 1379 भवानी पेठ, पुणे-411002(महाराष्ट्र)) | कास्केमिडान जल विलेय सात्व IS : 6177-1971 | |
| 58. सी एम/एल-7643 1979-03-21 | 79-03-01 | 80-03-31 | यूसीएसएल पेट्रो-केमिकल्स लि० द्वारा लुब्रीकेम इन्ड० प्रा० लि०, रायचिलेख, बरगुता भद्रनगर जिला ठाणे (महाराष्ट्र) | ट्रांसफार्मरों तथा स्विचगियरों के लिये बकरीयक तेल— IS : 335-1972 | |
| 59. सी एम/एल-7644 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | स्टील (इंडिया) प्रा० लि०, ई-37, एम आई डी सी, बिलास बाग कीरगाबाद (कार्यालय : 259, कालबा देवी रोड, बम्बई- 400052) | सामान्य इंजीनियरी उपकरणों के लिए शुद्ध इस्पात तार— IS : 380-1972 | |
| 60. सी एम/एल-7645 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | इयियन कैमिकल एंड फिटलाइजर्स इन्ड०, डा० बहादुरपुर, सबाबर रोड, भागलपुर (बिहार) | बी एच सी (एच सी एच) झूलन पाउडर— IS : 561-1978 | |
| 61. सी एम/एल-7646 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | कम्युनिटी इंजीनियरिंग वर्क्स इंडस्ट्रियल इस्टेट, सिनेत्रम-895019 | संबोसिज फुहारे— IS : 3082-1974 | |
| 62. सी एम/एल-7647 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | नेपचुन निटिंग वर्क्स, 15-ए(2) भवनाली रोड, तिरुपुल-638603 (तमिलनाडु) | सादे बुने सूती बनयान : टाइप आर एन एच आर एन एस आकार : 75 से०मी० से 100 से०मी० तक गेज 24— IS : 4964 (भाग 2)-1975 | |
| 63. सी एम/एल-7648 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | बजोरिया कोटिंग इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 127 बेरकपुर ट्रंक रोड, कलकत्ता-700035 (प० बंगाल) | टाइप राइटर्स के लिए कार्बन पेपर, कोटि 3— IS : 1551-1976 | |
| 64. सी एम/एल-7649 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | गोलाडा कान्टीनोज कर्स्टिंग्स लि० पी 2/6, आई डा ए, प्लाक-3 अप्पल, हैदराबाद-500039 (प्रा०प्र०) | लगातार ढालने और बेल्सन के द्वारा उत्पा- दित पायसनीय तेज द्रव, ग्रेड एल्युमिनियम छड़— IS : 5484-1969 | |
| 65. सी एम/एल-7650 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | जलन केप्टेनर्स लैन्डू कार्पो० 30-31 इंडस्ट्रियल फोकल आइड, राजपुरा-140401 (पंजाब) | 18 लिटर क्षमता वाले टीन के चौकोर टिम्बे— IS : 916-1975 | |
| 66. सी एम/एल-7651 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | इंडिया क्लाइमेटेड फिक्स, नं० 1 मिल (एन०टी० सी० (एम०एन०, लि० की एक ईकाई) (एन०टी०सी० की सहायक, भारत सरकार का एक उपक्रम), बीर साबरकर मार्ग, ठावर, बम्बई-400028 (कार्यालय : एन०टी०सी० हाउस, एन० मोरारजी मार्ग, बेलाई एस्टेट, बम्बई-400038) | पौलीएस्टर सूती कमीजों का कपड़ा— IS : 7085-1973 | |
| 67. सी एम/एल-7652 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | वा हिन्दुस्तान मिनरल प्राइवेट कं० प्रा० लि० 27, मंगनीज डिपो, शिवरी बम्बई-400015 (कार्यालय : 111, प्रौद्योगिक क्षेत्र, सभिन, बम्बई-400022) | जिराम जल विसर्जनीय पाउडर का पुनर्पैकिंग IS : 3901-1975 | |
| 68. सी एम/एल-7653 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | " | जिराम सीड ड्रेसिंग निमित्तियों की पुनर्पैकिंग— IS : 4783-1968 | |
| 69. सी एम/एल-7654 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | सर्फेल पेट्रोकेमि, जी०एस० फाइनैन्स कम्पाउण्ड गोदाम सं० 7, कोलमेट रोड, ठाणे (महाराष्ट्र) | डी डी टी पायसनीय सात्व की पुनर्पैकिंग— IS : 633-1975 | |
| 70. सी एम/एल-7655 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | " | कापर प्राक्सीकरोराइड जल विसर्जनीय पाउडर की पुनर्पैकिंग— IS : 1507-1977 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------------------|----------|----------|---|---|---|
| 71. सी एम/एल-7656 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | मर्सेस वैकेजिंग, जी०एम० फाइनेंस कम्प्याउण्ड गोवामस० 7 कोलकोट रोड, ठाणे (महाराष्ट्र) | मैलाधियान पायसनीय तेज द्रव की पुन पैकिंग— IS : 2567-1978 | |
| 72. सी एम/एल-7657 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | " | क्युनालकास पायसनीय तेज द्रव की पुन पैकिंग— IS : 8028-1976 | |
| 73. सी एम/एल-7658 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | एसियन केमिकल वर्क्स, 29, कोम्बीविट, विलेज रोड, (कार्यालय : कुरला घन्घेरी रोड बम्बई) (महा- राष्ट्र) | घमरैरूप रक्त, खाद्य ग्रेड— IS : 1696-1974 | |
| 74. सी एम/एल-7659 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | " | बटकलाल ई खाद्य ग्रेड— IS : 2924-1974 | |
| 75. सी एम/एल-7660 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | वा फ्लेबर्स इंडिया प्रा० लि०, सी 5 घोर 14, इंड- स्ट्रियल एरिया, मैट्टूपलयम, पांडिचेरी-10 | स्विटिड विलेय कैरामेल— IS : 4467-1967 | |
| 76. सी एम/एल-7661 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | एसियन केमिकल वर्क्स, 29, कोम्बीविट, विलेज रोड (कार्यालय : कुरला घन्घेरी रोड, बम्बई-400059) (महाराष्ट्र) | चमकदार नीला, एक सी एक खाद्य ग्रेड— IS : 6406-1977 | |
| 77. सी एम/एल-7662 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | कोरोमंडल इंडग प्रॉटेक्टस प्रा० लि० 28, इस्लामा बोगु स्ट्रीट, कलावीपेर, मद्रास-600019 (त०) | कलोरफाईरीकांस पायसनीय सान्द्र— IS : 8944-1978 | |
| 78. सी एम/एल-7663 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | सेलकम केमिकल इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, 37-ए वेला- यूथम रोड, सिवकासी-626123 (त०) | पैराफीन मोम किस्म 3 IS : 4654-1974 | |
| 79. सी एम/एल-7664 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | वेस्को प्राइवेट लि०, 11-बी, डा० सुधीर बसु रोड, कलकत्ता-23 (प० बंगाल) (कार्यालय : 66, एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता-1) | तेल में खाद्य उत्पादों के लिए घमराटी रंग— IS : 2557-1969 | |
| 80. सी एम/एल-7665 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | सुरेन्द्रा द्युस एंड स्टील्स प्रा० लि०, दूसरा पोखरन रोड, माजीबाबा, ठाणे (कार्यालय : 24, बड़ोवा स्ट्रीट बम्बई-400009) | कंकीट पूर्ण प्रबलन के लिए बिक्रान बजदार इस्पात की छड़े— IS : 1786-1966 | |
| 81. सी एम/एल-7666 1979-03-29 | 79-04-01 | 80-03-31 | देवदीप रबड़ वर्क्स प्रा० लि०, 123, जेस्सोर रोड कलकत्ता-700055 (प० बंगाल) | एम-24 ग्रेड के वाहनों के सामान्य कार्यों के लिए रबड़ के ट्यूट— IS : 1891 (भाग 1)-1968 | |
| 82. सी एम/एल-7667 1979-03-29 | 79-04-16 | 80-04-15 | केमोलस प्रा० लि०, विरुनीरमलई रोड, कोमपेट, मद्रास-600044 (त०) | कर्टन तेल, स्वच्छ टाइप 1, ग्रेड 2, टाइप 2 ग्रेड 1 और 2— IS : 3065-1970 | |
| 83. सी एम/एल-7668 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | सदर्न इन्सेक्टिसाइड्स एंड फर्टिलाइजर्स, 1ए/7, इंडस्ट्रियल एस्टेट भम्बालूर | डाइक्लोरकांस पायसनीय सान्द्र— IS : 5277-1978 | |
| 84. सी एम/एल-7669 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-05-15 | यूनाइटेड पल्परजर्स, बोडला, भागरा-282007 (उ०प्र०) | मैलाधियान धूलन पाउडर— IS : 2568-1978 | |
| 85. सी एम/एल-7670 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | " | मैलाधियान पायसनीय सान्द्र— IS : 2567-1978 | |
| 86. सी एम/एल-7671 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | केमेट केमिकल्स प्रा० लि०, 82/1, जी०आई०बी० सी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, बेतवा, ग्रहमबाबाद (गुजरात) | बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1972 | |
| 87. सी एम/एल-7672 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-03-31 | कोरोमंडल पेन्ट्स एंड केमिकल्स लि०, डा० पेन्डु- रबी जिल. विशाखापत्त नम (कार्यालय : 10-1-20-वाल्टेयर उपलैंडस, विशाखापत्त नम-530003 (आ०प्र०)) | निष्कले घस्तर और फिनिशिंग के लिए संश्लिष्ट इनेमल— IS : 2932-1974 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|---------------------------------|----------|----------|---|---|---|
| 88. सी एम/एल-7673 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | सी०एच० के पेटिटर्स प्रा० लि०, प्लाट नं० बी-17 एंड बी-18, बी०एच०ई०एच० की ए०घाई० ई० रामचन्द्रपुरम हैदराबाद-5300032 प्रा० प्रा० | पावर प्रणालियों के लिए शट धारित्र, 3 के बी ए धार और 5 के बी ए धार— IS : 2834-1964 | |
| 89. सी एम/एल-7674 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | बंगलौर बायर राइ मिल (ट्रांसपोर्ट कार्पो० आफ इंडिया लि० की एक इकाई) ब्लाइटफील्ड रोड, बाकवर महादेवपुरा बंगलौर-560048 | फोर्गिंग के लिए कार्बन इस्पान की छड़ें— IS : 1875-1978 | |
| 90. सी एम/एल-7675 1979-03-30 | 79-04-01 | 80-03-31 | काप्लन प्राइवेट्स, 3, सतुक्ला स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-600017 (त.) | घ्रायोपिक कार्यों के लिए कृत्रिम प्रच्छालक, टाइप 3, इव— IS : 4956-1977 | |
| 91. सी एम/एल-7676 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | वेवार संस प्रा० लि०, 44, जी०घाई०डी०सी० इंडस्ट्रियल एस्टेट, मोघव-382415 (गुजरात) (कार्यालय : नरायण निवाम, घस्टोडिया रोड, ग्रहमवाबाद (गुजरात)) | बमकदार नीला, एक सी एक खाद्य ग्रेड— IS : 6406-1977 | |
| 92. सी एम/एल-7677 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | देवीदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, 50/ए, जी०घाई० डी०सी० एस्टेट, कलोल-3893300 जिला पंचमहल (गुजरात) | ग्रामसीडेपेडान मिथाइल पायमनीय साइड— IS : 8259-1978 | |
| 93. सी एम/एल-7678 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | एक्सेल इंडस्ट्रीज लि०, 6/2, रुवापाड़ी रोड, भावनगर (गुजरात) (कार्यालय : 184/187, स्वामी विवेकानन्द रोड, जोगेश्वरी, बम्बई-400060 (महाराष्ट्र)) | इन्डोसल्फान, तकनीकी— IS : 4344-1978 | |
| 94. सी एम/एल-7679 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | प्लेले मोल्डस, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल कालोनी 47/3 सी, फोटोटारी रोड, श्रीरूपक्षी पुरम, बेल्सूर-632002 | स्कूटर और मोटर साइकिल सवारी के लिए सुरक्षा हेलमेट— IS : 4151-1976 | |
| 95. सी एम/एल-7680 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | पुरुषार्थ इंडस्ट्रीज सक्सी नगर स्टेशन रोड, प्लाट नं० 2, गंगा भवन, राजकोट-360002 गुजरात | निम्न रेटिंग के गर्भ, एक सिलिन्डर वाले चार स्ट्रोक जल शीत बीजल इंजन;— निर्यात गति प्रबंधक एसएफजी 5.88 कि०घा० 850 बमकर वर्ग बी 300जी/किबा/घ० (220 जी बीएचसी/घ) (8 घ० प्रा०) प्रति मिनट IS : 1601-1960 | |
| 96. सी एम/एल-7681 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | बीघरी इंडस्ट्रीज, तीसरा मील, सेबाक रोड, सिलीगुरी (प० बंगाल) | चाय पेडियों के तख्ते— IS : 10 (भाग 3)-1974 | |
| 97. सी एम/एल-7682 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | नेशनल इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज लि० इंडस्ट्रियल एस्टेट, बाल बाग बम्बई 400012 | कृषि उपयोगी ग्रपकेन्त्री पम्प के लिए तीन फेज स्क्रिबरेल के प्रेरण मोटर 2.2 किवा वर्ग बी अवरोधन सहित— IS : 7538-1975 | |
| 98. सी एम/एल-7683 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | शारदा इंडस्ट्रीज एंड इंजी० वर्क्स प्रा० लि०, काम्पटी रोड, नागपुर-400017 | कंक्रिट प्रबलन के लिए शीत भरोड़ी इस्पात की सरिया— IS : 1786-1978 | |

[सं० सी एम डी/13 : 11]

ए० पी० बनर्जी, प्रपरपहानिदेक

S.O. 2585.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that ninety-eight licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of March 1979 authorizing the licensees to use the Standard Marks:

SCHEDULE

| Sl. No. | Licence No. (CM/L-) | Period of Validity | | Name and Address of the Licensee | Article/Process covered by the Licences and the Relevant IS: Designation |
|---------|-------------------------|--------------------|----------|---|---|
| | | From | To | | |
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
| 1. | CM/L-7586 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | J & K Wire & Steel Inds. Pvt. Ltd., 28 Industrial Extension Area, Jammu-Tawi (Off: 9 Karam Nagar, Jammu-Tawi) | Mild steel wire for general engineering purposes— IS: 280—1978 |
| 2. | CM/L-7587 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | Santosh Tiles, A-28, Industrial Area, 22, Godown, South, Jaipur | Putty, for use on window frames— IS: 419—1967 |
| 3. | CM/L-7588 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | Cynamid India Ltd., Premises of Vallabh Pesticides Mfg. Co., Anand Sojitra Road, Vallabh Vidyanagar Dist. Kaira (Gujarat) (Off: Nyloc House, 254, D 2 Dr. Annie Besant Road, Bombay-400025) (Maharashtra) | Malathion EC— IS: 2567—1978 |
| 4. | CM/L-7589 1979-03-05 | 79-02-16 | 80-02-15 | Bhasin Sons P. Ltd., Shed No. 5, Jhilmil Indl. Area, G.T. Road, Shahdara, Delhi-110032 | Sphygmomanometers, Mercurial, type-A scale range-0 to 300 mm— IS: 3390—1977 |
| 5. | CM/L-7590 1979-03-05 | 79-03-01 | 80-02-29 | Mohan Steels Ltd., Unnao Indl. Area, Lucknow-Kanpur Road, Unnao (U.P.) | Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (standard quality)— IS: 6914—1973 |
| 6. | CM/L-7591 1979-03-05 | 79-03-01 | 80-02-29 | -do- | Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (ordinary quality)— IS: 6915—1973 |
| 7. | CM/L-7592 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | Jay Industries, G.T. Road, Mandi Gobindgarh, (Distt. Patiala) | Structural steel (standard quality)— IS: 226—1975 |
| 8. | CM/L-7593 1979-03-05 | 79-03-16 | 80-03-15 | -do- | Structural steel (ordinary quality)— IS: 1977—1975 |
| 9. | CM/L-7594 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | New India Foundry (Regd.), 853, Industrial Area 'A' Ludhiana-141003 | Sand cast iron soil pipes, size: 75 mm only— IS: 1729—1964 |
| 10. | CM/L-7595 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | Ramsar Farm Machines (P) Ltd., 13, Rangaswamy Road, Coimbatore-641002 (T. N.) (Off: 13/18 Periyaswamy Road, Coimbatore-641002) | Power operated (fitted with ISI marked engines as per IS : 7347) pneumatic cum-duster knapsack type— Sprayer IS: 7593—1975 |
| 11. | CM/L-7596 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | Rafiq Knitters, 1-A, Workshop Street, Khaderpet, Tirupur-638601 (T.N.) | Plain knitted cotton vests: type RN & RNS, sized : 75 to 100 cms, gauges:24— IS: 4964 (Part II)—1975 |
| 12. | CM/L-7597 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | Krishichemin (P) Ltd., Sarakki, Jayanagar, South, Bangalore-5600011 (Karnataka) | Malathion EC— IS: 2567—1973 |
| 13. | CM/L-7598 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | Sri Venkateswara Chemical Industries, A-5, A-6, Industrial Estate, Edoni, Kurnool Distt (A.P.) (Off: Shroff Bazar, Adouo-518301, Kurnool Distt). (A.P.) | DDT WDPC— IS: 565—1975 |
| 14. | CM/L-7599 1979-03-08 | 79-03-16 | 80-03-15 | Jeetosi Industries, Books Market, Ludhiana (Punjab) (Off: 558, Lakkar Bazar, Ludhiana-141008 (Pb.)) | Sealing wax, grades : 1 & 2— IS: 868—1956 |
| 15. | CM/L-7600 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | Emco Industrial Corporation, Saidpur Extension Rd., Rajendra Nagar, Patna-800016 (Bihar) | Vertical, single cylinder, four-stroke water cooled diesel engines of the following rating: Output Speed 3.68 KW (5 hp) Governing Class 'B' 1 500 RPM SFC 2699/kW/h (198.8/bhp/h)— IS: 1601—1960 |
| 16. | CM/L-7601 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | Phulsons, 39, Industrial Area, Rajpura-140401 Punjab | Coolant pumps for machine tools, size 1, types 1/120, 1/170 and 1/220— IS: 2161—1962 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|-----------------------------|-----------|----------|--|---|---------|------|-------|-------------|-------|-------|----|-----------|----------|--------|--------|---|----|-----------|------|--------|------|------|----|-----------|------|--------|--------|---|----|-----------|------|--------|------|------|
| 17. CM/L-7602 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | Sterling Steels and Wires Ltd., Village Chopal, Hoshiarpur-Dharmshala Road, Hoshiarpur (Pb) (Off: Shiv Murti House Una Road, Hoshiarpur) (Pb.) | Cold drawn indented and stress relieved wire, upto 4 mm size— IS: 6003—1970 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 18. CM/L-7603 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | Ennore Steel Enterprise (P) Ltd., 593/1, Thiruvottiyur High Road, Madras-600057 | Carbon steel cast billet ingots for re-rolling into structural steel (standard quality)— IS: 6914—1973 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 19. CM/L-7604 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | Assam Petro Chemicals Limited, Namrup P.O. Parbatpur-786623, Distt. Dibrugarh (Assam) | Synthetic resin adhesive for plywood (aminoplastic)— IS: 848—1974 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 20. CM/L-7605 1979-03-09 | 79-03-16 | 80-03-15 | PSG Industrial Instt., Avanashi Road, Peelamedu, Coimbatore-641004 | Monoset pumps for clear, cold fresh water for agricultural purposes of the following sizes : <table><tr><th>Sl. No.</th><th>Size</th><th>Speed</th><th>Type/ model</th><th>Motor</th><th>Class</th></tr><tr><td>1.</td><td>65 × 65mm</td><td>1440 RPM</td><td>3MSC 6</td><td>2.2 kW</td><td>A</td></tr><tr><td>2.</td><td>65 × 50mm</td><td>-do-</td><td>3MSC 7</td><td>-do-</td><td>-do-</td></tr><tr><td>3.</td><td>65 × 65mm</td><td>-do-</td><td>5MSC 7</td><td>3.7 kW</td><td>E</td></tr><tr><td>4.</td><td>65 × 50mm</td><td>-do-</td><td>5MSC 8</td><td>-do-</td><td>-do-</td></tr></table> Duty point as under: 1. At 15 m head, discharge 8.4 lps and efficiency 52% 2. At 18.5 m head, discharge 5.4 lps efficiency 40% 3. At 19 m head, discharge 11.8 lps & efficiency 54% 4. At 24 m head, discharge 8.3 lps & efficiency 45% IS: 6595—1972 & IS: 7538—1975 | Sl. No. | Size | Speed | Type/ model | Motor | Class | 1. | 65 × 65mm | 1440 RPM | 3MSC 6 | 2.2 kW | A | 2. | 65 × 50mm | -do- | 3MSC 7 | -do- | -do- | 3. | 65 × 65mm | -do- | 5MSC 7 | 3.7 kW | E | 4. | 65 × 50mm | -do- | 5MSC 8 | -do- | -do- |
| Sl. No. | Size | Speed | Type/ model | Motor | Class | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 1. | 65 × 65mm | 1440 RPM | 3MSC 6 | 2.2 kW | A | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 2. | 65 × 50mm | -do- | 3MSC 7 | -do- | -do- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 3. | 65 × 65mm | -do- | 5MSC 7 | 3.7 kW | E | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 4. | 65 × 50mm | -do- | 5MSC 8 | -do- | -do- | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 21. CM/L-7606 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Everest Oil Corporation, 17 G.N.T. Road, Erukanjeri, Moolakadal, Madras-600051 (T.N.) | Paraffin wax, type 3— IS: 4654—1974 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 22. CM/L-7607 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Ferro Fabrik, 15, Industrial Estate, Patna-13 | All aluminium stranded conductors— IS: 398—1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 23. CM/L-7608 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Tropical Agro-Systems Pvt. Ltd., 5 R.K. Nagar, Ottapalam-679103, Distt. Palghat (Kerala) | Malathion EC— IS: 2567—1978 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 24. CM/L-7609 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | B.B. Chemical Industries, Batala Road, Near Power House Amritsar (Pb.) | Zinc sulphate, agricultural grade— IS: 8249—1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 25. CM/L-7610 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Kissan Chemical and Fertilizers, 281-A, East Mohan Nagar, Amritsar-143001 (Pb.) | Zinc sulphate, agricultural grade— IS: 8249—1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 26. CM/L-7611 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | S.S. Chemicals, 281, East Mohan Nagar, Amritsar 143001 (Pb.) | Zinc sulphate, agricultural grade— IS: 8249—1976 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 27. CM/L-7612 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Moonlight Paint Industries, 11, East Mohan Nagar Outside Sultanwind Gate, Amritsar (Pb.) | Putty, for use on window frames— IS: 419—1967 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 28. CM/L-7613 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | The Imperial Match Works, Viswanatham Road, Sivakasi-626123 (T.N.) (Off: 12-A, Chairman Shunmuge Nadar Rd., Sivakasi-626123) (T.N.) | Safety matches in boxes— IS: 2653—1964 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 29. CM/L-7614 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Venkateswara Agro Chemicals and Minerals, Plot No. 3-B, (NP) Indl. Estate, Ambattur, Madras-600058 (T.N.) | Carbaryl water DPC (Ground spray grade)— IS: 7121—1973 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|-----------------------------|----------|----------|--|--|-----|
| 30. CM/L-7615 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Ramachandra Pesticides Pvt. Ltd., 275, New Timber Yard Lay out, Mysore Road, Bangalore-560026 (Karnataka) (Off. 23, 4th Main Road, New Tharagupet, Bangalore-560002) (Karnataka) | DDT EC— IS: 633—1973 | |
| 31. CM/L-7616 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | New Chemi Inds. P. Ltd., Ashok Nagar Cross Road No. 1, Kandivli (East), Bombay-400067 (Maharashtra) (Off. Rohit Chambers, 2nd Floor, Ghoga Street, Fort Bombay-400023) (Maharashtra) | Carbaryl DP— IS: 7122—1973 | |
| 32. CM/L-7617 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Tropical Agro-Systems, 530/2-B, Vanagaram Road, Ambattur, Madras-600058 (Tamil Nadu) | Carbaryl WDPC (ground spray grade)— IS: 7121—1973 | |
| 33. CM/L-7618 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Plywood Products India, 5, Dr. Biresh Guha Street, Calcutta-700017 (Off. 5, Rabindra Sarani, Calcutta-700001) | Tea-chest-metal fittings— IS: 10 (Part IV)—1976 | |
| 34. CM/L-7619 1979-03-12 | 79-03-16 | 80-03-15 | Rightaids (Bombay) P. Ltd., B-60, Mayapuri Industrial Area, Phase II, New Delhi | Ferro gallo tannate fountain pen ink (0.1 per cent iron content)— IS: 220—1972 | |
| 35. CM/L-7620 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | Dhruv Pesticides, 11-B, Sector D, Industrial Area, Govindpura, Bhopal | BHC (HCH) DP— IS: 561—1972 | |
| 36. CM/L-7621 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | -do- | DDT DP— IS: 564—1975 | |
| 37. CM/L-7622 1969-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | India Jute Mills, No. 2 & 3 (Healds & Reeds Factory) A unit of N.T.C. (M.N.) Ltd., Rambhin Bhogle Marg, Kalachowki, Bombay-400033 (Maharashtra) | Cotton healds for use in cotton looms— IS: 1739—1968 | |
| 38. CM/L-7623 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | Coromandal Paints and Chemicals Ltd., Pendurthi P.O. Visakhapatnam Dist. (A.P.) (Off. : 10-1-20 Waltair Uplands, Visakhapatnam-530003) (AP) | Ready mixed paint, red oxide zinc chrome, priming— IS: 2074—1962 | |
| 39. CM/L-7624 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-03-31 | Milkfood Ltd., P.O. Bahadurgarh-147002 Distt. Patiala (Punjab) | Infant milk food— IS: 1547—1968 | |
| 40. CM/L-7625 1979-03-21 | 79-04-01 | 80-30-31 | Behari Lal and Co., 66, Besti Nau, Jullundur-140002 (Punjab) | Basket balls— IS: 417 (Part I, II, III)—1974 | |
| 41. CM/L-7626 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Associated Chemical Industries, Plot No. 144, Anna Nagar, Wester Extension, Madras-600050 (Tamil Nadu) | Solid coal tar food colour preparations— IS: 5346—1975 | |
| 42. CM/L-7627 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Sri Balaji Pesticides, Ponpadi R.S., Tiruttani-631213 (T.N.) | BHC (HCH) DP— IS: 561—1972 | |
| 43. CM/L-7628 1979-03-22 | 79-03-16 | 80-03-15 | Rightaids (Bombay) P. Ltd., B-60, Mayapuri Indl. Area, Phase II, New Delhi | Dye based fountain pen inks, royal blue, red, green, black and Bharat blue— IS: 1221—1971 | |
| 44. CM/L-7629 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | National Cables Industries, Village Alipur Gadi, Delhi-110036 | PVC insulated cables with aluminium and copper conductor for working voltages upto and including 1100 V— IS: 694—1977 | |
| 45. CM/L-7630 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-30-31 | Shakti Sales Corp., 3/18 Subhash Nagar, Meerut-1 | Clinical thermometers— IS: 3055—1965 | |
| 46. CM/L-7631 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Eagle Chemicals 38/75, Sudershar pur Indl. Area, Jaipur | Paraffin wax, type 3— IS: 4654—1974 | |
| 47. CM/L-7632 1979-3-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Redhot Electricals, 17 Deputy Gaj, Sadar Bazar, Delhi-110006 | Electric iron automatic, 230V, AC, 750 W— IS: 366—1965 | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|-----------------------------|----------|----------|---|---|-----|
| 48. CM/L-7633 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Harsha Siles Corpn., 23, Ring Road, Agra-282004 | Vertical, single cylinder, water cooled, four-stroke, diesel engines of the follo- wing rating : Output 4.77 (6.5HP) Speed 1500 RPM Governing SFC Class 'B' 269 g/ kW/h (198g/ b/hp/h)— IS : 1601—1960 | |
| 49. CM/L-7634 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Raj Plastic Cables, 421 and 422, G.I.D.C. Industrial Estate, Odhav, Ahmedabad- 382410 (Gujarat) | PVC insulated cables, single core, sheathed and unsheathed with aluminium conduc- tors— IS : 694—1977 | |
| 50. CM/L-7635 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Coromandal Paints and Chemicals Ltd., Pendurthi P.O., Visakhapatnam Dist. (A.P.) (Off : 10-1-20 Waltair Uplands, Visakha- patnam-530003 (A.P.)) | Aluminium paint for general purposes, in dual container— IS : 2339—1963 | |
| 51. CM/L-7636 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Multiplex Agro Industries P. Ltd., Plot No. 184/11 & 12 GIDC Estate, Naroda, Ahmedabad-382330 (Gujarat) | DDT EC— IS : 633—1975 | |
| 52. CM/L-7637 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Sigil (India) Services P. Ltd., 8.2, K.M. Stone, Padra Road, Atladra, Vadodara (Gujarat) | Horizontal Centrifugal pumps for clear cold, fresh water for agricultural pur- poses of the following sizes : Sl No. Size Speed Type/model 1. 75 × 65mm 1500 RPM DE 2. 100 × 100mm 1500 RPM DE IS : 6595—1972 | |
| 53. CM/L-7638 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Shri Ram Chemicals, Shed No. K2, Plot No. 81/9 G.I.D.C. Industrial Estate Varva, Ahmedabad-382445 (Gujarat) | Copper sulphate, technical — IS : 261—1966 | |
| 54. CM/L-7639 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | E.I.D. Parry (India) Ltd., Door No. 223/ 225-C-2 Tadepalli, Guntur Distt. (A.P.) (Off : Dare House, P. B. No. 12, Madras- 600001) (T.N.) | BHC(HCH)DP— IS : 561—1972 | |
| 55. CM/L-7640 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Southern Chemical Products, Pedakakani- 522500 Guntur Dist. (A.P.) | Copper sulphate, technical— IS : 261—1966 | |
| 56. CM/L-7641 1979-03-22 | 79-04-41 | 80-03-31 | National Carbon Co., Div. of Union Car- bolite India Industrial Area, Moula Ali, Hyderabad-500040 (A.P.) (Off : Middleton Street, Calcutta-700071) (W.B.) | Dry batteries for flashlight R-20— IS : 203—1972 | |
| 57. CM/L-7642 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Kamdhenu Pesticides, 50A-/51, Hadapsar Indl. Estate, Pune-411013 (Maharashtra) (Off : 1379 Bhawani Peth, Pune-411002) (Maharashtra) | Phosphamidon water soluble concentra- tes— IS : 6177—1971 | |
| 58. CM/L-7643 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Universal Petro-Chemicals Ltd., C/o Lu- brichem Indl. P. Ltd., Rai Village, Via- Bhayandar, Distt. Thana (Maharashtra) | Insulating oil for transformers and switch- gears— IS : 335—1972 | |
| 59. CM/L-7644 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Steel (India) P. Ltd., E-37, MIDC, Chikal- thana, Aurangabad (Off : 259, Kalbadevi Road, Bombay- 400002) | Mild steel wire for general engineering purposes— IS : 280—1972 | |
| 60. CM/L-7645 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Indian Chemical and Fertilizer Industries, P. O. Bahadurpur, Sabour Road, Bha- galpur (Bihar) | BHC(HCH)DP— IS : 561—1978 | |
| 61. CM/L-7646 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Community Engineering Works, Industrial Estate, Trivandrum-695019 | Rocker sprayer— IS : 3062—1974 | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) |
|-----|-------------------------|----------|----------|---|--|
| 62. | CM/L-7647 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Neptune Knitting Works, 15-A(2) Avanashi Road, Tirupur-638603 (T.N.) | Plain knitted cotton vests : types : RN & RNS sizes : 75 cms to 100 cms gauge : 24— IS : 4964(Part II)—1975 |
| 63. | CM/L-7648 1979-03-22 | 79-04-01 | 80-03-31 | Bajoria Coating Industries P. Ltd., 127, Barrackpore Trunk Road, Calcutta-700035 (W.B) | Carbon papers for type writers, grade— IS : 1551—1976 |
| 64. | CM/L-7649 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | Galada Continuous Castings Ltd., P 2/6, IDA, Block III, Uppal, Hyderabad-500039 (A.P) | EC grade aluminium rod produced by continuous casting and rolling— IS : 5484—1969 |
| 65. | CM/L-7650 1969-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | Jalan Containers Mfg. Corpn., 30-31 Industrial Focal Point, Rajpura-140401 (Punjab) | IS : Litre square tins IS : 916—1975 |
| 66. | CM/L-7651 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | India United Mills, No. 1 Mill; (A Unit of N.T.C. (M.N) Ltd., (Subsidiary of N.T.C. A Govt. of India Undertaking Veer Savarkar Marg, Dadar, Bombay-400028 (Off : N.T.C. House, N. Morarjee Marg, Ballard Estate, Bombay-400038 | Polyester cotton shirting— IS : 7085—1973 |
| 67. | CM/L-7652 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | The Hindustan Mineral Products Co. P. Ltd., 27, Manganese Depot, Sewri, Bombay-400015. (Off : 111, Industrial Area, Sion, Bombay-400022). | Repacking of ziram water dispersible powder— IS : 3901—1975 |
| 68. | CM/L-7653 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | -do- | Repacking of thiram seed dressing formulations— IS : 4783—1968 |
| 69. | CM/L-7654 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | Surface Packaging, G.M. Finance Compound, Godown No. 7, Kolshet Road, Thana (Maharashtra). | Repacking of DDT EC— IS : 633—1975 |
| 70. | CM/L-7655 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | Surface Packaging, G.M. Finance Compound, Godown No. 7, Kolshet Road, Thana (Maharashtra). | Repacking of copper oxychloride water dispersible powder concentrate— IS : 1507—1977 |
| 71. | CM/L-7656 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | -do- | Repacking of malathion EC— IS : 2567—1978 |
| 72. | CM/L-7657 1979-03-23 | 79-04-01 | 80-03-31 | -do- | Repacking of quinalphos EC— IS : 8028—1976 |
| 73. | CM/L-7658 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | Asian Chemical Works, 29, Kondivitta Village Rd. (Off : Kurla Andheri Road, Bombay-400059) (Maharashtra). | Amaranth, food grade— IS : 1696—1974 |
| 74. | CM/L-7659 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | -do- | Fast red E food grade— IS : 2924—1974 |
| 75. | CM/L-7660 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | The Flavours India P. Ltd., C-5 and 14, Industrial Estate, Mettupalayam, Pondicherry-605010 | Caramel, spirit soluble— IS : 4467—1967 |
| 76. | CM/L-7661 1979-03-27 | 79-04-01 | 80-03-31 | Asian Chemical Works, 29, Kondivitta Village Rd. (Off : Kurla Andheri Road, Bombay-400059 (Maharashtra). | Brilliant blue, FCF food grade— IS : 6406—1977 |
| 77. | CM/L-7662 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | Coromandal Indag Products (P) Ltd., 28, Illupa Thoppu Street, Kaladipet, Madras-600019 (T.N.) | Chlorpyrifos EC— IS : 8944—1978 |
| 78. | CM/L-7663 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | Selvam Chemical Industries Pvt. Ltd., 37-A, Velayutham Road, Sivakasi-626123 (T.N.) | Paraffin wax type-3— IS : 4654—1974 |
| 79. | CM/L-7664 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | Vesco Product Co. 11-B, Dr. Sudhir Basu Road Calcutta-700023 (W.B.) (Off : 66, Ezra Street, Calcutta-700000). | Annatto colour for food products in oil— IS : 2557—1963 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (6) | | | | | | | |
|-----------------------------|----------|-----------|--|---|--------|-------|-----------|-----|---------------|---------|-----------|-----------------------|
| 80. CM/L-7665 1979-03-28 | 79-04-01 | 80-03-31 | Surrendra Tubes & Steels Pvt. Ltd., 2nd Pokharan Road, Majiwada, Thana. (Off : 24, Baroda Street, Bombay-400009). | Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966 | | | | | | | | |
| 81. CM/L-7666 1979-03-29 | 79-04-01 | 80-03-31 | Debdip Rubber Works P. Ltd., 123, Jessore Road, Calcutta-700055 (W.B.) | Rubber conveyor belting general purpose grade M-24— IS : 1891 (Part I)—1968 | | | | | | | | |
| 82. CM/L-7667 1979-03-29 | 79-04-16 | 80-04-15 | Chemoleums Pvt. Ltd., Thiruneeermalai Road, Chromepet, Madras-600044 (T.N.) | Cutting oil, neat type 1, grade 2, type 2, grades 1 and 2— IS : 3065—1970 | | | | | | | | |
| 83. CM/L-7668 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Southern Insecticides & Fertilizers, 1A/2, Industrial Estate, Ambattur, Madras-600098 (T.N.) | Dichlorvos EC— IS : 5277—1978 | | | | | | | | |
| 84. CM/L-7669 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | United Pulverisers, Bodla, Agra-282007 (U.P.) | Malathion DP— IS : 2568—1978 | | | | | | | | |
| 85. CM/L-7670 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | -do- | Malathion EC— IS : 2567—1978 | | | | | | | | |
| 86. CM/L-7671 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Chemet Chemicals P. Ltd., 82/1, G.I.D.C. Indl. Estate, Vatva, Ahmedabad (Gujarat). | BHC DP— IS : 561—1972 | | | | | | | | |
| 87. CM/L-7672 1979-03-30 | 79-04-01 | 80-03-31 | Coromandal Paints & Chemicals Ltd. Pendurthi P.O., Visakhapatnam Dist. (Andhra Pradesh). (Off : 10-1-20 Waltair Uplands, Visakhapatnam-530003) (A.P.) | Enamel, synthetic, exterior undercoating and finishing— IS : 2932—1974 | | | | | | | | |
| 88. CM/L-7673 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | C.H. Capacitors P. Ltd., Plot No. B-17 & B-18, A.I.E. for B.H.E.L. Ramachandrapuram, Hyderabad-500032 (A.P.) | Shunt capacitors for power systems, 3 KVAR & 5 KVAR, 415 volts — IS : 2834—1964 | | | | | | | | |
| 89. CM/L-7674 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Bangalore Wire Rod Mill, (A Unit of Transport Corpn. of India Ltd.) Whitefield Road, Mahadevapura P.O. Bangalore-560048 | Carbon steel bars for forgings— IS : 1875—1978 | | | | | | | | |
| 90. CM/L-7675 1979-03-30 | 79-04-01 | 80-03-31 | Kopson Products, 3, Sadulla Street, T. Nagar, Madras-600017 (T.N.) | Synthetic detergents for industrial purposes, type 3, liquid— IS : 4956—1977 | | | | | | | | |
| 91. CM/L-7676 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Devarsons P. Ltd., 441, G.I.D.C. Industrial Estate, Odhav-382415 (Gujarat). (Off : Naryan Niwas, Astodia Rd., Ahmedabad) (Gujarat). | Brilliant blue, FCF food grade IS : 6406—1977 | | | | | | | | |
| 92. CM/L-7677 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Devidayal (Sales) P. Ltd., 50/A, G.I.D.C. Estate, Kalol—389330 Distt. Panchmahals (Gujarat). | Oxydemeton methyl EC— IS : 8259—1976 | | | | | | | | |
| 93. CM/L-7678 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Excel Industries Ltd., 6/2, Ruvapari Road., Bhavnagar (Gujarat). (Off : 184/187, Swami Vivekanand Road, Jogeshwari, Bombay-400060) (Maharashtra). | Endosulfan, technical— IS : 4344—1978 | | | | | | | | |
| 94. CM/L-7679 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Plagle Moulds, Lakshmi Industrial Colony, 47/3C, Ottari Road, Virupakshipuram, Vellor-632002 | Protective helmets for scooter and motor cycle riders— IS : 4151—1976 | | | | | | | | |
| 95. CM/L-7680 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Purusharth Industries, Bhakti Nagar Station Plot, Road No. 2, Ganga Bhavan, Rajkot-360002 (Gujarat). | Vertical, single cylinder, four-stroke, water cooled diesel engines of the following rating : <table><tr><td>Output</td><td>Speed</td><td>Governing</td><td>SFC</td></tr><tr><td>5.88 kW (8HP)</td><td>850 RPM</td><td>Class 'B'</td><td>300g/kWh (220g/bhp/h)</td></tr></table> IS : 1601—1960 | Output | Speed | Governing | SFC | 5.88 kW (8HP) | 850 RPM | Class 'B' | 300g/kWh (220g/bhp/h) |
| Output | Speed | Governing | SFC | | | | | | | | | |
| 5.88 kW (8HP) | 850 RPM | Class 'B' | 300g/kWh (220g/bhp/h) | | | | | | | | | |
| 96. CM/L-7681 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Chowdhury Industries, 3rd Mile, Sevoke Road, Siliguri (West Bengal). | Tea chest battens— IS : 10 (Part III)—1974 | | | | | | | | |
| 97. CM/L-7682 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | National Electrical Industries Ltd., Industrial Estate, Lalbaug, Bombay-400012. | Three phase squirrel cage induction motors for agricultural applications; 2.2 kW with class 'B' insulation— IS : 7538—1975 | | | | | | | | |
| 98. CM/L-7683 1979-03-30 | 79-04-16 | 80-04-15 | Sharda Industries & Engg. Works Pvt. Ltd., Kamptee Road, Nagpur-400017. | Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786—1966 | | | | | | | | |

[No. CMD/13 : 11]

A. P. BANERJI, Addl. Director General

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 9 सितम्बर, 1981

क्र० आ० 2586.—केन्द्रीय सरकार, नमक उपकर अधिनियम, 1953 (1953 का 49) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नमक उपकर नियम, 1964 का धीरे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, यथातः—

- इन नियमों का संक्षिप्त नाम नमक उपकर (संशोधन), नियम, 1981 है,
- नमक उपकर नियम, 1964 के नियम 9 में,—

- खंड (क) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, यथातः—
“भारत के बाहर किसी देश को भारत से बाहर समुद्र द्वारा धीरे यदि वह देश समुद्री मार्गों से जुड़ा हुआ नहीं है तो रेल या सड़क द्वारा जो जाया गया नमक सम्पूर्ण।”
- खंड (ज) का जोप किया जाएगा।

[सं० 02011/7/78 सल्ट]

पुरनचंद, अधर सचिव

टिप्पणी:—नमक उपकर नियम, 1964 का पहले, क्र० आ० सं० 4037 ता० 17 नवम्बर, 1964, क्र० आ० सं० 2038 ता० 16 जून, 1965, क्र० आ० सं० 1519 ता० 12 मई, 1966 का क्र० सं० 3592 ता० 18 नवम्बर, 1966 और क्र० आ० सं० 2543 ता० 27 अगस्त, 1973 द्वारा संशोधन किया गया है।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 9th September, 1981

S.O. 2586.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Salt Cess Act, 1953 (49 of 1953), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Salt Cess Rules, 1964, namely:—

- These rules may be called the Salt Cess (Amendment) Rules, 1981.
- In rule 9 of the Salt Cess Rules, 1964,

- for clause (a), the following clause shall be substituted, namely:—

“(a) Salt taken out of India to any country outside India by sea and if the country is not connected by sea then by rail or road.....the whole”.

- clause (f) shall be omitted.

[No. 02011/7/78-Salt]

PURAN CHAND, Under Secy.

Note.—The Salt Cess Rules, 1964 have already been amended vide S.O. No. 4037 dated 17th November, 1964 S.O. No. 2038 dated 16th June 1965, S.O. No. 1519 dated 12th May 1966, S.O. No. 3502 dated 18th November, 1966, and S.O. No. 2543 dated 27th August 1973.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1981

क्र० आ० 2587.—उत्प्रवासन अधिनियम, 1922 (1922 का vii) की धारा 3 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार इसके द्वारा क्षेत्रीय पासपोर्ट एवं उत्प्रवासन कार्यालय, मद्रास में सहायक पासपोर्ट

अधिकारी श्री आर० मुत्तुस्वामी के स्थान पर सहायक पासपोर्ट अधिकारी श्री वी० परमेश्वरन को 25-5-81 के पृष्ठान्त से उनके अपने कार्यों के प्रतिरिक्त उत्प्रवासन संरक्षक के रूप में भी नियुक्त करती है। श्री आर० मुत्तुस्वामी को पासपोर्ट कार्यालय कोझिकोड स्थानांतरित कर दिया गया है।

[सं० सी०पी० ई० मो०/10/81]

मो० पी० चावला, अधर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 10th September, 1981

S.O. 2587.—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Emigration Act, 1922 (VII of 1922), the Central Government hereby appoints Shri P. Parameswaran, Assistant Passport Officer, as Protector of Emigrants in the Regional Passport and Emigration Office, Madras, in addition to his own duties w.e.f. the forenoon of 25-5-1981 vice Shri R. Muthuswamy, Assistant Passport Officer, transferred to Passport Office, Kozhikode.

[No. CPEO/10/81]

O. P. CHAWLA, Under Secy.

पेट्रोलियम, रसायन और उर्वरक मंत्रालय

(रसायन और उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1981

क्र० आ० 2588.—सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जे से बेवकाली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एन० द्वारा निम्नलिखित तालिका के कालम (1) में उल्लिखित अधिकारी को जो भारत सरकार के राजपत्रित अधिकारी के ब्रह्मे के समान अधिकारी है, उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्मदा अधिकारी नियुक्त करते हैं जो उक्त तालिका के कालम (2) में निर्दिष्ट सार्वजनिक परिसर के बारे में उक्त अधिनियम के अन्तर्गत सम्मदा अधिकारी को प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों का पालन करेंगे।

तालिका

| अधिकारी का पद नाम | सार्वजनिक परिसर की श्रेणी |
|--|--|
| (1) | (2) |
| सचिव और विधि अधिकारी मद्रास फर्टिलाइजर्स लि० | मद्रास फर्टिलाइजर्स लि० का परिसर यथा उसके द्वारा या उनकी ओर से पड़े पर नियम किया गया परिसर |

[फाइल सं० 119/4/81-एफ०सी०सी०]

श्री० आर० गुप्ता, डेप्टी अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS & FERTILISER

(Department of Chemicals & Fertilizers)

New Delhi, the 10th September, 1981

S.O. 2588.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of unauthorised occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to the estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act in respect of the Public Premises specified in column (2) of the said table.

TABLE

| Designation of the officer | Categories of public premises | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--|--|------------------------------|---|--|--|--|
| (1) | (2) | | | | | |
| Secretary & Law Officer, Madras Fertilizers Ltd | Premises belonging to, or taken on lease, by or on behalf of the Madras fertilizers Limited. | बाबरपुर ह० न० 34 —जारी | 17/2 मिन 17/9/2 मिन 17/12/3 मिन 17/19 मिन 79 मिन | 0 0 0 0 0 | 10 10 10 06 00 | 12 12 12 07 76 |
| | [F. No. 119/4/81-FDC] D. R. GUPTA, Desk Officer (पेट्रोसियम विभाग) | बरोली ह० न० 33 | 4/19 मिन 4/22 मिन 106 मिन 10/2 मिन 10/9 मिन 10/12 मिन 10/19 मिन 10/22 मिन 15/2/1 मिन 15/2/2 मिन 15/9 मिन 15/12 मिन 73/मिन | 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 | 05 10 00 09 10 10 10 09 02 06 10 00 01 | 31 12 51 61 12 12 12 61 78 32 12 76 01 |
| | नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1981 | गांजबड़ ह० न० 31 | 10/22 मिन 70 मिन 17/2 मिन 17/9/1 मिन 17/9/2 मिन 17/12 मिन 17/19 मिन 86 मिन | 0 0 0 0 0 0 0 0 | 05 00 09 06 04 10 03 01 | 56 51 61 07 03 12 79 01 |
| | | कोल्ह ह० न० 30 | 42/22 मिन 69/2 मिन 69/9 मिन 69/12/1 मिन 69/12/2 मिन 69/19 मिन 69/22/2 मिन 69/22/1 मिन 162 मिन 961 मिन 80/2 मिन 80/9 मिन 80/12/2 मिन 80/19 मिन 80/22 मिन 106/2 मिन 106/9 मिन 106/12 मिन 106/19 मिन 156/22 मिन 119/2 मिन 119/9 मिन 119/12 मिन 119/19 मिन 119/22 मिन 1003 मिन | 0 | 03 10 09 04 05 10 05 02 00 02 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 10 04 00 | 04 12 61 30 82 12 31 53 51 30 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 12 58 76 |
| | अनुसूची | तहसील, करमाल | जिला करमाल | राज्य : | हरियाणा | |
| | | | | | क्षेत्रफल | |
| नाम ग्राम | खसरा न० | है० | ऐ० | वर्ग मी० | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | |
| बाबरपुर | 4/12 मिन | 0 | 09 | 36 | | |
| ह० न० 34 | 4/19/1 मिन | 0 | 05 | 82 | | |
| | 4/19/2 मिन | 0 | 04 | 30 | | |
| | 4/22 मिन | 0 | 10 | 12 | | |
| | 9/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | |
| | 9/9/1 मिन | 0 | 02 | 28 | | |
| | 9/9/2 मिन | 0 | 07 | 84 | | |
| | 9/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | |
| | 9/19 मिन | 0 | 10 | 12 | | |
| | 9/22 मिन | 0 | 09 | 36 | | |
| | 107/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|--------------|---|----|----|----------|-------------|---|----|----|
| गुडा | 7/22 मिन | 0 | 09 | 86 | गुडा | 83/22/2 मिन | 0 | 02 | 28 |
| ह० न० 23 | 17/2 मिन | 0 | 10 | 12 | ह० न० 23 | 89/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 17/9 मिन | 0 | 09 | 61 | जारी | 89/9 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 17/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 89/12 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 17/19 मिन | 0 | 10 | 12 | | 89/19 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 17/22/1 मिन | 0 | 04 | 81 | | 89/22 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 17/22/2 मिन | 0 | 05 | 31 | शेखपुरा | 371 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 129/14 मिन | 0 | 00 | 51 | ह० न० 22 | 370 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 32/2/2 मिन | 0 | 01 | 26 | | 375 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 32/2/1 मिन | 0 | 00 | 60 | | 378 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 32/9/1 मिन | 0 | 02 | 78 | | 384 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 32/9/2 मिन | 0 | 07 | 33 | | 383 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 32/12/1 मिन | 0 | 03 | 54 | | 1088 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 32/12/2 मिन | 0 | 01 | 26 | | 1099 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 32/12/3 मिन | 0 | 00 | 51 | | 1100 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 32/12/4 मिन | 0 | 00 | 51 | | 1106 मिन | 0 | 06 | 83 |
| | 32/12/5 मिन | 0 | 01 | 01 | | 1107 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 32/12/6 मिन | 0 | 03 | 29 | | 1105 मिन | 0 | 13 | 91 |
| | 32/19/1 मिन | 0 | 04 | 30 | | 1108 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 32/19/2 मिन | 0 | 01 | 01 | | 1112 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 32/19/5 मिन | 0 | 04 | 81 | | 1114 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 32/22 मिन | 0 | 09 | 36 | | 1117 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 160 मिन | 0 | 00 | 76 | | 1118 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/2/1 मिन | 0 | 03 | 29 | | 1121 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/2/2 मिन | 0 | 01 | 52 | | 1122/1 मिन | 0 | 08 | 85 |
| | 43/2/5 मिन | 0 | 03 | 54 | | 1122/2 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 43/2/6 मिन | 0 | 01 | 77 | | 1257 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 43/9/1 मिन | 0 | 09 | 61 | | 1258 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 43/9/2 मिन | 0 | 00 | 51 | | 1259 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 43/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1260 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 43/19/1 मिन | 0 | 06 | 07 | | 1261 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 43/19/2 मिन | 0 | 01 | 77 | | 1263 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 43/22 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1266 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 142 मिन | 0 | 02 | 28 | | 1421 मिन | 0 | 12 | 65 |
| | 129/15 मिन | 0 | 00 | 51 | | 1419 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 58/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1420 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 58/9 मिन | 0 | 09 | 61 | | 1418 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 58/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1395 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 58/19/1 मिन | 0 | 03 | 04 | | 1397 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 58/19/2 मिन | 0 | 05 | 82 | | 1396 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 53/19/3 मिन | 0 | 01 | 01 | | 1381 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 58/22 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1382 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 68/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1380 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 68/9/2 मिन | 0 | 01 | 52 | | 1383 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 63/9/1/1 मिन | 0 | 04 | 05 | | 1376 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 68/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1377/1 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 68/19 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1374/1 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 68/22 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1374/2 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 129/16 मिन | 0 | 00 | 51 | | 1375 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 186 मिन | 0 | 01 | 77 | | | | | |
| | 83/2 मिन | 0 | 09 | 61 | | 2/11 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 83/9 मिन | 0 | 09 | 36 | ह० न० 28 | 2/20 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 83/12 मिन | 0 | 09 | 36 | | 2/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 83/19/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | 6/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 82/22/1 मिन | 0 | 07 | 84 | | 6/11 मिन | 0 | 10 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|-------------|---|----|----|
| मलिकपुर | 9/1 मिन | 0 | 09 | 61 |
| ह० न० 28 | 9/9 मिन | 0 | 01 | 52 |
| —जारी | 9/10 मिन | 0 | 08 | 60 |
| | 9/11 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 9/12 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 9/19 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 9/20 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 9/21 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 9/22 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 139 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 16/2/2 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 16/2/1 मिन | 0 | 04 | 81 |
| | 16/9 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 16/12 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 16/19 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 16/22 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 141 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 20/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/9 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/12 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/19/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/22/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 119/ मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 31/2/2 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 31/2/1 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 31/3 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 31/9/ मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 31/8 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 31/12 मिन | 0 | 03 | 54 |
| | 31/13/1 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 31/18/2 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 31/19/1 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 31/23/1 मिन | 0 | 08 | 85 |
| | 31/23/2 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 111 मिन | 0 | 10 | 26 |
| | 38/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 38/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 38/13 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 38/18 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 38/23 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 153 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 151 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 47/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/13 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/23 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/18 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 59/3 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 59/8 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 59/13 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 59/14 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 59/17 मिन | 0 | 03 | 54 |
| | 59/18 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 59/23 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 59/24 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 144 मिन | 0 | 07 | 08 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------|--------------|---|----|----|
| मलिकपुर | 149 मिन | 0 | 00 | 51 |
| ह० न० 28 | 63/3 मिन | 0 | 00 | 51 |
| —जारी | 63/4 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 63/7 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 63/14 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 63/17 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 63/24 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 80/4 मिन | 0 | 09 | 11 |
| करसक | 12/18 मिन | 0 | 06 | 07 |
| ह० न० 21 | 12/23/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 25/3/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 25/8 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 25/7 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 25/13 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 25/14 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 25/17 मिन | 0 | 06 | 83 |
| | 25/18 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 25/24 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 260 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 29/4 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29/7 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29/14 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29/17 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29/24 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 46/4 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 46/7 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 46/14 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 46/16/1 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 46/17 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 46/16/2 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 46/24 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 46/25 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 151 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 121 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 120 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 51/ 4 मिन | 0 | 03 | 54 |
| | 51/5 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 51/6 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 51/7 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 51/15 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 51/16 मिन | 0 | 12 | 14 |
| | 51/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 66/5 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 66/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 66/15 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 66/16 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 66/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/5 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/15/ 1 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 70/15/2 मिन | 0 | 03 | 07 |
| | 70/16 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 70/25 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 69/20 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 69/21 मिन | 0 | 03 | 54 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|-------------|---|----|----|-----------|-------------|---|----|----|
| फुरलक | 84/5 मिन | 0 | 04 | 05 | बेजना | 3/11 मिन | 0 | 02 | 02 |
| ह० न० 21— | 84/6 मिन | 0 | 02 | 02 | ह० न० 14— | 3/12 मिन | 0 | 01 | 77 |
| जारी | 84/15 मिन | 0 | 00 | 76 | जारी | 3/19 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 85/1 मिन | 0 | 06 | 07 | | 3/20/1 मिन | 0 | 04 | 58 |
| | 85/10 मिन | 0 | 08 | 09 | | 3/21 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 85/11 मिन | 0 | 09 | 61 | | 3/22 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 85/20/1 मिन | 0 | 03 | 54 | | 10/1/2 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 85/20/2 मिन | 0 | 04 | 81 | | 10/2 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 85/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 10/9 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 86/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 10/12 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 86/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 10/19/2 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 86/11 मिन | 0 | 10 | 37 | | 10/19/1 मिन | 0 | 04 | 81 |
| | | | | | | 10/22 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 187 मिन | 0 | 00 | 51 |
| रसीन | 6/11/1 मिन | 0 | 00 | 25 | | 18/2/1 मिन | 0 | 02 | 78 |
| ह० न० 10 | 6/20 मिन | 0 | 04 | 55 | | 18/2/2 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 6/21 मिन | 0 | 08 | 60 | | 18/3 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 5/15 मिन | 0 | 08 | 09 | | 18/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 5/16 मिन | 0 | 05 | 56 | | 18/13 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 5/25/2 मिन | 0 | 01 | 26 | | 18/14 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 11/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 18/18 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 11/10 मिन | 0 | 09 | 61 | | 18/17 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 11/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 18/24/2 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 11/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 18/25 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 11/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 113/1 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 79 मिन | 0 | 00 | 51 | | 27/4 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 14/1/2 मिन | 0 | 01 | 26 | | 27/5 मिन | 0 | 08 | 35 |
| | 14/1/1 मिन | 0 | 08 | 09 | | 27/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 14/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 27/15 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 14/9 मिन | 0 | 04 | 53 | | 91 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 14/10 मिन | 0 | 05 | 56 | | 28/11 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 14/11 मिन | 0 | 00 | 76 | | 28/20/1 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 14/12/2 मिन | 0 | 06 | 58 | | 28/20/2 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 14/12/1 मिन | 0 | 02 | 78 | | 28/19/2 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 14/19 मिन | 0 | 09 | 36 | | 28/21/2 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 14/22 मिन | 0 | 10 | 12 | | 28/22 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 68 मिन | 0 | 00 | 76 | | 117 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 21/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | 142 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 21/9/1 मिन | 0 | 01 | 77 | | 38/2 मिन | 0 | 10 | 37 |
| | 21/9/2 मिन | 0 | 08 | 35 | | 38/9 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 38/12 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/18 मिन | 0 | 00 | 51 | | 38/19 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 21/19 मिन | 0 | 08 | 60 | | 38/18 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 21/22 मिन | 0 | 02 | 53 | | 38/22 मिन | 0 | 03 | 54 |
| | 21/23 मिन | 0 | 05 | 56 | | 38/23 मिन | 0 | 06 | 68 |
| | 24/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 127 मिन | 0 | 00 | 61 |
| | 24/3/1 मिन | 0 | 06 | 07 | | 51/3 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 24/3/2 मिन | 0 | 01 | 01 | | 61/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 24/8 मिन | 0 | 10 | 12 | | 51/13 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 24/13 मिन | 0 | 10 | 12 | | 51/18 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 24/18 मिन | 0 | 04 | 05 | | 51/23 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 57 मिन | 0 | 02 | 28 | | 60/3 मिन | 3 | 10 | 12 |
| | 84 मिन | 0 | 05 | 06 | | 60/8 मिन | 0 | 09 | 61 |
| बेजना | 93 मिन | 0 | 00 | 51 | | | | | |
| ह० न० 14 | 188 मिन | 0 | 00 | 25 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|-------------|---|----|----|-----------------|-----------|----|----|----|
| वेजना (क्रमशः) | 60/7 मिन | 0 | 00 | 51 | समानखा (क्रमशः) | 60 मिन | 0 | 1 | 26 |
| | 60/13 मिन | 0 | 05 | 56 | | 168 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 60/14 मिन | 0 | 04 | 55 | | 32/1 मिन | 0 | 00 | 12 |
| | 60/18 मिन | 0 | 00 | 25 | | 32/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 60/17 मिन | 0 | 09 | 11 | | 32/11 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 60/24 मिन | 0 | 10 | 12 | | 32/12 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 149 मिन | 0 | 00 | 76 | | 72 मिन | 0 | 00 | 52 |
| | 72/4 मिन | 0 | 10 | 12 | | 175 मिन | 50 | 00 | 51 |
| | 72/7 मिन | 0 | 10 | 12 | खेरी नरु | 298 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 72/14 मिन | 0 | 10 | 12 | ह० न० 42 | 297 मिन | 00 | 10 | 12 |
| | 72/17 मिन | 0 | 10 | 12 | | 296 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 72/24/2 मिन | 0 | 09 | 36 | | 295 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 72/25 मिन | 0 | 00 | 76 | | 316 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 77/4 मिन | 0 | 05 | 56 | | 317 मिन | 0 | 08 | 85 |
| | 77/5 मिन | 0 | 04 | 55 | | 318 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 77/6 मिन | 0 | 09 | 36 | | 319 मिन | 0 | 05 | 83 |
| | 77/7 मिन | 0 | 00 | 76 | | 325 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 77/15 मिन | 0 | 10 | 12 | | 328 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 77/16 मिन | 0 | 10 | 12 | | 332 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 77/25 मिन | 0 | 10 | 12 | | 739 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 85/5 मिन | 0 | 02 | 02 | | 772 मिन | 0 | 07 | 08 |
| समानखा | 393 मिन | 0 | 00 | 51 | | 773 मिन | 0 | 01 | 77 |
| ह० न० 13 | 3/16 मिन | 0 | 07 | 33 | | 784 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 3/25 मिन | 0 | 09 | 36 | | 774 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 162 मिन | 0 | 00 | 76 | | 783 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 70/1 मिन | 0 | 01 | 26 | | 775 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 57 मिन | 0 | 01 | 52 | | 776 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 7/5/1 मिन | 0 | 01 | 77 | | 782 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 7/6/1 मिन | 0 | 02 | 53 | | 781 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 7/6/2 मिन | 0 | 06 | 83 | | 780 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 7/15 मिन | 0 | 07 | 59 | | 869 मिन | 0 | 07 | 03 |
| | 7/16 मिन | 0 | 04 | 05 | | 868 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 7/25 मिन | 0 | 02 | 02 | | 870 मिन | 0 | 05 | 32 |
| | 8/11 मिन | 0 | 02 | 53 | | 867 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 8/20 मिन | 0 | 06 | 07 | | 883 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 8/21 मिन | 0 | 08 | 09 | | 872 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 69 मिन | 0 | 01 | 01 | | 866 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 14/1 मिन | 0 | 09 | 11 | | 873 मिन | 0 | 05 | 53 |
| | 14/10 मिन | 9 | 10 | 12 | | 865 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 14/11/1 मिन | 0 | 05 | 06 | | 874 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | | | | | | 864 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 14/11/2 मिन | 0 | 04 | 30 | | 1348 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 14/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1349 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 14/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 1354 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 167 मिन | 0 | 00 | 76 | | 1353 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 21/1 मिन | 0 | 08 | 35 | | 1360 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/10/2 मिन | 0 | 05 | 31 | | 1362 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/28 मिन | 0 | 00 | 51 | | 1363 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/11 मिन | 0 | 09 | 11 | | 1568 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 21/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 2134 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 21/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 2135 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/28 मिन | 0 | 01 | 77 | | 2136 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 26 मिन | 0 | 02 | 02 | | 2137 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29 मिन | 0 | 02 | 02 | | 2138 मिन | 0 | 10 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------------------|-----------|---|----|----|------------------|-------------|---|----|----|
| खेडीनक (क्रमश) | 2156 मिन | 0 | 10 | 12 | | 11/12 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 2155 मिन | 0 | 10 | 12 | | 11/13 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 2154 मिन | 0 | 10 | 12 | | 11/18 मिन | 0 | 07 | 84 |
| | 2166 मिन | 0 | 00 | 76 | | 11/23 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 2170 मिन | 0 | 09 | 36 | | 11/8 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 2171 मिन | 0 | 10 | 12 | | 24 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 2151 मिन | 0 | 00 | 00 | | 26 मिन | 0 | 13 | 15 |
| | 2826 मिन | 0 | 08 | 09 | | 27 मिन | 0 | 10 | 37 |
| | 2837 मिन | 0 | 02 | 02 | | 33 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 2827 मिन | 0 | 01 | 77 | | 14/8 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 2836 मिन | 0 | 08 | 35 | | 14/13 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 2835 मिन | 0 | 09 | 36 | | 14/14 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 2846 मिन | 0 | 00 | 76 | | 14/17 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 2833 मिन | 0 | 01 | 26 | | 14/18 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 2852 मिन | 0 | 08 | 85 | | | | | |
| | 2854 मिन | 0 | 01 | 26 | नयाप्रो ह० न० 49 | 12/17 मिन | 0 | 01 | 05 |
| | 2853 मिन | 0 | 08 | 85 | | 12/24 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 2861 मिन | 0 | 00 | 76 | | 127 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 2860 मिन | 0 | 09 | 36 | | 23/4 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 2863 मिन | 0 | 08 | 35 | | 23/7 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 2864 मिन | 0 | 01 | 77 | | 23/14 मिन | 0 | 08 | 85 |
| | 2874 मिन | 0 | 00 | 51 | | 23/15 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 2873 मिन | 0 | 09 | 36 | | 23/16 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 2879 मिन | 0 | 06 | 83 | | 23/17 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 2880 मिन | 0 | 03 | 29 | | 23/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 2892 मिन | 0 | 10 | 12 | | 24/5 मिन | 8 | 10 | 12 |
| | 3324 मिन | 0 | 10 | 12 | | 24/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 3325 मिन | 0 | 03 | 79 | | 24/15 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 3319 मिन | 0 | 01 | 26 | | 24/18 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 3320 मिन | 0 | 10 | 62 | | 24/25 मिन | 0 | 03 | 09 |
| | 1996 मिन | 0 | 00 | 51 | | 25/21 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 3315 मिन | 0 | 02 | 53 | | 35/1/1 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 3318 मिन | 0 | 10 | 62 | | 35/1/2 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 3328 मिन | 0 | 02 | 02 | | 35/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| विद्यली ह० न० 47 | 794 मिन | 0 | 06 | 32 | | 35/11/1 मिन | 0 | 07 | 84 |
| | 793 मिन | 0 | 02 | 53 | | 35/11/2 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 792 मिन | 0 | 03 | 79 | | 35/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 789 मिन | 0 | 01 | 26 | | 35/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 790 मिन | 0 | 00 | 51 | | 36/5 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 788 मिन | 0 | 00 | 76 | | 12/1 मिन | 0 | 00 | 07 |
| | 788/1 मिन | 0 | 01 | 77 | | 42/2 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 806/2 मिन | 0 | 03 | 29 | | 42/9 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 807/2 मिन | 0 | 04 | 55 | | 42/8 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 805 मिन | 0 | 02 | 02 | | 42/12 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 808/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | 42/13 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 809/2 मिन | 0 | 03 | 29 | | 42/18 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 818/2 मिन | 0 | 03 | 04 | | 42/17/2 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 817/2 मिन | 0 | 10 | 62 | | 42/23 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | | | | | | 42/24 मिन | 0 | 03 | 61 |
| ताहरपुर ह० न० 48 | 4/11 मिन | 0 | 01 | 77 | | | | | |
| | 4/12 मिन | 0 | 04 | 30 | | 52/4 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 4/19 मिन | 0 | 10 | 12 | | 52/5 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 4/22 मिन | 0 | 10 | 12 | | 52/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 11/2 मिन | 0 | 08 | 60 | | 52/15 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 11/9 मिन | 0 | 07 | 08 | | 52/16 मिन | 0 | 01 | 77 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------|-------------|---|----|----|-------------------|--------------|---|----|----|
| जवाही (क्रमशः) | 124 मिन | 0 | 02 | 02 | शाहपुर (क्रमशः) | 61/23 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 51/11 मिन | 0 | 00 | 25 | | 405 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 51/20 मिन | 0 | 06 | 07 | | 140 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 51/21/1 मिन | 0 | 07 | 59 | | 73/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 51/21/2 मिन | 0 | 02 | 53 | | 73/8 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 59/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 73/13 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 59/10 मिन | 0 | 10 | 12 | कलामपुरा ह० न० 12 | 1/24 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 59/9 मिन | 0 | 00 | 25 | | 75 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 59/11 मिन | 0 | 02 | 78 | | 9/4 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 59/12 मिन | 0 | 01 | 01 | | 9/7/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| हमदा ह० न० 14 | 6/13 मिन | 0 | 08 | 09 | | 9/14/1 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 6/18 मिन | 0 | 10 | 12 | | 9/14/2 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 6/23 मिन | 0 | 10 | 12 | | 9/18/1 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 7/3 मिन | 0 | 07 | 59 | | 9/17/1 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 7/4 मिन | 0 | 02 | 53 | | 9/17/2 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 7/7 मिन | 0 | 07 | 59 | | 9/24 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 7/8 मिन | 0 | 02 | 53 | | 9/25 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 7/14 मिन | 0 | 10 | 12 | | 183 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 7/17 मिन | 0 | 04 | 30 | | 12/4 मिन | 0 | 00 | 00 |
| शाहपुर ह० न० 13 | 124 मिन | 0 | 00 | 51 | | 12/5/1 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 5/24 मिन | 0 | 00 | 25 | | 43 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 20/4 मिन | 0 | 10 | 12 | | 12/8 मिन | 0 | 11 | 63 |
| | 20/7 मिन | 0 | 10 | 12 | | 12/15/2 | 0 | 04 | 05 |
| | 20/14 मिन | 0 | 07 | 08 | | 12/15/1 | 0 | 01 | 52 |
| | 20/15 मिन | 0 | 03 | 04 | | 13/11/2 | 0 | 08 | 60 |
| | 20/16 मिन | 0 | 09 | 86 | | 13/20 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 20/17 मिन | 0 | 00 | 25 | | 13/19/2 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 20/25/1 मिन | 0 | 08 | 09 | | 13/19/1 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 127 मिन | 0 | 00 | 76 | | 76 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 410 मिन | 0 | 00 | 76 | | 43 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 29/5 मिन | 0 | 07 | 33 | | 13/22 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29/6 मिन | 0 | 09 | 36 | | 20/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 29/10 मिन | 0 | 09 | 11 | | 20/8 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 29/16 मिन | 0 | 02 | 28 | | 20/9 मिन | 0 | 08 | 35 |
| | 379 मिन | 0 | 00 | 76 | | 20/12/1 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 28/11/1 मिन | 0 | 00 | 51 | | 20/12/ मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 28/11/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 20/13 मिन | 0 | 08 | 35 |
| | 28/20 मिन | 0 | 07 | 59 | | 20/18/1 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 28/21 मिन | 0 | 09 | 61 | | 20/18/2 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 129 मिन | 0 | 00 | 51 | | 20/23 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 49/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 26/3/1 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 49/10 मिन | 0 | 07 | 08 | | 26/3/2 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 49/11 मिन | 0 | 11 | 63 | | 26/7 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 49/19/2 मिन | 0 | 02 | 53 | | 26/8 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 49/20 मिन | 0 | 07 | 59 | | 26/13 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 49/21 मिन | 0 | 01 | 01 | | 26/14 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 49/22 मिन | 0 | 08 | 85 | | 26/17 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 354 मिन | 0 | 01 | 77 | | 26/24 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 61/2 मिन | 0 | 09 | 61 | काछबा ह० न० 11 | 82 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 61/9 मिन | 0 | 10 | 12 | | 109/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 61/12 मिन | 0 | 09 | 36 | | 109/7 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 61/19 मिन | 0 | 09 | 61 | | 109/12 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 61/18 मिन | 0 | 00 | 51 | | 109/18/2 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 61/22 मिन | 0 | 04 | 05 | | 109/19 मिन | 0 | 08 | 60 |
| | | | | | | 109/23 मिन | 0 | 06 | 58 |

| 1 | 3 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|----------------|---|----|----|----------------|--------------|---|----|----|
| काछवा (क्रमशः) | 109/22 मिन | 0 | 02 | 78 | काछवा (क्रमशः) | 243/12 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 427 मिन | 0 | 00 | 51 | | 243/23 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 135/3 मिन | 0 | 10 | 12 | | 255/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 135/8 मिन | 0 | 10 | 12 | | 255/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 135/13 मिन | 0 | 10 | 12 | | 255/13/2 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 135/18 मिन | 0 | 10 | 12 | | 255/14 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 135/23 मिन | 0 | 10 | 12 | | 255/17/1 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 146/3 मिन | 0 | 08 | 09 | | 255/17/2 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 146/4 मिन | 0 | 02 | 03 | | 255/18 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 146/7 मिन | 0 | 08 | 35 | | 348 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 146/14 मिन | 0 | 10 | 12 | | 255/24 मिन | 0 | 08 | 85 |
| | 146/8 मिन | 0 | 02 | 02 | जटपुरा ह०न० 62 | 1/6 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | | | | | | 2/10 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 146/17/1 मिन | 0 | 02 | 78 | | 2/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 146/17/2/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 2/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 146/24/2 मिन | 0 | 10 | 11 | | 2/21 मिन | 0 | 30 | 12 |
| | 146/24/1 मिन | 0 | 00 | 00 | | 4/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 171/4 मिन | 0 | 10 | 12 | | 4/9 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 171/6 मिन | 0 | 01 | 52 | | 4/10 मिन | 0 | 08 | 35 |
| | 171/7 मिन | 0 | 07 | 33 | | 4/11 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 340 मिन | 0 | 01 | 01 | | 4/12 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 171/14/2 मिन | 0 | 02 | 02 | | 4/19 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 171/18 मिन | 0 | 08 | 09 | | 4/22 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 171/16 मिन | 0 | 10 | 12 | | 7/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 171/25 मिन | 0 | 10 | 12 | | 7/9/1 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 181/11 मिन | 0 | 01 | 01 | | 7/12/2 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 181/20 मिन | 0 | 06 | 07 | | 7/13 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 181/21 मिन | 0 | 09 | 61 | | 7/18 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 182/5 मिन | 0 | 10 | 12 | | 7/19 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 182/6 मिन | 0 | 10 | 12 | | 7/23 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 182/25 मिन | 0 | 00 | 00 | | 15/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 182/18 मिन | 0 | 09 | 11 | | 15/8/2 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 182/16 मिन | 0 | 04 | 05 | | 15/13/1 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 448 मिन | 0 | 00 | 51 | | 15/13/2 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 207/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 15/14/1 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 207/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 15/17 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 207/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 15/18 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 207/20 मिन | 0 | 0 | 12 | | 15/23 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 207/21 मिन | 0 | 08 | 09 | | 15/24 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 207/22 मिन | 0 | 02 | 02 | | 15/25 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 219/1 मिन | 0 | 02 | 53 | | 33 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 219/2 मिन | 0 | 07 | 59 | | 18/3 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 219/9 मिन | 0 | 10 | 12 | | 18/5 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 219/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 18/7 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 219/10 मिन | 0 | 00 | 00 | | 18/6/1 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 219/19 मिन | 0 | 10 | 12 | | 18/6/2 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 219/22 मिन | 0 | 09 | 61 | | 18/15 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 449 मिन | 0 | 00 | 51 | | 18/19/11 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 243/2 मिन | 0 | 09 | 86 | नरायणा ह०न० 60 | 16/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 243/3/1 मिन | 0 | 00 | 25 | | 191 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 243/6/2 मिन | 0 | 05 | 06 | | 16/11 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 243/9 मिन | 0 | 09 | 06 | | 16/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 459 मिन | 0 | 00 | 51 | | 16/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 243/13 मिन | 0 | 09 | 61 | | 16/1 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 243/18 मिन | 0 | 10 | 12 | | | | | |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | 1 | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-------------------|-------------|-----|-----|-----|----------------|---------------|-----|-----|-----|
| नरायणा | 20/1 मिन | 0 | 10 | 12 | पञ्चाना | 5/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| ह० नं० 60—जारी | 20/10 मिन | 0 | 10 | 12 | ह० नं० 48—जारी | 5/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 8/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 20/20/1 मिन | 0 | 07 | 59 | | 8/10 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 20/20/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 8/26 मिन | 0 | 03 | 06 |
| | 20/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 8/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 40/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 8/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 40/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 8/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 40/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 17/1 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 40/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 17/10 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 40/21/2 मिन | 0 | 10 | 12 | | 155 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 47/10/2 मिन | 0 | 07 | 84 | | 17/11 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 47/1/1 मिन | 0 | 01 | 52 | | 17/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 17/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/20 मिन | 0 | 09 | 61 | | 22/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 160/1 मिन | 0 | 00 | 25 | | 22/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 197/1 मिन | 0 | 00 | 51 | | 22/11/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 47/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 22/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 22/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 33/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/11/1 मिन | 0 | 09 | 61 | | 33/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 198 मिन | 0 | 02 | 53 | | 33/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/20/2 मिन | 0 | 04 | 05 | | 33/20/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 70/21/1 मिन | 0 | 04 | 05 | | 33/21/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 72/1/1 मिन | 0 | 06 | 07 | | 118 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 72/10/2 मिन | 0 | 02 | 02 | | 160 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 232 मिन | 0 | 00 | 00 | | 40/1 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 72/11 मिन | 0 | 02 | 53 | | 40/10/1 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 72/20 मिन | 0 | 06 | 07 | | 40/10/2/2 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 72/21 मिन | 0 | 07 | 59 | | 40/10/2/1 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 73/5 मिन | 0 | 01 | 52 | | 40/11 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 73/6 मिन | 0 | 02 | 02 | | 40/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 73/15 मिन | 0 | 00 | 25 | | 40/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 73/16/1 मिन | 0 | 00 | 25 | | 54/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 73/25/2 मिन | 0 | 02 | 53 | | 54/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 94/5/2 मिन | 0 | 02 | 02 | | 54/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 94/6/1 मिन | 0 | 02 | 02 | | 54/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 94/15/2 मिन | 0 | 02 | 02 | | 54/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 94/16/1 मिन | 0 | 00 | 76 | | 63/1/1 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 94/16/2 मिन | 0 | 01 | 01 | | 63/1/2 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 158 मिन | 0 | 01 | 77 | | 63/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 94/25/2 मिन | 0 | 02 | 02 | | 63/11 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 95/1 मिन | 0 | 08 | 09 | | 146 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 95/10 मिन | 0 | 08 | 09 | | 63/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 95/11 मिन | 0 | 08 | 09 | | 63/21/1 मिन | 2 | 10 | 12 |
| | 95/20/1 मिन | 0 | 03 | 29 | | 78/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 95/20/2 मिन | 0 | 03 | 29 | | 78/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 95/21 मिन | 0 | 08 | 09 | | 78/11/1 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 96/1 मिन | 0 | 06 | 83 | | 121 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 96/10 मिन | 0 | 00 | 25 | | 78/11/2 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 97/5 मिन | 0 | 02 | 02 | | 78/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 97/6 मिन | 0 | 00 | 51 | | 78/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 86/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| पञ्चाना ह० नं० 48 | 5/1 मिन | 0 | 01 | 52 | | 86/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 5/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 86/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 5/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 86/20 मिन | 0 | 10 | 12 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|--------------------|-------------|-----|-----|-----|---------------------|-------------|-----|-----|-----|
| परबाना ह० न० 41 | 86/21 मिन | 0 | 10 | 12 | 66/11/1 मिन | 0 | 08 | 35 | |
| | 98/1 मिन | 0 | 10 | 12 | 66/20 मिन | 0 | 08 | 35 | |
| | 98/10 मिन | 0 | 10 | 12 | 82/1 मिन | 0 | 00 | 25 | |
| | 98/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | | | | |
| | 98/20/1 मिन | 0 | 01 | 52 | सीधपुर ह० न० 41 | 20/16 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 98/20/2 मिन | 0 | 08 | 60 | | 20/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 98/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 88/ मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 102/1/1 मिन | 0 | 04 | 30 | | 28/5 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 102/1/2 मिन | 0 | 05 | 56 | | 28/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 28/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| तराबडी ह० न० 47 | 10/20 मिन | 0 | 02 | 53 | | 28/16 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 10/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 28/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 22/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 34/5 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 22/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 89/मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 22/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 34/6/1 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 22/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 72 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 22/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 34/6/2 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 25/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 35/15 मिन | 0 | 08 | 07 |
| | 25/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 90 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 25/11/1 मिन | 0 | 04 | 55 | | 33/11/2 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 25/11/2 मिन | 0 | 05 | 56 | | 34/16 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 25/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 34/25 | 0 | 02 | 02 |
| | 25/21/1 मिन | 0 | 09 | 61 | | 33/20 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 41/1/1 मिन | 0 | 02 | 02 | | 33/21 मिन | 0 | 06 | 07 |
| | 41/1/2 मिन | 0 | 07 | 08 | | 40/1 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 211 मिन | 0 | 01 | 26 | | 39/3 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 41/10/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 40/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 40/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 41/20/2 मिन | 0 | 03 | 79 | | 40/11/1 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 41/20/1 मिन | 0 | 05 | 06 | | 40/11/2 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 176 मिन | 0 | 01 | 52 | | 40/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 41/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 46/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 44/1/1 मिन | 0 | 05 | 31 | | 46/10/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 44/1/2 मिन | 0 | 04 | 81 | | 46/11/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 44/10/1 मिन | 0 | 07 | 08 | | 46/20/2 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 44/10/2 मिन | 0 | 03 | 04 | | 46/20/2 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 44/11/1 मिन | 0 | 03 | 29 | | 46/21 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 44/11/2 मिन | 0 | 06 | 83 | | | | | |
| | 44/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 119 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 44/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 51/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 63/1 मिन | 0 | 08 | 60 | | 51/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 51/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| सदीकपुर ह० न० 50 | 4/1 मिन | 0 | 09 | 86 | | 51/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 10/1 मिन | 0 | 09 | 36 | | 51/21 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 4/10/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 96 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 4/11/1 मिन | 0 | 05 | 06 | | 56/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 4/11/2 मिन | 0 | 05 | 06 | | 56/10 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 4/20 मिन | 0 | 07 | 59 | | | | | |
| अन्जन बली ह० न० 40 | 64/10 मिन | 0 | 03 | 54 | धारू माजरा ह० न० 42 | 3/17 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 64/11 मिन | 0 | 10 | 12 | | 3/24 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 64/20/2 मिन | 0 | 09 | 61 | | 3/16 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 64/21 मिन | 0 | 10 | 12 | | 3/25 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 66/21/1 मिन | 0 | 04 | 30 | | 8/4 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 66/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 8/5 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 66/10/1 मिन | 0 | 08 | 60 | | 8/6 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 66/11/2 मिन | 0 | 00 | 00 | | 8/7 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | | | | | | 8/15 मिन | 0 | 09 | 86 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|--------------------|-----------|-----|-----|-----|---------------------|--------------|-----|-----|-----|
| घासमाजरा ह० न० 43— | 8/16 मिन | 0 | 10 | 12 | बरानी ह० न० 34—जारी | 5/24/1 मिन | 0 | 06 | 83 |
| जारी | 8/25 मिन | 0 | 08 | 35 | | 5/24/2/1 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 26 मिन | 0 | 01 | 77 | | 5/24/2/2 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 10/5 मिन | 0 | 10 | 12 | | 11/1 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 10/6 मिन | 0 | 10 | 12 | | 136 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 10/15 मिन | 0 | 09 | 61 | | 11/7 मिन | 0 | 08 | 60 |
| | 10/16 मिन | 0 | 00 | 51 | | 11/6 मिन | 0 | 00 | 51 |
| रायपुर ह० न० 44 | 126 मिन | 0 | 05 | 82 | | 11/14 मिन | 0 | 05 | 31 |
| | 127 मिन | 0 | 03 | 29 | | 11/15 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 128 मिन | 0 | 06 | 83 | | 11/17 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 137 मिन | 0 | 08 | 88 | | 11/16 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 138 मिन | 0 | 01 | 26 | | 64 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 142 मिन | 0 | 10 | 12 | | | | | |
| | 151 मिन | 0 | 10 | 14 | | 11/24 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 157 मिन | 0 | 10 | 12 | | 11/25 मिन | 0 | 08 | 09 |
| | 357 मिन | 0 | 10 | 12 | | 14/5 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 353 मिन | 0 | 07 | 08 | | 14/6 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 352 मिन | 0 | 10 | 12 | | 14/16 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 354 मिन | 0 | 03 | 04 | | 14/15 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 349 मिन | 0 | 10 | 12 | | 14/28 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 348 मिन | 0 | 10 | 12 | | 14/25 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 378 मिन | 0 | 10 | 12 | | 22/5 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 377 मिन | 0 | 10 | 12 | | 22/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 376 मिन | 0 | 10 | 12 | | 22/15 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 375 मिन | 0 | 09 | 61 | | 22/16 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 396 मिन | 0 | 00 | 51 | | 22/25/1 मिन | 0 | 03 | 54 |
| | 374 मिन | 0 | 07 | 08 | | 22/25/2 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 512 मिन | 0 | 01 | 26 | | 27/5 मिन | 0 | 07 | 33 |
| | 618 मिन | 0 | 06 | 32 | | 126 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 617 मिन | 0 | 03 | 79 | | 166 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 621 मिन | 0 | 04 | 30 | | 57 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 622 मिन | 0 | 05 | 82 | | 26/10 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 629 मिन | 0 | 08 | 09 | | 26/11 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 630 मिन | 0 | 02 | 02 | | 26/20 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 397 मिन | 0 | 01 | 77 | | 26/21 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 633 मिन | 0 | 00 | 51 | | 27/6 मिन | 0 | 08 | 60 |
| | 634 मिन | 0 | 09 | 61 | | 143 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 641 मिन | 0 | 10 | 12 | | 27/15 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 646 मिन | 0 | 10 | 12 | | 27/16 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 654 मिन | 0 | 10 | 12 | | 27/25 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | | | | | | | | | |
| | 662 मिन | 0 | 10 | 12 | | 36/5 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 669 मिन | 0 | 10 | 12 | | 37/1 मिन | 0 | 08 | 60 |
| | 680 मिन | 0 | 10 | 12 | | 37/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 687 मिन | 0 | 10 | 12 | | 37/11 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 701 मिन | 0 | 09 | 36 | | 37/20 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 648 मिन | 0 | 00 | 76 | | 37/21 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 702 मिन | 0 | 10 | 12 | | 40/1 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 703 मिन | 0 | 10 | 12 | | 40/10 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 704 मिन | 0 | 06 | 32 | | 40/11 मिन | 0 | 09 | 61 |
| बरानी ह० न० 34 | 63 मिन | 0 | 04 | 81 | समाना भाऊ ह० न० 30 | 53/18 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 5/4 मिन | 0 | 00 | 25 | | 53/23 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 5/7 मिन | 0 | 09 | 61 | | 54/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 5/14 मिन | 0 | 10 | 12 | | 54/8/1 मिन | 0 | 04 | 81 |
| | 5/17 मिन | 0 | 10 | 12 | | 54/7/1 मिन | 0 | 00 | 51 |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) | (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|--------------------|-------------|-----|-----|-----|-----------------------|-------------|-----|-----|-----|
| अमीन ह० न० 33—जारी | 54/7/2 मिन | 0 | 00 | 25 | अमीन ह० न० 33—जारी | 83/13/1 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 54/8/2 मिन | 0 | 00 | 51 | | 83/18 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 54/14 मिन | 0 | 03 | 04 | | 83/19 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 73/24 मिन | 0 | 03 | 04 | | 83/23 मिन | 0 | 09 | 86 |
| | 74/4 मिन | 4 | 10 | 12 | | 83/22 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 74/7 मिन | 0 | 10 | 12 | | 120/3 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 74/14 मिन | 0 | 10 | 12 | | 120/8 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 74/17 मिन | 0 | 10 | 12 | | 120/13 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 74/24/1 मिन | 0 | 00 | 25 | | 120/18 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 74/24/2 मिन | 0 | 09 | 86 | | 120/23 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 92/4/2 मिन | 0 | 09 | 61 | | 121/8/2 मिन | 0 | 00 | 12 |
| | 92/7 मिन | 0 | 00 | 25 | | 121/13 मिन | 0 | 06 | 54 |
| | | | | | | 752 मिन | 0 | 02 | 04 |
| | 18/6 मिन | 0 | 07 | 59 | | 121/17 मिन | 0 | 03 | 57 |
| | 18/15 मिन | 0 | 10 | 12 | | 121/18 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 18/16 मिन | 0 | 10 | 12 | | 121/23 मिन | 0 | 03 | 57 |
| | 18/25 मिन | 0 | 10 | 12 | | 121/24 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 22/5 मिन | 0 | 10 | 12 | | 156/3 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 22/6/2 मिन | 0 | 00 | 25 | | 156/4 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 25/6/1 | 0 | 06 | 83 | | 156/7 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 700 मिन | 0 | 01 | 01 | | 156/14 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/11 मिन | 0 | 09 | 11 | | 156/17 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/20 मिन | 0 | 10 | 12 | | 156/24 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 21/10/1 मिन | 0 | 02 | 78 | खाजा अहमदपुर ह० न० 36 | 190 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 21/10/2 मिन | 0 | 00 | 25 | | 193 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 21/21 मिन | 0 | 09 | 36 | | 191 मिन | 0 | 02 | 02 |
| | 702 मिन | 0 | 00 | 76 | | 192 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 43/1 मिन | 0 | 10 | 12 | | 282 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 13/10 मिन | 0 | 10 | 12 | | 201 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 43/11 मिन | 0 | 09 | 61 | | 200 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/12 मिन | 0 | 00 | 51 | | 205 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/19 मिन | 0 | 05 | 06 | | 210 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/20 मिन | 0 | 05 | 06 | | 215 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21/21 मिन | 0 | 00 | 25 | | 220 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 43/22 मिन | 0 | 09 | 86 | | 225 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 704 मिन | 0 | 00 | 76 | | 859 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 46/2 मिन | 0 | 09 | 36 | | 862 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 46/9 मिन | 0 | 10 | 12 | | 857 मिन | 0 | 11 | 89 |
| | 46/12 मिन | 0 | 10 | 12 | | 856 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 46/19 मिन | 0 | 10 | 12 | | 849 मिन | 0 | 05 | 56 |
| | 46/22 मिन | 0 | 07 | 59 | | 850 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 46/23 मिन | 0 | 02 | 28 | | 846 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 81/3 मिन | 0 | 07 | 59 | | 842 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 81/2 मिन | 0 | 02 | 28 | | 843 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 81/8 मिन | 0 | 10 | 12 | | 838 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 81/13 मिन | 0 | 10 | 12 | | 839 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 81/18/1 मिन | 0 | 04 | 05 | | 832 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 226 मिन | 0 | 01 | 52 | | 829 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 81/19/2 मिन | 0 | 04 | 30 | | 821 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 81/23 मिन | 0 | 10 | 12 | | 819 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 83/3 मिन | 0 | 10 | 12 | | 817 मिन | 0 | 09 | 36 |
| | 83/4 मिन | 0 | 00 | 00 | | 809 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 83/7 मिन | 0 | 04 | 05 | | 806 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 83/8 मिन | 0 | 06 | 07 | | 799 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 83/13/2 मिन | 0 | 01 | 01 | | 796 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 83/14 मिन | 0 | 02 | 78 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---|---------|---|----|----|
| | 789 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 788 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 787 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 785 मिन | 0 | 05 | 31 |
| | 786 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 777 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 778 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 603 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 775 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 776 मिन | 0 | 11 | 89 |
| | 773 मिन | 0 | 08 | 09 |

[सं० 12020/15/80-प्र०]

**MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICAL AND
FERTILIZER**

(Department of Petroleum)

New Delhi, the 16th September, 1981

S.O. 2589.—Whereas by a notification of Government of India in the Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizer (Department of Petroleum) S.O. 2050 dated 2-8-80 under Sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government;

And further the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now therefore in exercise of the power conferred by Sub-Section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipelines;

And further in exercise of the power conferred by Sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government vest on this date of the publication of this declaration in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

| Tehsil : Karnal | Distt. : Karnal | State : Haryana | | |
|-------------------|-----------------|-----------------|----|-------|
| Name of Village | Khasra No. | Arca | | |
| | | H. | A. | Sq.M. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Babarpur H.No. 34 | 4/12 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 4/19/1 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 4/19/2 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 4/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 9/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 9/9/1 Min | 0 | 02 | 28 |
| | 9/9/2 Min | 0 | 07 | 84 |
| | 9/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 9/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 9/22 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 107/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 17/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/9/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/12/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/19 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 79/Min | 0 | 00 | 76 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------------|-------------|---|----|----|
| Broli H. No. 33 | 4/19 Min | 0 | 05 | 31 |
| | 4/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 106/ Min | 0 | 00 | 51 |
| | 10/2 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 10/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 10/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 10/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 10/22 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 15/2/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 15/2/2 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 15/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 15/12 Min | 0 | 00 | 76 |
| Ganjbar H. No. 31 | 73 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 10/22 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 70 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 17/2 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 17/9/1 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 17/9/2 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 17/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/19 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 86 Min | 0 | 01 | 01 |
| Kond H. No. 30 | 42/22 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 69/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 69/9 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 69/12/1 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 69/12/2 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 69/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 69/22/2 Min | 0 | 05 | 31 |
| | 69/22/1 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 162 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 961 Min | 0 | 02 | 30 |
| | 80/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 80/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 80/12/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 80/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 80/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 106/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 106/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 106/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 106/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 106/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| Gudha H. No. 23 | 119/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 119/9 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 119/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 119/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 119/22 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 1003 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 7/22 Min | 0 | 09 | 86 |
| | 17/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/9 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 17/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/22/1 Min | 0 | 04 | 81 |
| | 17/22/2 Min | 0 | 05 | 31 |
| | 129/14 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 32/2/2 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 32/2/1 Min | 0 | 00 | 60 |
| | 32/9/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 32/9/2 Min | 0 | 07 | 33 |
| | 32/12/1 Min | 0 | 03 | 54 |
| | 32/12/2 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 32/12/3 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 32/12/4 Min | 0 | 00 | 51 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------------|--------------|---|----|----|----------------------|-------------|---|-----|----|
| Gudha H. No. 23 | 32/12/5 Min | 0 | 01 | 01 | Sheikhpura H. No. 22 | 1257 Min | 0 | 03* | 29 |
| | 32/12/6 Min | 0 | 03 | 29 | | 1258 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 32/19/1 Min | 0 | 04 | 30 | | 1259 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 32/19/2 Min | 0 | 01 | 01 | | 1260 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 32/19/5 Min | 0 | 04 | 81 | | 1261 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 32/22 Mir | 0 | 09 | 36 | | 1265 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 160 Min | 0 | 00 | 76 | | 1266 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 43/2/1 Min | 0 | 03 | 29 | | 1421 Min | 0 | 12 | 65 |
| | 43/2/2 Min | 0 | 01 | 52 | | 1419 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 43/2/5 Min | 0 | 03 | 54 | | 1420 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 43/2/6 Min | 0 | 01 | 77 | | 1418 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 43/9/1 Min | 0 | 09 | 61 | | 1395 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 43/9/2 Min | 0 | 00 | 51 | | 1397 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 43/12 Mir | 0 | 10 | 12 | | 1396 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 43/19/2 Min | 0 | 06 | 07 | | 1381 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 43/19/2 Min | 0 | 01 | 77 | | 1382 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 43/22 Min | 0 | 10 | 12 | | 1380 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 142/Min | 0 | 02 | 28 | | 1383 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 129/15 Min | 0 | 00 | 51 | | 1376 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 58/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 1377/1 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 58/9 Min | 0 | 09 | 61 | | 1374/1 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 58/12 Min | 0 | 10 | 12 | | 1374/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 58/19/1 Min | 0 | 03 | 04 | | 1375 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 58/19/2 Min | 0 | 05 | 82 | Malikpur H. No. 28 | 2/11 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 58/19/3 Min | 0 | 10 | 01 | | 2/20 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 58/22 Min | 0 | 10 | 12 | | 2/21 Mir | 0 | 10 | 12 |
| | 68/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 6/10 Mir | 0 | 10 | 12 |
| | 68/9/2 Min | 0 | 01 | 52 | | 6/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 68/9/1/1 Min | 0 | 04 | 05 | | 9/1 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 68/12 Min | 0 | 10 | 12 | | 9/9 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 68/19 Min | 0 | 10 | 12 | | 9/10 Min | 0 | 08 | 60 |
| | 68/22 Min | 0 | 10 | 12 | | 9/11 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 129/16 Min | 0 | 00 | 51 | | 9/12 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 186 Min | 0 | 01 | 77 | | 9/19 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 83/2 Min | 0 | 09 | 61 | | 9/20 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 83/9 Min | 0 | 09 | 36 | | 9/21 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 83/12 Min | 0 | 09 | 36 | | 9/22 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 83/19/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 139 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 83/22/1 Min | 0 | 07 | 84 | | 16/2/2 Min | 0 | 02 | 28 |
| | 83/22/2 Min | 0 | 02 | 28 | | 16/2/1 Min | 0 | 04 | 81 |
| | 89/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 89/9 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 89/12 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/19 Mir | 0 | 09 | 61 |
| | 89/19 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 89/22 Min | 0 | 07 | 08 | | 141 Min | 0 | 00 | 51 |
| Sheikhpura H. No. 22 | 371 Min | 0 | 08 | 09 | | 20/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 370 Min | 0 | 10 | 12 | | 20/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 375 Min | 0 | 10 | 12 | | 20/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 378 Min | 0 | 10 | 12 | | 20/19/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 384 Min | 0 | 09 | 11 | | 20/22/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 383 Min | 0 | 00 | 00 | | 119 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 1088 Min | 0 | 03 | 04 | | 31/2/2 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 1099 Min | 0 | 05 | 56 | | 31/2/1 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 1100 Min | 0 | 02 | 53 | | 31/3 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 1106 Min | 0 | 06 | 83 | | 31/9 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 1107 Min | 0 | 03 | 29 | | 31/8 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 1105 Min | 0 | 13 | 91 | | 31/12 Min | 0 | 03 | 54 |
| | 1108 Min | 0 | 00 | 76 | | 31/13/1 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 1112 Min | 0 | 00 | 76 | | 31/18/2 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 1114 Min | 0 | 04 | 55 | | 31/17/1 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 1117 Min | 0 | 10 | 12 | | 31/23/1 Min | 0 | 08 | 85 |
| | 1118 Min | 0 | 10 | 12 | | 31/23/2 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 1121 Min | 0 | 10 | 12 | | 111 Min | 0 | 10 | 26 |
| | 1122/1 Min | 0 | 08 | 85 | | 38/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 1122/2 Min | 0 | 01 | 26 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------------|-------------|---|----|----|-------------------|-------------|---|----|----|
| Malikpur H. No. 28 | 38/8 Min | 0 | 10 | 12 | Phurlik H. No. 21 | 66/15 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 38/13 Min | 0 | 10 | 12 | | 66/16 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 38/18 Min | 0 | 07 | 61 | | 66/25 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 38/23 Min | 0 | 10 | 12 | | 70/5 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 153 Min | 8 | 00 | 51 | | 70/6 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 151 Min | 0 | 00 | 76 | | 70/15/1 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 47/3 Min | 0 | 10 | 12 | | 70/15/2 Min | 0 | 08 | 07 |
| | 47/8 Min | 0 | 10 | 12 | | 70/16 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 47/13 Min | 0 | 10 | 12 | | 70/25 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 47/23 Min | 0 | 10 | 12 | | 69/20 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 47/18 Min | 0 | 10 | 12 | | 69/21 Min | 0 | 03 | 54 |
| | 59/3 Min | 8 | 09 | 36 | | 84/5 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 59/8 Min | 0 | 09 | 11 | | 84/6 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 59/13 Min | 0 | 06 | 58 | | 84/15 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 59/14 Min | 0 | 01 | 52 | | 85/1 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 59/17 Min | 0 | 03 | 54 | | 85/10 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 59/18 Min | 0 | 04 | 55 | | 85/11 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 59/23 Min | 0 | 02 | 53 | | 85/20/1 Min | 0 | 03 | 5 |
| | 59/24 Min | 0 | 05 | 56 | | 85/20/2 Min | 0 | 04 | 81 |
| | 144 Min | 0 | 07 | 08 | | 85/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 149 Min | 0 | 00 | 51 | | 86/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 63/3 Min | 0 | 00 | 51 | | 86/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 63/4 Min | 0 | 09 | 11 | | 86/11 Min | 0 | 10 | 37 |
| | 63/7 Min | 0 | 10 | 12 | Resean H. No. 10 | 6/11/1 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 63/14 Min | 0 | 10 | 12 | | 6/20 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 63/17 Min | 0 | 10 | 12 | | 6/21 Min | 0 | 08 | 60 |
| | 63/24 Min | 0 | 10 | 12 | | 5/15 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 80/4 Min | 0 | 09 | 11 | | 5/16 Min | 0 | 05 | 56 |
| Phurlik H. No. 21 | 12/18 Min | 0 | 06 | 07 | | 5/25/2 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 12/23/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 11/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 25/3/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 11/10 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 25/8 Min | 0 | 09 | 86 | | 11/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 25/7 Min | 0 | 00 | 25 | | 11/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 25/13 Min | 0 | 07 | 08 | | 11/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 25/14 Min | 0 | 03 | 04 | | 79 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 25/17 Min | 0 | 06 | 83 | | 14/1/2 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 25/18 Min | 0 | 02 | 28 | | 14/1/1 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 25/24 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 260 Min | 0 | 00 | 76 | | 14/9 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 29/4 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/10 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 29/7 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/11 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 29/14 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/12/2 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 29/17 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/12/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 29/24 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/19 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 46/4 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/7 Min | 0 | 10 | 12 | | 68 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 46/14 Min | 0 | 10 | 12 | | 21/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/16/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 21/9/1 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 46/17 Min | 0 | 06 | 07 | | 21/9/2 Min | 0 | 03 | 35 |
| | 46/16/2 Min | 0 | 00 | 76 | | 21/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/24 Min | 0 | 06 | 07 | | 21/18 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 46/25 Min | 0 | 05 | 06 | | 21/19 Min | 0 | 08 | 60 |
| | 151 Min | 0 | 00 | 76 | | 21/22 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 121 Min | 0 | 01 | 77 | | 21/23 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 120 Min | 0 | 02 | 02 | | 24/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 51/4 Min | 0 | 03 | 54 | | 24/3/1 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 51/5 Min | 0 | 06 | 58 | | 24/3/2 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 51/6 Min | 0 | 09 | 61 | | 24/8 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 51/7 Min | 0 | 00 | 51 | | 20/13 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 51/15 Min | 0 | 06 | 07 | | 24/18 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 51/16 Min | 0 | 12 | 14 | | 57 Min | 0 | 02 | 28 |
| | 51/25 Min | 0 | 10 | 12 | | 84 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 66/5 Min | 0 | 10 | 12 | Bejna H. No. 14 | 93 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 66/6 Min | 0 | 10 | 12 | | 188 Min | 0 | 00 | 25 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----------------|-------------|---|----|----|---------------------|-------------|---|----|----|---|
| Bejna H. No. 14 | 3/11 Min | 0 | 02 | 02 | Bejna H.No.14 | 72/17 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 3/12 Min | 0 | 01 | 77 | | 72/24/2 Min | 0 | 09 | 36 | |
| | 3/19 Min | 0 | 05 | 56 | | 72/25 Min | 0 | 00 | 76 | |
| | 3/28/1 Min | 0 | 04 | 55 | | 77/4 Min | 0 | 05 | 56 | |
| | 3/21 Min | 0 | 02 | 02 | | 72/5 Min | 0 | 04 | 55 | |
| | 3/22 Min | 0 | 03 | 04 | | 72/6 Min | 0 | 09 | 36 | |
| | 10/1/2 Min | 0 | 00 | 25 | | 77/7 Min | 0 | 00 | 76 | |
| | 10/2 Min | 0 | 09 | 86 | | 77/15 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 10/9 Min | 0 | 09 | 61 | | 77/16 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 10/12 Min | 0 | 10 | 12 | | 77/25 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 10/19/2 Min | 0 | 02 | 78 | | 85/5 Min | 0 | 02 | 02 | |
| | 10/19/1 Min | 0 | 04 | 81 | | | | | | |
| | 10/22 Min | 0 | 10 | 12 | | | | | | |
| | 187 Min | 0 | 00 | 51 | Samalka H.No 13 | 93 Min | 0 | 00 | 51 | |
| | 18/2/1 Min | 0 | 02 | 78 | | 3/16 Min | 0 | 07 | 33 | |
| | 18/2/2 Min | 0 | 03 | 29 | | 3/25 Min | 0 | 09 | 36 | |
| | 18/3 Min | 0 | 04 | 30 | | 162 Min | 0 | 00 | 76 | |
| | 18/8 Min | 0 | 10 | 12 | | 70/1 Min | 0 | 01 | 26 | |
| | 18/13 Min | 0 | 09 | 11 | | 57/ Min | 0 | 01 | 52 | |
| | 18/14 Min | 0 | 01 | 01 | | 7/5/1 Min | 0 | 01 | 77 | |
| | 18/18 Min | 0 | 00 | 00 | | 7/6/1 Min | 0 | 02 | 53 | |
| | 18/17 Min | 0 | 10 | 12 | | 7/6/2 Min | 0 | 06 | 83 | |
| | 18/24/2 Min | 0 | 09 | 36 | | 7/15 Min | 0 | 07 | 59 | |
| | 18/25 Min | 0 | 00 | 25 | | 7/16 Min | 0 | 04 | 05 | |
| | 113/1 Min | 0 | 00 | 51 | | 7/25 Min | 0 | 02 | 02 | |
| | 27/4 Min | 0 | 01 | 77 | | 8/11 Min | 0 | 02 | 53 | |
| | 27/5 Min | 0 | 08 | 35 | | 8/20 Min | 0 | 06 | 07 | |
| | 27/6 Min | 0 | 10 | 12 | | 8/21 Min | 0 | 08 | 09 | |
| | 27/15 Min | 0 | 04 | 55 | | 69 Min | 0 | 01 | 01 | |
| | 91 Min | 8 | 01 | 52 | | 14/1 Min | 0 | 09 | 11 | |
| | 28/11 Min | 0 | 05 | 82 | | 14/10 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 28/20/1 Min | 0 | 02 | 02 | | 14/11/1 Min | 0 | 05 | 06 | |
| | 28/20/2 Min | 0 | 05 | 06 | | 14/11/2 Min | 0 | 04 | 30 | |
| | 28/19/2 Min | 0 | 01 | 26 | | 14/20 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 28/21/2 Min | 0 | 04 | 55 | | 14/21 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 28/22 Min | 0 | 00 | 51 | | 167 Min | 0 | 00 | 76 | |
| | 177 Min | 0 | 00 | 51 | | 21/1 Min | 0 | 08 | 35 | |
| | 142 Min | 7 | 00 | 76 | | 21/10/2 Min | 0 | 05 | 31 | |
| | 38/2 Min | 0 | 10 | 37 | | 21/28 Min | 0 | 00 | 51 | |
| | 38/3 Min | 0 | 10 | 12 | | 21/11 Min | 0 | 09 | 11 | |
| | 38/12 Min | 0 | 10 | 12 | | 21/20 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 38/19 Min | 0 | 08 | 09 | | 21/21 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 38/18 Min | 0 | 01 | 77 | | 20/28 Min | 0 | 01 | 77 | |
| | 38/22 Min | 0 | 03 | 54 | | 26 Min | 0 | 02 | 02 | |
| | 38/23 Min | 0 | 06 | 58 | | 29 Min | 0 | 02 | 02 | |
| | 127 Min | 0 | 00 | 51 | | 60 Min | 0 | 01 | 26 | |
| | 51/3 Min | 0 | 09 | 61 | | 168 Min | 0 | 00 | 25 | |
| | 51/8 Min | 0 | 10 | 12 | | 32/1 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 51/13 Min | 0 | 10 | 12 | | 32/10 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 51/18 Min | 0 | 10 | 12 | | 32/11 Min | 0 | 02 | 28 | |
| | 51/23 Min | 0 | 10 | 12 | | 32/12 Min | 0 | 01 | 01 | |
| | 60/3 Min | 0 | 10 | 12 | | 72 Min | 0 | 01 | 52 | |
| | 60/8 Min | 0 | 09 | 61 | | 175 Min | 0 | 00 | 51 | |
| | 60/7 Min | 0 | 00 | 51 | | | | | | |
| | 60/13 Min | 0 | 05 | 56 | | | | | | |
| | 60/14 Min | 0 | 04 | 55 | Kheri Naru H.No. 42 | 298 Min | 0 | 06 | 83 | |
| | 60/18 Min | 0 | 00 | 25 | | 297 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 60/17 Min | 0 | 09 | 11 | | 296 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 60/24 Min | 0 | 10 | 12 | | 295 Min | 0 | 10 | 12 | |
| | 149 Min | 0 | 00 | 76 | | 316 Min | 0 | 01 | 26 | |
| | 72/4 Min | 0 | 10 | 12 | | 317 Min | 0 | 08 | 85 | |
| | 72/7 Min | 0 | 10 | 12 | | 318 Min | 0 | 03 | 29 | |
| | 72/14 Min | 0 | 10 | 12 | | 319 Min | 0 | 06 | 83 | |
| | | | | | | 325 Min | 0 | 10 | 12 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------------|----------|---|----|----|----------------------|-------------|---|----|----|
| Kheri Naru H. No. 42 | 328 Min | 0 | 10 | 12 | Kheri Naru H. No. 42 | 3320 Min | 0 | 10 | 62 |
| | 332 Min | 0 | 10 | 12 | | 1996 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 739 Min | 0 | 03 | 79 | | 3315 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 772 Min | 0 | 07 | 08 | | 3318 Min | 0 | 10 | 62 |
| | 773 Min | 0 | 01 | 77 | | 3328 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 784 Min | 0 | 00 | 51 | Pingli H. No. 47 | 794 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 774 Min | 0 | 07 | 59 | | 793 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 783 Min | 0 | 02 | 53 | | 792 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 775 Min | 0 | 05 | 82 | | 789 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 776 Min | 0 | 01 | 77 | | 790 Min | 0 | 00 | 15 |
| | 782 Min | 0 | 02 | 53 | | 788 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 782 Min | 0 | 02 | 53 | | 788/1 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 780 Min | 0 | 07 | 59 | | 806/2 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 869 Min | 0 | 07 | 08 | | 807/2 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 868 Min | 0 | 03 | 09 | | 805 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 870 Min | 0 | 06 | 32 | | 808/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 867 Min | 0 | 03 | 79 | | 809/2 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 883 Min | 0 | 00 | 51 | | 818/2 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 872 Min | 0 | 05 | 82 | | 817/2 Min | 0 | 10 | 62 |
| | 886 Min | 0 | 04 | 30 | Tharherpur H. No. 48 | 4/1 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 837 Min | 0 | 05 | 56 | | 4/12 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 865 Min | 0 | 04 | 55 | | 4/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 874 Min | 0 | 04 | 30 | | 4/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 864 Min | 0 | 05 | 82 | | 11/2 Min | 0 | 08 | 60 |
| | 1348 Min | 0 | 02 | 53 | | 11/9 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 1349 Min | 0 | 07 | 59 | | 11/12 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 1354 Min | 0 | 00 | 76 | | 11/13 Min | 0 | 09 | 86 |
| | 1353 Min | 0 | 09 | 36 | | 11/18 Min | 0 | 07 | 84 |
| | 1360 Min | 0 | 10 | 12 | | 11/23 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 1362 Min | 0 | 10 | 12 | | 11/8 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 1363 Min | 0 | 10 | 12 | | 24 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 1568 Min | 0 | 00 | 76 | | 26 Min | 0 | 13 | 15 |
| | 2134 Min | 0 | 09 | 36 | | 27 Min | 0 | 10 | 37 |
| | 2135 Min | 0 | 10 | 12 | | 33 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 2136 Min | 0 | 10 | 12 | Charaoo H.No.49 | 14/8 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 2137 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/13 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 2138 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/14 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 2156 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/17 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 2155 Min | 0 | 10 | 12 | | 14/18 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 2154 Min | 0 | 10 | 12 | | 12/17 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 2166 Min | 0 | 00 | 76 | | 12/24 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2170 Min | 0 | 09 | 36 | | 127 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 2171 Min | 0 | 10 | 12 | | 23/4 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2151 Min | 0 | 00 | 00 | | 23/7 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2826 Min | 0 | 08 | 09 | | 23/14 Min | 0 | 08 | 85 |
| | 2837 Min | 0 | 02 | 2 | | 23/15 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 2827 Min | 0 | 01 | 77 | | 23/16 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 2836 Min | 0 | 08 | 35 | | 23/17 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 2835 Min | 0 | 09 | 36 | | 23/25 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2846 Min | 0 | 00 | 76 | | 24/5 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2833 Min | 0 | 01 | 26 | | 24/6 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2852 Min | 0 | 08 | 85 | | 24/15 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2854 Min | 0 | 01 | 26 | | 24/16 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2853 Min | 0 | 08 | 85 | | 24/25 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 2861 Min | 0 | 00 | 76 | | 25/21 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 2860 Min | 0 | 09 | 36 | | 35/1/1 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 2863 Min | 0 | 08 | 35 | | 35/1/2 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 2864 Min | 0 | 01 | 77 | | 35/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2874 Min | 0 | 00 | 51 | | 35/11/1 Min | 0 | 07 | 84 |
| | 2873 Min | 0 | 09 | 36 | | 35/11/2 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 2879 Min | 0 | 06 | 83 | | 35/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2880 Min | 0 | 03 | 29 | | 35/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 2892 Min | 0 | 10 | 12 | | 36/5 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 3324 Min | 0 | 10 | 12 | | 42/1 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 3325 Min | 0 | 03 | 79 | | | | | |
| | 3319 Min | 0 | 01 | 26 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------------|-------------|---|----|----|---------------------|--------------|---|----|----|
| Charaoo H. No. 49 | 42/2 Min | 0 | 04 | 05 | Shahpur H. No. 14 | 61/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| —Contd. | 42/9 Min | 0 | 04 | 05 | —Contd. | 61/12 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 42/8 Min | 0 | 01 | 52 | | 61/19 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 12/12 Min | 0 | 03 | 79 | | 61/18 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 42/13 Min | 0 | 06 | 58 | | 61/22 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 42/18 Min | 0 | 09 | 86 | | 61/23 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 42/17/2 Min | 0 | 00 | 25 | | 405 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 42/23 Min | 0 | 00 | 76 | | 140 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 42/24 Min | 0 | 09 | 61 | | 73/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 73/8 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 52/4 Min | 0 | 07 | 59 | | 73/13 Min | 0 | 03 | 54 |
| | 52/5 Min | 0 | 02 | 28 | | | | | |
| | 52/6 Min | 0 | 10 | 12 | Kalampura H. No. 12 | 1/24 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 52/15 Min | 0 | 09 | 36 | | 75 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 52/16 Min | 0 | 01 | 77 | | 9/4 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 124 Min | 0 | 02 | 02 | | 9/7/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 51/11 Min | 0 | 00 | 25 | | 9/14/1 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 51/20 Min | 0 | 06 | 07 | | 9/14/2 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 51/21/1 Min | 0 | 07 | 59 | | 9/16/1 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 51/21/2 Min | 0 | 02 | 53 | | 9/17/1 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 59/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 9/17/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 59/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 9/24 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 59/9 Min | 0 | 00 | 25 | | 9/25 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 59/11 Min | 0 | 02 | 72 | | 183 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 59/12 Min | 0 | 01 | 01 | | 12/4 Min | 0 | 00 | 00 |
| | | | | | | 12/5/1 Min | 0 | 09 | 11 |
| Hemda H. No. 14 | 6/13 Min | 0 | 08 | 09 | | 43 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 6/18 Min | 0 | 10 | 12 | | 12/6 Min | 0 | 11 | 63 |
| | 6/23 Min | 0 | 10 | 12 | | 12/15/2 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 7/3 Min | 0 | 07 | 59 | | 12/15/1 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 7/4 Min | 0 | 02 | 53 | | 13/11/2 Min | 0 | 08 | 60 |
| | 7/7 Min | 0 | 07 | 59 | | 13/20 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 7/8 Min | 0 | 02 | 53 | | 13/19/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 7/14 Min | 0 | 10 | 12 | | 13/19/1 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 7/17 Min | 0 | 04 | 30 | | 76 Min | 0 | 00 | 51 |
| | | | | | | 42 Min | 0 | 00 | 51 |
| Shahpur H. No. 13 | 124 Min | 0 | 00 | 51 | | 13/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 5/24 Min | 0 | 00 | 25 | | 20/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 20/4 Min | 0 | 10 | 12 | | 20/8 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 20/7 Min | 0 | 10 | 12 | | 20/9 Min | 0 | 08 | 35 |
| | 20/14 Min | 0 | 07 | 08 | | 20/12/1 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 20/15 Min | 0 | 03 | 04 | | 20/12/2 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 20/16 Min | 0 | 09 | 86 | | 20/13 Min | 0 | 08 | 35 |
| | 20/17 Min | 0 | 00 | 25 | | 20/18/1 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 20/25/1 Min | 0 | 08 | 09 | | 20/18/2 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 127 Min | 0 | 00 | 76 | | 20/23 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 410 Min | 0 | 00 | 76 | | 26/3/1 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 29/5 Min | 0 | 07 | 33 | | 26/3/2 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 29/6 Min | 0 | 09 | 36 | | 26/7 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 29/15 Min | 0 | 09 | 11 | | 26/8 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 29/16 Min | 0 | 02 | 28 | | 26/13 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 379 Min | 0 | 00 | 76 | | 26/14 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 28/11/1 Min | 0 | 00 | 51 | | 26/17 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 28/11/2 Min | 0 | 00 | 76 | | 26/24 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 28/20 Min | 0 | 07 | 59 | | 82 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 28/21 Min | 0 | 09 | 61 | | | | | |
| | 129 Min | 0 | 00 | 51 | Kachwa H. No. 11 | 109/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 49/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 109/7 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 49/10 Min | 0 | 07 | 08 | | 109/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 49/11 Min | 0 | 11 | 63 | | 109/18/2 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 49/19/2 Min | 0 | 02 | 53 | | 109/19 Min | | 08 | 60 |
| | 49/20 Min | 0 | 07 | 59 | | 109/23 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 49/21 Min | 0 | 01 | 01 | | 109/22 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 49/22 Min | 0 | 08 | 85 | | 427 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 354 Min | 0 | 01 | 77 | | 135/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 6/2 Min | 0 | 09 | 61 | | 135/8 Min | 0 | 10 | 12 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------------------------|----------------|---|----|----|------------------------------------|--------------|---|----|----|
| Kachwa H. No. 11 <i>contd.</i> | 135/13 Min | 0 | 10 | 12 | Jatpura H. No. 62 <i>contd.</i> | 2/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 135/18 Min | 0 | 10 | 12 | | 2/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 135/23 Min | 0 | 10 | 12 | | 4/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 146/3 Min | 0 | 08 | 09 | | 4/9 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 146/4 Min | 0 | 02 | 02 | | 4/10 Min | 0 | 08 | 35 |
| | 146/7 Min | 0 | 08 | 35 | | 4/11 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 146/14 Min | 0 | 10 | 12 | | 4/12 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 146/8 Min | 0 | 02 | 02 | | 4/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 146/17/1 Min | 0 | 02 | 78 | | 4/22 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 146/17/2/2 Min | 0 | 00 | 76 | | 7/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 146/24/2 Min | 0 | 10 | 11 | | 7/9/1 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 146/24/1 Min | 0 | 00 | 00 | | 7/12/2 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 171/4 Min | 0 | 10 | 12 | | 7/13 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 171/6 Min | 0 | 01 | 52 | | 7/18 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 171/7 Min | 0 | 07 | 33 | | 7/19 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 340 Min | 0 | 01 | 01 | | 7/23 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 171/14/2 Min | 0 | 02 | 02 | | 15/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 171/15 Min | 0 | 08 | 09 | | 15/8/2 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 171/16 Min | 0 | 10 | 12 | | 15/13/1 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 171/25 Min | 0 | 10 | 12 | | 15/13/2 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 181/11 Min | 0 | 01 | 01 | | 15/14/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 181/20 Min | 0 | 06 | 07 | | 15/17 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 171/21 Min | 0 | 09 | 61 | | 15/18 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 182/5 Min | 0 | 10 | 12 | | 15/23 Min | 0 | 01 | 1 |
| | 182/6 Min | 0 | 10 | 12 | | 15/24 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 182/25 Min | 0 | 00 | 00 | | 15/25 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 182/15 Min | 0 | 09 | 11 | | 33 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 182/16 Min | 0 | 04 | 05 | | 18/4 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 448 Min | 0 | 00 | 51 | | 18/5 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 207/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 18/7 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 207/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 18/6/1 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 207/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 18/6/2 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 207/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 18/15 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 207/21 Min | 0 | 08 | 09 | | 18/19/11 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 207/22 Min | 0 | 02 | 02 | | | | | |
| | 219/1 Min | 0 | 02 | 53 | Nurajna H. No. 60 | 16/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 219/2 Min | 0 | 07 | 59 | | 191 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 219/9 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/11 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 219/12 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 219/10 Min | 0 | 00 | 00 | | 16/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 219/19 Min | 0 | 10 | 12 | | 16/1 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 219/22 Min | 0 | 09 | 61 | | 20/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 449 Min | 0 | 00 | 51 | | 20/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 243/2 Min | 0 | 09 | 86 | | 20/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 243/3/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 20/20/1 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 243/8/2 Min | 0 | 05 | 06 | | 20/20/2 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 243/9 Min | 0 | 05 | 06 | | 20/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 459 Min | 0 | 00 | 51 | | 40/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 243/13 Min | 0 | 09 | 61 | | 40/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 243/18 Min | 0 | 10 | 12 | | 40/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 243/12 Min | 0 | 00 | 51 | | 40/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 243/23 Min | 0 | 10 | 12 | | 40/21/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 255/3 Min | 0 | 10 | 12 | | 47/10/2 Min | 0 | 07 | 84 |
| | 255/8 Min | 0 | 10 | 12 | | 47/1/1 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 225/13/2 Min | 0 | 08 | 09 | | 47/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 255/14 Min | 0 | 01 | 01 | | 47/20 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 225/17/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 160/1 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 255/17/2 Min | 0 | 06 | 07 | | 197/1 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 255/18 Min | 0 | 02 | 02 | | 47/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 346 Min | 0 | 01 | 77 | | 70/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 255/24 Min | 0 | 08 | 85 | | 70/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 70/11/1 Min | 0 | 09 | 61 |
| Jatpura H. No. 62 | 1/6 Min | 0 | 01 | 26 | | 198 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 2/10 Min | 0 | 07 | 59 | | 70/20/2 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 2/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 70/21/1 Min | 0 | 04 | 05 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------------------|---------------|---|----|----|------------------------------|-------------|---|----|----|
| Naraina H. No. 60 Contd. | 72/1/1 Min | 0 | 06 | 07 | Pakhana H. No. 48 -contd. | 54/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 72/10/2 Min | 0 | 02 | 02 | | 54/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 232 Min | 0 | 00 | 00 | | 54/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 72/11 Min | 0 | 02 | 53 | | 54/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 72/20 Min | 0 | 06 | 07 | | 54/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 72/21 Min | 0 | 07 | 59 | | 63/1/1 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 73/5 Min | 0 | 01 | 52 | | 63/1/2 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 73/6 Min | 0 | 02 | 02 | | 63/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 73/15 Min | 0 | 00 | 25 | | 63/11 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 73/16/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 146 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 73/25/2 Min | 0 | 02 | 53 | | 63/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 94/5/2 Min | 0 | 02 | 02 | | 63/21/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 94/6/1 Min | 0 | 02 | 02 | | 78/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 94/15/2 Min | 0 | 02 | 02 | | 78/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 94/16/1 Min | 0 | 00 | 76 | | 78/11/1 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 94/16/2 Min | 0 | 01 | 01 | | 121 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 158 Min | 0 | 01 | 77 | | 78/11/2 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 94/25/2 Min | 0 | 02 | 02 | | 78/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 95/1 Min | 0 | 08 | 09 | | 78/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 95/10 Min | 0 | 08 | 09 | | 86/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 95/11 Min | 0 | 08 | 09 | | 86/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 95/20/1 Min | 0 | 03 | 29 | | 86/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 95/20/2 Min | 0 | 03 | 29 | | 86/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 95/21 Min | 0 | 08 | 09 | | 86/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 96/1 Min | 0 | 06 | 83 | | 98/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 96/10 Min | 0 | 00 | 25 | | 98/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 97/5 Min | 0 | 02 | 02 | | 98/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 97/6 Min | 0 | 00 | 51 | | 98/20/1 Min | 0 | 01 | 52 |
| | | | | | | 98/20/2 Min | 0 | 08 | 60 |
| Pakhana H. No. 48 | 5/1 Min | 0 | 01 | 52 | | 98/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 5/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 102/1/1 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 5/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 102/1/2 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 5/20 Min | 0 | 10 | 12 | | | | | |
| | 5/21 Min | 0 | 10 | 12 | Tarawri H. No. 47 | 10/20 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 8/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 10/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 8/10 Min | 0 | 05 | 06 | | 22/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 8/26 Min | 0 | 05 | 06 | | 22/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 8/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 22/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 8/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 22/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 8/21 Min | 0 | 10 | 12 | | 22/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/1 Min | 0 | 00 | 76 | | 25/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/10 Min | 0 | 02 | 28 | | 25/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 155 Min | 0 | 00 | 76 | | 25/11/1 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 17/11 Min | 0 | 09 | 36 | | 25/11/2 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 17/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 25/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 17/21 Min | 0 | 10 | 12 | | 25/21/1 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 22/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/1/1 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 22/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/1/2 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 22/11/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 211 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 22/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/10/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 22/21 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/11 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 33/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/20/2 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 33/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/20/1 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 33/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 176 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 33/20/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 41/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 33/21/2 Min | 0 | 10 | 12 | | 44/1/1 Min | 0 | 05 | 31 |
| | 118 Min | 0 | 06 | 07 | | 44/1/2 Min | 0 | 04 | 81 |
| | 160 Min | 0 | 00 | 51 | | 41/10/1 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 40/1 Min | 0 | 09 | 61 | | 44/10/2 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 40/10/1 Min | 0 | 04 | 30 | | 44/11/1 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 40/10/2/2 | 0 | 02 | 28 | | 44/11/2 Min | 0 | 06 | 83 |
| | 40/10/2/1 Min | 0 | 04 | 05 | | 44/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 40/11 Min | 0 | 06 | 07 | | 44/21 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 40/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 63/1 Min | 0 | 08 | 60 |
| | 40/21 Min | 0 | 10 | 12 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------------|-------------|---|----|----|------------------|--------------|---|----|----|
| Sadiqpur H. No. 50 | 4/1 Min | 0 | 09 | 86 | | 8/4 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 4/10/1 Min | 0 | 09 | 36 | | 8/5 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 4/10/2 Min | 0 | 00 | 76 | | 8/6 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 4/11/1 Min | 0 | 05 | 06 | | 8/7 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 4/11/2 Min | 0 | 05 | 06 | | 8/15 Min | 0 | 09 | 86 |
| | 4/20 Min | 0 | 07 | 59 | | 8/16 Min | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 8/25 Min | 0 | 08 | 35 |
| Anjen Thali H. No. 40 | 64/10 Min | 0 | 03 | 54 | | 26 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 64/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 10/5 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 54/20/2 Min | 0 | 09 | 61 | | 10/6 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 64/21 Min | 0 | 10 | 12 | | 10/15 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 66/21/1 Min | 0 | 04 | 30 | | 10/16 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 66/1 Min | 0 | 10 | 12 | | | | | |
| | 66/10/1 Min | 0 | 08 | 60 | Raipur H.NO. 444 | 126 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 66/11/2 Min | 0 | 00 | 00 | | 127 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 66/11/1 Min | 0 | 08 | 35 | | 128 Min | 0 | 06 | 83 |
| | 66/20 Min | 0 | 08 | 35 | | 137 Min | 0 | 08 | 85 |
| | 82/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 138 Min | 0 | 01 | 26 |
| | | | | | | 142 Min | 0 | 10 | 12 |
| Sedh Put H. No. 41 | 20/16 Min | 0 | 08 | 09 | | 151 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 20/25 Min | 0 | 10 | 12 | | 157 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 88 Min | 0 | 01 | 26 | | 357 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 28/5 Min | 0 | 10 | 12 | | 353 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 28/6 Min | 0 | 10 | 12 | | 352 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 28/15 Min | 0 | 10 | 12 | | 354 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 28/16 Min | 0 | 10 | 12 | | 349 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 28/25 Min | 0 | 10 | 12 | | 348 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 34/5 Min | 0 | 09 | 86 | | 378 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 89 Min | 0 | 01 | 26 | | 377 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 34/6/1 Min | 0 | 05 | 56 | | 376 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 72 Min | 0 | 01 | 01 | | 375 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 34/6/2 Min | 0 | 01 | 77 | | 396 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 34/15 Min | 0 | 06 | 07 | | 374 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 90 Min | 0 | 06 | 32 | | 512 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 33/11/2 Min | 0 | 01 | 77 | | 618 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 34/16 Min | 0 | 04 | 05 | | 617 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 34/25 Min | 0 | 02 | 02 | | 621 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 33/20 Min | 0 | 04 | 05 | | 622 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 34/21 Min | 0 | 06 | 07 | | 629 Min | 0 | 08 | 09 |
| | 40/1 Min | 0 | 09 | 86 | | 630 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 39/5 Min | 0 | 00 | 25 | | 397 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 40/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 633 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 40/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 634 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 40/11/1 Min | 0 | 03 | 04 | | 641 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 40/11/2 Min | 0 | 07 | 08 | | 646 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 40/21 Min | 0 | 10 | 12 | | 654 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 662 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/10/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 669 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/11/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 680 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/20/1 Min | 0 | 04 | 30 | | 687 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 46/20/2 Min | 0 | 05 | 82 | | 701 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 46/21 Min | 0 | 09 | 36 | | 648 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 119 Min | 0 | 00 | 76 | | 702 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 51/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 703 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 51/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 704 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 51/11 Min | 0 | 10 | 12 | | | | | |
| | 51/20 Min | 0 | 10 | 12 | | | | | |
| | 51/21 Min | 0 | 09 | 61 | Barant | 63 Min | 0 | 01 | 81 |
| | 96 Min | 0 | 00 | 51 | H.No. 34 | 5/4 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 56/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 5/7 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 56/10 Min | 0 | 06 | 58 | | 5/14 Min | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 5/17 Min | 0 | 10 | 12 |
| Dharoo Majra | 3/17 Min | 0 | 05 | 56 | | 5/24/1 Min | 0 | 06 | 83 |
| H. No. 42 | 3/24 Min | 0 | 05 | 06 | | 5/24/2/1 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 3/16 Min | 0 | 02 | 28 | | 5/24/2/2 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 3/25 Min | 0 | 05 | 06 | | 11/4 Min | 0 | 09 | 86 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------|-------------|---|----|----|----------------|-------------|---|----|----|
| Barani | 136 Min | 0 | 00 | 25 | Amin H.No.33 | 22/5 Min | 0 | 10 | 12 |
| H.No. 34 | 11/7 Min | 0 | 08 | 60 | | 22/6/2 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 11/6 Min | 0 | 00 | 51 | | 22/6/1 Min | 0 | 06 | 83 |
| | 11/14 Min | 0 | 05 | 31 | | 700 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 11/15 Min | 0 | 01 | 01 | | 21/11 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 11/17 Min | 0 | 02 | 53 | | 21/20 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 11/16 Min | 0 | 04 | 55 | | 21/10/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 64 Min | 0 | 04 | 55 | | 21/10/2 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 11/24 Min | 0 | 00 | 25 | | 21/21 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 11/25 Min | 0 | 08 | 09 | | 702 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 14/5 Min | 0 | 10 | 12 | | 43/1 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 14/6 Min | 0 | 10 | 12 | | 43/10 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 14/16 Min | 0 | 10 | 12 | | 43/11 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 14/15 Min | 0 | 05 | 06 | | 43/12 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 14/28 Min | 0 | 05 | 06 | | 43/19 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 14/25 Min | 0 | 10 | 12 | | 43/20 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 22/5 Min | 0 | 09 | 36 | | 43/21 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 22/6 Min | 0 | 10 | 12 | | 43/22 Min | 0 | 09 | 86 |
| | 22/15 Min | 0 | 10 | 12 | | 704 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 22/16 Min | 0 | 10 | 12 | | 46/2 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 22/25/1 Min | 0 | 03 | 54 | | 46/9 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 22/25/2 Min | 0 | 06 | 58 | | 46/12 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 27/5 Min | 0 | 07 | 33 | | 46/19 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 126 Min | 0 | 00 | 76 | | 46/22 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 166 Min | 0 | 00 | 76 | | 46/23 Min | 0 | 02 | 28 |
| | 57 Min | 0 | 01 | 77 | | 81/3 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 26/10 Min | 0 | 00 | 51 | | 81/2 Min | 0 | 02 | 28 |
| | 26/11 Min | 0 | 02 | 02 | | 81/8 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 26/20 Min | 0 | 04 | 05 | | 81/13 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 26/21 Min | 0 | 06 | 58 | | 81/18/1 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 27/6 Min | 0 | 08 | 60 | | 226 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 143 Min | 0 | 05 | 06 | | 81/18/2 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 27/15 Min | 0 | 07 | 08 | | 81/23 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 27/16 Min | 0 | 05 | 06 | | 83/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 27/25 Min | 0 | 02 | 53 | | 83/4 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 36/5 Min | 0 | 00 | 51 | | 83/7 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 37/1 Min | 0 | 08 | 60 | | 83/8 Min | 0 | 06 | 07 |
| | 37/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 83/13/2 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 37/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 83/14 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 37/20 Min | 0 | 10 | 12 | | 83/13/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 37/21 Min | 0 | 10 | 12 | | 83/18 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 40/1 Min | 0 | 10 | 12 | | 83/19 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 40/10 Min | 0 | 10 | 12 | | 83/23 Min | 0 | 09 | 86 |
| | 40/11 Min | 0 | 09 | 61 | | 83/22 Min | 0 | 00 | 25 |
| Samana Bahoo | 53/18 Min | 0 | 02 | 78 | | 120/3 Min | 0 | 10 | 12 |
| H.No.30 | 53/23 Min | 0 | 09 | 11 | | 120/8 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 54/3 Min | 0 | 10 | 12 | | 120/13 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 54/8/1 Min | 0 | 04 | 81 | | 120/18 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 54/7/1 Min | 0 | 00 | 51 | | 120/23 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 54/7/2 Min | 0 | 00 | 25 | | 121/8/2 Min | 0 | 00 | 12 |
| | 54/8/2 Min | 0 | 00 | 51 | | 121/13 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 54/14 Min | 0 | 03 | 04 | | 752 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 73/24 Min | 0 | 03 | 04 | | 121/17 Min | 0 | 03 | 57 |
| | 74/4 Min | 0 | 10 | 12 | | 121/18 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 74/7 Min | 0 | 10 | 12 | | 121/23 Min | 0 | 03 | 57 |
| | 74/11 Min | 0 | 10 | 12 | | 121/24 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 74/17 Min | 0 | 10 | 12 | | 156/3 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 74/17/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 156/4 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 74/24/2 Min | 0 | 09 | 86 | | 156/7 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 92/4/2 Min | 0 | 09 | 61 | | 156/14 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 92/7 Min | 0 | 00 | 25 | | 156/17 Min | 0 | 10 | 12 |
| | | | | | | 156/24 Min | 0 | 07 | 08 |
| Amin H No.33 | 18/6 Min | 0 | 07 | 59 | Khaja Ahmedpur | 190 Min | 0 | 05 | 02 |
| | 18/15 Min | 0 | 10 | 12 | H.No. 36 | 193 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 18/16 Min | 0 | 10 | 12 | | 191 Min | 0 | 02 | 02 |
| | 18/25 Min | 0 | 10 | 12 | | 192 Min | 0 | 07 | 08 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|---------|---|----|----|
| Khaja Ahmedpur | 282 Min | 0 | 00 | 76 |
| H No 36 | 201 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 200 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 205 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 210 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 215 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 220 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 225 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 859 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 862 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 857 Min | 0 | 11 | 89 |
| | 856 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 849 Min | 0 | 05 | 56 |
| | 850 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 846 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 842 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 843 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 838 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 839 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 832 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 829 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 821 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 819 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 817 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 809 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 806 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 799 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 796 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 789 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 788 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 787 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 785 Min | 0 | 05 | 31 |
| | 786 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 777 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 778 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 603 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 775 Min | 0 | 01 | 25 |
| | 776 Min | 0 | 11 | 89 |
| | 773 Min | 0 | 08 | 09 |

[No. 12020/15/80-Ptqd.]

नई दिल्ली 17 सितम्बर, 1981

का० आ० 2590. —यन: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में मथुरा से जालन्धर (पंजाब) तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन इंडियन आयात कार्पोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यन: यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उक्त उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित किया है।

अतः कि उक्त भूमि में हितवद् कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए, आक्षेप मध्यम प्राधिकारी, इंडियन आयात कार्पोरेशन लिमिटेड, मथुरा जालन्धर पाइप लाइन प्रोजेक्ट, 705 मोली सिंह नगर, जालन्धर (पंजाब) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्टतः यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

नहसील : फतेहगढ़ साहिब (सरहिन्द) जिला : पटियाला राज्य : पंजाब

| नाम ग्राम | खसरा न० | क्षेत्रफल | | |
|-------------|-------------|-----------|----|-------------|
| | | है० | ऐ० | बर्ग मी० |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| बसी (पठाना) | 16/19 मिन | 0 | 00 | 51 |
| ह० न० 103 | 11 मिन | 0 | 05 | 57 |
| | 12 मिन | 0 | 08 | 10 |
| | 18/1 मिन | 0 | 04 | 81 |
| | 19 मिन | 0 | 08 | 10 |
| | 23/2 मिन | 0 | 08 | 35 |
| | 27 मिन | 0 | 05 | 57 |
| | 30/11/1 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 11/2 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 11/3 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 19/2 मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 20/1 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 20/2 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 22 मिन | 0 | 10 | 88 |
| | 23/1 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 23/2 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 31/3 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 4 मिन | 0 | 13 | 66 |
| | 5 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 6 मिन | 0 | 12 | 14 |
| | 7 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 15/1 मिन | 0 | 04 | 81 |
| | 15/2 मिन | 0 | 01 | 52 |
| | 39/3 मिन | 0 | 11 | 13 |
| | 4 मिन | 0 | 03 | 54 |
| | 6 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 39/17 मिन | 0 | 11 | 64 |
| | 15 मिन | 0 | 11 | 89 |
| | 40/11/1 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 19 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 20/1 मिन | 0 | 08 | 35 |
| | 20/2/ मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 21/1/ मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 22 मिन | 0 | 11 | 64 |
| | 23 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 24 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 53/11 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 19/3/2 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 20/1 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 20/2 मिन | 0 | 10 | 12 |
| | 21 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 22 मिन | 0 | 9 | 61 |
| | 23 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 54/3 मिन | 0 | 11 | 38 |
| | 4 मिन | 0 | 02 | 28 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------|-------------|---|----|----|------------------|-------------|---|----|----|
| बसी (पठाना) | 6/2 मिन | 0 | 01 | 77 | बसी पठाना | 19/2 मिन | 0 | 00 | 76 |
| ह० न० 103 | 7/1 मिन | 0 | 12 | 90 | ह० न० 104 | 19/3 मिन | 0 | 07 | 59 |
| —गारी | 7/2 मिन | 0 | 00 | 25 | —गारी | 23/1 मिन | 0 | 03 | 29 |
| | 8 मिन | 0 | 00 | 00 | | 23/2 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 14/2 मिन | 0 | 00 | 25 | | 112/5 मिन | 0 | 06 | 83 |
| | 15/1 मिन | 0 | 06 | 58 | | 129/3 मिन | 0 | 04 | 05 |
| | 14/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 1/1 मिन | 0 | 07 | 08 |
| | 15/3 मिन | 0 | 06 | 32 | | 4/2 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 16 मिन | 0 | 00 | 25 | | 6 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 66/2 मिन | 0 | 00 | 76 | | 7/1 मिन | 0 | 06 | 83 |
| | 3 मिन | 0 | 13 | 41 | | 15/1 | 0 | 09 | 36 |
| | 4/1 मिन | 0 | 00 | 25 | | 15/2 मिन | 0 | 03 | 04 |
| | 6 मिन | 0 | 00 | 76 | | 16/ मिन | 0 | 04 | 55 |
| | 7/1 मिन | 0 | 09 | 11 | | 130/20/ मिन | 0 | 08 | 10 |
| | 7/2 मिन | 0 | 04 | 55 | | 21/1 मिन | 0 | 01 | 77 |
| | 67/8/1 मिन | 0 | 00 | 76 | | 21/2 मिन | 0 | 09 | 11 |
| | 14 मिन | 0 | 00 | 76 | | 22 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 15/1 मिन | 0 | 10 | 63 | | 140/1/2 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 15/2 मिन | 0 | 03 | 04 | | 2 मिन | 0 | 11 | 89 |
| | 16/2 मिन | 0 | 01 | 01 | | 8 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 68/11 मिन | 0 | 00 | 51 | | 9 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 20/1 मिन | 0 | 02 | 28 | | 13 मिन | 0 | 11 | 84 |
| | 20/2/मिन | 0 | 07 | 28 | | 14 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 21 मिन | 0 | 00 | 51 | | 17 मिन | 0 | 11 | 64 |
| | 22 मिन | 0 | 09 | 87 | | 18 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 23 मिन | 0 | 00 | 25 | | 24 मिन | 0 | 06 | 58 |
| | 75/11/2 मिन | 0 | 00 | 25 | | 25 मिन | 0 | 05 | 82 |
| | 20 मिन | 0 | 12 | 65 | | 164/5 मिन | 0 | 12 | 14 |
| | 21 मिन | 0 | 04 | 05 | | 6 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 22/1 मिन | 0 | 07 | 34 | | 165/1 मिन | 0 | 00 | 25 |
| | 22/2 मिन | 0 | 01 | 01 | | 10/1 मिन | 0 | 00 | 34 |
| | 76/2 | 0 | 01 | 77 | | 10/2 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 3 मिन | 0 | 12 | 90 | | 11 मिन | 0 | 07 | 34 |
| | 4/1 मिन | 0 | 00 | 00 | | 12 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 7/1 मिन | 0 | 00 | 76 | | 19/1 मिन | 0 | 02 | 78 |
| | 7/2 मिन | 0 | 11 | 38 | | 19/2 मिन | 0 | 09 | 61 |
| | 8 मिन | 0 | 02 | 53 | | 193 मिन | 0 | 04 | 30 |
| | 14 मिन | 0 | 03 | 79 | | 713 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 15 मिन | 0 | 11 | 38 | | 714 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 96/2/2 मिन | 0 | 10 | 63 | | 715 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 3 मिन | 0 | 01 | 77 | | 724 मिन | 0 | 02 | 28 |
| | 8 मिन | 0 | 12 | 40 | | 746 मिन | 0 | 01 | 01 |
| | 9 मिन | 0 | 00 | 25 | | 751 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 13 मिन | 0 | 05 | 57 | | 758 मिन | 0 | 00 | 51 |
| | 14 मिन | 0 | 07 | 08 | | 805 मिन | 0 | 00 | 76 |
| | 16 मिन | 0 | 00 | 76 | | | | | |
| | 17 मिन | 0 | 11 | 64 | मल्लुदा ह० न० 81 | 48 मिन | 0 | 11 | 80 |
| | 24 मिन | 0 | 00 | 76 | | 49 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 25 मिन | 0 | 11 | 64 | | 50 मिन | 0 | 07 | 17 |
| | 111/1 मिन | 0 | 01 | 26 | | 65 मिन | 0 | 16 | 02 |
| | 9 मिन | 0 | 00 | 00 | | 66 मिन | 0 | 00 | 84 |
| | 10 मिन | 0 | 12 | 40 | | 71 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 11 मिन | 0 | 02 | 53 | | 73 मिन | 0 | 13 | 49 |
| | 12 मिन | 0 | 09 | 87 | | 101 मिन | 0 | 10 | 96 |
| | 18 मिन | 0 | 03 | 04 | | 102 मिन | 0 | 02 | 95 |
| | 19/1 मिन | 0 | 00 | 76 | | 108 मिन | 0 | 12 | 22 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------------|-----------|---|----|----|
| महबुबनगर नं० 81 | 193 मिन | 0 | 07 | 17 |
| ---जारी | 194 मिन | 0 | 00 | 84 |
| | 220/1 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 222 मिन | 0 | 10 | 54 |
| | 225 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 226 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 227 मिन | 0 | 00 | 42 |
| | 228 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 229 मिन | 0 | 02 | 95 |
| | 230 मिन | 0 | 00 | 84 |
| | 232 मिन | 0 | 08 | 01 |
| | 233 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 246 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 247 मिन | 0 | 04 | 64 |
| | 249 मिन | 0 | 13 | 91 |
| | 250 मिन | 0 | 00 | 42 |
| | 251 मिन | 0 | 09 | 69 |
| | 253 मिन | 0 | 00 | 84 |
| | 265 मिन | 0 | 05 | 90 |
| | 266 मिन | 0 | 09 | 27 |
| | 269 मिन | 0 | 01 | 26 |
| | 289 मिन | 0 | 02 | 11 |
| | 290 मिन | 0 | 02 | 96 |
| अमरपुर नं० 80 | 5 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 6 मिन | 0 | 15 | 60 |
| | 7 मिन | 0 | 06 | 32 |
| | 8 मिन | 0 | 12 | 65 |
| | 186 मिन | 0 | 05 | 90 |
| | 218 मिन | 0 | 07 | 59 |
| | 219 मिन | 0 | 03 | 37 |
| | 220 मिन | 0 | 03 | 79 |
| | 221 मिन | 0 | 07 | 17 |
| | 222 मिन | 0 | 02 | 53 |
| | 224 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 229 मिन | 0 | 05 | 48 |
| | 230 मिन | 0 | 00 | 00 |
| | 234 मिन | 0 | 12 | 22 |
| | 235 मिन | 0 | 05 | 90 |
| | 236 मिन | 0 | 01 | 69 |
| | 242 मिन | 0 | 05 | 06 |
| | 243 मिन | 0 | 10 | 96 |
| | 247 मिन | 0 | 15 | 17 |
| | 248 मिन | 0 | 00 | 42 |
| | 249 मिन | 0 | 12 | 22 |
| | 250 मिन | 0 | 08 | 43 |
| | 252 मिन | 0 | 00 | 84 |
| | 237 मिन | 0 | 10 | 12 |

[सं० 12020/3/81 प्रो०]

New Delhi, the 17th September, 1981

S.O. 2590.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein ;

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Mathura-Jullundur Pipeline 705, Mota Singh Nagar, Jullundur (Punjab).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Tehsil : Fatehgarh Sahib (Sirhind) Distt : Patiala

State : Punjab

| Name Village | Khasra No. | Area | | |
|-----------------|-------------|------|------|-------|
| | | Hec. | Arr. | Sq.M. |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Bassi (Pathana) | | | | |
| H No. 103 | 16/9 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 11 Min | 0 | 05 | 57 |
| | 12 Min | 0 | 08 | 10 |
| | 18/1 Min | 0 | 04 | 81 |
| | 19 Min | 0 | 08 | 10 |
| | 23/2 Min | 0 | 08 | 35 |
| | 27 Min | 0 | 05 | 57 |
| | 30/11/1 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 11/2 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 11/3 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 19/2 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 20/1 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 20/2 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 22 Min | 0 | 10 | 88 |
| | 23/1 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 23/2 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 31/13 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 4 Min | 0 | 13 | 66 |
| | 5 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 6 Min | 0 | 12 | 14 |
| | 7 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 15/1 Min | 0 | 04 | 81 |
| | 15/2 Min | 0 | 01 | 52 |
| | 39/3 Min | 0 | 11 | 13 |
| | 4 Min | 0 | 03 | 54 |
| | 6 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 39/7 Min | 0 | 11 | 64 |
| | 15 Min | 0 | 11 | 89 |
| | 40/11/1 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 19 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 20/1 Min | 0 | 08 | 35 |
| | 20/2 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 21/1 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 22 Min | 0 | 11 | 64 |
| | 23 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 24 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 53/11 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 19/2/2 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 20/1 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 20/2 Min | 0 | 10 | 12 |
| | 21 Min | 0 | 02 | 53 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------------|-------------|---|----|----|------------------------|-------------|---|----|----|
| Bassi (Pathana) H. No. | 22 Min | 0 | 09 | 61 | Bassi (Pathana) H. No. | 19/3 Min | 0 | 07 | 59 |
| 103 Contd | 23 Min | 0 | 03 | 76 | 103 Contd | 23/1 Min | 0 | 03 | 29 |
| | 54/3 Min | 0 | 11 | 38 | | 23/2 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 4 Min | 0 | 02 | 23 | | 112/5 Min | 0 | 06 | 83 |
| | 6/2 Min | 0 | 01 | 17 | | 129/3 Min | 0 | 04 | 05 |
| | 7/1 Min | 0 | 12 | 90 | | 4/1 Min | 0 | 07 | 08 |
| | 7/2 Min | 0 | 00 | 25 | | 4/2 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 8 Min | 0 | 00 | 00 | | 6 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 14/2 Min | 0 | 00 | 25 | | 7/1 Min | 0 | 06 | 83 |
| | 15/1 Min | 0 | 06 | 58 | | 15/1 Min | 0 | 09 | 36 |
| | 15/2 Min | 0 | 00 | 76 | | 15/2 Min | 0 | 03 | 04 |
| | 15/3 Min | 0 | 06 | 32 | | 16 Min | 0 | 04 | 55 |
| | 16 Min | 0 | 00 | 25 | | 130/20 Min | 0 | 08 | 10 |
| | 67/2 Min | 0 | 09 | 76 | | 21/1 Min | 0 | 01 | 77 |
| | 3 Min | 0 | 13 | 41 | | 21/2 Min | 0 | 09 | 11 |
| | 4/1 Min | 0 | 00 | 25 | | 22 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 6 Min | 0 | 00 | 76 | | 140/1/2 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 7/1 Min | 0 | 09 | 11 | | 2 Min | 0 | 11 | 89 |
| | 7/2 Min | 0 | 04 | 55 | | 8 Min | 0 | 06 | 58 |
| | | | | | | 9 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 67/8/1 Min | 0 | 00 | 76 | | 13 Min | 0 | 11 | 64 |
| | 14 Min | 9 | 00 | 76 | | 14 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 15/1 Min | 0 | 10 | 63 | | 17 Min | 0 | 11 | 64 |
| | 15/2 Min | 0 | 03 | 04 | | 18 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 16/2 Min | 0 | 01 | 01 | | 24 Min | 0 | 06 | 58 |
| | 68/11 Min | 0 | 00 | 51 | | 25 Min | 0 | 05 | 82 |
| | 20/1 Min | 0 | 02 | 28 | | 164/5 Min | 0 | 12 | 14 |
| | 20/2 Min | 0 | 07 | 08 | | 6 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 21/Min | 0 | 00 | 51 | | 165/1 Min | 0 | 00 | 25 |
| | 22 Min | 0 | 09 | 87 | | 10/1 Min | 0 | 00 | 34 |
| | 23 Min | 0 | 00 | 25 | | 10/2 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 75/11/2 Min | 0 | 00 | 25 | | 11 Min | 0 | 07 | 34 |
| | 20 Min | 0 | 12 | 65 | | 12 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 21 Min | 0 | 04 | 05 | | 19/1 Min | 0 | 02 | 78 |
| | 22/1 Min | 0 | 07 | 34 | | 19/2 Min | 0 | 09 | 61 |
| | 22/2 Min | 0 | 01 | 01 | | 193 Min | 0 | 04 | 30 |
| | 76/2 Min | 0 | 01 | 77 | | 713 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 3 Min | 0 | 12 | 90 | | 714 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 4/1 Min | 0 | 00 | 00 | | 715 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 7/1 Min | 0 | 00 | 76 | | 724 Min | 0 | 02 | 82 |
| | 7/2 Min | 0 | 11 | 38 | | 746 Min | 0 | 01 | 01 |
| | 8 Min | 0 | 02 | 53 | | 751 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 14 Min | 0 | 03 | 79 | | 758 Min | 0 | 00 | 51 |
| | 15 Min | 0 | 11 | 38 | | 805 Min | 0 | 00 | 76 |
| | 96/2/2 Min | 0 | 10 | 63 | Mehdudan H. No. 81 | 48 Min | 0 | 11 | 80 |
| | 3 Min | 0 | 01 | 77 | | 49 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 8 Min | 0 | 12 | 40 | | 50 Min | 0 | 07 | 17 |
| | 9 Min | 0 | 00 | 25 | | 65 Min | 0 | 16 | 02 |
| | 13 Min | 0 | 05 | 57 | | 66 Min | 0 | 00 | 84 |
| | 14 Min | 0 | 07 | 08 | | 71 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 16 Min | 0 | 00 | 76 | | 73 Min | 0 | 13 | 49 |
| | 17 Min | 0 | 11 | 64 | | 101 Min | 0 | 10 | 96 |
| | 24 Min | 0 | 00 | 76 | | 102 Min | 0 | 00 | 95 |
| | 25 Min | 0 | 11 | 64 | | 105 Min | 0 | 12 | 22 |
| | 111/1 Min | 0 | 01 | 26 | | 193 Min | 0 | 07 | 17 |
| | 9 Min | 0 | 00 | 00 | | 194 Min | 0 | 00 | 84 |
| | 10 Min | 0 | 12 | 40 | | 220/1 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 11 Min | 0 | 02 | 53 | | 222 Min | 0 | 10 | 54 |
| | 12 Min | 0 | 09 | 87 | | 225 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 18 Min | 0 | 03 | 04 | | 226 Min | 0 | 06 | 00 |
| | 19/1 Min | 0 | 00 | 76 | | | | | |
| | 19/2 Min | 0 | 00 | 76 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------|---------|---|----|----|
| Mehdudan | 227 Min | 0 | 00 | 12 |
| A. No. 81—Contd. | 228 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 229 Min | 0 | 02 | 95 |
| | 230 Min | 0 | 00 | 84 |
| | 232 Min | 0 | 04 | 01 |
| | 233 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 246 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 247 Min | 0 | 01 | 64 |
| | 249 Min | 0 | 13 | 91 |
| | 250 Min | 0 | 00 | 42 |
| | 251 Min | 0 | 09 | 69 |
| | 253 Min | 0 | 00 | 84 |
| | 265 Min | 0 | 05 | 90 |
| | 266 Min | 0 | 09 | 27 |
| | 269 Min | 0 | 01 | 26 |
| | 289 Min | 0 | 02 | 11 |
| | 290 Min | 0 | 10 | 96 |
| Abdula Pur | 5 Min | 0 | 07 | 59 |
| H. No. 80 | 6 Min | 0 | 15 | 60 |
| | 7 Min | 0 | 06 | 32 |
| | 8 Min | 0 | 12 | 65 |
| | 186 Min | 0 | 05 | 90 |
| | 218 Min | 0 | 07 | 59 |
| | 219 Min | 0 | 03 | 37 |
| | 220 Min | 0 | 03 | 79 |
| | 221 Min | 0 | 07 | 17 |
| | 222 Min | 0 | 02 | 53 |
| | 224 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 229 Min | 0 | 05 | 48 |
| | 230 Min | 0 | 00 | 00 |
| | 234 Min | 0 | 12 | 22 |
| | 235 Min | 0 | 05 | 90 |
| | 236 Min | 0 | 01 | 69 |
| | 242 Min | 0 | 05 | 06 |
| | 243 Min | 0 | 10 | 96 |
| | 247 Min | 0 | 15 | 17 |
| | 248 Min | 0 | 00 | 12 |
| | 249 Min | 0 | 12 | 22 |
| | 250 Min | 0 | 08 | 43 |
| | 252 Min | 0 | 00 | 84 |
| | 237 Min | 0 | 10 | 12 |

[No. 12020/3/81 Prod.]

का० भा० 2591.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकहित में यह आवश्यक है कि उत्तर प्रदेश में मथुरा से जलन्धर (पंजाब) तक पेट्रोलियम पदार्थों के परिवहन के लिए पाइप लाइन इंस्टीग्न ऑयल कारपोरेशन द्वारा बिछाई जानी चाहिये।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी पाइप लाइनों को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अनुमति में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिनियम अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय

सरकार ने उगमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का प्रस्ताव आया एतद्वारा घोषित किया है।

बशर्ते कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाने के लिए आशेष मध्य प्राधिकारी डेडिया ऑयल कारपोरेशन लिमिटेड, मथुरा जलन्धर पाइप लाइन प्रोजेक्ट, 705 माता गिह नगर जलन्धर (पंजाब) को इस अधिसूचना को जारी करने से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आशेष करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी गुंतवाई अर्जित हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

| अनुसूची | | | | |
|----------------------|-----------------|---------------|-----|----------|
| तहसील : समराला | जिला : लुधियाना | राज्य : पंजाब | | |
| क्षेत्रफल | | | | |
| नाम ग्राम | खसरा नं० | है० | गै० | वर्ग मी० |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| कोटा मसुद ह० नं० 183 | 2 1/9 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 12 मिन | 00 | 07 | 08 |
| | 13 मिन | 00 | 08 | 85 |
| | 17 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 18 मिन | 00 | 05 | 82 |
| वाहर ह० नं० 184 | 7/17 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 18 मिन | 00 | 09 | 11 |
| | 23 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 24 1/1 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 24 1/2 गिन | 00 | 04 | 30 |
| | 24 1/3 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 25 1/2 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 26 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 15/10 मिन | 00 | 09 | 11 |
| | 11 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 12 मिन मिन | 00 | 06 | 07 |
| | 14 1/1 2 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 18 1/1 3 मिन | 00 | 01 | 28 |
| | 14 1/2 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 19 1/1 मिन | 00 | 01 | 60 |
| | 19 1/2 मिन | 00 | 10 | 63 |
| | 23 1/1 मिन | 00 | 09 | 87 |
| | 23 1/2 मिन | 00 | 03 | 04 |
| | 24 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 16 1/4 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 5 1/1 मिन | 00 | 11 | 89 |
| | 6 1/1 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 6 1/2 1 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 6 1/2 2 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 10 1/3 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 4 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 5 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 6 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 7 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 19 1/10 मिन | 00 | 03 | 79 |
| 11 मिन | 00 | 10 | 63 | |
| 12 1/1 मिन | 00 | 03 | 79 | |
| 12 1/2 मिन | 00 | 01 | 01 | |
| 12 1/3 मिन | 00 | 01 | 01 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|---------------|----|----|----|-----------------|------------|----|----|----|
| ब्राबर | 18 मिन | 00 | 07 | 34 | खेडी | 5/17 मिन | 00 | 00 | 76 |
| ह० न० 184 | 19/1 मिन | 00 | 08 | 3 | ह० न० 185 | 25/2 मिन | 00 | 01 | 01 |
| —जारी | 19/2 मिन | 00 | 00 | 51 | —जारी | 25/3 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 19/3 मिन | 00 | 00 | 00 | | 26 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 23 मिन | 00 | 07 | 00 | | 9/1 मिन | 00 | 05 | 57 |
| | 24/1 मिन | 00 | 09 | 11 | | 2/1 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 22/9/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 2/2 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 10/2 मिन | 00 | 11 | 49 | | 5 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 11 मिन | 00 | 02 | 02 | | 9/3 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 12 मिन | 00 | 13 | 66 | | 9/4 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 13 मिन | 00 | 00 | 76 | | 13 मिन | 00 | 11 | 64 |
| | 17 मिन | 00 | 02 | 02 | | 14/1 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 18 मिन | 00 | 13 | 66 | | 16 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 19 मिन | 00 | 00 | 76 | | 17 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 23 मिन | 00 | 00 | 26 | | 21 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 24 मिन | 00 | 12 | 40 | | 25 मिन | 00 | 12 | 65 |
| | 25 मिन | 00 | 03 | 54 | | 11/1 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 23/14/1/1 मिन | 00 | 04 | 30 | | 10 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 4/2 मिन | 00 | 01 | 52 | | 12/5/1 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 5 मिन | 00 | 10 | 88 | | 41 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 6/1 मिन | 00 | 01 | 01 | | 43 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 6/2 मिन | 00 | 03 | 04 | | | | | |
| | 29/15 मिन | 00 | 10 | 48 | उपनाम ह० न० 178 | 1/125 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 30/1 मिन | 00 | 05 | 17 | | 21/21 मिन | 00 | 07 | 08 |
| | 9 मिन | 00 | 04 | 51 | | 7/21 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 10 मिन | 00 | 04 | 11 | | 6/1/1 मिन | 00 | 08 | 35 |
| हरमना | 598 मिन | 00 | 00 | 38 | | 1/2 मिन | 00 | 00 | 76 |
| ह० न० 180 | 599 मिन | 00 | 03 | 85 | | 2/1 मिन | 00 | 04 | 30 |
| | 611/2 मिन | 00 | 01 | 51 | | 2/2 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 612 मिन | 00 | 10 | 25 | | 8/1 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 615/1 मिन | 00 | 07 | 11 | | 8/2 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 615/2 मिन | 00 | 05 | 25 | | 9 मिन | 00 | 11 | 13 |
| | 615/3 मिन | 00 | 00 | 19 | | 13/1 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 616/1 मिन | 00 | 00 | 13 | | 13/2 मिन | 00 | 09 | 87 |
| | 805 मिन | 00 | 00 | 51 | | 6/14/1 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 806 मिन | 00 | 09 | 10 | | 16 मिन | 00 | 00 | 25 |
| | 811 मिन | 00 | 13 | 22 | | 17 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 812 मिन | 00 | 06 | 20 | | 18/2 मिन | 00 | 00 | 00 |
| खेडी | 2/20/1 मिन | 00 | 01 | 26 | | 18/3 मिन | 00 | 00 | 26 |
| ह० न० 180 | 20/2 मिन | 00 | 01 | 01 | | 24/2 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 21/1 मिन | 00 | 00 | 51 | | 25/1 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 21/2 मिन | 00 | 03 | 04 | | 25/2 मिन | 00 | 03 | 79 |
| | 21/3 मिन | 00 | 03 | 29 | | 26 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 22/1/1 मिन | 00 | 08 | 85 | | 13/1 मिन | 00 | 12 | 90 |
| | 22/1/2 मिन | 00 | 00 | 00 | | 2 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 22/2 मिन | 00 | 00 | 00 | | 8 मिन | 00 | 06 | 07 |
| | 4/21 मिन | 00 | 10 | 88 | | 9 मिन | 00 | 10 | 63 |
| | 7/2/1 मिन | 00 | 01 | 77 | | 13 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 2/2 | 00 | 05 | 82 | | 14/1 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 3 मिन | 00 | 05 | 52 | | 14/2 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 7 मिन | 00 | 03 | 04 | | 16 मिन | 00 | 10 | 88 |
| | 8 मिन | 00 | 10 | 63 | | 17 मिन | 00 | 05 | 12 |
| | 14 मिन | 00 | 09 | 61 | | 25 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 15 मिन | 00 | 00 | 76 | | 14/21 मिन | 00 | 12 | 90 |
| | 16 मिन | 00 | 13 | 16 | | 22 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | | | | | | 15/1/1 मिन | 00 | 01 | 01 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|------------------------|-----------|----|----|----|------------------|-------------|----|----|----|
| कोलबाल ह० नं० 178 | 1/2 मिन | 00 | 00 | 26 | बादला ह० नं० 177 | 904 मिन | 00 | 00 | 00 |
| —जारी | 2/1 मिन | 00 | 11 | 89 | —जारी | 925 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 2/2 मिन | 00 | 01 | 26 | | 926 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 3/2 मिन | 00 | 01 | 77 | | 927 मिन | 00 | 10 | 38 |
| | 8 मिन | 00 | 15 | 44 | | 928 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 14 मिन | 00 | 00 | 76 | | 935 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 69 मिन | 00 | 01 | 52 | | 936 मिन | 00 | 11 | 89 |
| | 256 मिन | 00 | 01 | 77 | | 937 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 257 मिन | 00 | 01 | 26 | | 933 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | | | | | | 934 मिन | 00 | 13 | 41 |
| बलया ह० नं० 312 | 37/18 मिन | 00 | 03 | 79 | | 1093 मिन | 00 | 05 | 35 |
| | 13 मिन | 00 | 02 | 28 | | 1100 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 14 मिन | 00 | 11 | 38 | | 1123 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 37/16 मिन | 00 | 09 | 36 | | 1121 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 17 मिन | 00 | 01 | 81 | | 1125 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 25 मिन | 00 | 04 | 81 | | 1126 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | | | | | | 1127 मिन | 00 | 11 | 89 |
| कोटला बादला ह० नं० 176 | 24/16 मिन | 00 | 07 | 84 | | 1129 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 25/20 मिन | 00 | 03 | 29 | | 1130 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 21 मिन | 00 | 12 | 40 | | 1136 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 22 मिन | 00 | 01 | 52 | | 1137 मिन | 00 | 11 | 89 |
| | 26/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 1138 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 2 मिन | 00 | 14 | 93 | | 1147 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 3 मिन | 00 | 00 | 51 | | 1148 मिन | 00 | 10 | 12 |
| | 8 मिन | 00 | 09 | 36 | | 1154 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 9 मिन | 00 | 01 | 26 | | 1155 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | | | | | | 1159 मिन | 00 | 07 | 84 |
| बादला ह० नं० 177 | 573 मिन | 00 | 09 | 11 | | 1160 मिन | 00 | 06 | 07 |
| | 577 मिन | 00 | 00 | 76 | | 1163 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 579 मिन | 00 | 07 | 84 | | 1161 मिन | 00 | 05 | 57 |
| | 581 मिन | 00 | 01 | 81 | | 1166 मिन | 00 | 09 | 11 |
| | 582 मिन | 00 | 11 | 13 | | 1226 मिन | 00 | 06 | 07 |
| | 584 मिन | 00 | 06 | 58 | | 1227 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 614 मिन | 00 | 04 | 81 | | 1228 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 615 मिन | 00 | 11 | 13 | | 1229 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 616 मिन | 00 | 02 | 53 | | 1230 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 621 मिन | 00 | 13 | 41 | | 1231 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 620 मिन | 00 | 00 | 76 | | | | | |
| | 622 मिन | 00 | 00 | 00 | रेखा ह० नं० 321 | 11/14 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 624 मिन | 00 | 00 | 76 | | 15/2 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 625 मिन | 00 | 13 | 16 | | 16 मिन | 00 | 11 | 89 |
| | 626 मिन | 00 | 00 | 00 | | 25 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 627 मिन | 00 | 11 | 89 | | 12/20/4 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 628 मिन | 00 | 02 | 28 | | 20/5 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 634 मिन | 00 | 04 | 55 | | 21 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 636 मिन | 00 | 09 | 36 | | 22 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 637 मिन | 00 | 06 | 58 | | 22/21 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 696 मिन | 00 | 07 | 84 | | 23/1 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 700 मिन | 00 | 01 | 52 | | 2 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 887 मिन | 00 | 07 | 08 | | 3 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 888 मिन | 00 | 07 | 08 | | 5 मिन | 00 | 12 | 11 |
| | 891 मिन | 00 | 01 | 81 | | 9/1 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 895 मिन | 00 | 09 | 36 | | 13 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 899 मिन | 00 | 11 | 64 | | 14/1 मिन | 00 | 07 | 08 |
| | 900 मिन | 00 | 02 | 28 | | 14/3 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 902 मिन | 00 | 01 | 01 | | 16/1 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 903 मिन | 00 | 13 | 41 | | 16/2 मिन | 00 | 06 | 58 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|----------------|-------------|----|----|----|---------------|-------------|----|----|----|
| रिया ह० न० 321 | 23/17/1 मिन | 00 | 05 | 32 | नरी ह० न० 323 | 14/1 मिन | 00 | 01 | 26 |
| —आरि | 25 मिन | 00 | 06 | 83 | —आरि | 9 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 29 मिन | 00 | 05 | 51 | | 10 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 30/1 मिन | 00 | 07 | 08 | | 11 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 2 मिन | 00 | 01 | 52 | | 12 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 8 मिन | 00 | 03 | 54 | | 13/1 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 9 मिन | 00 | 10 | 82 | | 18 मिन | 00 | 08 | 15 |
| | 13 मिन | 00 | 12 | 40 | | 19/1 मिन | 00 | 04 | 30 |
| | 14 मिन | 00 | 01 | 77 | | 23/3 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 16 मिन | 00 | 00 | 76 | | 23/4 मिन | 00 | 03 | 79 |
| | 17 मिन | 00 | 13 | 41 | | 11/24/1 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 24/2 मिन | 00 | 00 | 76 | | 24/2 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | 25 मिन | 00 | 13 | 41 | | 27 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 31/21 मिन | 00 | 00 | 00 | | 16/10/2 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 35/1 मिन | 00 | 10 | 63 | | 10/3 मिन | 00 | 02 | 53 |
| | 36/5 मिन | 00 | 01 | 01 | | 10/4 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 49 मिन | 00 | 01 | 52 | | 11/1 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 54 मिन | 00 | 01 | 52 | | 11/3 मिन | 00 | 00 | 26 |
| भूटा ह० न० 322 | 253 मिन | 00 | 02 | 02 | | 11/4 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 251 मिन | 00 | 05 | 57 | | 11/6 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 255 मिन | 00 | 08 | 10 | | 12 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 261 मिन | 00 | 06 | 07 | | 18 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 262 मिन | 00 | 07 | 84 | | 19 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 264 मिन | 00 | 10 | 12 | | 22 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 265 मिन | 00 | 04 | 05 | | 23 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 269 मिन | 00 | 01 | 77 | | 24 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 270 मिन | 00 | 12 | 40 | | 17/4 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | 275 मिन | 00 | 00 | 26 | | 5 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 276 मिन | 00 | 13 | 41 | | 6 मिन | 00 | 08 | 60 |
| | 277 मिन | 00 | 00 | 26 | | 26 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 278 मिन | 00 | 13 | 16 | | 27/3 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 279 मिन | 00 | 01 | 26 | | 4 मिन | 00 | 12 | 90 |
| | 286 मिन | 00 | 02 | 78 | | 5 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 304 मिन | 00 | 06 | 58 | | 6/1 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 306 मिन | 00 | 06 | 58 | | 6/2 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 307 मिन | 00 | 07 | 34 | | 7/1 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 309 मिन | 00 | 05 | 32 | | 15 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 310 मिन | 00 | 09 | 11 | | 28/11 मिन | 00 | 08 | 35 |
| | 314 मिन | 00 | 11 | 13 | | 20/1 मिन | 00 | 00 | 26 |
| शरी | 1/14 मिन | 00 | 00 | 26 | | 55 मिन | 00 | 01 | 26 |
| ह० र० 323 | 16 मिन | 00 | 00 | 51 | | 58 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 17 मिन | 00 | 13 | 16 | | 60 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 18/1 मिन | 00 | 00 | 46 | | | | | |
| | 24 मिन | 00 | 01 | 01 | बरवाली कला | 6/20 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 25 मिन | 00 | 13 | 16 | ह० न० 114 | 21 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 7/1 मिन | 00 | 11 | 13 | | 22 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 9 मिन | 00 | 09 | 36 | | 7/25 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 10 मिन | 00 | 05 | 32 | | 10/1 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 12 मिन | 00 | 07 | 08 | | 2 मिन | 00 | 12 | 65 |
| | 13 मिन | 00 | 08 | 35 | | 8/1 मिन | 00 | 04 | 30 |
| | 17 मिन | 00 | 05 | 32 | | 8/2 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 18 मिन | 00 | 07 | 34 | | 9 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 24 मिन | 00 | 10 | 63 | | 13 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 26 मिन | 00 | 03 | 54 | | 14/1 मिन | 00 | 11 | 64 |
| | 26 मिन | 00 | 00 | 76 | | 14/2 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 8/5 | 00 | 02 | 78 | | 16/1 मिन | 00 | 08 | 60 |
| | 13/5 मिन | 00 | 12 | 14 | | 16/2 मिन | 00 | 01 | 77 |

| | 1 | 3 | 4 | 5 | | 1 | 3 | 4 | 5 |
|------------|-------------|----|----|----|----------|-------------|----|----|----|
| बरबारी कला | 16/3 मिन | 00 | 01 | 01 | मल साजरा | 338 मिन | 00 | 09 | 80 |
| ह०न० 114 | 17/1 मिन | 00 | 02 | 78 | ह०न० 113 | 339 मिन | 00 | 13 | 95 |
| —जारी | 17/2 मिन | 00 | 00 | 26 | —जारी | 341 मिन | 00 | 15 | 37 |
| | 25/1 मिन | 00 | 02 | 02 | | 346 मिन | 00 | 01 | 89 |
| | 25/2 मिन | 00 | 01 | 26 | | 560 मिन | 00 | 07 | 02 |
| | 11/21 मिन | 00 | 11 | 13 | | 561 मिन | 00 | 03 | 85 |
| | 16/21/1 मिन | 00 | 10 | 38 | | 563 मिन | 00 | 06 | 01 |
| | 17/1/1 मिन | 00 | 02 | 8 | | 564 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 1/2 मिन | 00 | 01 | 52 | | 565 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 2 मिन | 00 | 11 | 13 | | 569 मिन | 00 | 22 | 51 |
| | 8 मिन | 00 | 11 | 13 | | 569 मिन | 00 | 01 | 51 |
| | 9 मिन | 00 | 03 | 79 | | 579 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 13 मिन | 00 | 04 | 05 | | 580 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 14/1 मिन | 00 | 04 | 05 | | 581 मिन | 00 | 19 | 35 |
| | 14/2 मिन | 00 | 05 | 32 | | 584 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 14/3/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 648 मिन | 00 | 01 | 70 |
| | 14/3/2 मिन | 00 | 00 | 51 | | 737 मिन | 00 | 05 | 76 |
| | 16 मिन | 00 | 10 | 63 | | 759 मिन | 00 | 00 | 95 |
| | 17/1 मिन | 00 | 03 | 54 | | 760 मिन | 00 | 01 | 93 |
| | 17/2 मिन | 00 | 01 | 01 | | 761 मिन | 00 | 03 | 16 |
| | 25 मिन | 00 | 01 | 30 | | 762 मिन | 00 | 03 | 16 |
| | 27/7 मिन | 00 | 03 | 79 | | 764 मिन | 00 | 18 | 73 |
| | 2 मिन | 00 | 10 | 12 | | 767 मिन | 00 | 03 | 04 |
| | 8 मिन | 00 | 09 | 87 | | 768 मिन | 00 | 01 | 11 |
| | 9 मिन | 00 | 05 | 32 | | 769 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 13 मिन | 00 | 05 | 32 | | 775 मिन | 00 | 03 | 42 |
| | 11 मिन | 00 | 08 | 35 | | 776 मिन | 00 | 02 | 53 |
| | 16 मिन | 00 | 09 | 61 | | 777 मिन | 00 | 21 | 30 |
| | 17 मिन | 00 | 05 | 57 | | 778 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 25 मिन | 00 | 05 | 57 | | 907 मिन | 00 | 01 | 51 |
| | 28/21 मिन | 00 | 09 | 36 | | 909 मिन | 00 | 00 | 13 |
| | 30/21 मिन | 00 | 07 | 08 | | 910 मिन | 00 | 19 | 02 |
| | 26 मिन | 00 | 01 | 01 | | 911 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 3/1 मिन | 00 | 05 | 82 | | 912 मिन | 00 | 07 | 14 |
| | 2 मिन | 00 | 09 | 11 | | 913 मिन | 00 | 11 | 07 |
| | 8/1 मिन | 00 | 00 | 00 | | 919/3 मिन | 00 | 04 | 86 |
| | 9/2 मिन | 00 | 08 | 60 | | 920/1 मिन | 00 | 08 | 98 |
| | 9 मिन | 00 | 06 | 07 | | 920/13 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 13/1 मिन | 00 | 00 | 00 | | 930 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 13/2 मिन | 00 | 06 | 07 | | 931 मिन | 00 | 01 | 36 |
| | 14 मिन | 00 | 09 | 11 | | 932 मिन | 00 | 16 | 95 |
| | 16 मिन | 00 | 08 | 35 | | 934 मिन | 00 | 10 | 88 |
| | 17 मिन | 00 | 06 | 58 | | 935 मिन | 00 | 13 | 66 |
| | 25 मिन | 00 | 06 | 58 | | 936 मिन | 00 | 09 | 80 |
| | 42/1 मिन | 00 | 07 | 08 | | 960 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 2 मिन | 00 | 08 | 10 | | 973 मिन | 00 | 01 | 89 |
| | 8 मिन | 00 | 07 | 51 | हैडा | 26/6 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 9 मिन | 00 | 07 | 08 | ह०न० 112 | 15 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 13 मिन | 00 | 07 | 31 | | 27/11 मिन | 00 | 06 | 93 |
| | 14 मिन | 00 | 01 | 52 | | 18 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 57 मिन | 00 | 00 | 76 | | 19 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 68 मिन | 00 | 01 | 01 | | 22 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 71 मिन | 00 | 01 | 26 | | 23 मिन | 00 | 11 | 64 |
| मल साजरा | 332 मिन | 00 | 00 | 51 | | 21 मिन | 00 | 02 | 78 |
| ह०न० 113 | 333 मिन | 00 | 10 | 69 | | 43/10/2 मिन | 00 | 06 | 07 |
| | 334 मिन | 00 | 00 | 00 | | 11 मिन | 00 | 09 | 11 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
|---------|-------------|----|----|----|-------------|------------|----|----|----|
| हैरा | 12/1 मिन | 00 | 06 | 32 | हैरा | 13 मिन | 00 | 00 | 51 |
| होनो 11 | 15 मिन | 00 | 09 | 61 | होनो 112 | 14 मिन | 00 | 13 | 68 |
| — 1577 | 15/1 मिन | 00 | 03 | 54 | — 1577 | 15/1 मिन | 00 | 01 | 28 |
| | 15/1 मिन | 00 | 01 | 00 | | 88 मिन | 00 | 11 | 42 |
| | 23 मिन | 00 | 01 | 51 | | 92 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 24 मिन | 00 | 11 | 38 | | 95 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 26 मिन | 00 | 02 | 28 | | 96 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 44/1 मिन | 00 | 11 | 89 | | 103 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 5/1 मिन | 00 | 0 | 54 | | 141 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 5/2 मिन | 00 | 01 | 26 | | 142 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 6 मिन | 00 | 09 | 87 | | 145 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 13/4 मिन | 00 | 09 | 61 | रोटना शमसार | 4/10 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 7 मिन | 00 | 04 | 55 | न० 110 | 22/1 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 14 मिन | 00 | 10 | 12 | | 22/1 मिन | 00 | 12 | 65 |
| | 16/2 मिन | 00 | 00 | 26 | | 23/1 मिन | 00 | 01 | 51 |
| | 16/3 मिन | 00 | 05 | 32 | | 8/2/2 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 17/1 मिन | 00 | 05 | 32 | | 3/1 मिन | 00 | 05 | 06 |
| | 17/2 मिन | 00 | 03 | 29 | | 3/2 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 17/3 मिन | 00 | 00 | 76 | | 4 मिन | 00 | 03 | 01 |
| | 25/1 मिन | 00 | 09 | 36 | | 6/2 मिन | 00 | 03 | 79 |
| | 49/21/2 मिन | 00 | 06 | 07 | | 7 मिन | 00 | 11 | 64 |
| | 27 मिन | 00 | 00 | 26 | | 15/1 मिन | 00 | 05 | 06 |
| | 61/21 मिन | 00 | 10 | 63 | | 15/2 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | 62/1 मिन | 00 | 08 | 60 | | 9/11/2 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | 2 मिन | 00 | 07 | 08 | | 19/1 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 8/1 मिन | 00 | 01 | 52 | | 19/1 मिन | 00 | 02 | 53 |
| | 8/2 मिन | 00 | 06 | 38 | | 20 मिन | 00 | 08 | 60 |
| | 9 मिन | 00 | 07 | 84 | | 22 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 13 मिन | 00 | 06 | 83 | | 23 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 4 मिन | 00 | 08 | 60 | | 13/3 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | 16 मिन | 00 | 09 | 36 | | 4 मिन | 00 | 10 | 38 |
| | 17 मिन | 00 | 06 | 07 | | 6/1 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 25/1 मिन | 00 | 01 | 26 | | 6/2 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 25/2 मिन | 00 | 04 | 30 | | 7/1 मिन | 00 | 03 | 79 |
| | 70/1/1 मिन | 00 | 04 | 55 | | 7/2 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 2/1 मिन | 00 | 03 | 79 | | 171 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 2/2 मिन | 00 | 01 | 81 | | 173 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 2/3 मिन | 00 | 01 | 01 | मिहला | 97 मिन | 00 | 06 | 38 |
| | 8/1 मिन | 00 | 03 | 04 | क्र० 105 | 98 मिन | 00 | 10 | 05 |
| | 8/2 मिन | 00 | 07 | 84 | | 99 मिन | 00 | 00 | 06 |
| | 9/1 मिन | 00 | 03 | 79 | | 100 मिन | 00 | 09 | 86 |
| | 13 मिन | 00 | 03 | 04 | | 101 मिन | 00 | 02 | 27 |
| | 14/1 मिन | 00 | 09 | 61 | | 103 मिन | 00 | 01 | 39 |
| | 14/2 मिन | 00 | 03 | 54 | | 871 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 15 मिन | 00 | 00 | 00 | | 872 मिन | 00 | 04 | 68 |
| | 16 मिन | 00 | 12 | 65 | | 890 मिन | 00 | 05 | 12 |
| | 17 मिन | 00 | 02 | 02 | | 891 मिन | 00 | 06 | 64 |
| | 25/1 मिन | 00 | 00 | 76 | | 901 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 71/20 मिन | 00 | 00 | 26 | | 905 मिन | 00 | 04 | 61 |
| | 21 मिन | 00 | 13 | 66 | | 906 मिन | 00 | 00 | 63 |
| | 22 मिन | 00 | 00 | 51 | | 907 मिन | 00 | 00 | 38 |
| | 78/1 मिन | 00 | 01 | 01 | | 908 मिन | 00 | 00 | 13 |
| | 2 मिन | 00 | 12 | 40 | | 916 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 3/1 मिन | 00 | 00 | 76 | | 917 मिन | 00 | 05 | 95 |
| | 7 मिन | 00 | 01 | 01 | | 927 मिन | 00 | 05 | 12 |
| | 8 मिन | 00 | 12 | 40 | | 928 मिन | 00 | 07 | 65 |
| | 9/1 मिन | 00 | 00 | 76 | | 929 मिन | 00 | 03 | 16 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|-----------|----|----|----|-----------|-------------|----|----|----|
| मिहारा | 9.19 मिन | 00 | 01 | 89 | मेहलेबाय | 22/3 मिन | 00 | 02 | 28 |
| ह० न० 105 | 10.10 मिन | 00 | 08 | 51 | ह० न० 106 | 22/4 मिन | 00 | 05 | 06 |
| —जारी | 10.19 मिन | 00 | 00 | 00 | —जारी | 22/5 मिन | 00 | 06 | 32 |
| | 10.20 मिन | 00 | 09 | 23 | | 22/6 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 10.21 मिन | 00 | 03 | 16 | | 7/1 मिन | 00 | 05 | 06 |
| | 10.26 मिन | 00 | 02 | 51 | | 4 मिन | 00 | 09 | 87 |
| | 10.27 मिन | 00 | 06 | 89 | | 6 मिन | 00 | 09 | 36 |
| | 10.28 मिन | 00 | 04 | 01 | | 7 मिन | 00 | 05 | 57 |
| | 10.29 मिन | 00 | 00 | 25 | | 15 मिन | 00 | 06 | 07 |
| | 10.31 मिन | 00 | 08 | 29 | | 11/3 मिन | 00 | 08 | 35 |
| | 10.32 मिन | 00 | 03 | 60 | | 4.1 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 10.33 मिन | 00 | 02 | 02 | | 4.3 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 10.36 मिन | 00 | 00 | 13 | | 6 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | 10.37 मिन | 00 | 01 | 39 | | 7/1 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 12.63 मिन | 00 | 00 | 76 | | 7/3 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 12.64 मिन | 00 | 06 | 07 | | 15/1 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 12.65 मिन | 00 | 00 | 13 | | 15/2 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 16.55 मिन | 00 | 09 | 23 | | 15/11 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | 16.56 मिन | 00 | 00 | 00 | | 19/1 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 16.68 मिन | 00 | 00 | 25 | | 19/2 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 16.69 मिन | 00 | 09 | 86 | | 20 मिन | 00 | 09 | 87 |
| | 16.70 मिन | 00 | 02 | 59 | | 22/1 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 16.72 मिन | 00 | 01 | 51 | | 22/2 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 16.73 मिन | 00 | 10 | 75 | | 23 मिन | 00 | 04 | 30 |
| | 16.74 मिन | 00 | 00 | 82 | | 17/11 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 16.80 मिन | 00 | 01 | 89 | | 20 मिन | 00 | 11 | 89 |
| | 17.00 मिन | 00 | 01 | 51 | | 21 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 17.16 मिन | 00 | 03 | 85 | | 18/3 मिन | 00 | 11 | 13 |
| | 17.17 मिन | 00 | 08 | 51 | | 4 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 17.19 मिन | 00 | 07 | 46 | | 6 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 17.20 मिन | 00 | 01 | 68 | | 7/1 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 17.34 मिन | 00 | 05 | 56 | | 7/2 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 17.35 मिन | 00 | 06 | 83 | | 15 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 17.41 मिन | 00 | 06 | 38 | | 16 मिन | 00 | 09 | 00 |
| | 17.42 मिन | 00 | 05 | 95 | | 41/5 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 17.50 मिन | 00 | 05 | 57 | टापरीयां | 20/23/2 मिन | 00 | 09 | 76 |
| | 17.51 मिन | 00 | 00 | 06 | ह० न० 94 | 24/1 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 17.52 मिन | 00 | 00 | 19 | | 21/4/1 मिन | 00 | 03 | 82 |
| | 17.53 मिन | 00 | 01 | 39 | | 1/2 मिन | 00 | 09 | 36 |
| | 17.54 मिन | 00 | 01 | 64 | | 5/2 मिन | 00 | 09 | 26 |
| | 17.55 मिन | 00 | 01 | 32 | | 6 मिन | 00 | 12 | 65 |
| | 17.57 मिन | 00 | 08 | 54 | | 7/1 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 17.58 मिन | 00 | 05 | 88 | | 15/2 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 17.59 मिन | 00 | 00 | 51 | | 22/11/1 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 18.41 मिन | 00 | 00 | 19 | | 11/2 मिन | 00 | 10 | 63 |
| | 18.42 मिन | 00 | 12 | 39 | | 11/3 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 18.47 मिन | 00 | 03 | 16 | | 11/4 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 18.48 मिन | 00 | 09 | 92 | | 19 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 18.49 मिन | 00 | 00 | 76 | | 20/1 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 18.50 मिन | 00 | 09 | 92 | | 20/2 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 18.51 मिन | 00 | 03 | 16 | | 22/1 मिन | 00 | 03 | 04 |
| | 18.55 मिन | 00 | 00 | 76 | | 23/1 मिन | 00 | 08 | 35 |
| मेहलेबाय | 3/19 मिन | 00 | 05 | 32 | | 23/2 मिन | 00 | 03 | 54 |
| ह० न० 106 | 22 मिन | 00 | 04 | 55 | | 25/11/1 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 23 मिन | 00 | 09 | 36 | | 11/2 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 6/11 मिन | 00 | 08 | 60 | | 19 मिन | 00 | 05 | 06 |
| | 19 मिन | 00 | 08 | 10 | | 20/1 मिन | 00 | 04 | 30 |
| | 20 मिन | 00 | 06 | 58 | | 26/3/2 मिन | 00 | 03 | 29 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|------------|----|----|----|---------------|------------|----|----|----|
| टापरीयां | 4 मिन | 00 | 11 | 89 | हरयां कला | 24 मिन | 00 | 09 | 87 |
| ह० न० 94 | 6 मिन | 00 | 11 | 61 | ह० न० 91 | 4/10/1 मिन | 00 | 06 | 83 |
| —जारी | 7 मिन | 00 | 03 | 54 | —जारी | 10/2 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 15/1 मिन | 00 | 00 | 76 | | 11 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 15/2 मिन | 00 | 03 | 04 | | 12 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 35 मिन | 00 | 00 | 26 | | 18 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 36 मिन | 00 | 01 | 28 | | 19 मिन | 00 | 07 | 34 |
| | 57 मिन | 00 | 00 | 76 | | 23 मिन | 00 | 07 | 84 |
| हरयां खुद | 3/18/1 मिन | 00 | 01 | 01 | | 24 मिन | 00 | 07 | 08 |
| ह० न० 92 | 18/2 मिन | 00 | 01 | 54 | | 5/4 मिन | 00 | 05 | 31 |
| | 19/1 मिन | 00 | 05 | 06 | | 5 मिन | 00 | 09 | 36 |
| | 19/2 मिन | 00 | 05 | 57 | | 6/1 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 810/ मिन | 00 | 00 | 00 | | 8/4 मिन | 00 | 09 | 60 |
| | 11 मिन | 00 | 07 | 84 | | 5 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 12 मिन | 00 | 05 | 06 | | 6 मिन | 00 | 09 | 11 |
| | 23 मिन | 00 | 11 | 13 | | 9/10 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | 24/2 मिन | 00 | 00 | 00 | | 11 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 24/3 मिन | 00 | 03 | 54 | | 38 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 12/10 मिन | 00 | 02 | 28 | उरना ह० न० 93 | 28/2 मिन | 00 | 05 | 06 |
| | 11/1 मिन | 00 | 04 | 55 | | 8 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 11/2 मिन | 00 | 08 | 60 | | 9 मिन | 00 | 07 | 08 |
| | 12/2 मिन | 00 | 02 | 02 | | 13 मिन | 00 | 10 | 63 |
| | 18 मिन | 00 | 01 | 77 | | 14 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 19 मिन | 00 | 13 | 16 | | 16 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 20 मिन | 00 | 00 | 00 | | 17/1 मिन | 00 | 08 | 85 |
| | 22 मिन | 00 | 00 | 26 | | 17/2 मिन | 00 | 04 | 30 |
| | 23 मिन | 00 | 13 | 41 | | 24 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 24 मिन | 00 | 01 | 52 | | 25 मिन | 00 | 12 | 65 |
| | 13/4/1 मिन | 00 | 10 | 63 | | 39/1 मिन | 00 | 09 | 87 |
| | 4/3 मिन | 00 | 00 | 00 | | 9 मिन | 00 | 05 | 57 |
| | 5 मिन | 00 | 02 | 78 | | 10 मिन | 00 | 07 | 84 |
| | 6 मिन | 00 | 12 | 65 | | 12 मिन | 00 | 11 | 38 |
| | 17/4/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 13 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 4/2 मिन | 00 | 07 | 34 | | 17 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 5/1 मिन | 00 | 01 | 26 | | 18 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 6/1 मिन | 00 | 05 | 06 | | 23 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 6/2 मिन | 00 | 08 | 85 | | 24 मिन | 00 | 11 | 38 |
| | 7/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 40/5 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 15 मिन | 00 | 00 | 51 | | 43/4 मिन | 00 | 03 | 04 |
| | 18/10 मिन | 00 | 01 | 01 | | 5 मिन | 00 | 11 | 89 |
| | 11/1 मिन | 00 | 13 | 16 | | 6 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 11/2 मिन | 00 | 00 | 76 | | 44/10 मिन | 00 | 11 | 38 |
| | 12 मिन | 00 | 00 | 76 | | 11 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 18 मिन | 00 | 00 | 51 | | 12 मिन | 00 | 1 | 40 |
| | 19 मिन | 00 | 13 | 91 | गरी तरबाना | 6/21 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 20 मिन | 00 | 00 | 76 | ह० न० 79 | 7/9/1 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 22/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 9/2 मिन | 00 | 04 | 55 |
| | 22/2 मिन | 00 | 00 | 76 | | 12 मिन | 00 | 01 | 81 |
| | 23 मिन | 00 | 12 | 90 | | 13 मिन | 00 | 11 | 13 |
| | 19/3/1 मिन | 00 | 00 | 76 | | 16 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 41 मिन | 00 | 01 | 77 | | 17/1 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 109 मिन | 00 | 00 | 76 | | 17/2 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | 111 मिन | 00 | 00 | 76 | | 18 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | | | | | | 24 मिन | 00 | 01 | 77 |
| हरयां कला | 1/18 मिन | 00 | 10 | 38 | | 25/1 मिन | 00 | 04 | 05 |
| ह० न० 81 | 19 मिन | 00 | 02 | 78 | | 25/2 मिन | 00 | 09 | 61 |
| | 23 मिन | 00 | 05 | 06 | | 12/5 मिन | 00 | 00 | 26 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------|-------------|----|----|----|-------------------|-------------|----|----|----|
| गङ्गी तरखाणा | 13/1 मिन | 00 | 11 | 64 | गङ्गी तरखाणा | 15 मिन | 00 | 03 | 79 |
| ह०न० 79—जारी | 2 मिन | 00 | 03 | 29 | ह०न० 79—जारी | 16 मिन | 00 | 09 | 36 |
| | 7 मिन | 00 | 00 | 76 | | 25 मिन | 00 | 02 | 78 |
| | 8 मिन | 00 | 11 | 89 | | 26 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 9/1 मिन | 00 | 10 | 63 | | 48/21 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 9/2 मिन | 00 | 00 | 26 | | 49/1 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 13/2 मिन | 00 | 01 | 01 | | 2 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | 14/1 मिन | 00 | 03 | 29 | | 95 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 14/2 मिन | 00 | 08 | 35 | | 111 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 13/15/1 मिन | 00 | 04 | 81 | | 112 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 15/2 मिन | 00 | 04 | 05 | | 115 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 16/1 मिन | 00 | 02 | 02 | | 117 मिन | 00 | 01 | 52 |
| | 14/11/4 मिन | 00 | 00 | 00 | | 120 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 19/2 मिन | 00 | 07 | 59 | | 151 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 20/1 मिन | 00 | 05 | 32 | | 153 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 20/2 मिन | 00 | 07 | 08 | | 377 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 22 मिन | 00 | 04 | 55 | | 378 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 23 मिन | 00 | 12 | 65 | | 380 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 24 मिन | 00 | 02 | 78 | | 385 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 23/1 मिन | 00 | 01 | 26 | | 393 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 8 मिन | 00 | 00 | 26 | गङ्गीयाना ह०न० 77 | 24/24 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 9 मिन | 00 | 10 | 63 | | 25 मिन | 00 | 01 | 77 |
| | 10 मिन | 00 | 11 | 13 | | 25/4 मिन | 00 | 00 | 25 |
| | 12 मिन | 00 | 02 | 02 | | 5/1 मिन | 00 | 09 | 11 |
| | 13/1 मिन | 00 | 07 | 08 | | 5/2 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 13/2 मिन | 00 | 05 | 32 | | 26/1 मिन | 00 | 03 | 29 |
| | 14/1 मिन | 00 | 03 | 29 | | 9 मिन | 00 | 00 | 25 |
| | 14/2 मिन | 00 | 03 | 54 | | 10 मिन | 00 | 10 | 88 |
| | 16 मिन | 00 | 08 | 10 | अटियां ह०न० 78 | 12/20 मिन | 00 | 10 | 38 |
| | 17/1 मिन | 00 | 02 | 02 | | 21 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 17/2 मिन | 00 | 00 | 51 | | 22 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 23/25 मिन | 00 | 07 | 84 | | 23 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 24/4/1 मिन | 00 | 03 | 29 | | 13/15/1 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 4/2 मिन | 00 | 06 | 58 | | 15/2 मिन | 00 | 04 | 81 |
| | 5 मिन | 00 | 12 | 40 | | 16 मिन | 00 | 05 | 57 |
| | 6 मिन | 00 | 00 | 51 | | 14/2 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 33/18 मिन | 00 | 02 | 78 | | 3 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 19 मिन | 00 | 08 | 60 | | 4 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 23 मिन | 00 | 13 | 16 | | 6 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 24/3 मिन | 00 | 00 | 26 | | 7 मिन | 00 | 13 | 41 |
| | 37/11 मिन | 00 | 04 | 81 | | 8 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 19 मिन | 00 | 01 | 26 | | 14 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 20 मिन | 00 | 11 | 89 | | 15 मिन | 00 | 12 | 40 |
| | 21/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 15/11 मिन | 00 | 04 | 05 |
| | 22/1 मिन | 00 | 05 | 82 | | 19/1 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 22/2 मिन | 00 | 06 | 07 | | 19/2 मिन | 09 | 05 | 32 |
| | 38/4/1 मिन | 00 | 12 | 40 | | 20 मिन | 00 | 10 | 38 |
| | 6 मिन | 00 | 07 | 59 | | 22/1 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 7/1 मिन | 00 | 03 | 54 | | 22/2 मिन | 00 | 05 | 82 |
| | 7/2 मिन | 00 | 00 | 26 | | 23 मिन | 00 | 07 | 59 |
| | 15 मिन | 00 | 08 | 35 | | 23/11 मिन | 00 | 01 | 26 |
| | 47/2 मिन | 00 | 02 | 78 | | 19 मिन | 00 | 03 | 04 |
| | 3 मिन | 00 | 00 | 61 | | 23/20 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 7 मिन | 00 | 07 | 08 | | 22 मिन | 00 | 11 | 64 |
| | 8 मिन | 00 | 06 | 58 | | 23 मिन | 00 | 04 | 81 |
| | 14 मिन | 00 | 09 | 61 | | 24/3/1 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | | | | | | 3/2 मिन | 00 | 01 | 77 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|---------------|-----------|----|----|----|--------------|-----------|----|----|----|
| भटिया ह०न० 78 | 4/1 मिन | 00 | 02 | 02 | ईराक ह०न० 63 | 12/21 मिन | 00 | 09 | 11 |
| —जारी | 6 मिन | 00 | 00 | 26 | | 13/14 मिन | 00 | 00 | 51 |
| | 7 मिन | 00 | 13 | 68 | | 16 मिन | 00 | 07 | 84 |
| | 8 मिन | 00 | 00 | 51 | | 17 मिन | 00 | 08 | 10 |
| | 24/14 मिन | 00 | 01 | 26 | | 25 मिन | 00 | 06 | 83 |
| | 15 मिन | 00 | 13 | 16 | | 15/1 मिन | 00 | 05 | 32 |
| | 16/1 मिन | 00 | 00 | 26 | | 2 मिन | 00 | 10 | 63 |
| | 28/3 मिन | 00 | 09 | 36 | | 7 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 4 मिन | 00 | 05 | 82 | | 8 मिन | 00 | 12 | 14 |
| | 6 मिन | 00 | 08 | 60 | | 9 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 7 मिन | 00 | 07 | 84 | | 13 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 15 मिन | 00 | 05 | 82 | | 14 मिन | 00 | 13 | 66 |
| | 29/11 मिन | 00 | 10 | 63 | | 15/15 मिन | 00 | 00 | 76 |
| | 18 मिन | 00 | 00 | 00 | | 16 मिन | 00 | 13 | 16 |
| | 19/1 मिन | 00 | 04 | 05 | | 17 मिन | 00 | 00 | 26 |
| | 19/2 मिन | 00 | 07 | 84 | | 25 मिन | 00 | 00 | 00 |
| | 20/1 मिन | 00 | 03 | 29 | | 16/20 मिन | 00 | 02 | 02 |
| | 29/22 मिन | 00 | 02 | 28 | | 21 मिन | 00 | 12 | 14 |
| | 23 मिन | 00 | 13 | 16 | | 22 मिन | 00 | 03 | 54 |
| | 24 मिन | 00 | 00 | 51 | | 18/2 मिन | 00 | 10 | 63 |
| | 33/10 मिन | 00 | 03 | 04 | | 3/1 मिन | 00 | 05 | 57 |
| | 11 मिन | 00 | 11 | 64 | | 7 मिन | 00 | 06 | 58 |
| | 12 मिन | 00 | 04 | 30 | | 8/1 मिन | 00 | 02 | 28 |
| | 18/1 मिन | 00 | 00 | 00 | | 8/2 मिन | 00 | 54 | 81 |
| | 18/2 मिन | 00 | 06 | 07 | | 14/2 मिन | 00 | 07 | 84 |
| | 19/1 मिन | 00 | 08 | 10 | | 64 मिन | 00 | 02 | 53 |
| | 19/2 मिन | 00 | 02 | 28 | | 75 मिन | 00 | 01 | 01 |
| | 23/1 मिन | 00 | 01 | 01 | | | | | |
| | 23/2 मिन | 00 | 06 | 32 | | | | | |
| | 24 मिन | 00 | 07 | 34 | | | | | |
| | 34/3 मिन | 00 | 01 | 01 | | | | | |
| | 4 मिन | 00 | 13 | 68 | | | | | |
| | 5 मिन | 00 | 01 | 52 | | | | | |
| | 6 मिन | 00 | 12 | 90 | | | | | |
| | 48/4 मिन | 00 | 07 | 08 | | | | | |
| | 5 मिन | 00 | 08 | 85 | | | | | |
| | 6 मिन | 00 | 05 | 57 | | | | | |
| | 43/10 मिन | 00 | 10 | 63 | | | | | |
| | 11 मिन | 00 | 03 | 79 | | | | | |
| | 12/1 मिन | 00 | 04 | 81 | | | | | |
| | 12/2 मिन | 00 | 06 | 58 | | | | | |
| | 13/2 मिन | 00 | 00 | 00 | | | | | |
| | 17 मिन | 00 | 00 | 51 | | | | | |
| | 18 मिन | 00 | 13 | 41 | | | | | |
| | 19 मिन | 00 | 02 | 28 | | | | | |
| | 23 मिन | 00 | 01 | 01 | | | | | |
| | 24/1 मिन | 00 | 06 | 58 | | | | | |
| | 24/2 मिन | 00 | 03 | 54 | | | | | |
| | 24/3 मिन | 00 | 01 | 52 | | | | | |
| | 58/1 मिन | 00 | 01 | 77 | | | | | |
| | 66 मिन | 00 | 00 | 76 | | | | | |
| | 68 मिन | 00 | 01 | 01 | | | | | |
| | 70 मिन | 00 | 00 | 76 | | | | | |
| | 71 मिन | 00 | 00 | 51 | | | | | |
| | 74 मिन | 00 | 01 | 01 | | | | | |

[सं० 12020/7/81-प्रो०]

टी० एन० परमेश्वरन, सचिव

S.O. 2591.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum products from Mathura in Uttar Pradesh to Jullundur in Punjab pipelines should be laid by the Indian Oil Corporation Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipelines, it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed here to ;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declare its intention to acquire the right of user therein :

Provided that any person interested in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Indian Oil Corporation Limited, Mathura-Jullundur Pipeline 705, Mota Singh Nagar, Jullundur (Punjab).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

TEHSIL: SAMRALA DISTT: LUDHIANA STATE: PUNJAB

| Name of Village | Khasra No. | Area | | |
|--------------------|------------|------|----|------|
| | | H | A | SQ.M |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| Kotla Mehsud H No. | | | | |
| 183 | 23/9 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 12 Min | 00 | 07 | 08 |
| | 13 Min | 00 | 08 | 85 |
| | 17 Min | 01 | 04 | 55 |
| | 18 Min | 00 | 05 | 82 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------------|--------------|----|----|----|--------------------|------------|----|----|----|
| Bawar H. No. 184 | 7/17 Min | 00 | 01 | 52 | Hargana H. No. 180 | 615/3 Min | 00 | 00 | 19 |
| | 18/ Min | 00 | 09 | 11 | —Contd. | 616/1 Min | 00 | 00 | 13 |
| | 23 Min | 00 | 00 | 26 | | 805 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 24/1 Min | 00 | 08 | 10 | | 806 Min | 00 | 09 | 10 |
| | 24/2 Min | 00 | 04 | 30 | | 811 Min | 00 | 13 | 22 |
| | 24/3 Min | 00 | 00 | 51 | | 812 Min | 00 | 06 | 20 |
| | 25/2 Min | 00 | 00 | 00 | Kheri H. No. 185 | 2/20/1 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 26 Min | 00 | 00 | 26 | | 20/2 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 15/10 Min | 00 | 09 | 11 | | 21/1 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 11 Min | 00 | 07 | 59 | | 21/2 Min | 00 | 03 | 04 |
| | 12 Min | 00 | 06 | 07 | | 21/3 Min | 00 | 03 | 29 |
| | 18/1/2 Min | 00 | 00 | 26 | | 22/1/1 Min | 00 | 08 | 35 |
| | 18/1/3 Min | 00 | 01 | 26 | | 22/1/2 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 18/2 Min | 00 | 01 | 26 | | 22/2 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 19/1 Min | 00 | 00 | 00 | | 4/21 Min | 00 | 10 | 88 |
| | 19/2 Min | 00 | 10 | 63 | | 5/2/1 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 23/1 Min | 00 | 09 | 87 | | 2/2 Min | 00 | 05 | 82 |
| | 23/2 Min | 00 | 03 | 04 | | 3 Min | 00 | 05 | 82 |
| | 24 Min | 00 | 01 | 01 | | 7 Min | 00 | 03 | 04 |
| | 16/4 Min | 00 | 01 | 77 | | 8 Min | 00 | 10 | 63 |
| | 5/1 Min | 00 | 11 | 89 | | 14 Min | 00 | 09 | 61 |
| | 6/1 Min | 00 | 00 | 76 | | 15 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 6/2/1 Min | 00 | 03 | 54 | | 16 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 6/2/2 Min | 00 | 00 | 25 | | 5/17 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 18/3 Min | 00 | 00 | 51 | | 25/2 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 4 Min | 00 | 13 | 41 | | 25/3 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 5 Min | 00 | 02 | 02 | | 26 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 6 Min | 00 | 12 | 40 | | 9/1 Min | 00 | 05 | 57 |
| | 7 Min | 00 | 00 | 00 | | 2/1 Min | 00 | 07 | 34 |
| | 19/10 Min | 00 | 03 | 79 | | 2/2 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 11 Min | 00 | 10 | 63 | | 8 Min | 00 | 04 | 55 |
| | 12/1 Min | 00 | 03 | 79 | | 9/3 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 12/2 Min | 00 | 01 | 01 | | 9/4 Min | 00 | 06 | 58 |
| | 12/3 Min | 00 | 01 | 01 | | 13 Min | 00 | 11 | 64 |
| | 18 Min | 00 | 07 | 34 | | 14/1 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 19/1 Min | 00 | 08 | 35 | | 16 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 19/2 Min | 00 | 00 | 51 | | 17 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 19/3 Min | 00 | 00 | 00 | | 24 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 23 Min | 00 | 07 | 08 | | 25 Min | 00 | 12 | 65 |
| | 24/1 Min | 00 | 09 | 11 | | 11/1 Min | 00 | 07 | 34 |
| | 22/9/1 Min | 00 | 00 | 26 | | 10 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 10/2 Min | 00 | 11 | 89 | | 12/5/1 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 11 Min | 00 | 02 | 02 | | 41 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 12 Min | 00 | 13 | 66 | | 43 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 13 Min | 00 | 00 | 76 | | | | | |
| | 17 Min | 00 | 02 | 02 | Dholewal H. No. 17 | 1/25 Min | 00 | 02 | 28 |
| | 18 Min | 00 | 13 | 66 | | 2/21 Min | 00 | 07 | 08 |
| | 19 Min | 00 | 00 | 76 | | 5/21 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 23 Min | 00 | 00 | 26 | | 6/1/1 Min | 00 | 08 | 35 |
| | 24 Min | 00 | 12 | 40 | | 1/2 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 25 Min | 00 | 03 | 54 | | 2/1 Min | 00 | 04 | 30 |
| | 23/4/1/1 Min | 00 | 04 | 30 | | 2/2 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 4/2 Min | 00 | 01 | 52 | | 8/1 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 5 Min | 00 | 10 | 88 | | 8/2 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 6/1 Min | 00 | 01 | 01 | | 9 Min | 00 | 11 | 13 |
| | 6/2 Min | 00 | 03 | 04 | | 13/1 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 29/5 Min | 00 | 10 | 88 | | 13/2 Min | 00 | 09 | 87 |
| | 30/1 Min | 00 | 06 | 97 | | 6/14/1 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 9 Min | 00 | 04 | 81 | | 16 Min | 00 | 00 | 25 |
| | 10 Min | 00 | 09 | 11 | | 17 Min | 00 | 13 | 41 |
| | | | | | | 18/2 Min | 00 | 00 | 00 |
| Hargana H. No. 180 | 598 Min | 00 | 00 | 38 | | 18/3 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 594 Min | 00 | 03 | 85 | | 24/2 Min | 00 | 01 | 52 |
| | 611/2 Min | 00 | 01 | 51 | | 25/1 Min | 00 | 07 | 34 |
| | 612 Min | 00 | 10 | 25 | | 25/2 Min | 00 | 03 | 79 |
| | 615/1 Min | 00 | 07 | 91 | | 26 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 615/2 Min | 00 | 05 | 25 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------------------|------------|----|----|----|-------------------|-------------|----|----|----|
| Dholewal H. No. 178 | 13/1 Min | 00 | 12 | 90 | Baddla H. No. 177 | 894 Min | 00 | 04 | 81 |
| --Contd. | 2 Min | 00 | 03 | 54 | --Contd. | 895 Min | 00 | 09 | 36 |
| | 8 Min | 00 | 06 | 07 | | 899 Min | 00 | 11 | 64 |
| | 9 Min | 00 | 10 | 63 | | 900 Min | 00 | 02 | 28 |
| | 13 Min | 00 | 08 | 10 | | 902 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 14/1 Min | 00 | 06 | 83 | | 903 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 14/2 Min | 00 | 01 | 77 | | 904 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 16 Min | 00 | 10 | 88 | | 925 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 17 Min | 00 | 05 | 82 | | 926 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 25 Min | 00 | 03 | 29 | | 927 Min | 00 | 10 | 38 |
| | 14/21 Min | 00 | 12 | 90 | | 928 Min | 00 | 04 | 05 |
| | 22 Min | 00 | 00 | 26 | | 935 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 15/1/1 Min | 00 | 01 | 01 | | 936 Min | 00 | 11 | 89 |
| | 1/2 Min | 00 | 00 | 26 | | 937 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 2/1 Min | 00 | 11 | 89 | | 933 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 2/2 Min | 00 | 01 | 26 | | 934 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 3/2 Min | 00 | 01 | 77 | | 1093 Min | 00 | 08 | 35 |
| | 8 Min | 00 | 15 | 44 | | 1100 Min | 00 | 04 | 55 |
| | 14 Min | 00 | 00 | 76 | | 1123 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 69 Min | 00 | 01 | 52 | | 1124 Min | 00 | 12 | 40 |
| | 256 Min | 00 | 01 | 77 | | 1125 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 257 Min | 00 | 01 | 26 | | 1126 Min | 00 | 02 | 28 |
| Dalwan H. No. 312 | 37/8 Min | 00 | 03 | 79 | | 1127 Min | 00 | 11 | 89 |
| | 13 Min | 00 | 02 | 28 | | 1129 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 14 Min | 00 | 11 | 38 | | 1130 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 37/16 Min | 00 | 09 | 36 | | 1136 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 17 Min | 00 | 04 | 81 | | 1137 Min | 00 | 11 | 89 |
| | 25 Min | 00 | 04 | 81 | | 1138 Min | 00 | 00 | 00 |
| Kotla Baddla II. No. 176 | 24/16 Min | 00 | 07 | 84 | | 1147 Min | 00 | 04 | 05 |
| | 25/20 Min | 00 | 03 | 29 | | 1148 Min | 00 | 10 | 12 |
| | 21 Min | 00 | 12 | 40 | | 1154 Min | 00 | 08 | 10 |
| | 22 Min | 00 | 01 | 52 | | 1155 Min | 00 | 05 | 82 |
| | 26/1 Min | 00 | 00 | 26 | | 1159 Min | 00 | 07 | 84 |
| | 2 Min | 00 | 14 | 93 | | 1160 Min | 00 | 06 | 07 |
| | 3 Min | 00 | 00 | 51 | | 1163 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 8 Min | 00 | 09 | 36 | | 1164 Min | 00 | 05 | 57 |
| | 9 Min | 00 | 01 | 26 | | 1166 Min | 00 | 09 | 11 |
| Baddla H. No. 177 | 573 Min | 00 | 09 | 11 | | 1226 Min | 00 | 06 | 07 |
| | 577 Min | 00 | 00 | 76 | | 1227 Min | 00 | 03 | 54 |
| | 579 Min | 00 | 07 | 84 | | 1228 Min | 00 | 06 | 58 |
| | 581 Min | 00 | 04 | 81 | | 1229 Min | 00 | 07 | 59 |
| | 582 Min | 00 | 11 | 13 | | 1230 Min | 00 | 02 | 28 |
| | 584 Min | 00 | 06 | 58 | | 1231 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 614 Min | 00 | 04 | 81 | | 11/14 Min | 00 | 03 | 29 |
| | 615 Min | 00 | 11 | 13 | | 15/2 Min | 00 | 04 | 55 |
| | 616 Min | 00 | 02 | 53 | | 16 Min | 00 | 11 | 89 |
| | 621 Min | 00 | 13 | 41 | | 25 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 620 Min | 00 | 00 | 76 | | 12/20/4 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 622 Min | 00 | 00 | 00 | | 20/5 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 624 Min | 00 | 00 | 76 | | 21 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 625 Min | 00 | 13 | 16 | | 22 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 626 Min | 00 | 00 | 00 | | 22/21 Min | 00 | 07 | 59 |
| | 627 Min | 00 | 11 | 89 | | 23/1 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 628 Min | 00 | 02 | 28 | | | | | |
| | 634 Min | 00 | 04 | 55 | | | | | |
| | 636 Min | 00 | 09 | 36 | | | | | |
| | 637 Min | 00 | 06 | 58 | | | | | |
| | 696 Min | 00 | 07 | 84 | | | | | |
| | 700 Min | 00 | 01 | 5 | | | | | |
| | 887 Min | 00 | 07 | 08 | | | | | |
| | 888 Min | 00 | 07 | 08 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------------|-------------|----|----|----|------------------------|-------------|----|----|----|
| Ria H. No. 321 | 2 Min | 00 | 13 | 16 | Chari H. No. 323 | 13/5 Min | 00 | 12 | 17 |
| —Contd. | 3 Min | 00 | 00 | 00 | —Contd. | 14/1 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 8 Min | 00 | 12 | 14 | | 9 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 9/1 Min | 00 | 02 | 02 | | 10 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 13 Min | 00 | 03 | 54 | | 11 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 14/1 Min | 00 | 07 | 08 | | 12 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 14/3 Min | 00 | 02 | 78 | | 13/1 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 16/1 Min | 00 | 00 | 51 | | 18 Min | 00 | 08 | 35 |
| | 16/2 Min | 00 | 06 | 58 | | 19/1 Min | 00 | 04 | 30 |
| | 23/17/1 Min | 00 | 05 | 32 | | 23/3 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 25 Min | 00 | 06 | 83 | | 23/4 Min | 00 | 03 | 79 |
| | 29 Min | 00 | 05 | 51 | | 14/24/1 Min | 00 | 04 | 55 |
| | 30//1 | 00 | 07 | 08 | | 24/2 Min | 00 | 05 | 32 |
| | 2 Min | 00 | 01 | 52 | | 27 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 8 Min | 00 | 03 | 54 | | 16/10/2 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 9 Min | 00 | 10 | 88 | | 10/3 Min | 00 | 02 | 53 |
| | 13 Min | 00 | 12 | 40 | | 10/4 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 14 Min | 00 | 01 | 77 | | 11/1 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 16 Min | 00 | 00 | 76 | | 11/3 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 17 Min | 00 | 13 | 41 | | 11/4 Min | 00 | 07 | 34 |
| | 24/2 Min | 00 | 00 | 76 | | 11/6 Min | 00 | 02 | 28 |
| | 25 Min | 00 | 13 | 41 | | 12 Min | 00 | 03 | 54 |
| | 31/21 Min | 00 | 00 | 00 | | 18 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 35/1 Min | 00 | 10 | 63 | | 19 Min | 00 | 12 | 40 |
| | 36/5 Min | 00 | 01 | 01 | | 22 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 49 Min | 00 | 01 | 52 | | 23 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 54 Min | 00 | 01 | 52 | | 24 Min | 00 | 00 | 76 |
| Bhutta H. No. 322 | 253 Min | 00 | 02 | 02 | | 17/4 Min | 00 | 05 | 32 |
| | 254 Min | 00 | 05 | 57 | | 5 Min | 00 | 07 | 59 |
| | 255 Min | 00 | 08 | 10 | | 6 Min | 00 | 08 | 60 |
| | 261 Min | 00 | 06 | 07 | | 26 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 262 Min | 00 | 07 | 84 | | 27/3 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 264 Min | 00 | 10 | 12 | | 4 Min | 00 | 12 | 90 |
| | 265 Min | 00 | 04 | 05 | | 5 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 269 Min | 00 | 01 | 77 | | 6/1 Min | 00 | 04 | 05 |
| | 270 Min | 00 | 12 | 40 | | 6/2 Min | 00 | 08 | 10 |
| | 275 Min | 00 | 00 | 26 | | 7/1 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 276 Min | 00 | 13 | 41 | | 15 Min | 00 | 04 | 05 |
| | 277 Min | 00 | 00 | 26 | | 28/11 Min | 00 | 08 | 35 |
| | 278 Min | 00 | 13 | 16 | | 20/1 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 279 Min | 00 | 01 | 26 | | 55 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 286 Min | 00 | 02 | 78 | | 58 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 304 Min | 00 | 06 | 58 | | 60 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 306 Min | 00 | 06 | 58 | Barwali Kalan H.No.114 | 6/20 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 307 Min | 00 | 07 | 34 | | 21 Min | 00 | 12 | 40 |
| | 309 Min | 00 | 05 | 32 | | 22 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 310 Min | 00 | 09 | 11 | | 7/25 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 314 Min | 00 | 11 | 13 | | 10/1 Min | 00 | 02 | 28 |
| Chari H. No. 323 | 1/14 Min | 00 | 00 | 26 | | 2 Min | 00 | 12 | 65 |
| | 16 Min | 00 | 00 | 51 | | 8/1 Min | 00 | 04 | 30 |
| | 17 Min | 00 | 13 | 16 | | 8/2 Min | 00 | 08 | 10 |
| | 18/1 Min | 00 | 00 | 26 | | 9 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 24 Min | 00 | 01 | 01 | | 13 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 25 Min | 00 | 13 | 16 | | 14/1 Min | 00 | 11 | 64 |
| | 7/1 Min | 00 | 11 | 13 | | 14/2 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 9 Min | 00 | 09 | 36 | | 16/1 Min | 00 | 08 | 60 |
| | 10 Min | 00 | 05 | 32 | | 16/2 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 12 Min | 00 | 07 | 08 | | 16/3 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 13 Min | 00 | 08 | 35 | | 17/1 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 17 Min | 00 | 05 | 32 | | 17/2 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 18 Min | 00 | 07 | 34 | | 25/1 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 24 Min | 00 | 10 | 63 | | 25/2 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 25 Min | 00 | 03 | 54 | | 11/21 Min | 00 | 11 | 13 |
| | 26 Min | 00 | 00 | 76 | | 16/21/1 Min | 00 | 10 | 38 |
| | 8/5 Min | 00 | 02 | 78 | | 17/1/1 Min | 00 | 02 | 28 |
| | | | | | | 1/2 Min | 00 | 01 | 52 |
| | | | | | | 2 Min | 00 | 11 | 13 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------------------|------------|----|----|----|----------------------|-------------|----|----|----|
| Barwalj Kalan H.No. 114 | 8 Min | 00 | 11 | 13 | Mal Majra H. No. 113 | 762 Min | 00 | 03 | 16 |
| —Contd. | 9 Min | 00 | 03 | 79 | —Contd. | 764 Min | 00 | 18 | 73 |
| | 13 Min | 00 | 04 | 05 | | 767 Min | 00 | 03 | 04 |
| | 14/1 Min | 00 | 04 | 05 | | 768 Min | 00 | 01 | 14 |
| | 14/2 Min | 00 | 05 | 32 | | 769 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 14/3/1 Min | 00 | 00 | 26 | | 775 Min | 00 | 03 | 42 |
| | 14/3/2 Min | 00 | 00 | 51 | | 776 Min | 00 | 02 | 53 |
| | 16 Min | 00 | 10 | 63 | | 777 Min | 00 | 21 | 30 |
| | 17/1 Min | 00 | 03 | 54 | | 778 Min | 00 | 08 | 10 |
| | 17/2 Min | 00 | 01 | 01 | | 907 Min | 00 | 01 | 51 |
| | 25 Min | 00 | 04 | 30 | | 909 Min | 00 | 00 | 13 |
| | 27/1 Min | 00 | 03 | 79 | | 910 Min | 00 | 19 | 92 |
| | 2 Min | 00 | 10 | 12 | | 911 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 8 Min | 00 | 09 | 87 | | 912 Min | 00 | 07 | 14 |
| | 9 Min | 00 | 05 | 32 | | 913 Min | 00 | 11 | 07 |
| | 13 Min | 00 | 05 | 32 | | 919/3 Min | 00 | 04 | 86 |
| | 14 Min | 00 | 08 | 35 | | 920/1 Min | 00 | 08 | 98 |
| | 16 Min | 00 | 09 | 61 | | 920/3 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 17 Min | 00 | 05 | 57 | | 930 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 25 Min | 00 | 05 | 57 | | 931 Min | 00 | 04 | 36 |
| | 28/21 Min | 00 | 09 | 36 | | 932 Min | 00 | 16 | 95 |
| | 30/21 Min | 00 | 07 | 08 | | 934 Min | 00 | 10 | 88 |
| | 26 Min | 00 | 01 | 01 | | 935 Min | 00 | 13 | 66 |
| | 31/1 Min | 00 | 05 | 82 | | 936 Min | 00 | 09 | 80 |
| | 2 Min | 00 | 09 | 11 | | 960 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 8/1 Min | 00 | 00 | 00 | | 973 Min | 00 | 01 | 89 |
| | 8/2 Min | 00 | 08 | 60 | Hadeon H. No. 1 2 | 26/6 Min | 00 | 07 | 59 |
| | 9 Min | 00 | 06 | 07 | | 15 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 13/1 Min | 00 | 00 | 00 | | 27/11 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 13/2 Min | 00 | 06 | 07 | | 18 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 14 Min | 00 | 09 | 11 | | 19 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 16 Min | 00 | 08 | 35 | | 22 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 17 Min | 00 | 06 | 58 | | 23 Min | 00 | 11 | 64 |
| | 25 Min | 00 | 06 | 58 | | 24 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 42/1 Min | 00 | 07 | 08 | | 43/10/2 Min | 00 | 06 | 07 |
| | 2 Min | 00 | 08 | 10 | | 11 Min | 00 | 09 | 11 |
| | 8 Min | 00 | 07 | 84 | | 12/1 Min | 00 | 06 | 32 |
| | 9 Min | 00 | 07 | 08 | | 18 Min | 00 | 09 | 61 |
| | 13 Min | 00 | 07 | 34 | | 19/1 Min | 00 | 03 | 54 |
| | 14 Min | 00 | 01 | 52 | | 19/2 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 57 Min | 00 | 00 | 76 | | 23 Min | 00 | 04 | 81 |
| | 68 Min | 00 | 01 | 01 | | 24 Min | 00 | 11 | 38 |
| | 71 Min | 00 | 01 | 26 | | 26 Min | 00 | 02 | 28 |
| Mal Majra | 322 Min | 00 | 00 | 51 | | 44/4 Min | 00 | 11 | 89 |
| H. No. 113 | 333 Min | 00 | 10 | 69 | | 5/1 Min | 00 | 03 | 54 |
| | 334 Min | 00 | 00 | 00 | | 5/2 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 338 Min | 00 | 09 | 80 | | 6 Min | 00 | 09 | 87 |
| | 339 Min | 00 | 13 | 85 | | 48/4 Min | 00 | 09 | 61 |
| | 341 Min | 00 | 15 | 37 | | 7 Min | 00 | 04 | 55 |
| | 346 Min | 00 | 01 | 89 | | 14 Min | 00 | 10 | 12 |
| | 560 Min | 00 | 07 | 02 | | 16/2 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 561 Min | 00 | 03 | 85 | | 16/3 Min | 00 | 05 | 32 |
| | 563 Min | 00 | 06 | 01 | | 17/1 Min | 00 | 05 | 32 |
| | 564 Min | 00 | 00 | 00 | | 17/2 Min | 00 | 03 | 29 |
| | 565 Min | 00 | 01 | 26 | | 17/3 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 568 Min | 00 | 22 | 51 | | 25/1 Min | 00 | 09 | 36 |
| | 569 Min | 00 | 01 | 51 | | 49/21/2 | 00 | 06 | 07 |
| | 579 Min | 00 | 00 | 51 | | 27 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 580 Min | 00 | 01 | 26 | | 61/21 Min | 00 | 10 | 63 |
| | 581 Min | 00 | 19 | 35 | | 62/1 Min | 00 | 08 | 60 |
| | 584 Min | 00 | 00 | 51 | | 2 Min | 00 | 07 | 08 |
| | 648 Min | 00 | 01 | 70 | | 8/1 Min | 00 | 01 | 52 |
| | 737 Min | 00 | 05 | 76 | | 8/2 Min | 00 | 06 | 58 |
| | 759 Min | 00 | 00 | 95 | | 9 Min | 00 | 07 | 84 |
| | 760 Min | 00 | 04 | 93 | | 13 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 761 Min | 00 | 03 | 16 | | 14 Min | 00 | 08 | 60 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-------------------------------|------------|----|----|----|------------------|----------|----|----|----|
| Hadeon H. No. 112 —Contd. | 16 Min | 00 | 09 | 36 | Sahalia H.No 105 | 97 Min | 00 | 06 | 38 |
| | 17 Min | 00 | 06 | 07 | | 98 Min | 00 | 10 | 05 |
| | 25/1 Min | 00 | 01 | 26 | | 99 Min | 00 | 00 | 06 |
| | 25/2 Min | 00 | 04 | 30 | | 100 Min | 00 | 09 | 86 |
| | 70/1/1 Min | 00 | 04 | 55 | | 101 Min | 00 | 02 | 27 |
| | 2/1 Min | 00 | 03 | 79 | | 103 Min | 00 | 01 | 39 |
| | 2/2 Min | 00 | 04 | 81 | | 871 Min | 00 | 08 | 10 |
| | 2/3 Min | 00 | 01 | 01 | | 872 Min | 00 | 04 | 68 |
| | 8/1 Min | 00 | 03 | 04 | | 890 Min | 00 | 05 | 12 |
| | 8/2 Min | 00 | 07 | 84 | | 891 Min | 00 | 06 | 64 |
| | 9/1 Min | 00 | 03 | 79 | | 904 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 13 Min | 00 | 03 | 04 | | 905 Min | 00 | 04 | 61 |
| | 14/1 Min | 00 | 09 | 61 | | 906 Min | 00 | 00 | 63 |
| | 14/2 Min | 00 | 03 | 54 | | 907 Min | 00 | 00 | 38 |
| | 15 Min | 00 | 00 | 00 | | 908 Min | 00 | 00 | 13 |
| | 16 Min | 00 | 12 | 65 | | 916 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 17 Min | 00 | 02 | 02 | | 917 Min | 00 | 05 | 95 |
| | 25/1 Min | 00 | 00 | 76 | | 927 Min | 00 | 05 | 12 |
| | 71/20 Min | 00 | 00 | 26 | | 928 Min | 00 | 07 | 65 |
| | 21 Min | 00 | 13 | 66 | | 929 Min | 00 | 03 | 16 |
| | 22 Min | 00 | 00 | 51 | | 949 Min | 00 | 01 | 89 |
| | 78/1 Min | 00 | 01 | 01 | | 1010 Min | 00 | 08 | 54 |
| | 2 Min | 00 | 12 | 40 | | 1019 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 3/1 Min | 00 | 00 | 76 | | 1020 Min | 00 | 09 | 23 |
| | 7 Min | 00 | 01 | 01 | | 1021 Min | 00 | 03 | 16 |
| | 8 Min | 00 | 12 | 40 | | 1026 Min | 00 | 02 | 53 |
| | 9/1 Min | 00 | 00 | 76 | | 1027 Min | 00 | 06 | 89 |
| | 13 Min | 00 | 00 | 51 | | 1028 Min | 00 | 04 | 04 |
| | 14 Min | 00 | 13 | 66 | | 1029 Min | 00 | 00 | 25 |
| | 15/1 Min | 00 | 01 | 26 | | 1031 Min | 00 | 08 | 29 |
| | 88 Min | 00 | 14 | 42 | | 1032 Min | 00 | 03 | 60 |
| | 92 Min | 00 | 01 | 01 | | 1033 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 95 Min | 00 | 00 | 51 | | 1036 Min | 00 | 00 | 13 |
| | 96 Min | 00 | 03 | 29 | | 1037 Min | 00 | 01 | 39 |
| | 103 Min | 00 | 01 | 01 | | 1263 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 141 Min | 00 | 01 | 01 | | 1264 Min | 00 | 06 | 07 |
| | 142 Min | 00 | 00 | 51 | | 1265 Min | 00 | 00 | 13 |
| | 145 Min | 00 | 00 | 51 | | 1655 Min | 00 | 09 | 23 |
| Kotla Shamaspur H. No. 110 | 4/19 Min | 00 | 00 | 26 | | 1656 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 22/1 Min | 00 | 00 | 76 | | 1668 Min | 00 | 00 | 25 |
| | 22/2 Min | 00 | 12 | 65 | | 1669 Min | 00 | 09 | 86 |
| | 23/1 Min | 00 | 01 | 51 | | 1670 Min | 00 | 02 | 59 |
| | 8/2/2 Min | 00 | 00 | 26 | | 1672 Min | 00 | 01 | 51 |
| | 3/1 Min | 00 | 05 | 06 | | 1673 Min | 00 | 10 | 75 |
| | 3/2 Min | 00 | 07 | 34 | | 1674 Min | 00 | 00 | 82 |
| | 4 Min | 00 | 03 | 04 | | 1680 Min | 00 | 01 | 89 |
| | 6/2 Min | 00 | 03 | 79 | | 1700 Min | 00 | 01 | 51 |
| | 7 Min | 00 | 11 | 64 | | 1716 Min | 00 | 03 | 85 |
| | 15/1 Min | 00 | 05 | 06 | | 1717 Min | 00 | 08 | 54 |
| | 15/2 Min | 00 | 05 | 32 | | 1719 Min | 00 | 07 | 46 |
| | 9/11/2 Min | 00 | 05 | 82 | | 1720 Min | 00 | 04 | 68 |
| | 19/1 Min | 00 | 04 | 55 | | 1734 Min | 00 | 05 | 56 |
| | 19/4 Min | 00 | 02 | 53 | | 1735 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 20 Min | 00 | 08 | 60 | | 1741 Min | 00 | 06 | 38 |
| | 22 Min | 00 | 07 | 34 | | 1742 Min | 00 | 05 | 95 |
| | 23 Min | 00 | 08 | 10 | | 1750 Min | 00 | 05 | 57 |
| | 13/3 Min | 00 | 05 | 82 | | 1751 Min | 00 | 00 | 06 |
| | 4 Min | 00 | 10 | 38 | | 1752 Min | 00 | 00 | 19 |
| | 6/1 Min | 00 | 02 | 02 | | 1753 Min | 00 | 01 | 39 |
| | 6/2 Min | 00 | 02 | 02 | | 1754 Min | 00 | 01 | 64 |
| | 7/1 Min | 00 | 03 | 79 | | 1755 Min | 00 | 01 | 32 |
| | 7/2 Min | 00 | 00 | 00 | | 1757 Min | 00 | 08 | 54 |
| | 171 Min | 00 | 00 | 76 | | 1758 Min | 00 | 05 | 88 |
| | 173 Min | 00 | 00 | 76 | | 1759 Min | 00 | 00 | 51 |
| | | | | | | 1841 Min | 00 | 00 | 19 |
| | | | | | | 1842 Min | 00 | 12 | 39 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|--------------------|-------------|----|----|----|------------------------|------------|----|----|----|
| Sahalla H. No. 105 | 1847 Min | 00 | 03 | 16 | Taprian H. No. 94 | 19 Min | 00 | 05 | 06 |
| —Contd. | 1848 Min | 00 | 09 | 92 | | 20/1 Min | 00 | 04 | 30 |
| | 1849 Min | 00 | 00 | 76 | | 26/3/2 Min | 00 | 03 | 29 |
| | 1850 Min | 00 | 09 | 92 | | 4 Min | 00 | 11 | 89 |
| | 1851 Min | 00 | 03 | 16 | | 6 Min | 00 | 11 | 64 |
| | 1855 Min | 00 | 00 | 76 | | 7 Min | 00 | 03 | 54 |
| Gehlawal | 3/19 Min | 00 | 05 | 32 | | 15/1 Min | 00 | 00 | 76 |
| H. No. 106 | 22 Min | 00 | 04 | 55 | | 15/2 Min | 00 | 03 | 04 |
| | 23 Min | 00 | 09 | 36 | | 35 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 6/11 Min | 00 | 08 | 60 | | 36 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 19 Min | 00 | 08 | 10 | | 57 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 20 Min | 00 | 06 | 58 | Harvan Khurd | 3/18/1 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 22/3 Min | 00 | 02 | 28 | H. No. 92 | 18/2 Min | 00 | 03 | 54 |
| | 22/4 Min | 00 | 05 | 06 | | 19/1 Min | 00 | 05 | 06 |
| | 23/1 Min | 00 | 06 | 32 | | 19/2 Min | 00 | 05 | 57 |
| | 6/23/2 Min | 00 | 01 | 26 | | 8/10 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 7/3 Min | 00 | 05 | 06 | | 11 Min | 00 | 07 | 84 |
| | 4 Min | 00 | 09 | 87 | | 12 Min | 00 | 05 | 06 |
| | 6 Min | 00 | 09 | 36 | | 23 Min | 00 | 11 | 13 |
| | 7 Min | 00 | 05 | 57 | | 24/2 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 15 Min | 00 | 06 | 07 | | 24/3 Min | 00 | 03 | 54 |
| | 14/3 Min | 00 | 08 | 35 | | 12/10 Min | 00 | 02 | 28 |
| | 4/1 Min | 00 | 06 | 58 | | 11/1 Min | 00 | 04 | 55 |
| | 4/3 Min | 00 | 00 | 26 | | 11/2 Min | 00 | 08 | 60 |
| | 6 Min | 00 | 05 | 82 | | 12/2 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 7/1 Min | 00 | 01 | 26 | | 18 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 7/3 Min | 00 | 07 | 59 | | 19 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 15/1 Min | 00 | 07 | 34 | | 20 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 15/2 Min | 00 | 00 | 51 | | 22 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 15/11 Min | 00 | 05 | 32 | | 23 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 19/1 Min | 00 | 01 | 26 | | 24 Min | 00 | 01 | 52 |
| | 19/2 Min | 00 | 03 | 54 | | 13/4/1 Min | 00 | 10 | 63 |
| | 20 Min | 00 | 09 | 87 | | 4/3 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 22/1 Min | 00 | 06 | 58 | | 5 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 22/2 Min | 00 | 04 | 05 | | 6 Min | 00 | 12 | 65 |
| | 23 Min | 00 | 04 | 30 | | 17/4/1 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 17/11 Min | 00 | 02 | 02 | | 4/2 Min | 00 | 07 | 34 |
| | 20 Min | 00 | 11 | 89 | | 5/1 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 21 Min | 00 | 00 | 00 | | 6/1 Min | 00 | 03 | 06 |
| | 18/3 Min | 00 | 11 | 13 | | 6/2 Min | 00 | 08 | 85 |
| | 4 Min | 00 | 03 | 29 | | 7/1 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 6 Min | 00 | 02 | 78 | | 15 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 7/1 Min | 00 | 07 | 34 | | 18/10 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 7/2 Min | 00 | 04 | 55 | | 11/1 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 15 Min | 00 | 12 | 40 | | 11/2 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 16 Min | 00 | 00 | 00 | | 12 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 41/5 Min | 00 | 01 | 77 | | 18 Min | 00 | 00 | 51 |
| Taprian H. No. 94 | 20/23/2 Min | 00 | 00 | 76 | | 19 Min | 00 | 13 | 91 |
| | 24/1 Min | 00 | 00 | 26 | | 20 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 21/4/1 Min | 00 | 05 | 82 | | 22/1 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 4/2 Min | 00 | 09 | 36 | | 22/2 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 5/2 Min | 00 | 00 | 26 | | 23 Min | 00 | 12 | 90 |
| | 6 Min | 00 | 12 | 65 | | 19/3/1 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 7/1 Min | 00 | 01 | 77 | | 41 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 15/2 Min | 00 | 02 | 02 | | 109 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 22/11/1 | 00 | 00 | 76 | | 111 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 11/2 Min | 00 | 10 | 63 | Haryon Kalan H. No. 91 | 1/18 Min | 00 | 10 | 38 |
| | 11/3 Min | 00 | 00 | 26 | | 19 Min | 00 | 02 | 78 |
| | 11/4 Min | 00 | 00 | 26 | | 23 Min | 00 | 05 | 06 |
| | 19 Min | 00 | 12 | 40 | | 24 Min | 00 | 09 | 87 |
| | 20/1 Min | 00 | 01 | 52 | | 4/10/1 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 20/2 Min | 00 | 00 | 26 | | 10/2 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 22/1 Min | 00 | 03 | 04 | | 11 Min | 00 | 06 | 83 |
| | 23/1 Min | 00 | 08 | 35 | | 12 Min | 00 | 08 | 10 |
| | 23/2 Min | 00 | 03 | 54 | | 18 Min | 00 | 07 | 59 |
| | 25/11/1 Min | 00 | 06 | 58 | | 19 Min | 00 | 07 | 34 |
| | 11/2 Min | 00 | 04 | 55 | | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----------------------------|-------------|----|----|----|-------------------------------------|------------|----|-------|
| Haryon Kalan H. No. 91 | 23 Min | 00 | 07 | 84 | Garhi Tarkhana H. No. 79 —Contd. | 22 Min | 00 | 04 55 |
| | 24 Min | 00 | 07 | 08 | | 23 Min | 00 | 12 65 |
| | 5/4 Min | 00 | 05 | 31 | | 24 Min | 00 | 02 78 |
| | 5 Min | 00 | 09 | 36 | | 23/1 Min | 00 | 01 26 |
| | 6/1 Min | 00 | 04 | 55 | | 8 Min | 00 | 00 26 |
| | 8/4 Min | 00 | 08 | 60 | | 9 Min | 00 | 10 63 |
| | 5 Min | 00 | 06 | 58 | | 10 Min | 00 | 11 13 |
| | 6 Min | 00 | 09 | 11 | | 12 Min | 00 | 02 02 |
| | 9/10 Min | 00 | 05 | 82 | | 13/1 Min | 00 | 07 08 |
| | 11 Min | 00 | 02 | 28 | | 13/2 Min | 00 | 05 32 |
| | 38 Min | 00 | 01 | 52 | | 14/1 Min | 00 | 03 29 |
| Urna H. No. 93 | 28/2 Min | 00 | 35 | 06 | | 14/2 Min | 00 | 03 54 |
| | 8 Min | 00 | 06 | 58 | | 16 Min | 00 | 08 10 |
| | 9 Min | 00 | 07 | 08 | | 17/1 Min | 00 | 02 02 |
| | 13 Min | 00 | 10 | 63 | | 17/2 Min | 00 | 00 51 |
| | 14 Min | 00 | 03 | 29 | | 23/25 Min | 00 | 07 84 |
| | 16 Min | 00 | 00 | 51 | | 24/4/1 Min | 00 | 03 29 |
| | 17/1 Min | 00 | 08 | 85 | | 4/2 Min | 00 | 06 58 |
| | 17/2 Min | 00 | 04 | 30 | | 5 Min | 00 | 12 40 |
| | 24 Min | 00 | 01 | 01 | | 6 Min | 00 | 00 51 |
| | 25 Min | 00 | 12 | 65 | | 33/18 Min | 00 | 02 78 |
| | 39/1 Min | 00 | 09 | 87 | | 19 Min | 00 | 08 60 |
| | 9 Min | 00 | 05 | 57 | | 23 Min | 00 | 13 16 |
| | 10 Min | 00 | 07 | 84 | | 24/3 Min | 00 | 00 26 |
| | 12 Min | 00 | 11 | 38 | | 37/11 Min | 00 | 04 81 |
| | 13 Min | 00 | 02 | 02 | | 19 Min | 00 | 01 26 |
| | 17 Min | 00 | 00 | 26 | | 20 Min | 00 | 11 89 |
| | 18 Min | 00 | 13 | 16 | | 21/1 Min | 00 | 00 26 |
| | 23 Min | 00 | 01 | 52 | | 22/1 Min | 00 | 05 82 |
| | 24 Min | 00 | 11 | 38 | | 22/2 Min | 00 | 06 07 |
| | 40/5 Min | 00 | 04 | 05 | | 38/4/1 Min | 00 | 12 40 |
| | 43/4 Min | 00 | 03 | 04 | | 6 Min H | 00 | 07 59 |
| | 5 Min | 00 | 11 | 89 | | 7/1 Min | 00 | 03 54 |
| | 6 Min | 00 | 03 | 54 | | 7/2 Min | 00 | 00 26 |
| | 44/10 Min | 00 | 11 | 38 | | 15 Min | 00 | 08 35 |
| Garhi Tarkhana H. No. 79 | 11 Min | 00 | 04 | 05 | | 47/2 Min | 00 | 02 78 |
| | 12 Min | 00 | 12 | 40 | | 3 Min | 00 | 09 61 |
| | 6/21 Min | 00 | 00 | 76 | | 7 Min | 00 | 07 08 |
| | 7/9/1 Min | 00 | 04 | 05 | | 8 Min | 00 | 06 53 |
| | 9/2 Min | 00 | 04 | 55 | | 14 Min | 00 | 09 61 |
| | 12 Min | 00 | 04 | 81 | | 15 Min | 00 | 03 79 |
| | 13 Min | 00 | 11 | 13 | | 16 Min | 00 | 09 36 |
| | 16 Min | 00 | 00 | 26 | | 25 Min | 00 | 02 78 |
| | 17/1 Min | 00 | 06 | 58 | | 26 Min | 00 | 01 01 |
| | 17/2 Min | 00 | 05 | 82 | | 48/21 Min | 00 | 13 41 |
| | 18 Min | 00 | 03 | 29 | | 49/1 Min | 00 | 03 54 |
| | 24 Min | 00 | 01 | 77 | | 2 Min | 00 | 05 32 |
| | 25/1 Min | 00 | 04 | 05 | | 95 Min | 00 | 01 26 |
| | 25/2 Min | 00 | 09 | 61 | | 111 Min | 00 | 01 52 |
| | 12/5 Min | 00 | 00 | 26 | | 112 Min | 00 | 00 51 |
| | 13/1 Min | 00 | 11 | 64 | | 115 Min | 00 | 01 52 |
| | 2 Min | 00 | 03 | 29 | | 117 Min | 00 | 01 52 |
| | 7 Min | 00 | 00 | 76 | | 120 Min | 00 | 00 76 |
| | 8 Min | 00 | 11 | 89 | | 151 Min | 00 | 01 26 |
| | 9/1 Min | 00 | 10 | 63 | | 153 Min | 00 | 01 01 |
| | 9/2 Min | 00 | 00 | 26 | | 377 Min | 00 | 02 28 |
| | 13/2 Min | 00 | 01 | 01 | | 378 Min | 00 | 01 26 |
| | 14/1 Min | 00 | 03 | 29 | | 380 Min | 00 | 01 01 |
| | 14/2 Min | 00 | 08 | 35 | Addirne H. No. 77 | 385 Min | 00 | 00 51 |
| | 15/15/1 Min | 00 | 04 | 81 | | 393 Min | 00 | 02 02 |
| | 15/2 Min | 80 | 04 | 05 | | 24/24 Min | 00 | 02 02 |
| | 16/1 Min | 00 | 02 | 02 | | 25 Min | 08 | 01 77 |
| | 14/11/4 Min | 00 | 00 | 00 | | 25/4 Min | 00 | 00 25 |
| | 19/2 Min | 00 | 07 | 59 | | 5/1 Min | 00 | 09 11 |
| | 20/1 Min | 00 | 05 | 32 | | 5/2 Min | 00 | 03 29 |
| | 20/2 Min | 00 | 07 | 08 | | 26/1 Min | 00 | 03 29 |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|-------------|----|----|----|
| Bhattian | 9 Min | 00 | 00 | 25 |
| H. No. 78 | 10 Min | 00 | 10 | 88 |
| | 12/20 Min | 00 | 10 | 38 |
| | 21 Min | 00 | 04 | 05 |
| | 22 Min | 00 | 12 | 40 |
| | 23 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 13/15/1 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 15/2 Min | 00 | 04 | 81 |
| | 16 Min | 00 | 05 | 57 |
| | 14/2 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 3 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 4 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 6 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 7 Min | 00 | 13 | 41 |
| | 8 Min | 00 | 00 | 76 |
| | 14 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 15 Min | 00 | 12 | 40 |
| | 15/11 Min | 00 | 04 | 05 |
| | 19/1 Min | 00 | 00 | 00 |
| | 19/2 Min | 00 | 05 | 32 |
| | 20 Min | 00 | 10 | 38 |
| | 22/1 Min | 00 | 01 | 01 |
| | 22/2 Min | 00 | 05 | 82 |
| | 23 Min | 00 | 07 | 59 |
| | 23/11 Min | 00 | 01 | 26 |
| | 19 Min | 00 | 03 | 04 |
| | 23/20 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 22 Min | 00 | 11 | 64 |
| | 23 Min | 00 | 04 | 81 |
| | 24/3/1 Min | 00 | 05 | 32 |
| | 3/2 Min | 00 | 01 | 77 |
| | 4/1 Min | 00 | 02 | 02 |
| | 6 Min | 00 | 00 | 26 |
| | 7 Min | 00 | 13 | 66 |
| | 8 Min | 00 | 00 | 51 |
| | 24/14 Min. | 00 | 01 | 26 |
| | 15 Min | 00 | 13 | 16 |
| | 16/1 Min. | 00 | 00 | 26 |
| | 28/3 Min. | 00 | 09 | 36 |
| | 4 Min. | 00 | 05 | 82 |
| | 6 Min. | 00 | 08 | 60 |
| | 7 Min. | 00 | 07 | 84 |
| | 15 Min. | 00 | 05 | 82 |
| | 29/11 Min. | 00 | 10 | 63 |
| | 18 Min. | 00 | 00 | 00 |
| | 19/1 Min. | 00 | 04 | 05 |
| | 19/2 Min. | 00 | 07 | 84 |
| | 20/1 Min. | 00 | 03 | 29 |
| | 29/22 | 00 | 02 | 28 |
| | 23 Min. | 00 | 13 | 16 |
| | 24 Min. | 00 | 00 | 51 |
| | 33/10 | 00 | 03 | 04 |
| | 11 Min. | 00 | 11 | 64 |
| | 12 Min. | 00 | 04 | 30 |
| | 18/1 Min. | 00 | 00 | 00 |
| | 18/2 Min. | 00 | 06 | 07 |
| | 19/1 Min. | 00 | 08 | 10 |
| | 19/2 Min. | 00 | 02 | 28 |
| | 23/1 Min. | 00 | 01 | 01 |
| | 23/2 Min. | 00 | 06 | 32 |
| | 24 Min. | 00 | 07 | 34 |
| | 34/3 Min. | 00 | 01 | 01 |
| | 4 Min. | 00 | 13 | 66 |
| | 5 Min. | 00 | 01 | 52 |
| | 6 Min. | 00 | 12 | 90 |
| | 42/4 Min. | 00 | 07 | 08 |
| | 5 Min. | 00 | 08 | 85 |
| | 6 Min. | 00 | 05 | 57 |

| | 2 | 3 | 4 | 5 |
|-----------|------------|----|----|----|
| Bhattian | 43/10 Min. | 00 | 10 | 63 |
| H. No. 78 | 11 Min. | 00 | 03 | 79 |
| —Contd. | 12/1 Min. | 00 | 04 | 81 |
| | 12/2 Min. | 00 | 06 | 58 |
| | 13/2 Min. | 00 | 00 | 00 |
| | 17 Min. | 00 | 00 | 51 |
| | 18 Min. | 00 | 13 | 41 |
| | 19 Min. | 00 | 02 | 28 |
| | 23 Min. | 00 | 01 | 01 |
| | 24/1 Min. | 00 | 06 | 58 |
| | 24/2 Min. | 00 | 03 | 54 |
| | 24/3 | 00 | 01 | 52 |
| | 58/1 Min. | 00 | 01 | 77 |
| | 66 Min. | 00 | 00 | 76 |
| | 68 Min. | 00 | 01 | 01 |
| | 70 Min. | 00 | 00 | 76 |
| | 71 Min. | 00 | 00 | 51 |
| | 74 Min. | 00 | 01 | 01 |
| Iraq | 12/21 Min. | 00 | 09 | 11 |
| H. No. 63 | 13/14 | 00 | 00 | 51 |
| | 16 Min. | 00 | 07 | 84 |
| | 17 Min. | 00 | 08 | 10 |
| | 25 Min. | 00 | 06 | 81 |
| | 15/1 Min. | 00 | 05 | 32 |
| | 2 Min. | 00 | 10 | 63 |
| | 7 Min. | 00 | 00 | 00 |
| | 8 Min. | 00 | 12 | 14 |
| | 9 Min. | 00 | 03 | 54 |
| | 13 Min. | 00 | 02 | 02 |
| | 14 Min. | 00 | 13 | 66 |
| | 15/15 Min. | 00 | 00 | 76 |
| | 16 Min. | 00 | 13 | 16 |
| | 17 Min. | 00 | 00 | 26 |
| | 25 Min. | 00 | 00 | 00 |
| | 16/20 | 00 | 02 | 02 |
| | 21 Min. | 00 | 12 | 14 |
| | 22 Min. | 00 | 03 | 54 |
| | 18/2 Min. | 00 | 10 | 63 |
| | 3/1 | 00 | 05 | 57 |
| | 7 Min. | 00 | 06 | 58 |
| | 8/1 Min. | 00 | 02 | 28 |
| | 8/2 Min. | 00 | 04 | 81 |
| | 14/2 Min. | 00 | 07 | 84 |
| | 64 Min. | 00 | 02 | 53 |
| | 75 Min. | 00 | 01 | 01 |

[No. 12020/7/81-Prod.]

T.N. PARAMES WARAN, Under Secy

प्रतिरक्ष विभाग

28, अगस्त 1981

का० प्रा० 2592. --राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परामर्श द्वारा प्रस्तावित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रतिरक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रवर्धन), नियम 1978 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:--

- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम प्रतिरक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और प्रवर्धन) संशोधन नियम 1981 है।

- (2) ये राजपत्र में प्रकाशन के तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. प्रत्येक विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) के नियम, 1976 नियम 7 के उप नियम (4) में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

“परन्तु प्राप्ति प्राप्त करने का आदेश सेवा से परन्तुपुति हटाए जाने या अनिवार्य निवृत्ति की शास्ति न्यायालय द्वारा मामले के गुणगुण पर विचार किए बिना तकनीकी आधार पर प्रपास्त कर दिए जाने या कोई भी सामग्री प्रकाश में आने, जो न्यायालय के समक्ष पहले नहीं थी, की वशसे ही दिया जाएगा अर्थात् नहीं।”

[सं० 2/8/(1)/81-I]

पी० ए० मेनन प्रवर सचिव

DEPARTMENT OF SPACE

Bangalore, the 28th August, 1981

S.O. 2592.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, namely :—

1. (1) These Rules may be called the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Amendment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Department of Space Employees' (Classification, Control and Appeal) Rules, 1976, in rule 7, to sub-rule (4), the following proviso shall be added, namely :—

“Provided that no such further inquiry shall be ordered except in case when the penalty of dismissal, removal or compulsory retirement from service has been set aside by a Court of law on technical grounds without going into the merits of the case or when fresh material has come to light which was not before the Court”.

[No. 2/8(1)/81-I]

P. A. MENON, Under Secy.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 19 सितम्बर 1981

का० भा० 2593—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (प्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्वा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्वा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के बचिया साहू के पुत्र गुंवी साहू के और बचिया साहू की पुत्री रंगई बेवा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.02 एकड़ या 0.01 हेक्टर साप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए समस्त प्राधिकारी के समक्ष प्रस्ताव दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी; और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को वेय प्रतिकर

की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (1)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 19th September, 1981

S.O. 2593.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Gundi Sahu son of Bachia Sahu and Rangai Bewa daughter of Bachia Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.02 acre or 0.01 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (1)]

का० भा० 2594—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (प्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्वा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्वा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के काठी स्वेन के पुत्र गोपाल स्वेन, नंशी बेहरा की धर्मपत्नी जटका देई और ग्राम प्रधान की पत्नी मुंछदेई ने जो दोनों काठी स्वेन की पुत्रियां हैं काठी स्वेन की धर्मपत्नी देई बरी बेवा ने जगी स्वेन के पुत्र गोबरी स्वेन ने और बरब साहू की धर्मपत्नी और जगी स्वेन की पुत्री कालिका देई ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.02 एकड़ या 0.01 हेक्टर साप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए समस्त प्राधिकारी के समक्ष प्रस्ताव दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दावेदार को वेय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (2)]

S.O. 2594.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa);

And whereas Gopal Swain S/o Kathi Swain, Jataka Dei W/o Banshi Behra, Sukha Dei W/o Rama Pradhan both daughters of Kathi Swain, Rai Bari Bewa W/o Kathi Swain, Gobari Swain S/o Jogi Swain, Kalika Dei W/o Darab Sahu and D/o Jago Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.02 acre or 0.01 hectare which forms part of land so claimants under protest.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (2)]

का० जा० 2595—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्तपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि प्रजित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के बलहई साहू के सभी पुत्रों भगा साहू, बंचा साहू, गौरंग साहू, केसू साहू ने और बलहई साहू की पुत्री पण्कजी देई ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.02 एकड़ या 0.01 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार प्रजित भूमि का भाग है, भर्जन के लिए, प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम भ्रवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एन (3)]

S.O. 2595.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Bhaga Sahu, Bancha Sahu, Gaurang Sahu, Kastu Sahu all sons of Balha Sahu and Pandari Dei D/o of Balbhai Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under

Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.02 acre or 0.01 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (3)]

का० जा० 2596—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्तपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि प्रजित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के भजन बिस्वाल के पुत्र मुहुरा बिस्वाल ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.04 एकड़ या 0.02 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार प्रजित भूमि का भाग है, भर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम भ्रवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एन० (4)]

S.O. 2596.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Nuhura Biswal son of Bhajna Biswal of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa) the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.04 acre or 0.02 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (4)]

का० आ० 2597—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी जिला धनकानल (उड़ीसा) के कुंजा नायक के दोनो पुत्रों सबर नायक, भास्कर नायक ने और सुंदर नायक के सभी पुत्रों पूर्ण नायक गोकुल नायक रत्न नायक और विपिन नायक ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.08 एकड़ या 0.03 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम बाबतार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी।

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बाबतार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिवृत्त होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी.एल. (5)]

S.O. 2597.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Sabar Nayak, Bhaskar Nayak both sons of Kunja Nayak, Purna Nayak, Gokul Nayak, Ratna Naik and Bipana Naik all sons of Sudar Naik of village Nakhtrapur, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.08 acre or 0.03 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (5)]

का० आ० 2598—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी जिला धनकानल (उड़ीसा) के सुलभ प्रधान के सभी पुत्रों रास बेहारी प्रधान, सुरेन्द्र प्रधान, रावब

प्रधान ने नटवर प्रधान के सभी पुत्रों लक्ष्मीधरन प्रधान, मजन प्रधान, पुणिया प्रधान ने, अमरी प्रधान के सभी पुत्रों गोबर्धन प्रधान, भगीरथ प्रधान, मकरध्वज प्रधान ने और अमरी प्रधान की धर्म-स्त्री पंडरी बेवा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.09 एकड़ या 0.04 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम बाबतार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बाबतार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी.एल. (6)]

S.O. 2598.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Rash Behari Pradhan, Surendra Pradhan, Raghav Pradhan all sons of Durlab Pradhan, Laxmidhar Pradhan, Bhajna Pradhan, Punia Pradhan all sons of Natbar Pradhan, Gobardhan Pradhan, Bhagirath Pradhan, Makardwaj Pradhan all sons of Aprati Pradhan and Pandari Bewa W/o Aprati Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.09 acre or 0.04 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (6)]

का० आ० 2599—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के नखधन टेहुरी के पुत्र बीरा दे हुरी ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.10 एकड़ या 0.04 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित कर 'है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अग्राधिक-अधिकरण, होंगे"।

[सं० 13(8)/80-सी० एल (7)]

S.O. 2599. Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Bira Dehuri son of Nabaghan Dehuri of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.10 acre or 0.04 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No. 13(8)/80-CL (7)]

का० प्रा० 2600—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है।

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के निवासी प्रधान के पुत्र बेतम प्रधान और भिखारी प्रधान की धर्मपत्नी श्रीमती कमला बेवा ने, जो हितवृद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.14 एकड़ या 0.06 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अग्राधिक-अधिकरण, होंगे"।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (8)]

S.O. 2600.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Chaitan Pradan son of Bishwanath Pradhan and Smt. Kamla Bewa wife of Bhikhari Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.14 acre or 0.06 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants

[No. 13(8)/80-CL (8)]

का० प्रा० 2601—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है।

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के निवासी प्रधान के पुत्र भोला दास ने, जो हितवृद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.14 एकड़ या 0.06 हेक्टर माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी,

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अग्राधिक-अधिकरण, होंगे"।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (9)]

S.O. 2601.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bhola Das son of Guntha Mani Das of villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.14 acre or 0.06 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (9)]

का० भा० 2602—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के कम्बु चरण प्रधान जिसके पिता का नाम ज्ञात नहीं है ने, जो हितव्य व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.16 एकड़ या 0.06 हेक्टर की माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग हैं, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम बावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को वेद प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) संशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13 (8)/80-सी० एन (10)]

S.O. 2602.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Kanhu Charan Pradhan S/o not known of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.16 acre or 0.06 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (10)]

का० भा० 2603—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के भूलन प्रधान के पुत्र बेरागी प्रधान ने और उपेन्द्र प्रधान के पुत्र बीरी प्रधान ने, जो हितव्य व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.16 एकड़ या 0.06 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग हैं, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए वेद प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम बावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार का वेद प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) संशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13 (8)/80-सी० एन (11)]

S.O. 2603.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Bairagi Pradhan son of Bhulan Pradhan and Bauri Pradhan son of Upendra Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.16 acres or 0.06 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL (II)]

का० भा० 2604 — केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के बूलन प्रधान के पुत्र राधा बेरागी प्रधान ने, जो हितव्य

अर्जन है/है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत 0.17 एकड़ या 0.07 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर का रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार का देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[नं० 13(8)/80-सी.एल. (12)]

S.O. 2604.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Rash Behari Pradhan son of Dular Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.17 acre or 0.07 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of the Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(12)]

नं० आ० 2605—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० आ० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री रुसी स्वेन के दोनों पुत्रों स्वर्धो मधु स्वेन ने और देवा स्वेन तथा राघव बेहरा की धर्मपत्नी श्रीमती इच्छा बेहा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत, 0.18 एकड़ या 0.07 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

727 GI/81—13

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार का देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[नं० 13(8)/80-सी.एल. (13)]

S.O. 2605.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas S/Sri Madhu Swain and Beda Swain both sons of Sri Rushi Swain and Most Ichha Bewa wife of Raghava Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.18 acres or 0.07 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(13)]

नं० आ० 2606—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० आ० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के विष्णु स्वेन के पुत्र संजली स्वेन ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अंतर्गत, 0.20 एकड़ या 0.08 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[नं० 13(8)/80-सी.एल. (14)]

S.O. 2606.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Sankhali Swain, son of Bishnu Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.20 acre or 0.08 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(14)]

का. आ. 2607.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के पथनी दास के पुत्र देव कृष्ण दास ने, प्राण बन्ध दास के सभी पुत्रों कुलेश बन्ध दास, गोवर्धन दास और उग्रसेन दास ने तथा बन्धु दास की धर्मपत्नी रम्भा बेवा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.28 एकड़ या 0.11 हैक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः; केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे” ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (15)]

S.O. 2607.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda

and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Debkrishna Das son of Pathani Das, Kulesh Chandra Das, Gobardhan Das and Ugrasen Das all sons of Pran Bhandhu Das and Rambha Bewa W/o Pran Bhandhu Das of Village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.28 acre or 0.11 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(15)]

का. आ. 2608.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के फरी भट्टिया के दोनों पुत्रों जोगी भट्टिया और बन्धु भट्टिया ने, तेनलरौत की धर्मपत्नी और फरी भट्टिया की पत्नी जम्नई देई ने और परी भट्टिया की धर्मपत्नी फूला बेवा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.30 एकड़ या 0.12 हैक्टर माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए समक्ष प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः; केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (16)]

S.O. 2608.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in village Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Jogi Bhutia and Chandra Bhutia both sons of Phuri Bhutia, Jambai Dei W/o Tendu Raut and D/o Phuri Bhutia and Phula Bewa W/o Phuri Bhutia of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.30 acre or 0.12 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority ;

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(16)]

का. आ. 2609.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला भारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के कटिया बेहरा के सभी पुत्रों, रत्न बेहरा, नाटा उर्फ कुफा बेहरा, पंच बेहरा, पन्दल बेहरा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.32 एकड़ या 0.13 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (17)]

S.O. 2609.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Ratna Behra, Nata alias Kupha Behra, Pancha Behra. Pandab Behra all sons of Kanthia Behra of village Nakhtrapur, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.32 acre or 0.13 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(17)]

का. आ. 2610.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला भारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के पुरुषोत्तम नायक के पुत्र रघु नायक ने, रगना नायक के पुत्र कुनु नायक ने और भगवान नायक के पुत्र कन्धु नायक ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.33 एकड़ या 0.13 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (18)]

S.O. 2610.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Raghua Nayak S/o Purusottam Nayak, Kunu Nayak S/o Ragna Nayak and Kanduru Nayak S/o Bhagwan Nayak of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.33 acre or 0.13 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(18)]

का.आ. 2611.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसारण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के देव कृष्ण दास के सभी पुत्रों सुरेश चन्द्र दास, साधु चन्द्र दास, हरीश चन्द्र दास और शेष चन्द्र दास ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.34 एकड़ या 0.14 हेक्टर माप की अपनी भूमि को जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी को समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (19)]

S.O. 2611.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Suresh Chandra Das, Sadhu Chandra Das, Harish Chandra Das and Sesh Chandra Das all sons of Deb Krishna Das of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.34 acre or 0.14 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the Claimants.

[No. 13(8)/80-CL(19)]

का.आ. 2612.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसारण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के तालन प्रधान के पुत्र दत्तरी प्रधान ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.34 एकड़ या 0.14 हेक्टर माप की अपनी भूमि को, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी को समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (20)]

S.O. 2612.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962 under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Dattari Pradhan son of Talan Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.34 acre or 0.14 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount, of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(20)]

का.आ. 2613.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसारण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के कोन्नी स्वेन की भूमिपत्नी इच्छा बेवा ने और सुनिया स्वेन के दोनों पुत्रों तथा स्वेन और महारथी स्वेन ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.39 एकड़ या 0.16 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (21)]

S.O. 2613.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Ichha Bewa W/o Kandri Swain, Bagha Swain and Maharathi Swain both sons of Sunia Swain of village Balanda P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.39 acre or 0.16 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of the Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(21)]

का.आ. 2614.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अगमरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के शोजन बिस्वाल के दोनों पुत्रों नहरा बिस्वाल और राघव बिस्वाल ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.44 एकड़ या 0.18

हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (22)]

S.O. 2614.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962 under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957, (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Nuhura Biswal, Raghav Biswal both sons of Bhojana Biswal of village Balanda, P.S. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.44 acre or 0.18 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80 CL(22)]

का.आ 2615.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अगमरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के नरसिंह देहरा के पुत्र हरी देहरा ने जो हितवद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.45 एकड़ या 0.18 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल.(23)]

S.O. 2615.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.O., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Hari Behra son of Narsingh Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa) the persons interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.45 acre or 0.18 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(23)]

का. आ. 2616.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अन्सरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के दर्बा साहू की धर्मपत्नी श्रीमती कालिका ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.46 एकड़ या 0.18 हैक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल.(24)]

S.O. 2616.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery, P.S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Most Kalika wife of Darba Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.46 acre or 0.18 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(24)]

का. आ. 2617.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अन्सरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हैक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के चम्पन्न प्रधान के दोनों पुत्रों (1) बौरी बन्धु प्रधान (2) बच्छा प्रधान ने, सोमनाथ प्रधान के दोनों पुत्रों (3) नीता प्रधान (4) दया प्रधान ने, (5) सोमनाथ प्रधान की धर्मपत्नी श्रीमती अनाबवाने, विष्णु स्वैन के सभी पुत्रों (6) पद्मानक स्वैन (7) सांखली स्वैन और (8) भगड़ु स्वैन ने, (9) साहूकी धर्मपत्नी गुरुदादी देवी ने और क्षेत्र स्वैन के सभी पुत्रों (10) रघुनाथ स्वैन, (11) जय कृष्ण स्वैन और मंगल स्वैन ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.47 एकड़ या 0.19 हैक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक, अधिकरण, होंगे।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (25)]

S.O. 2617.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, (1) Bauri Bandhu Pradhan (2) Banchha Pradhan both sons of Champetra Pradhan (3) Nita Pradhan (4) Daya Pradhan both sons of Somnath Pradhan, (5) Smt. Adara Bewa W/o Somnath Pradhan, (6) Padmanav Swain, (7) Sankhali Swain and (8) Jhagru Swain all sons of Bisnu Swain (9) Gurubari Devi W/o Bhagwan Sahu, (10) Raghunath Swain, (11) Jaya Krishna Swain and Mangalu Swain all sons of Khetra Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.47 acre or 0.19 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act the, Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(25)]

का.अ. 2614 .—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.अ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अन्वय में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के सुनिया स्वेन के पत्र वधा स्वेन ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.52 एकड़ या 0.21 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक, अधिकरण, होंगे।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (26)]

S.O. 2618.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Bagha Swain son of Sunia of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.52 acre or 0.21 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(26)]

का.अ. 2619.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्त्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.अ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अन्वय में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री दोम नायक के पत्र मदन नायक ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.53 एकड़ या 0.21 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक, अधिकरण, होंगे।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (27)]

S.O. 2619.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Madana Nayak son of Shri Doma Nayak of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.53 acre or 0.21 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(27)]

का.आ. 2620.—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अन्तर्गत, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के सरन नायक के पुत्र पबन नायक ने और गोपाल नायक के सभी पुत्रों मंगला नायक, दबारी नायक और भिखारी नायक ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.54 एकड़ या 0.22 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (28)]

S.O. 2620.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Paban Nayak S/o Saran Nayak, Mangta Nayak, Dwari Nayak and Bhikhari Nayak all sons of Gopal Nayak of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.54 acre or 0.22 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(28)]

का.आ. 2621.—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अन्तर्गत, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के काठी बेहरा के सभी पुत्रों पूर्ण चन्द्र बेहरा, गौर चन्द्र बेहरा और सुधाकर बेहरा ने और बंडा बेहरा के दोनों पुत्रों राम बेहरा और धाना बेहरा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.55 एकड़ या 0.22 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

अतः, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (29)]

S.O. 2621.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Puran Chandra Behra, Gaur Chandra Behra and Sudhakar Behra all sons of Kathi Behra, Rama Behra and Ghana Behra both sons of Baira Behra of village Balanda P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons

interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.55 acre or 0.22 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(29)]

का.आ. 2622.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के दमोदर बेहरा जिसके पिता का नाम ज्ञात नहीं है, ने, जो हितवृद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.55 एकड़ या 0.22 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल.(30)]

S.O. 2622.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Damodar Behra Son of not known of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.55 acre or 0.22 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation

727 GI/81—14

offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/20-CL(30)]

का.आ. 2623.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के अर्जन प्रधान के दोनों पुत्रों बंका प्रधान और कन्हु प्रधान ने, जो हितवृद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.57 एकड़ या 0.23 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल.(31)]

S.O. 2623.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Banka Pradhan and Kanhu Pradhan both sons of Arjun Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.57 acre or 0.23 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CI(31)]

का. आ. 2624.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसारण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के चम्पित्रा प्रधान के दोनों पुत्रों बंचा निधि प्रधान, बारी बन्धु प्रधान ने, सोमनाथ प्रधान के दोनों पुत्रों नित्य प्रधान और दयानिधि प्रधान ने और सोमनाथ प्रधान की धर्मपत्नी अदर बेवा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.63 एकड़ या 0.25 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-मी.एल. (32)]

S.O. 2624.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bancha Nidhi Pradhan, Bouri Bandhu Pradhan both sons of Champitra Pradhan, Nitya Pradhan and Dayanidhi Pradhan both sons of Somnath Pradhan and Ader Bewa W/o Somnath Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.63 acre or 0.25 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CI (32)]

का. आ. 2625.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और

ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसारण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री विष्णु बिस्वाल के पुत्र नूहुरा बिस्वाल, रहेश बिस्वाल के दोनों पुत्रों श्री पूर्णिया बिस्वाल और सुनिया बिस्वाल ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.65 एकड़ या 0.26 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं. 13(8)/80-सी.एल. (33)]

S.O. 2625.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Sri Nuhura Biswal son of Sri Bishnu Biswal, Sri Punia Biswal and Sunia Biswal both sons of Rahesh Biswal of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.65 acre or 0.26 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CI (33)]

का० आ० 2626.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसारण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

श्रीर ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री सांखली बेहरा के पुत्र नित्यानन्द बेहरा न, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.70 एकड़ या 0.28 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मन्त्र प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तविकता होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार का देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(4)/80-सी० एल० (14)]

S.O. 2626.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in village Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Nityanand Behra son of Sri Sunkhali Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.70 acre or 0.28 hectare which forms part of land so acquired before the competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(34)]

का० आ० 2627.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है।

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के नीता साहू के पुत्र मुकुन्द साहू ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 0.71 एकड़ या 0.29 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मन्त्र प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तविकता होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार का देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13 (8)/80-सी० एल० (35)]

S.O. 2627.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Mukund Sahu son of Nita Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.71 acre or 0.29 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(35)]

का० आ० 2628.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है।

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के दुर्लब देहुरी के पुत्र जोगी देहुरी ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.82 एकड़ या 0.33 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मन्त्र प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तविकता होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी।

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13 (8) /80-सी० एल० (36)]

S.O. 2628.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the

Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Jogi Dehuri son of Durlav Dehuri of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 0.82 acre or 0.33 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80 CL(36)]

का० अ० 2629.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० अ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्रीपति बेहरा के पुत्र और बिभिन्न बेहरा ने और संबन्धी बेहरा के दोनों पुत्रों चैतन बेहरा और जय बेहरा ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.85 एकड़ या 0.34 हेक्टर भाग की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंगकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं० 13 (8) /80-सी० एल० (37)]

S.O. 2629.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bibhitra Behra S/o Shripati Behra, Chaitan Behra and Jaya Behra both sons of Sankhali Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.85 acre or 0.34 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there

being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of the Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CI(37)]

का० अ० 2630.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतत्पूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० अ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के राघव बेहरा के पुत्र घोषई बेहरा ने, राघव बेहरा की धर्म-पत्नी इच्छा बेवा ने और राघव बेहरा की पुत्री चंखड़ी बेई ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.85 एकड़ या 0.35 हेक्टर भाग की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंगकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं० 13 (8)/80 सी० एल० (38)]

S.O. 2630.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Dhobai Behra son of Raghav Behra, Ichha Bewa wife of Raghav Behra and Chankhari Dei daughter of Raghav Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.85 1/2 acre or 0.35 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(38)]

का० आ० 2631.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (प्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के दीनाबन्धु साहू के दोनो पुत्रों नरगु माहू और बिन्दा माहू न, चोकरा साहू के सभी पुत्रों हरिया माहू, जोरया साहू, तरिया माहू और हरया माहू न और चोकरा माहू की धर्मपत्नी गुरीवरी बेवा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.94 एकड़ या 0.38 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[स० 13(8)/80-सी० एल० (39)]

S.O. 2631.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Barju Sahu, Bindu Sahu both sons of Dina-bandhu Sahu, Hatia Sahu, Jatia Sahu, Natia Sahu and Harda Sahu all sons of Chokra Sahu and Guriwari Bewa wife of Chokra Sahu of Village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.94 acre or 0.38 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(39)]

का० आ० 2632.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (प्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के टिहलू बेहरा, कालिया बेहरा के पुत्र ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.05 1/2 एकड़ या 0.42 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[स० 13(8)/80-सी० एल० (40)]

S.O. 2632.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel, (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Tihlu Behra son of alia Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.054 acres or 0.42 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(40)]

का० आ० 2633.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (प्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के जहर नायक के पुत्र गोडिया नायक के और जहर नायक की धर्मपत्नी बिलु बेवा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.12 एकड़ या 0.45 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (41)]

S.O. 2633.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Odia Nayak S o Jahar Naik and Bilu Bawa W/o Jahar Naik of village Balanda, P.O. Dera Colliery District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.12 acres or 0.45 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the Claimants.

[No. 13(8)/80-CL(41)]

का० भा० 2634.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के नीना साहू के पुत्र मुकुन्द साहू ने और नीना साहू की पुत्री (कस्तू साहू की धर्मपत्नी) माहसी देवी ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं / हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.12 एकड़ या 0.45 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए, सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता का दावा विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अव्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (42)]

S.O. 2634.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Mukunda Sahu son of Nita Sahu and Malti Del daughter of Nita Sahu (wife of Kastu Sahu) of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.12 acres or 0.45 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the Claimants.

[No. 13(8)/80-CL(42)]

का० भा० 2635.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री चिन्ता बेहरा के पुत्र सांखली बेहरा ने जो हितवद्ध व्यक्ति हैं / हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.20 एकड़ या 0.49 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए, सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है।

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता का दावा विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अव्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (43)]

S.O. 2635.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Sankhali Behra son of Sri Chintu Behra of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of

the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.20 acres or 0.49 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(43)]

का० आ० 2636.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखतपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के चन्ती स्वेन के दोनो पुत्रों बेश स्वेन और कंडू स्वेन ने, जो हिनबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.22 एकड़ या 0.49 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंगकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (44)]

S.O. 2636.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Beda Swain, Kailu Swain both sons of Chanti Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.22 acres or 0.49 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of

the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(44)]

का०आ० 2637.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखतपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के भुवन प्रधान के पुत्र बैरागी प्रधान ने, जो हिनबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.22 एकड़ या 0.49 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंगकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (45)]

S.O. 2637.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bairagi Pradhan son of Bhuvan Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.22 acres or 0.49 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And Whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(45)]

का०आ० 2638.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के

अनुसूचना में ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के शत्रुघ्न प्रधान की धर्मपत्नी आसता मानक बेवा ने और उसके दोनों पुत्रों हुरशी प्रधान और बंशी प्रधान ने, जो हिन्दू व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.24 एकड़ या 0.50 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(46)]

S.O. 2638—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Most Manik Beva wife of Shatrughan Pradhan, Hurshi Pradhan and Banshi Pradhan both sons of Shatrughan Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.24 acres or 0.50 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No. 13(8)/80-CL(46)]

का०आ० 2639—केन्द्रीय सरकार, ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मन्त्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के क्षेत्र बेहरा के दोनों पुत्रों शानेश्वर बेहरा और जगोनाथ बेहरा ने, जो हिन्दू व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के

अधीन, 1.27 $\frac{1}{2}$ एकड़ या 0.51 हेक्टर माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर का रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के लिये प्रयोजन के एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(47)]

S.O. 2639—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Ganeshwar Behra and Jaginath Behra both sons of Khetra Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.27-1/2 acres or 0.51 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No. 13(8)/80-CL(47)]

का० आ० 2640—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मन्त्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 248.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है,

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के गति नायक के पुत्र मणुजी नायक ने, जो हिन्दू व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.31 एकड़ या 0.53 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिये देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी;

मतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को वेय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(48)]

S.O. 2640.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S. District, Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Maguni Nayak S/o Gati Nayak of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.31 acres or 0.53 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the Claimant.

[No. 13(8)/80-CL(48)]

का०आ० 2641.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के मुकुन्दा प्रधान के पुत्र अर्जुन प्रधान ने, जो हितवन्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.36 एकड़ या 0.55 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये मक्षम प्राधिकारी के पक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिये वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

मतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को वेय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(49)]

S.O. 2641.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing

Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Arjun Pradhan son of Mukunda Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.36 acres or 0.55 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (49)]

का० आ० 2642.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का०आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के जगा स्वैन के पुत्र गोबरी स्वैन ने, जो हितवन्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.51 एकड़ या 0.61 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये मक्षम प्राधिकारी के पक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिये वेय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापित सहित स्वीकार की गई थी ;

मतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को वेय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(50)]

S.O. 2642.—Whereas in Pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Gobari Swain son of Jaga Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.51 acres or 0.61 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (50)]

कां०भा० 2643.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० कां०भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के विभिन्न वेदुरी के पुत्र पुरेन्द्र वेदुरी ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.54 एकड़ या 0.62 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, भर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त भर्जन के लिये देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम बायेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बायेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंश-कालिक अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(51)]

S.O. 2643.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Purendra Dehuri son of Bihittra Dheuri of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.54 acres or 0.62 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (51)]

कां०भा० 2644.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० कां०भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के कंठी स्वैन के पुत्र गोपाल स्वैन ने, जो हितबद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 1.58 एकड़ या 0.64 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, भर्जन के लिये प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त भर्जन के लिये देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम बायेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, बायेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(52)]

S.O. 2644.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Gopal Swain son of Kathi Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.58 acres or 0.64 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (52)]

कां०भा० 2645.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० कां०भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

श्री. ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के अनुसूचित स्वेन के सभी पुत्रों, गन्तु स्वेन, दोमा स्वेन और बीशा स्वेन ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.59 एकड़ या 0.64 हेक्टर गान की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिये देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(53)]

S.O. 2645.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Gandu Swain, Doma Swain and Bitu Swain all sons of Akul Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.59 acres or 0.64 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (53)]

का०शा० 2646.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का (20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिलक्षणा सं० का०शा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री पर्गा बेहरा के पुत्र मही बेहरा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.63 एकड़ या 0.66 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार

द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(54)]

S.O. 2646.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Mahi Behra son of Sri Parma Behra of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.63 acres or 0.66 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL (54)]

का०शा० 2647.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का (20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिलक्षणा सं० का०शा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के बीना नाथ साहू के पुत्र सखू साहू ने, बेड़ा बेहरा के दोनों पुत्रों दामा बेहरा और भागा बेहरा ने, काठी बेहरा के सभी पुत्रों पुणिया बेहरा, गोरा बेहरा और मृधाकर बेहरा ने और काठी बेहरा की धर्मपत्नी नूखरी बेबा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.76 एकड़ या 0.71 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिये प्रतिकर के लिये सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिये देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी०एल०(55)]

S.O. 2647.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Barju Sahu son of Dinanath Sahu, Rama Behra and Ghana Behra both sons of Balra Behra, Punia Behra, Gaura Behra and Sudhakar Behra all sons of athi Behra and Nukhuri Bewa wife of Kathi Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.76 acres or 0.71 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants

[No. 13(8)/80 CL(55)]

का० भा० 2648.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के कस्टर्ड साहू के सभी पुत्रों, बधा साहू, बंछा साहू, गौरंग साहू और कस्तु साहू ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.79 एकड़ या 0.72 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80 सी० एल० (56)]

S.O. 2648.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bagha Sahu, Banchha Sahu, Gaurang Sahu and Kesthu Sahu all sons of Kanhai Sahu of village Balanda,

P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.79 acres or 0.72 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(56)]

का० भा० 2649.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० भा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के मरन साहू के दोनों पुत्रों कन्वर्पी साहू और कुबेर साहू ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.80 एकड़ या 0.73 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (57)]

S.O. 2649.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Kandarpa Sahu and Kubera Sahu both sons of Saran Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.80 acres or 0.73 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(57)]

* १०आ० 2650—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी जिला धेनकानल (उड़ीसा) के बिक्रम प्रधान के दोनों पुत्रों भगवतिया प्रधान और कन्दू प्रधान ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.90 एकड़ या 0.77 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (58)]

S.O. 2650.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bhagwatia Pradhan and Kanhu Pradhan both sons of Bikram Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.90 acres or 0.77 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(58)]

का०आ० 2651.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और

ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के मुखसाहू के पुत्र कुंज साहू ने, अधिकारी साहू के पुत्र प्रभाकर साहू ने और अधिकारी साहू की धर्मपत्नी सदा बेवा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.93 एकड़ या 0.78 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं दिया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (59)]

S.O. 2651.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Kunja Sahu son of Mukha Sahu, Prabhakar Sahu son of Adhikari Sahu and Sada Bewa wife of Adhikari Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 1.93 acres or 0.78 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(59)]

का०आ० 2652.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के मधु नायक के पुत्र बनमाली नायक ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 1.99 एकड़ या 0.81 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (60)]

S.O. 2652.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Banmali Nayak son of Madhu Nayak of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 1.99 acres or 0.81 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(60)]

का० प्रा० 2653.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के कठिया बेहरा के पुत्र रत्न बेहरा ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 2.04 एकड़ या 0.83 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, भर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीश धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (61)]

S.O. 2653.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Ratna Behra son of Kanthia Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa) the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 2.04 acres or 0.83 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(61)]

का० प्रा० 2654.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (भर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में ग्राम बालन्दा और नखत्रपुर थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा डाकघर डेरा कोलियरी जिला धनकानल (उड़ीसा) के नवधन देवरी के पुत्र बीरा देवरी ने जो हितवद्ध व्यक्ति हैं उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 2.06 एकड़ या 0.83 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है भर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त भर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीश धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (62)]

S.O. 2654.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bira Dewari son of Nabaghan Dewari of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for

acquisition of his land measuring 2.06 acres or 0.83 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(62)]

का० आ० 2655.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के फूरी भुटिया के दोनों पुत्रों जागिया भुटिया और चन्द्र भुटिया और कामी भुटिया के पुत्र अक्रम भुटिया ने, जो हितवन्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 2.09 एकड़ या 0.84 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार स्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे”।

[सं० 13(8) /80-सी० एल० (63)]

S.O. 2655.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Jagia Bhutia, Chandra Bhutia both sons of Phuri Bhutia and Akrama Bhutia son of Kasi Bhutia of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 2.09 acres or 0.84 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas, the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central

Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(63)]

का० आ० 2656.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334 तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के पनु बेहरा के पुत्र बन्शी बेहरा ने और गोपिन बेहरा के पुत्र कुंज बेहरा ने, जो हितवन्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 2.41 एकड़ या 0.98 हेक्टर माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण होंगे”।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (64)]

S.O. 2656.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S. O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Banshi Behra son of Panu Behra and Kunja Behra son of Gopi Behra of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa) the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 2.41 acres or 0.98 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(64)]

का० आ० 2657.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (ग्रजन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के शशि प्रधान के पुत्र बीटा प्रधान ने, शशि प्रधान की धर्मपत्नी पन्धरी बेबा ने और नानु बेहरा की धर्मपत्नी (शशि प्रधान की पुत्री) बलिम्ब बेई ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 2.91 एकड़ या 1.18 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे " ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (65)]

S.O. 2657.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bitu Pradhan son of Sashi Pradhan, Pandari Bewa w/o Sashi Pradhan and Dalimba Dei w/o Banu Behra (daughter of Sashi Pradhan) of village Balanda, P. O., Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 2.91 acres or 1.18 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(65)]

का० आ० 2658.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के मूलपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334 तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के राजीव प्रधान के दोनों पुत्रों सुन्दर प्रधान और मधु प्रधान ने जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 2.95 एकड़ या 1.29 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा

नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे " ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (66)]

S.O. 2658.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Sundar Pradhan and Madhu Pradhan both sons of Rajib Pradhan of village Balanda, P. O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 2.95 acres or 1.29 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(66)]

का० आ० 2659.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के मूलपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334 तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के सुबुद्धि साहू के पुत्र फकीरा साहू ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है/हैं ; उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 3.32 एकड़ या 1.84 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापत्ति सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (67)]

S.O. 2659.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Phakira Sahu son of Subudhi Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 3.32 acres or 1.34 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(67)]

का० प्रा० 2660.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1334 तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करनी है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के गोविन्द दाम के दोनो पुत्रो बुयोधन दाम और राजेन्द्रदाम ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 3.40 एकड़ या 1.38 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग हैं, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मध्यम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अधधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे " ।

[सं० 13(8)/80-सी०एल० (69)]

S.O. 2660.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P. S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas Duriojhan Das and Rajendra Das both sons of Govind Das of village Balanda, P.O. Dera Colliery, 727G181—16

District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 3.40 acres or 1.38 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered was accepted by the claimants under protest.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants

[No. 13(8)/80-CL(68)]

का० प्रा० 2661.—केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० प्रा० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नखस्त्रपुर थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करनी है ;

और ग्राम बालन्दा डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के श्री उपेन्द्र प्रधान के पुत्र श्रीरं प्रधान ने जो हितबद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 3.47 एकड़ या 1.40 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मध्यम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अस्थापित सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अधधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे " ।

[सं० 13(8)/80-सी०एल० (69)]

S.O. 2661.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S. District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bauri Pradhan son of Sri Upendra Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 3.47 acres or 1.40 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No 13(8)/80 CI (69)]

का० आ० 2662—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल 1962 के अनुसरण में ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करनी है,

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कालियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के बड़ी साहू के पुत्र जदमाहू और सुबिडा साहू के पुत्र फकीरा साहू ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 4.08 1/2 एकड़ या 1.65 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारों के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तविकता होने के कारण, कंगर द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी,

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार का देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अग्रकालिक-अधिकरण होगा।

[न० 13(8)/80-सी०एल० (70)]

S.O. 2662—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Jada Sahu son of Hidi Sahu and Phakira Sahu son of Subidha Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 3.76 acres or 1.52 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa) Part-Time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No 13(8)/80 CI (70)]

का० आ० 2663.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और

ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल 1962 के अनुसरण में ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करनी है।

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कालियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के पदमानव स्वैन, सखली स्वैन और अधर चन्द्र स्वैन विष्णु स्वैन के सभी पुत्रों ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 4.08 1/2 एकड़ या 1.65 हेक्टर माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारों के समक्ष अपना दावा नहीं किया है,

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तविकता होने के कारण, कंगर द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धेनकानल (उड़ीसा) अग्रकालिक-अधिकरण होगा।

[स० 13(8)/80-सी०एल० (71)]

S.O. 2663.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Padmanav Swain, Sankhali Swain and Adhar Chandra Swain all sons of Bishun Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 4.08 1/2 acres or 1.65 hectares which from part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No 13(8)/80-CI (71)]

का० आ० 2664—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करनी है;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धेनकानल (उड़ीसा) के श्री कीर्तन साहू के दोनों पुत्रों श्री दरब साहू और श्री हरी साहू ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 4.64 एकड़ या 1.89 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारों के समक्ष अपना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तव विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अगकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं 13(8)/80-सी० एल० (72)]

S.O. 2664.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Sri Darab Sahu and Sri Hari Sahu both sons of Sri Kirtan Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 4.64 acres or 1.89 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No. 13(8) 80-CL(72)]

का० आ० 2665—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ।

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री उपेन्द्र साहू के पुत्र बड़ा धनी साहू ने, जो हितवद्ध व्यक्ति है, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 4.71 एकड़ या 1.91 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्ष प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तव विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती

है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अगकालिक-अधिकरण होंगे ।

[सं 13(8)/80-सी० एल० (73)]

S.O. 2665.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Bada Dhani Sahu son of Sri Upendra Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the person interested has not, under Section 13 of the said Act, preferred his claim for compensation for acquisition of his land measuring 4.71 acres or 1.91 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8) 80-CL(73)]

का० आ० 2666—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 247.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करती है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के क्षेत्र स्वतः के सभी पुत्रों रघुनाथ स्वतः, जय कृष्ण स्वतः और मंगल स्वतः ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन 6.31 1/2 एकड़ या 2.57 हेक्टर माप की अपनी भूमि के जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए मक्ष प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की वास्तव विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अगकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं 13(8)/80-सी० एल० (74)]

S.O. 2666.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Raghunath Swain, Jai Krishan Swain and Mangalu Swain all sons of Khetra Swain of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 6.34 1/2 acres or 27.5 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant

[No. 13(8), 80-CL(74)]

का० अं० 2667—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० अं० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुमरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 217.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) (1) रस्त साहू के पुत्र मुनासाहू (2) नाटा साहू के सभी पुत्रों टिकु साहू, हरी साहू, दुषाबन्धू साहू ने, जो हितवद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 7.68 एकड़ या 3.11 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार, द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 14 का उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (75)]

S.O. 2667.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, (1) Suna Sahu S/o Ratna Sahu, (2) Tiku Sahu, (3) Hari Sahu and (4) Dukha Bandhu Sahu all sons of Nata Sahu of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 7.68 acres or 3.11 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13(8)/80-CL(75)]

का० अं० 2668—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग) की अधिसूचना सं० का० अं० 1334, तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुमरण में, ग्राम बालन्दा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 217.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित करली है ;

और ग्राम बालन्दा, डाकघर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के श्री रठाई प्रधान के दोनों पुत्रों कुलमणी प्रधान और पुरेन्द्र प्रधान ने जो हितवद्ध व्यक्ति हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 7.93 एकड़ या 3.21 हेक्टर माप की अपनी भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना दावा नहीं किया है ;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अभ्यापन सहित स्वीकार की गई थी ;

अतः, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर की रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करती है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अंशकालिक-अधिकरण, होंगे ।

[सं० 13(8)/80-सी० एल० (76)]

S.O. 2668.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 1334 dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhtrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Kulmani Pradhan and Purendra Pradhan both sons of Rathai Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 7.93 acres or 3.21 hectares which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimant under protest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimant.

[No. 13(8)/80-CL(76)]

का० अं० 2669—केंद्रीय सरकार ने, कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 9 के अधीन, भारत सरकार के भूतपूर्व खान और ईंधन मंत्रालय (खान और ईंधन विभाग)

की अधिसूचना सं० का प्र० 1334 तारीख 24 अप्रैल, 1962 के अनुसार, गाम बायस्वा और नक्षत्रपुर, थाना कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) में 217.75 एकड़ (लगभग) या 100.30 हेक्टर (लगभग) भूमि अर्जित कर ली है।

और गाम बायस्वा डाकबर डेरा कोलियरी, जिला धनकानल (उड़ीसा) के निराकर प्रधान के सभी पुत्रों मोचिया प्रधान, कुलमणी प्रधान और भगवतिया प्रधान ने और पुणिया प्रधान के पुत्र घुसा प्रधान ने, जो हितबद्ध व्यक्ति हैं/हैं, उक्त अधिनियम की धारा 13 के अधीन, 0.12 एकड़ या 0.05 हेक्टर भाग की अपना भूमि के, जो इस प्रकार अर्जित भूमि का भाग है, अर्जन के लिए प्रतिकर के लिए सक्षम प्राधिकारों के समक्ष आना दावा नहीं किया है;

और उक्त अर्जन के लिए देय प्रतिकर की रकम, प्रस्थापित प्रतिकर की रकम की पर्याप्तता की बाबत विवाद होने के कारण, करार द्वारा नियत नहीं की जा सकी और इस प्रकार प्रस्थापित रकम दावेदार द्वारा अध्यापन सहित स्वीकार की गई थी।

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 14 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दावेदार को देय प्रतिकर का रकम अवधारित करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण गठित करने है, जिसमें जिला न्यायाधीश, धनकानल (उड़ीसा) अग्रणी अधिकरण होंगे।

[सं० 13/8]/80-सी०एम० (77)]

स्वर्ण सिंह, अवसर सचिव

S.O. 2669.—Whereas in pursuance of the Notification of the Government of India in the Late Ministry of Mines and Fuel (Department of Mines and Fuel) No. S.O. 133J dated the 24th April, 1962, under Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (26 of 1957), the Central Government has acquired 247.75 acres (approximately) or 100.30 hectares (approximately) of land in villages Balanda and Nakhstrapur, Thana Colliery P.S., District Dhenkanal (Orissa).

And whereas, Mochia Pradhan, Kulamani Pradhan and Bhagbatia Pradhan all sons of Nirakar Pradhan, Dhusa Pradhan Slo Punja Pradhan of village Balanda, P.O. Dera Colliery, District Dhenkanal (Orissa), the persons interested have not, under Section 13 of the said Act, preferred their claim for compensation for acquisition of their land measuring 0.12 acre or 0.05 hectare which forms part of land so acquired before the Competent Authority.

And whereas the amount of compensation payable for the said acquisition, could not be fixed by agreement, there being a dispute as to the sufficiency of the amount of compensation offered and the amount so offered, was accepted by the claimants under protest.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) Section 14 of the said Act, the Central Government hereby constitutes a Tribunal consisting of the District Judge, Dhenkanal (Orissa), Part-Time Tribunal, for the purpose of determining the amount of compensation payable to the claimants.

[No. 13/8 /80-CL(77)]

SWARAN SINGH, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 3 सितम्बर, 1981

का० प्र० 2670.—भारतीय चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान

परिषद् से परामर्श करने के पश्चात् एतद्वारा उक्त अधिनियम की अनुसूची में श्राव्य निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —
उक्त अनुसूची में —

1 बम्बई विश्वविद्यालय से संबन्धित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन ऐनिस्थीजियोलॉजी" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँ, अर्थात् —

"मास्टर आफ सर्जरी (प्लास्टिक सर्जरी)—एम०एम० (प्लास्टिक सर्जरी)
मास्टर आफ सर्जरी (प्लास्टिक सर्जरी)—एम०सी०एम० (प्लास्टिक सर्जरी)
मास्टर आफ सर्जरी (थोरेसिक सर्जरी)—एम०एम० (थोरेसिक सर्जरी)
मास्टर आफ सर्जरी (थोरेसिक सर्जरी)—एम०सी०एम० (थोरेसिक)
डाक्टर आफ मेडिसिन न्यूरोलॉजी—डी०एम० (न्यूरोलॉजी)
मास्टर आफ सर्जरी (पाडियाट्रिक सर्जरी)—एम०सी०एम० (पाडियाट्रिक सर्जरी)"

2 बरहामपुर विश्वविद्यालय से संबन्धित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (अनाटोमी)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँ, अर्थात् —

"मास्टर आफ सर्जरी (ई०एन०टी०)—एम०एम० (ई०एन०टी०)
डाक्टर आफ मेडिसिन (फोरेन्सिक—एम०डी० फोरेन्सिक)
मेडिसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी, मेडिसिन एण्ड टॉक्सिकोलॉजी।

3 भोपाल विश्वविद्यालय से संबन्धित प्रविष्टियों में "डाक्टर आफ मेडिसिन (मोणल प्रोबेटिव मेडिसिन)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात् —

"डाक्टर आफ मेडिसिन (पाडियाट्रिक—एम०डी० (पाडियाट्रिक)
डिप्लोमा इन चाइल्ड हैल्थ—डी०सी०एम०
डाक्टर आफ मेडिसिन (ऐनिस्थीजियोलॉजी)—
—एम० डी० (ऐनिस्थीजियोलॉजी)
डिप्लोमा इन ऐनिस्थीजियोलॉजी—डी०एम०
डिप्लोमा इन फोरेन्सिक मेडिसिन—डी०एम०एम०"

4 "कालीकट विश्वविद्यालय" से संबन्धित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन आयोपेडिक्स" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँ, अर्थात् —

"डिप्लोमा इन ऐनिस्थीजियोलॉजी—डी०एम०"

5 दिल्ली विश्वविद्यालय से संबन्धित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन डैन्स एजुकेशन" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँ, अर्थात्:—
"डाक्टर आफ मेडिसिन (ट्यूबकुलोसिस एण्ड रेस्पैरेटरी डिजीजिस)—
एम० डी० (ट्यूबकुलोसिस/रेस्पैरेटरी डिजीजिस)"

6 गोहाटी विश्वविद्यालय से संबन्धित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (अनाटोमी)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएँगी, अर्थात् —

"डिप्लोमा इन फोरेन्सिक मेडिसिन—डी०एम०एम०"

7 इन्दौर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन ऐनिस्थीजियोलॉजी" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँ, अर्थात् —

"डाक्टर आफ मेडिसिन ऐनिस्थीजियोलॉजी —
एम०डी० (ऐनिस्थीजियोलॉजी)"

8 जम्मू विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन मेडिकल रेडियोलॉजी एण्ड डायग्नोसिस" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँ, अर्थात्:—

"डिप्लोमा इन क्लिनिकल पैथोलॉजी—डी०सी०पी०"

9 केरल विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (पार्थिविक सर्जरी)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि की जाएगी, अर्थात् —

"डाक्टर आफ मेडिसिन (गैनेस्थीजियालोजी), विज्ञान—एम०डी० (गैनेस्थीजियालोजी)"।

10 काकिया विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (जनरल सर्जरी)" प्रविष्टि के सामने दिया गया (क) निम्नलिखित पैराग्राफ हटा दिया जाए, अर्थात् —

"यह अहर्षा नव चिकित्सा अहर्षा मानी जाएगी जब यह 30 अप्रैल, 1981 को या इससे पूर्व प्रवान की जाएगी।"

(ख) "मास्टर आफ सर्जरी (जनरल सर्जरी)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाएगी अर्थात् —

"डिप्लोमा इन गैनेस्थीजियालोजी—डी०ए०"

मास्टर आफ सर्जरी (अनाटोमी)—एम०एस० अनाटोमी"

11 गुडाम विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (स्यूरो-सर्जरी)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ की जाए, अर्थात् —

"डिप्लोमा इन पब्लिक हेल्थ—डी०पी०एच०"

12 मेसूर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (आर्थोपेडिक्स)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी अर्थात् —

"डिप्लोमा इन एनेस्थेसियालोजी—डी०ए०"

13 नागपुर विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियाँ में "डाक्टर आफ मेडिसिन (माइक्रोनायोलोजी)" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि की जाए, अर्थात् —

"मास्टर आफ सर्जरी (जनरल सर्जरी)—एम०एस० (जनरल सर्जरी)"

14 नागार्जुन विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन अर्माटोलोजी" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाए, अर्थात् —

"डाक्टर आफ मेडिसिन (फार्मास्योलोजी)—एम०डी० (फार्मास्योलोजी)
मास्टर आफ सर्जरी (आर्थोपेडिक्स)—एम०एस० (आर्थोपेडिक्स) डाक्टर आफ मेडिसिन (एनेस्थेसियालोजी)—एम०डी० (एनेस्थेसियालोजी)"

15. "राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड" से सम्बन्धित प्रविष्टियों में "राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी" (काडिआ थोरेमिक सर्जरी) की सदस्यता प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाए, अर्थात् —

"राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी नेफरालोजी की सदस्यता—एम०एन०ए०एम०एस० (नेफरालोजी)"

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भौतिक चिकित्सा तथा पुनर्वास)—एम०एन०ए०एम०एस० (भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी—(हृदय रोग विज्ञान) की सदस्यता—एम०एन०ए०एम०एस० (हृदय रोग विज्ञान)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (फार्मासिक मेडिसिन) की सदस्यता—एम०एन०ए०एम०एस० फार्मासिक मेडिसिन)

"राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी—(नेस्ट्रो-एन्डोक्रिनलोजी)—की सदस्यता—एम०एन०ए०एम०एस० (नेस्ट्रो-एन्डोक्रिनलोजी)"

16 उममानिया विश्वविद्यालय से सम्बन्धित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन इन-आर्टो-रिनो-लारिंगलोजी" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् —

"डिप्लोमा इन नेत्र-ओफ्थाल्मोलोजी—डी०बी०"

डाक्टर आफ मेडिसिन—(रेडियोलोजी)—एम०डी० (रेडियोलोजी)

डिप्लोमा इन फोरेंसिक मेडिसिन—डी०एफ०एम०

मास्टर आफ सर्जरी (पेडियाट्रिक सर्जरी)—एम०सी०एच० (पेडियाट्रिक सर्जरी)

17 पना विश्वविद्यालय से सम्बन्धित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन-हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् —

"मास्टर आफ सर्जरी (काडिया-थोरेमिक सर्जरी)—एम०सी०एच० (काडिया थोरेमिक सर्जरी)"

"मास्टर आफ सर्जरी (प्लास्टिक सर्जरी)—एम०सी०एच० (प्लास्टिक सर्जरी)"

18 राजस्थान विश्वविद्यालय से सम्बन्धित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन-पब्लिक हेल्थ" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"डिप्लोमा इन अन्वर्सेटिव एण्ड गईनाकायोलोजी—डी०जी०ओ०"

19 महर्षि बलानन्द विश्वविद्यालय से संबंधित प्रविष्टियों में "डिप्लोमा इन-थेनेसियल की डिग्री" प्रविष्टि के बाद निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"डाक्टर आफ मेडिसिन (बायोकैमिस्ट्री)—एम०डी० (बायोकैमिस्ट्री)"

20 उत्तर विश्वविद्यालय से सम्बन्धित प्रविष्टियों में "मास्टर आफ सर्जरी (आयुर्विज्ञानलोजी)" प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"मास्टर आफ सर्जरी (आर्थोपेडिक्स)—एम०एस० (आर्थोपेडिक्स)"

[सं. बी० 11015/2/81-एम०ई० (नोति)]

प्रकाश चन्द्र जैन, अधीक्षक सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 3rd September, 1981

S.O. 2670.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely :—

In the said Schedule :

(i) in the entries relating to University of Bombay after the entry 'Diploma in Anaesthesiology' the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Plastic Surgery).....M.S. (Plastic Surgery)

Master of Surgery (Plastic Surgery).....M.Ch. (Plastic Surgery)

Master of Surgery (Thoracic Surgery).....M.Ch. (Thoracic Surgery)

Master of Surgery (Thoracic Surgery).....M.Ch. (Thoracic Surgery)

Doctor of Medicine Neurology.....D.M.(Neurology)

Master of Surgery (Paediatric Surgery) .M.Ch. (Paed. Surgery)"

(ii) in the entries relating to 'Bhampur University', after the entry 'Master of Surgery (Anatomy)', the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (E.N.T.)M.S. (E.N.T.)

Doctor of Medicine (Forensic M.D. Foren. and Toxicology)".

Medicine & Toxicology)".

(iii) in the entries relating to Bhopal University, after the entry 'Doctor of Medicine (Social Preventive Medicine)', the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Paediatrics) M.D.(Paed.)

Diploma in Child Health D.C.H.

Doctor of Medicine (Anaesthesiology) M.D.(Anaes.)

Diploma in Anaesthesiology D.A.

Diploma in Forensic Medicine D.F.M."

(iv) in the entries relating to 'Calicut University', after the entry 'Diploma in Orthopaedics', the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Anaesthesiology.D.A."

(v) in the entries relating to University of Delhi, after the entry "Diploma in Health Education", the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Tuberculosis and Resp. Diseases)M.D. (Tuberculosis Resp. Diseases)";

(vi) in the entries relating to University of Calicut, after the entry 'Master of Surgery (Anatomy)', the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Forensic Medicine.D.F.M."

(vii) in the entries relating to Indore University, after the 'Diploma in Anaesthesia', the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Anaesthesiology).
.....M.D.(Anaes)"

(viii) in the entries relating to Jammu University, after the entry 'Diploma in Medical Radiology and Diagnosis', the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Clinical Pathology.D.C.P."

(ix) in the entries relating to University of Kerala after the entry 'Master of Surgery (Paediatric Surgery)', the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine ((Anaesthesiology).....M.D. (Anaes.)"

(x) in the entries relating to Kakatiya University, the following paragraph mentioned against the entry :—

"Master of Surgery (General Surgery)", shall be omitted, namely:—

"This qualification shall be a recognised medical qualification when granted on or before 30th April, 1981."

(b) after the entry 'Master of Surgery (General Surgery)', the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Anaesthesiology.....D.A.
Master of Surgery (Anatomy).....M.S.(Anat.)"

(xi) in the entries relating to University of Madras, after the entry 'Master of Surgery (Neuro-Surgery)', the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Public Health.D.P.H."

(xii) in the entries relating to University of Mysore, after the entry 'Master of Surgery (Orthopaedics)', the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Anaesthesiology.....D.A."

(xiii) in the entries relating to University of Nagpur, after the entry 'Doctor of Medicine (Microbiology)' the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (General Surgery).....M.S. (Gen. Surg.)"

(xiv) in the entries relating to Nagariuna University, after the entry 'Diploma in Dermatology', the following entries shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Pharmacology).....M.D.(Pharm)
Master of Surgery (Orthopaedics)....M.S.(Orth.)
Doctor of Medicine (Anaesthesiology)....M.D. (Anaes)"

(xv) in the entries relating to 'National Board of Examinations' after the entry 'Membership of the National Academy of Medical Sciences (Cardio-Thoracic Surgery)', the following entries shall be inserted, namely :—

"Membership of the National Academy....M.N.A.M.S.
(Nephrology) of Medical Science (Nephrology)
Membership of the National Academy of
M.N.A.M.S. (Phy. Med. & Rehab.) :—

Medical Sciences (Physical Medicine & Rehabilitation)

Membership of the National AcademyM.N.A.M.S.
(Card.) of Medical Sciences (Cardiology)

Membership of the National Academy....M.A.N.M.S.
(Foren. Med.) of Medical Sciences (Forensic Medicine)

Membership of the National Academy....M.N.A.M.S.
(Gastro-enterology) of Medical Sciences (Gastro-Enterology)

(xvi) in the entries relating to University of Osmania, after the entry 'Diploma in Oto-rhino-laryngology', the following entries shall be inserted, namely :—

"Diploma in Venereology.....D.V.
Doctor of Medicine (Radio-Therapy).....M.D.
(Rad. Therapy)

Diploma in Forensic Medicine.....D.F.M.
Master of Surgery (Paediatric Surgery)....M.Ch. (Paed. Surg.)";

(xvii) in the entries relating to University of Poona, after the entry 'Diploma in Hospital Administration', the following entries shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Cardio-Thoracic Surgery)
M.Ch. (Card. Thoracic Surg.)

Master of Surgery (Plastic Surgery).....M.Ch.
(Plastic Surg.)";

(xviii) in the entries relating to University of Rajasthan after the entry 'Diploma in Public Health', the following entry shall be inserted, namely :—

"Diploma in Obst. & Gynae.....D.G.O.";

(xxi) in the entries relating to Maharashi Dayanand University after the entry 'Diploma in Veneral Diseases', the following entry shall be inserted, namely :—

"Doctor of Medicine (Bio-Chemistry).....M.D.
(Biochem.)";

(xx) in the entries relating to 'Utkal University' after the entry 'Master of Surgery (Ophthalmology)', the following entry shall be inserted, namely :—

"Master of Surgery (Orthopaedics).....M.S.
(Orth.)"

[No. V. 11015/2/81-M.E. (Policy)]
P. C. JAIN, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1981

कांआ० 2671:-दन्त चिकित्सक अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 10 की उपधारा (4) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारतीय दन्त-चिकित्सा परिषद् के परामर्श के बाद उपयुक्त अधिनियम की अनुसूची के भाग-III में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त भाग-III में, क्रम संख्या 70 और इस से सम्बन्धित प्रविष्टियों के बाद निम्नलिखित प्रविष्टियां परिस्थापित की गई हैं, अर्थात् :—

| | | |
|--------------------------|---------------------|---------------------|
| "71 मास्को मेडिकल स्टो- | डिप्लोमा इन स्टोमे- | डिप्लोमा इन स्टोमे- |
| मेटालोजिकल इन्स्टीट्यूट, | टालोजी | टालोजी |
| मास्को (यू.एस.एस.आर.) | | |

[संख्या बी. 12025/6/79-पी. एम. एस.]

एच० ए० सुब्रह्मण्य
अवर सचिव

New Delhi, the 17th September, 1981.

S.O. 2671 — In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (4) of section 10 of the 'Dentists Act, 1948 (16 of 1948) the Central Government, after consultation with the Dental Council of India, hereby makes the following amendment in Part III of the Schedule to the said Act, namely :—

In the said Part III, after serial No. 70 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

| | | |
|---|---------------------------|------------------------|
| "71 Moscow Medical Stomatological Institute Moscow.) (U.S.S.R.) | Diploma in Stomatology | Dip. Stom" (Moscow) |
|---|---------------------------|------------------------|

(No. V. 12025/679-PMS)
N.A. SUBRAMONY, Under
Secy.

कृषि मंत्रालय

(आद्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1981

कां.आ. 2672 — अतः केन्द्रीय सरकार ने आद्य विभाग, क्षेत्रीय आद्य निदेशालयों, उपविधि निदेशालयों और आद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले खाद्यान्नों के क्रय, भण्डारकरण, सञ्चालन, परिवहन, वितरण तथा विक्रय के कृत्यों का पालन करना शर्त कर दिया है जोकि आद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) की धारा 13 के अधीन भारतीय आद्य निगम के कृत्य है।

और यतः आद्य विभाग, क्षेत्रीय आद्य निदेशालयों, उपविधि निदेशालयों और आद्य विभाग के वेतन तथा लेखा कार्यालयों में कार्य कर रहे और उपविधि कृत्यों के पालन में लगे निम्नलिखित अधिकारियों और कर्मचारियों ने केन्द्रीय सरकार के तारीख 16 अप्रैल, 1971 के परिपत्र के प्रत्युत्तर में उममे विनिर्दिष्ट तारीख के अन्दर भारतीय आद्य निगम के कर्मचारी न बनने के अपने आशय को उक्त अधिनियम की धारा 12ए की उपधारा (1) के परम्पुक द्वारा यथा अवैधित सूचना नहीं दी है।

अतः इस आद्य निगम अधिनियम, 1964 (1964 का 37) यथा अद्यतन संशोधित की धारा 12ए द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से भारतीय आद्य निगम में स्थानांतरित करती है।

| क्रम सं. | अधिकारी/कर्मचारियों का नाम | केन्द्रीय सरकार के अधीन स्थायी पद | स्थानांतरण के समय केन्द्रीय सरकार के अधीन पद | भारतीय आद्य निगम में स्था- नांतरण की तारीख |
|-------------|---|--|--|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | श्री आर.एस. राय सुपुत्र श्री जे.एस. राय | — | तकनीकी सहायक | 1-3-69 |
| 2. | श्री दौलत राम सुपुत्र श्री जगत राम | वाचमैन | वाचमैन | 1-3-69 |
| 3. | श्री पी.सी. साहनी सुपुत्र श्री देश राज साहनी | — | गुण निरीक्षक (I) | 1-3-69 |
| 4. | श्री जे. आरम दत्ता विश्वास सुपुत्र श्री लाल चन्द दत्ता | तकनीकी अधिकारी | सहायक निदेशक (तकनीकी) | 1-3-69 |
| 5. | श्री राज कुमार दत्ता सुपुत्र श्री लाल चन्द दत्ता | — | वाचमैन | 1-3-69 |

[संख्या 52/1/79-एफ.सी. III (वाल्जुम 7)]

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

ORDER

New Delhi, the 31st August, 1981

S.O. 2672 — Whereas the Central Government has ceased to perform the functions of purchase, storage, movement, transport, distribution and sale of foodgrains done by the Department of Food, the Regional Directorates of Food, the Procurement Directors and the Pay & Accounts Officer of the Department of Food which under Section 13 of Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) are the functions of the Food Corporation of India.

And whereas the following officers and employees serving in the Department of Food, the Regional Directorate of Food, the Procurement Directorates and the Pay & Accounts Offices of the Department of Food and engaged in the performance of the functions mentioned above have not, in response to the circular of the Central Govt dated the 16th April, 1971 intimated, within the date specified therein, their intention of not becoming employees of the Food Corporation of India, as required by the proviso to Sub-Section 12A of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 12A of the Food Corporations Act, 1964 (37 of 1964) as amended upto date the Central Government hereby transfer the following officers & employees to the Food Corporation of India with effect from the date mentioned against each of them

| S. No. | Name of the officer/employees | Permanent post held under the Central Govt. | Post held under the Central Govt. at the time of transfer | Date of transfer to F.C.I. |
|--------|---|---|---|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1. | Shri R.S. Rai S/O Shri J.N. Rai | — | Technical Asstt. | 1/3/69 |
| 2. | Shri Daulat Ram S/O Shri Jagat Ram | Watchman | Watchman | 1/3/69 |
| 3. | Shri P.C. Sawhney S/O Shri Des Raj Sawhney. | — | Quality Inspector (I) | 1/3/69 |
| 4. | Shri J.R. Dutta Biswas. | Technical Officer | Assistant Director (Tech.) | 1/3/69 |
| 5. | Shri Raj Kumar Dutta S/O Shri Lal Chand Dutta. | — | Watchman | 1/3/69 |

[No. 52/1/79-FCII(Vol. VII)]

शुद्धि-पत्र

कां.आ. 2673 — भारत के राजपद के भाग II खण्ड 3 में दिनांक 21-9-1974 को जी.एम.आर. संख्या 2439 के अधीन प्रकाशित इस विभाग के आदेश संख्या 52/21/68/एफ.सी. III (ई जेड/वाल्जुम-4), दिनांक 7-8-1974 में निम्नलिखित शुद्धियों की जाये :—

| स्थानांतरण आदेश में त्रुटि संख्या | की जाने वाली शुद्धियां |
|-----------------------------------|------------------------|
|-----------------------------------|------------------------|

199

कालम 2 में "श्री हेमेश कुमार चक्रवर्ती" के स्थान पर "श्री एच.के. चन्द्र" पढ़ें।

2 हम विभाग के आदेश संख्या 52/1/79-एफ०सी० III (बाल्यम-III), दिनांक 18-8-1979 में निम्नलिखित शुद्धियाँ की जाएँ:—

| स्थानान्तरण आदेश में क्रम संख्या | की जाने वाली शुद्धियाँ |
|----------------------------------|---|
| 71 | कालम 2 में "श्री बलेन्द्र नाथ बोंस" के स्थान पर "श्री बलेन्द्र नारायण बोंस" पड़े। |

[संख्या 52/1/79-एफ०सी० 3(बाल्यम 7)]
कुंज बिहारी, अवर सचिव

CORRIGENDUM

S.O. 2573.—I. In this Department's Order No 52/21/-68/FCIII (EZ/VOL.IV) dated 7-8-74 published in Part II Section 3 of the Gazette of India dated 21-9-1974 under G.S.R. No. 2439, the following correction shall be carried out :

| Sl. No. in the Transfer Order | Correction to be carried out |
|-------------------------------|--|
| 199 | For the words "Shri Hemendra Kumar Chakraborty" in column 2, read "Shri H.K. Chandra." |

II. In this Department's Order No. 52/1/79-FC III (Vol. III) dated 18/8/1979, the following correction shall be carried out:

| Sl. No. in the Transfer Order | Correction to be carried out |
|-------------------------------|---|
| 71 | For the words "Shri Balendra Nath Bose" in column 2, read "Shri Balendra Narayan Bose". |

[No. 52/1/79-FC.III (Vol. VII)]
KUNJ BEHARI, Under Secy.

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1981

क्रा०आ० 2674.—केन्द्रीय सरकार, डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5क की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और डॉक कर्मकार (नियोजन का विनियमन) नियम, 1962 के नियम 4 के उपनियम (1) के परन्तुक के अनुसरण में श्री शफीरुद्दीन अहमद को कलकत्ता डॉक थ्रम बोर्ड के सदस्य के रूप में श्री प्रशांत कुमार दत्त के स्थान पर जिनकी 10-4-1981 को मृत्यु हो गई है, नियुक्त करता है, और इस प्रयोजन के लिए भारत सरकार के नौवहन और परिवहन मंत्रालय (परिवहन पक्ष) की अधिमूर्चना सं० क्रा०आ० 148(अ) तारीख 27 जनवरी, 1978 का निम्नलिखित रूप में संशोधन करती है, अर्थात्:—

तारीख 27 जनवरी, 1978 की उक्त अधिमूर्चना में "डॉक कर्मकारों का प्रतिनिधित्व करने वाले व्यक्ति" शीर्षक के अधीन—

मद 5 के सामने की प्रविष्टि "श्री प्रशांत कुमार दत्त", के स्थान पर "श्री शफीरुद्दीन अहमद" प्रविष्टि रखी जाए—

[क्रा० सं० एलजीसी/4/79-एल III]
बी० शंकरलिंगम, उप सचिव।

727 GI/81—17.

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT (Transport Wing)

New Delhi, the 10th September, 1981

S.O. 2674.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), and in pursuance of proviso to sub-rule (1) of rule 4 of the Dock Workers (Regulation of Employment) Rules, 1962, the Central Government hereby appoints Shri Saifuddin Ahmed, as member of the Calcutta Dock Labour Board vice Shri Prasanta Kumar Dutta, who died on 10-4-1981 and for that purpose amends the notification of Government of India in the Ministry of Shipping and Transport (Transport Wing) No. S.O. 148(E), dated 27th January, 1978, as follows, namely:—

In the said notification, dated the 27th January 1978, under the heading "Members representing the dock workers":—against item 5 for the entry "Shri Prasanta Kumar Dutta", the entry "Shri Saifuddin Ahmed" shall be substituted.

[File No. LDC/4/79-I.III]
V. SANKARALINGAM, Dy. Secy.

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1981

क्रा० आ० 2675.—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत) अधिनियमों की बेद-खली अधिनियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के भूतपूर्व इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (इस्पात विभाग) की अधिसूचना संख्या क्रा० आ० 900 तारीख 21 मार्च, 1980 का अतिरिक्त करते हुए केन्द्रीय सरकार नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ (1) में वर्णित अधिकारी को, जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के पद के समतुल्य अधिकारी हैं उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सम्पदा अधिकारी नियुक्त करती है और निर्देश देती है कि उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के बारे में अपने अधिकारों की स्वतन्त्र सीमाओं के अन्तर्गत उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अधीन सम्पदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेगा।

सारणी

| अधिकारों का पदनाम | सरकारी स्थानों के प्रवर्ग और अधि-कारिता की स्थानीय सीमाएं |
|--|---|
| 1 | 2 |
| प्रबन्धक (सम्पदा और प्रशासन) के स्थान पर बरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, कुश्नेमुख आयरन और कम्पनी लिमिटेड, 11 ब्लाक, बोर्ड मांगल बंगलौर-560031 (कर्नाटक राज्य) | कुश्नेमुख आयरन और कम्पनी लिमिटेड के या उसके द्वारा पट्टे पर लिए गए या उसके द्वारा या उसकी ओर से अधिगृहीत स्थान। |

[सं० 2(22)/76-के०डी०एम०]
ते० बा० नायर, उप-सचिव।

MINISTRY OF STEEL AND MINES (Department of Steel)

New Delhi, the 8th September, 1981

S.O. 2675.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of Government of India in the late Ministry of Steel, Mines & Coal (Department of Steel) No. S.O. 900, dated 21st March,

1980, the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government, to be estate officer for the purposes of the said Act and further directs that the said officer shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act within the local limits of his jurisdiction in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

Table

| Designation of the officer | Categories of public Premises and local limits of jurisdiction |
|--|---|
| Senior Administrative Officer vice Manager (Estate and Administration) Kudremukh Iron Ore Company Limited, II Block, Koramangala, Bangalore-560034 (Karnataka State) | Premises belonging to or taken on lease or requisitioned by or on behalf of Kudremukh Iron Ore Company Limited. |
| | [No. 2(22)/76-KDM] T.V. Nayar, Dy. Secy |

संस्कृति विभाग

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, 8 सितम्बर, 1981

(पुरातत्व)

क्रा० अा० 2676.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्राचीन संस्मारक राष्ट्रीय महत्त्व के हैं।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अधिशेष अधिनियम, 1958 (1958 का 24) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त प्राचीन संस्मारक को राष्ट्रीय महत्त्व का घोषित करने के अपने आशय की सूचना देती है।

उक्त प्राचीन संस्मारक में हितवद् किसी व्यक्ति द्वारा इस अधिसूचना के जारी किए जाने के पश्चात् दो मास के भीतर की गई किसी आपत्ति पर केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

अनुसूची

| राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र | जिला | तहसील | परिचय | स्मारक का नाम | संरक्षण के अधीन स्थापित किया जाने वाला राजस्व प्लाट सं० |
|------------------------------------|--|--------|--|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| गोवा, दमन और दीव संघ राज्य-क्षेत्र | गोवा | पोण्डा | पाण्डवा तुकाडा या अलग्ग बाग (खान्देपर) | सर्वेक्षण प्लाट सं० 170/2 में चट्टानों से काट कर बनाए गए प्राचीन मन्दिर और संलग्न क्षेत्र | सर्वेक्षण प्लाट सं० 170/2 |
| क्षेत्रफल | सीमाएं | | स्वामित्व | दिप्पण | |
| अ० 0-76.00 हेक्टर | उत्तर : सर्वेक्षण प्लाट सं० 170/1 पूर्व : नदी खान्देपर दक्षिण : सर्वेक्षण प्लाट सं० 167/1 और 168 पश्चिम : सर्वेक्षण प्लाट सं० 169 | | श्री अनन्त गोविन्दा सिनाइ (गण्डेपारकर) | | |

[सं० 2/1/गोवा/1/71-एम]

डा० श्रीमती वेबला मित्र, महानिदेशक और पवन संयुक्त सचिव

DEPARTMENT OF CULTURE

(Archaeological Survey of India)

New Delhi, the 8th September, 1981

ARCHAEOLOGY

S.O. 2676.—Whereas the Central Government is of opinion that the ancient monument specified in the Schedule attached hereto is of national importance;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 4 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1958 (24 of 1958), the Central Government hereby gives notice of its intention to declare the said ancient monument to be of national importance.

Any objection made within two months after the issue of this notification by any person interested in the said ancient monument will be considered by the Central Government.

SCHEDULE

| State/Union Territory | District | Tehsil | Locality | Name of monument | Revenue plot numbers to be included under protection | Area | Boundaries | Ownership | Remarks |
|--|----------|--------|--|---|--|------------------|--|---|---------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| Union Territory of Goa, Daman and Diu. | Goa | Ponda | Pandava Tukada or Algabag (Khandepar). | Ancient Rock Cut temples and adjoining area in Survey plot No. 170/2. | Survey plot No. 170/2 | 0-76.00 hectares | North: Survey plot No. 170/1 East: River Khandepar. South: Survey plot Nos. 167/1 and 168. West: Survey plot No. 169. | Shri Anant Govinda Sinai (Gandeparkar). | |

[No. 2/1/Goa/1/71-M]

DR. MRS. D. MITRA, Director General and Ex-Officio Jt. Secy.

सिंचाई मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1981

का० भा० 2677:—बुंगभद्रा बोर्ड के गठन के सम्बन्ध में, भूतपूर्व सिंचाई और विद्युत मंत्रालय की, समय समय पर यथा-संशोधित अधिसूचना सं० डी० डब्ल्यू० 6-4(9), दिनांक 10 मार्च, 1955 में निम्नलिखित और संशोधन किया जाता है, अर्थात्:—

पैरा 1 में "सदस्यगण" की वर्तमान प्रविष्टि के अन्तर्गत अर्थात् "विशेष सचिव, कर्नाटक सरकार, लोक निर्माण तथा विद्युत (सिंचाई) विभाग," के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी:—
"अपर सचिव, कर्नाटक सरकार, लोक निर्माण तथा विद्युत (सिंचाई) विभाग।"

[सं० 19(4)/76-डी. डब्ल्यू-एक(पी० चार/पी० दो)
वी० के० साधु, ध्वर सचिव

MINISTRY OF IRRIGATION

New Delhi, the 10th September, 1981

S.O. 2677.—The following further amendment is made in the erstwhile Ministry of Irrigation & Power Notification No. DW. VI-4(9) dated the 10 March, 1955 (as amended from time to time) relating to the constitution of the Tungabhadra Board namely:—

For the existing entry under "Members" in para 1 namely "Special Secretary to Government of Karnataka, Public Works and Electricity (Irrigation) Department" the following entry shall be substituted:—

"Additional Secretary to Government of Karnataka, Public Works and Electricity (Irrigation) Department".

[No. 19/4/76-DW. I/P. IV/P. II]
V. K. SADHU, Under Secy.

निर्माण और आवास मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1981

का० भा० 2678:—यतः कतिपय संशोधन, जिन्हें केन्द्रीय सरकार का नीचे लिखे क्षेत्र के बारे में दिल्ली की बृहत् योजना में करने का प्रस्ताव है, दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 की 61) की धारा 44 के उपबन्धों के अनुसार, दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा दिनांक 25-10-1980 को नोटिस सं० एफ०-20(12)/79 एम०पी० के साथ प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त नोटिस तारीख के 30 दिन के भीतर उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उप-धारा (3) द्वारा यथा अवैधित आपत्तियाँ/सुझाव मांगे गये थे।

और यतः उक्त संशोधनों के बारे में कोई आपत्ति या सुझाव प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार द्वारा एतद्द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 11क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिल्ली की उक्त बृहत् योजना में भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से निम्नलिखित संशोधन करनी है, नामतः:—
संशोधन

(1) क्षेत्र डी-9 (सेंट्रल विस्टा जोन) में पड़ने वाली भूमि जिसका माप 3.66 हेक्टर (9.00 एकड़) है तथा जिसे भूखण्ड सं० 115 के रूप में जाना जाता है और जो पश्चिम में 36.57 मी० चौड़े पश्चित पस्त मार्ग से दक्षिण-पूर्व में लोक सभा भवन से तथा पूर्व में 60.96 मी० चौड़े तालकटोरा मार्ग से घिरी है, का भूमि उपयोग "राजकीय और अर्ध राजकीय कार्यालयों" से "मनोरंजनात्मक" में परिवर्तित किया जाता है।

(2) क्षेत्र डी-9 (सेंट्रल विस्टा जोन) में पड़ने वाली भूमि, जिसका माप 3.76 हेक्टर (9.25 एकड़) है तथा जिसे भूखण्ड सं० 36 के रूप में जाना जाता है और जो उत्तर-पश्चिम में 18.25 मी० मार्ग, दक्षिण पूर्व में 18.68 मी० मार्ग तथा पूर्व 30.48 मी० में हैस्टिंग मार्ग से घिरी है, का भूमि उपयोग "राजकीय और अर्ध राजकीय कार्यालयों" से "मनोरंजनात्मक" में परिवर्तित किया जाता है।

[सं० 21023/26/66-यू डी 1/II ए खण्ड II]

कृष्ण कुमार सक्सेना, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

New Delhi, the 10th September, 1981

S.O. 2678.—Whereas certain modifications, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi regarding the area mentioned hereunder, were published by the Delhi Development Authority with Notice No. F. 20(12)/79 M.P. dated 25-10-80, in accordance with the provisions of section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61 of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of section 11A of the said Act, within thirty days from the date of said notice:

And whereas no objection or suggestion has been received with regard to the aforesaid modifications;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this notification in the Gazette of India, namely:—

MODIFICATIONS

- (i) "The land use of an area known as plot No. 115 measuring 3.66 hectares (9.00 acres), falling in Zone D-9 (Central Vista Zone), bounded by 36.57 M. wide Pandit Pant Marg on the west, Lok Sabha Bhawan on the south-east and 60.96 M. wide Talkatora Road on the east, is changed from 'Government and semi-government offices' to 'Recreation'."
- (ii) The land use of an area known as Plot No. 36 measuring 3.76 hectares (9.25 acres), falling in Zone D-9 (Central Vista Zone) and bounded by 18.25 M. road on the north-west, 18.68 M. road on the south-east and 30.48 M. Hastings Road on the east, is changed from 'Government and semi-government offices' to 'Recreation'."

[No. 21023/26/66/UDI/IIA Vol. II]

K. K. SAXENA, Desk Officer.

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 सितम्बर, 1981

का० भा० 2679:—भारत सरकार के ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० भा० 2054, ता० 11 जुलाई, 1980 के अन्वये, कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और जिल्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 की अवैधानुसार रोटी के लिए गेहूँ का घाटा (श्रेणीकरण और जिल्हांकन) नियम, 1980 का प्रारूप तारीख 2 अगस्त, 1980 को भारत के राजपत्र, भाग 2 खण्ड 3, उपखण्ड (ii) के पृष्ठ 2644 से 2648 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना थी।

और उक्त राजपत्र की प्रतियाँ जनता को 18 अगस्त, 1980 को उपलब्ध करा दी गई थीं;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप की बावत कोई आक्षेपों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम रोटी के लिए गेहूँ का आटा (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) नियम, 1980 है।

(2) ये भारत में उत्पादित रोटी के लिए गेहूँ के आटे को लागू होंगे।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएँ—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अभिप्रेत न हों, :-

(क) “कृषि विपणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है ;

(ख) “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्तियों का निकाय अभिप्रेत है जिसे रोटी के लिए गेहूँ के आटे के सम्बन्ध में, साधारण श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1937 के नियम 3 के अधीन प्राधिकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया गया है।

(ग) “अनुसूची” से इन नियमों के उपाखण्ड अनुसूची अभिप्रेत है।

3. श्रेणी पदाभिधान—रोटी के लिए गेहूँ के आटे की क्वालिटी उप-वर्णित करने के लिए श्रेणी पदाभिधान, अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में यथा उप-वर्णित होगा।

4. क्वालिटी की परिभाषा—श्रेणी नाम द्वारा उपवर्णित क्वालिटी, अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 13 तक में उक्त नाम के सामने यथा उपवर्णित होगी।

5. श्रेणी नाम चिह्न—श्रेणी पदाभिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा प्रभावित किया गया एक लेबल होगा जिसमें श्रेणी पदाभिधान और एक डिजाइन जिसमें अनुसूची 2 में यथावर्णित चिह्न के सदृश ऐंगमार्ग शब्द, भारत का मानचित्र और “Produce of India” तथा “भारतीय उत्पाद” शब्द तथा उबय होते हुए सूर्य का चित्र होगा।

टिप्पणी—(1) कागज या कपड़े के बैग पर प्रयुक्त होने वाला श्रेणी पदाभिधान चिह्न, बिपकाने वाले लेबल का बना होगा जिसमें श्रेणी पदाभिधान होगा।

(2) सी-ट्रिबल पटसन के बैग पर प्रयुक्त होने वाला श्रेणी पदाभिधान चिह्न आयताकार टाई-ग्राम लेबल होगा जिसमें श्रेणी का पदाभिधान चित्रित होगा।

6. चिह्नांकन की रीति—(1) श्रेणी पदाभिधान चिह्न, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में प्रत्येक आधान पर मजबूती से बिप-काया जाएगा, जिसमें निम्नलिखित विशिष्टियाँ दिखाई जाएंगी, अर्थात् —

(क) पैकिंग की तारीख

(ख) साट संख्यांक/बैच/कोड

(ग) पैकर का नाम व पता

(घ) शुद्ध भार

(2) श्रेणी पदाभिधान चिह्न के प्रतिरिक्त, प्रत्येक लेबल पर निम्न-लिखित प्रविष्टियाँ स्पष्ट रूप से दिखाई जाएंगी, अर्थात् :—

(क) पैक करने की तारीख

(ख) साट संख्यांक बैच/कोड

(ग) पैकर का नाम और पता, तथा

(घ) शुद्ध भार

(3) प्रत्येक आधान पर विजय कीमत स्पष्ट रूप से दिखाई जाएगी।

(4) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार के पूर्व अनुमोदन के आधार पर अपना निजी व्यापार चिह्न ऐसी रीति में चिह्नीकृत कर संकेता जो उक्त अधिकारी अनुमोदित करे, परन्तु यह तब जबकि निजी व्यापार चिह्न रोटी के लिये गेहूँ के आटे की ऐसी क्वालिटी या श्रेणी उपदर्शित नहीं करता है जो इन नियमों के अनुसार आधान पर बिपकाए गए श्रेणी पदाभिधान चिह्न द्वारा उपवर्णित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न है।

7. पैकिंग की रीति : (1) पैकिंग के लिए कागज, कपड़े, सी-ट्रिबल पटसन या कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित किसी अन्य पदार्थ से बने मजबूत, साफ और शुष्क आधान का प्रयोग किया जाएगा।

(2) आधान कीटानु प्राक्रमण या फफूंदी दूषण तथा अवांछनीय गन्ध से मुक्त होंगे।

(3) प्रत्येक आधान, कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से मजबूती से बन्ध किया जाएगा और उस पर सील लगाई जाएगी।

(4) प्रत्येक पैकेज में एक ही श्रेणी पदाभिधान का रोटी के लिए गेहूँ का आटा होगा।

(5) प्रत्येक आधान में रोटी के लिये गेहूँ के आटे का शुद्ध भार, 50 ग्राम, 100 ग्राम, 200 ग्राम, 400 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलोग्राम, 5 किलोग्राम और उसके पश्चात् 5 किलोग्राम के मुक्तकों में होगा।

अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

रोटी के लिए गेहूँ के आटे का श्रेणी पदाभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

| श्रेणी पदाभिधान | | क्वालिटी की परिभाषा* | | | | | |
|--|---|--|--|---|---------------------------|-------------------------|---|
| | | विशेष लक्षण | | | | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| द्रव्य मान के अनुसार ग्लूटेन प्रतिशत (शुष्क आधार पर) न्यूनतम | द्रव्यमान के अनुसार अधिकतम प्रोटीन (एन * 5.7) प्रतिशत (शुष्क आधार पर) न्यूनतम | द्रव्यमान के अनुसार प्रतिशत अधिकतम कुल अस्म प्रतिशत (शुष्क आधार पर) अधिकतम | अस्म में अतिरिक्त अस्म, प्रतिशत (शुष्क आधार पर) अधिकतम | 90 प्रतिशत ऐल्कोहल में ऐल्कोहल अम्लता (जैसे H ₂ SO ₄) द्रव्यमान के अनुसार प्रतिशत अधिकतम | जब अवशोषण प्रतिशत न्यूनतम | मास्टोस प्रतिशत न्यूनतम | |

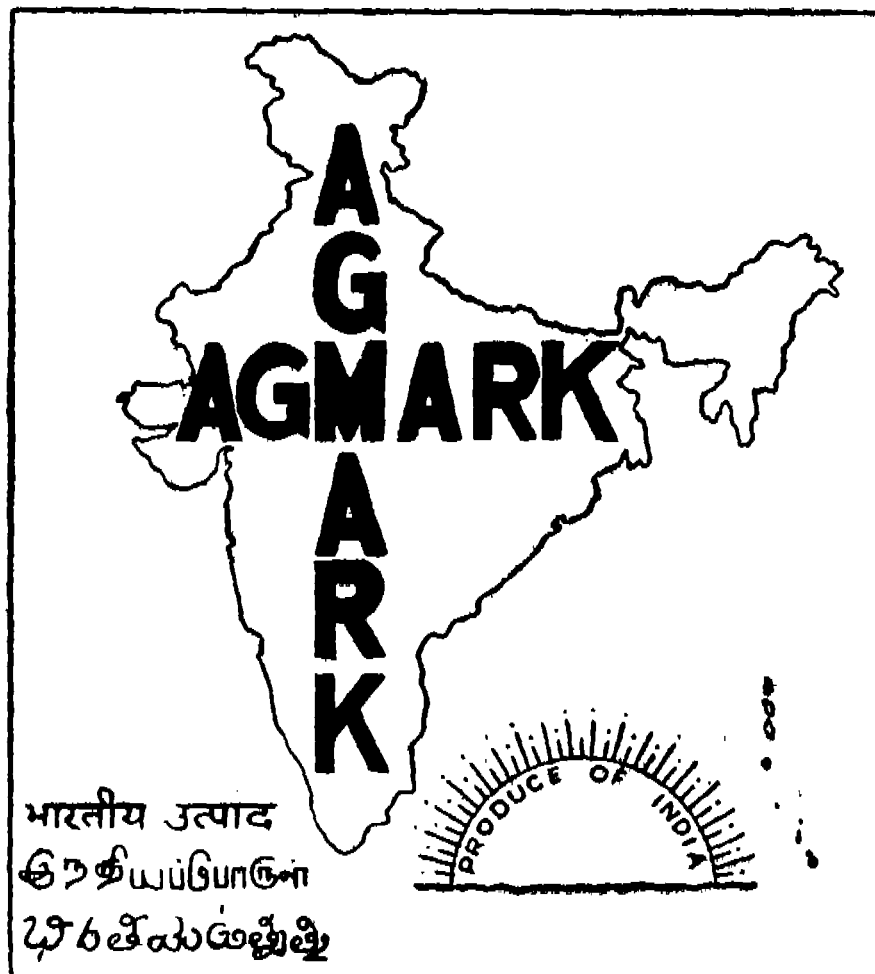
| मानक | 8.0 | 11.0 | 0.5 | 0.05 | 0.1 | 60.0 | 2 से 3.5 |
|-------------------------|--|--|--|---|-----|------|----------|
| अवगाहन मूल्य स्थूलतम | पेलसेक संख्या (मिनटों में) स्थूलतम | यूरिक अम्ल मि०घा०/100 ग्राम अधिकतम | वर्धमान के अनुसार अव्ययता प्रतिशत अधिकतम | साधारण लक्षण | | | |
| 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | | | |
| 30.0 | 150 | 10.0 | 13.0 | <p>रोटी के लिए गेहूँ का आटा :</p> <p>(1) ऐसा उत्पाद होगा जो रोलर आटा मिल और बोस्टिंग में साफ किए गए, कठोर या कोमल गेहूँ या उनके सभिर्धों के पेषण से प्राप्त किया गया हो।</p> <p>(2) सुप्रवाही, कृने पर गुष्क तथा कीम रंग का होगा।</p> <p>(3) मस्टी, गंध में मुक्त, विकृत गंधी स्वाद, कोटाणु और फफूँदी आक्रमण, कृतक दूषण, संकुचन, दृश्य जोकर कण और किसी भी बाह्य पदार्थ से मुक्त होगा।</p> <p>(4) अपने विशेष स्वाद वाला सुवास वाला होगा।</p> <p>(5) क्ष.रा पदार्थ 180 माइक्रोन आई एस छलनी से गुजरेगा और छलनी पर कोई अवशेष नहीं होगा।</p> | | | |

*आई एस आई 7464-1974 से लिया गया।

अनुसूची 2

[नियम 5 (1) और (2) देखें]

श्रेणी पवासिधान चिन्ह का डिजाइन



[सं० फ० 10-13/79-ए० एम०]

गन्धर्व सिंह, प्रवर सचिव

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 18th September, 1981

S.O. 2679.—Whereas a draft of the Bread Wheat Floor Grading and Marking Rules, 1980, was published, as required by section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), on pages 2644 to 2648 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 2nd August, 1980 under the notification of the Government of India in the Ministry of Rural Reconstruction No. S. O. 2054, dated the 11th July, 1980, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of forty-five days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas the copies of the said Gazette were made available to the public on the 18th August, 1980;

And whereas objections and suggestions received in respect of the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely:

1. Short title, application and commencement.—(1) These rules may be called the Bread Wheat Floor Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to Bread Wheat Floor produced in India.

(3) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

(2) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation under rule 3 of the General Grading and Marking Rules, 1937, in relation to Bread Wheat Flour.

(3) "Schedule" means a Schedule appended to these rules.

3. Grade designations.—The grade designation to indicate the quality of Bread Wheat Flour shall be as set out in column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designation shall be as set out against the said designation in columns 2 to 13 of Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label supplied by the Agricultural Marketing Adviser specifying the grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and the figure of the rising sun with the

words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark set out in Schedule II.

NOTE : (1) The grade designation mark to be used on paper or cloth bags shall consist of a paste-on label specifying the grade designation.

(2) The grade designation mark to be used on B-twill jute bags shall consist of a rectangular tie-on label specifying the grade designation.

6. Method of marking : (1) The grade designation mark shall be securely affixed on each container in a manner as approved by the Agricultural Marketing Adviser and shall clearly show the following particulars, namely :

- (a) date of packing;
- (b) lot number|batch|code;
- (c) name and address of packer, and
- (d) net weight.

(2) In addition to the grade designation mark, the following particulars shall also be marked on each label :

- (a) date of packing;
- (b) lot number|batch|code;
- (c) name and address of packer, and
- (d) net weight.

(3) The sale price shall be clearly marked on each container.

(4) An authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided the private trade mark does not represent quality or grade of the Bread Wheat Flour different from that indicated by the grade designation mark affixed on the container in accordance with these rules.

7. Method of packing : (1) Only sound, clean and dry container made of paper, cloth, B-twill jute or any other material as may be approved by the Agricultural Marketing Adviser shall be used for packing.

(2) The container shall be free from any insect infestation or fungus contamination and also free from any undesirable smell.

(3) Each package shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

(4) Each package shall contain Bread Wheat Flour of one grade designation only.

(5) The net weight of Bread Wheat Flour in each container shall be 50 gms., 100 gms., 200 gms., 400 gms., 500 gms., 1 kgs., 2 kgs., 5 kgs., and thereafter in multiples of 5 kgs.

SCHEDULE I

(See rules 3 and 4)

Grade designation and definition of quality of Bread Wheat Flour

| Grade Designa- tion | Definition of Quality* | | | | | | | | | | | General Characteristics |
|---------------------------|--|---|---|---|---|---|------------------------------|--|---|--|--|--|
| | Special Characteristics | | | | | | | | | | | |
| | Gluten percent by mass (on dry basis) Mini- mum | Protein (N x 5.7) percent by mass (on dry basis) Mini- mum | Total ash per- cent by mass (on dry basis) Maxi- mum | Acid insol- uble ash, percent by mass (on dry basis) Maxi- mum | Alco- holic acidity (as H ₂ SO ₄) in 90 percent alcohol (percent by mass) Maxi- mum | Water absorp- tion, per- cent Mini- mum | Mal- tose per- cent | Sedim- enta- tion value Mini- mum | Pelsh- enke number (in minutes) Mini- mum | Uric Acid mg/ 100 g Maxi- mum | Mois- ture per- cent by mass Maxi- mum | |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| Standard | 8.0 | 11.0 | 0.5 | 0.05 | 0.1 | 60.0 | 2 to 3.5 | 30 0 | 150 | 10.0 | 13 0 | Bread Wheat Flour shall : |
| | | | | | | | | | | | | (1) be the produce ob- tained by milling cleaned, condition- ed, hard or soft wheats or blends thereof in a roller flour mill and bolting; |
| | | | | | | | | | | | | (2) be free flowing, dry to touch & creamy in colour; |
| | | | | | | | | | | | | (3) be free from musty, off flavour, rancid and bitter taste, in- sect & fungus attack, rodent contamina- tion squeezing, visible dusted bran particles & any extraneous matter; |
| | | | | | | | | | | | | (4) have characteristic taste & flavour ; |
| | | | | | | | | | | | | (5) all the material shall pass through 180 Micron I.S. sieve and no residue be left on the sieve. |

*Adopted from ISI: 7464-1974.

SCHEDULE II

[See rule 5(1) and (2)]

Design of the Grade Designation Mark



[No.F 10-13/79-AM]

GANDHARV SINGH, Under Secy.

पूरी और पुनर्वासि मंत्रालय

(पुनर्वासि विभाग)

नई दिल्ली, 4 सितम्बर, 1981

का० जा० 2680.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 34 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम की धारा 24 की उपधारा (4) और धारा 33 के अधीन इसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों का प्रयोग 26 अगस्त, 1981 से पुनर्वासि विभाग में निदेशक, श्री बी०बी० शर्मा द्वारा किया जाएगा।

2. इससे इस विभाग की अधिसूचना संख्या-6(21)/77-एस०एस०-I(I) दिनांक 8 अगस्त, 1979 का प्रतिक्रमण किया जाता है।

[संख्या-1(14)/विशेष सैल/81-एस०एस०-II(क)]

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 4th September, 1981

S.O. 2680.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 34 of the Displaced Persons (Com-

pensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under Sub-section (4) of Section 24 and Section 33 of the said Act shall be exercisable also by Shri B.B. Sharma, Director in the Department of Rehabilitation, with effect from 26th August, 1981.

2 This supersedes this Department's Notification No 6(21)/77-SS I(I) dated the 8th August, 1979.

[No 1(14)/Spl. Cell/81-SS II.(A)]

का० जा० 2681.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर तथा पुनर्वासि) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त उसके अधीन संयुक्त मुख्य वयोवृद्ध आयुक्त के कार्यों का निष्पादन करने के लिए, पुनर्वासि विभाग में निदेशक, श्री बी०बी० शर्मा को 26 अगस्त, 1981 से संयुक्त मुख्य वयोवृद्ध आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

2 इससे इस विभाग की अधिसूचना संख्या-6(21)/77-एस०एस०-II दिनांक 8 अगस्त, 1979 का प्रतिक्रमण किया जाता है।

[संख्या 1(14)/विशेष सैल/81-एस०एस०-II(ख)]

एस० एस० बाधवानी, अवसर सचिव

S.O. 2681.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (4 of 1954), the Central Government hereby appoints Shri B.B. Sharma, Director in the Department of Rehabilitation as Joint Chief Settlement Commissioner for the purpose of performing the functions assigned to such Joint Chief Settlement Commissioner by or under the said Act, with effect from 26th August, 1981.

2. This supersedes this Department's Notification No. 6(21)/77-SS I, dated the 8th August, 1979.

[No. 1(14)-Spl. Cell/81-SS. II(B)]

N. M. WADHWANI, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1981

क्र० आ० 2682—चलचित्र (संसार) नियम, 1958 के नियम 10 के साथ पठित चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय

सरकार की क्र० आ० 802/45/80-एफ (सी) के 31-8-81 के पूर्ववर्ती में अगली आदेश तक, अपर प्रादेशिक अधिकारी, केन्द्रीय फिल्म सेंसर बोर्ड, बम्बई के तदुपरान्त अध्यायी आधार पर स्वातंत्र्य रूप से नियुक्त करनी है।

[क्र० आ० 802/45/80-एफ (सी)]

के० ए० वेंकटरामन, अपर सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 14th September, 1981

S.O. 2682.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952), read with rule 10 of the Cinematograph (Censorship) Rules, 1958, the Central Government is pleased to appoint Shri S. K. Sinha, IAS (BH : 1974) to officiate as Additional Regional Officer, Central Board of Film Censors, Bombay on a temporary basis, with effect from 31-8-81 F.N. until further orders.

[F. No. 802/45/80-F(C)]

K. S. VENKATARAMAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1981

क्र० आ० 2683 —फिल्म सभासदों के कार्यकरण से संबंधित विनियमों के नियम 11 (ख) के उपबंधों के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एनडब्ल्यू आर के साथ खगो अनुसूची के भाग 2 में दी गई फिल्मों की उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपों में गठित, जिनका विवरण प्रत्येक के मामले में उक्त अनुसूची के भाग 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करनी है:—

अनुसूची

| क्रम संख्या | फिल्म का नाम | फिल्म की लंबाई (मीटर में) | आदेशक का नाम | निर्माता का नाम | क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है। |
|-------------|---|---------------------------|--|-----------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1713 और भारतीय समाचार समीक्षा 1713 (क्षेत्रीय उत्तर) | 301.00 | फिल्म प्रभाग, 24, डा० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 | गोपाशरण | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। सामान्य प्रदर्शन और क्षेत्रीय प्रदर्शन के लिए। |
| 2 | भारतीय समाचार समीक्षा संख्या 1714 | 302.00 | फिल्म प्रभाग, 24, डा० देशमुख मार्ग, बम्बई-26 | गोपाशरण | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |

[फाइल संख्या 315/5/81-एफ० पी०]

ORDER

New Delhi, the 15th September, 1981

S.O. 2683.—In exercise of the powers vested under the provisions of Rule 14(b) of the Regulations relating to the Working of the Film Advisory Board, the Central Government hereby approves films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their languages versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

| Sl. No. | Title of the film | Length of the film in metres | Name of the applicant | Name of the Producer | Brief synopsis whether a scientific film or for educational purposes of a film dealing with news current documentary film |
|---------|--|------------------------------|---|----------------------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | Indian News Review No. 1713 and Indian News Review No. 1713 (Regional North) | 304 mtrs | The Films Division, 24-Dr. Gopindra Deshmukh Marg, Bombay-26. | | News and Current events for General and regional Release. |
| 2. | Indian News Review No. 1714. | 302 mtrs | -do- | | For general release |

[File No. 315/5/81-FP]

आदेश

नई दिल्ली, 17 सितम्बर, 1981

का० आ० 2684 :—भारत सरकार के सूचना और प्रचारण मंत्रालय के आदेश संख्या एम० आ० 3792, दिनांक 2 दिसम्बर, 1966 की प्रथम अनुसूची में निर्धारित प्रत्येक अधिनियम की उपबंध के अन्तर्गत जारी किए गए निदेशों के अनुसार, केन्द्रीय सरकार फिल्म मलाहकार बोर्ड, बम्बई की सिफारिशों पर विचार करने के बाद एतद्वारा इसके साथ लगी अनुसूची के कालम 2 में दी गई फिल्मों को उनके सभी भारतीय भाषाओं के रूपांतरों सहित, जिनका विवरण प्रत्येक के सामने उक्त अनुसूची के कालम 6 में दिया हुआ है, स्वीकृत करती है।

अनुसूची

| क्रम संख्या | फिल्म का नाम | फिल्म की संख्या (सीटों में) | आवेदक का नाम | निर्माता का नाम | क्या वैज्ञानिक फिल्म है या शिक्षा संबंधी फिल्म है या समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म है या डाकुमेंट्री फिल्म है |
|-------------|--|-----------------------------|--|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | बुन्नेलबंड (रंगीन) | 275.84 | सुरेश निगम, उप निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, मार्फत वी० प्रभाकर, राँ-62, पत्तावर कश्मीर, बीरा बेसाई रोड, बम्बई-58 | सुरेश निगम, सूचना उप निदेशक, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ | "डाकुमेंट्री फिल्म" सामान्य प्रदर्शन के लिए; |
| 2. | महामस्तकाभिषेक ए युनीक इवेंट (रंगीन) | 402.031 | फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24, पैडर रोड, बम्बई-100026 | | "डाकुमेंट्री फिल्म" सामान्य प्रदर्शन के लिए |
| 3. | आंध्र प्रदेश राष्ट्रावतराता रज-तोत्सव (आंध्र प्रदेश राज्य जयन्ती समारोह) | 420.00 | आंध्र प्रदेश राज्य निगम लि०, एम० जे० रोड, हैदराबाद | नि०, फिल्म विकास "गृहकल्प". | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। आंध्र प्रदेश में प्रदर्शन के लिए। |
| 4. | महिनि चित्र संख्या 348 | 292.61 | महायुक्त सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, रामनाई लेवा०, बम्बई-400018. | सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, गांधीनगर 382010 | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए। |
| 5. | रफी की यात्रे | 549.56 | एन० पी० आश, वेस्ट फोर्ड, | प्रिया फिल्म त्रिवेन्द्रम। | डाकुमेंट्री फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 6. | महिनि चित्र सं० 349 | 292.61 | महायुक्त सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, रामनाई लेवा०, बम्बई-18. | सूचना निदेशक गुजरात सरकार, मन्त्रालय, गांधीनगर। | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए। |
| 7. | हैडोकेड सो वाट ? | 291.3 | दिवाङ्मकोप डी-34, अश्रा दि बाङ्मकोप, डी-43, अश्रानगर, मद्रास-नगर, मद्रास-600102 | 600102 | डाकुमेंट्री फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 8. | सिलम्पसिम आफ केरल | 283.77 | निदेशक, पर्यटन विभाग, केरल सरकार, त्रिवेन्द्रम। | केरल राज्य फिल्म विकास निगम, पर्यटन विभाग, केरल। | डाकुमेंट्री फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 9. | एंड दि अर्थ स्माइलज (रंगीन) | 250.00 | सूचना और जन सम्पर्क महाविदेशक, महाराष्ट्र सरकार 68, तारदेव रोड, बम्बई-34. | महाराष्ट्र सरकार | —यथैव— |
| 10. | ओडिस्सर मुख्य घटनावली संख्या 126 | 326.75 | श्री एम० के० राव, सूचना और जन-सम्पर्क निदेशक और संयुक्त सचिव, सूचना और जनसम्पर्क, विभाग, भुवनेश्वर-751001. | | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। उड़ीसा सर्किट में प्रदर्शन के लिए। |
| 11. | महिनि चित्र संख्या 350 | 284.89 | महायुक्त सूचना, निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, रामनाई लेवा०, वर्ली, बम्बई-18. | सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, गांधी नगर। | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए। |
| 12. | नई लठगिनी संख्या 14 (संशोधित) | 262.10 | आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम नि०, "गृहकल्प", एम० जे० रोड, हैदराबाद-1 | | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। आंध्र प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए |
| 13. | आईटुं डीवर (रंगीन) | 411.48 | आर० के० पांडे, सहायक प्रचार अधिकारी, एक्सपोर्ट प्रमोशन कार्डमिल फार फिनिश लेदर एंड लेदरमेन्यूफैक्चरर्स, 15/46, मिथिल लाईंस, कामपुर-208001. | मैमर्स कैंडीडा फिल्म, 19 ए, शेक्सपीयर सरनी कलकत्ता-700071 | डाकुमेंट्री फिल्म सामान्य प्रदर्शन के लिए। |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|----|--|--------|--|---|---|
| 14 | महाराष्ट्र समाचार संख्या 364 | 295.00 | सूचना और जनसंपर्क महाविभाग, महाराष्ट्र सरकार, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तारदेव रोड, बम्बई-34. | महाराष्ट्र सरकार | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए। |
| 15 | ओपन श्री 0 सी० (रंगीन) | 366.00 | फिल्म प्रभाग, भारत सरकार 24-पैडर रोड, बम्बई-6 | | डाकुमेंट्री फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 16 | महाराष्ट्र समाचार संख्या 365 | 274.00 | सूचना और जनसंपर्क महाविभाग, महाराष्ट्र सरकार, फिल्म सेंटर, 68, तारदेव रोड, बम्बई-34 | | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। (महाराष्ट्र सर्किट में प्रदर्शन के लिए) |
| 17 | पलक फार्मड | 243.00 | श्री प्रामुस बनर्जी मार्फत श्री वसन्त आर० बार्ने शिल्डिंग संख्या 123-कमरा नं०-4, माटुंगा रेलवे कालोनी, बम्बई-19. | श्री प्रामुस बनर्जी, मार्फत श्री आर० बार्ने शिल्डिंग बम्बई-19 | डाकुमेंट्री फिल्म (सामान्य प्रदर्शन के लिए) |
| 18 | महिनि चित्र संख्या 351 | 221.03 | महायुक्त सूचना निदेशक (फिल्म), गुजरात सरकार, रामाई रिमर्स लिबा० लि०, 77, डा० एनीबेनेट राड बर्बा बम्बई 18 | सूचना निदेशक, गुजरात सरकार, सविहाल 1 नं० 7 रा० न-नगर-382010 | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। (गुजरात सर्किट में प्रदर्शन के लिए) |
| 19 | वर्तनरंगिनी संख्या 15 | 282.00 | आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम, 'ग्रहकला', एम०जे० रोड, हैदराबाद-1 | आंध्र प्रदेश राज्य फिल्म विकास निगम हैदराबाद-1. | समाचार और सामयिक घटनाओं की फिल्म। (आंध्र प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए) |
| 20 | इन स्टैप विद वि पयुक्तर (रंगीन) | 598.02 | अध्यक्ष कमलदेवी मेटर, डॉटयन इस्टी-ट्यूट आफ साइंस थंग नीर-12 | एम० बी० कृष्ण स्वामी, 69, 4-मन रोड, मल्लेश्वरम, बंगलोर-55 | डाकुमेंट्री फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 21 | विकास की चमक हर आँख में (रंगीन) | 245.69 | श्रीरेड पांडे, प्रोड्यूसर फिल्म, सूचना और जनसंपर्क विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ। | श्रीरेड पांडे उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ | डाकुमेंट्री फिल्म / उत्तर प्रदेश सर्किट में प्रदर्शन के लिए। |
| 22 | स्वस्थ थू आर्म्ज (शस्त्र से शक्ति) (रंगीन) | 302.00 | फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई 400026. | | डाकुमेंट्री फिल्म। सामान्य प्रदर्शन के लिए। |
| 23 | सुपर थर्मल पावर स्टेशन | 388.00 | फिल्म प्रभाग, 24 पैडर रोड, बम्बई-400026. | | डाकुमेंट्री फिल्म सामान्य प्रदर्शन के लिए। |

[फाइल संख्या 315/1/80-एफ (वी)]
कश्मीरी लाय, डेस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 17th September, 1981

S.O. 2684 :-In pursuance of the directions issued under the provision of each of the enactments specified in the First Schedule to the order of the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting No. S.O. 3792 dated 2nd December, 1966 the Central Government after considering recommendations of the Films Advisory Board, Bombay hereby approves the films specified in column 2 of the Schedule annexed hereto in all its/their language versions to be of the description specified against it/each in column 6 of the said schedule.

SCHEDULE

| Sl. No. | Title of the Film | Length of the film in metres | Name of the applicant | Name of the producer | Brief synopsis whether a scientific film or for educational purpose of a film dealing with news current events documentary film. |
|---------|----------------------|------------------------------|--|---|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1. | Bundelkhand (Colour) | 275.84 | Suresh Nigam Dy. Director Govt. of UP C/o. V. Prabhakar, C-62 Flower Queen Veera Desai Rd., Bombay-58. | Suresh Nigam Dy. Director of Information, Govt. of U.P., Lucknow. | Documentary for general release. |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|-----|--|---------|--|---|--|
| 2 | Mahamastakabhishek-f A Unique Event (Col) | 402.031 | Films Division, Govt. of India, 24-Peddar Road, Bombay-400026. | | Documentary for general release. |
| 3. | Andhra Pradesh Rash- travatarana Rajatot- savulu (A. Pradesh Sil- ver Jubilee Celebrations) | 420.00 | A.P. State Film Dev. Corpn. Ltd., "Gruhakalpa", M.J. Road, Hyderabad. | | News and Current Events for release in A. Pradesh. |
| 4. | Mahitichitra No.348 | 292.61 | Asst. Director of Informa- tion (Films), Govt. of Gujarat, Ramnoid Labs Bombay-400018. | Director of Information, Govt. of Gujarat, Gan- dhinagar-382010. | News and Current Events—for release in Gujarat circuit |
| 5. | Rafi Ki Yaaden | 588.56 | N.P. Abu, Priya Films, West Fort, Trivandrum. | | Documentary for general Release. |
| 6. | Mahitichitra No.349 | 292.61 | Asst. Director of Informa- tion (Films), Govt. of Gujarat, Ramnoid Labo- ratories, Bombay-18. | Director of Information Govt. of Gujarat, Sach- vallya, Gandhinagar | News and Current Events in Gujarat circuit. |
| 7. | Handi apped So Whet ? | 291.13 | The Bioscope, D-43, Anna- nagar, Madras-600102. | The Bioscope, D-43, Anna- nagar, Madras-600102. | Documentary for general release |
| 8. | Glimpses of Kerala | 283.77 | Director, Deptt. of Tourism, Govt. of Kerala, Trivandrum. | Kerala State Film Develop- ment Corpn. Deptt. of Tourism, Kerala. | Documentary for general release |
| 9. | And the Earth Smiles (Col) | 260.00 | Director General of Infor- mation & Public Rela- tions, Govt. of Maha- rashtra, 68-Tardeo Rd, Bombay-34. | Government of Maharashtra. | Documentary for general release. |
| 10. | OdissarMukhya Gha-H tanabali No.126 £ | 326.75 | Shri M.K. Rao, Dir. of Information and Public Relations and Joint Secretary to Govt Information and Public Relations Deptt, Bhubaneswar-751001. | | News and Current Events for release in Orissa circuit. |
| 11. | Mahitichitra No.350 | 284.99 | Asst. Director of Inf. (Films) Govt. of Gujarat, Ramnoid Labs, Worli, Bombay-18. | Director of Information Govt. of Gujarat, Gandhi- nagar-10 | News and Current Events for release in Gujarat circuit. |
| 12. | Vaita Tarangini No.14 (Revised) | 262.10 | Andhra Pradesh State Film Development Corpn., Ltd., 'Gruhakalpa', M.J. Road, Hyderabad-1 | | News and Current Events for release in Andhra Pradesh circuit. |
| 13. | Bright Endeavour (Col) | 411.48 | R.K. Pardey, Asstt. Publi- city Officer, Export Pro- motion Council for Fini- shed Leather & Leather Manufacturers, 15/46 Civil Lines Kanpur-208001. | M/s. Candida Films, 19A, Shakespeare Sarani, Cal- cutt -700071. | Documentary for general release. |
| 14. | Maharashtra News No. 364 | 295.00 | Director General of Infor- mation & public Rela- tions, Govt. of Maha- rashtra, Film Centre 68- Tardeo Road, Bombay-34 | Government of Maharashtra Maharashtra | News and current events for release in Maharashtra circuit. |
| 15. | G.N.G.C. (Col) | 366.00 | Films Division, Govt. of India 24 Peddar Road, Bombay-6. | | Documentary for general release. |
| 16. | Maharashtra News No. 365 | 274.00 | Directorate General of Information & Public Relations, Govt. of Maharashtra, Film Center, 68-Tardeo Bombay-34. | | News and Current Events (Release in Mahara- shtra circuit). |
| 17. | 'A. Look Forward. | 243.90 | Mr. Prasum Banerjee, C/o. Mr. Prasum Banerjee C/o. Mr. Vasant R. Barve Mr. Vasant R. Barve Building No. 123, Room Building, Bombay-19 No.4, Matunga Railway Colony, Bombay-19. | | Documentary (General Release). |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
|--|--------|---|---|--|---|
| 18. Mahitichitra No. 351 | 224.03 | Asst Director of Information (FIns), Govt. of Gujarat, Ramnoid Research Lab. Ltd., 77, Dr. Annie Besant Rd., Worli, Bombay-18 | Director of Information Govt. of Gujarat, Sachivalaya, Block No. 7, Gandhinagar-382010. | News and Current Events (Release in Gujarat circuit) | |
| 19. Varta Tarangini No. 15 | 282.00 | Andhra Pradesh State Film Develop. Corp., Gurrkhalpa, M.J. Road, Hyderabad-1. | Andhra Pradesh State Film Develop. Corp. Hyderabad-1. | News and current events. (Release in Andhra Pradesh circuit) | |
| 20. In Step with the Future (Col) | 598.02 | Chairman, Consultancy Centre, Indian Institute of Science, Bangalore-12. | M.V. Krishnaswamy, 69, IV Main Rd, Malleswaram, Bangalore-55. | Documentary General Release. | |
| 21. Vikas Ki Chamak Har Ankh Main (Col) | 245.69 | Dhirendra Pandey, Producer Films, Deptt. of Information & Pub. Relations, Govt. of U.P., Lucknow. | Dhirendra Pandey, Govt. of U.P., Lucknow. | Documentary Release in U.P. circuit. | |
| 22. Strength Through Arms Shastra-Se. Shakti (Col) | 302.00 | Film Division, 24-Peddar Road, Bombay-400026. | | Documentary General Release. | |
| 23. Super Thermal Power Stations. | 288.00 | | -do- | -do- | |

[File No. 315/1/80-F(P)]

KASHMIRI LAL, Desk Officer

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1981

क्र. आ० 2685—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (सूच के शासकीय प्रयोजनों के लिये प्रयोग) (नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में, पत्र सूचना कार्यालय, जंझीगढ़ को, जिसके कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यभाषात्मक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचना जारी है।

[सं० ई० 11011/42/79-हिन्दी]

ज० एल० आर०, अवर सचिव

New Delhi, the 16th September, 1981

S.O 2685.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 10 of the Official Languages (Use for Official Purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the Press Information Bureau, Chandigarh the staff whereof have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E. 11011/42/79-Hindi]

G. I. AHUJA, Under Secy.

अभ्यन्तराल**आदेश**

नई दिल्ली 13 अगस्त, 1981

क्र. आ० 2686—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इसमें उपाखण्ड अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद का न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना वांछनीय समझती है,

अतः, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्राप्ति और धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एन.वी. गंगाराजू होंगे

जिसका मुख्यालय भुवनेश्वर में होगा और उक्त विवाद का उक्त औद्योगिक अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या श्री ए० के० पाधी, के 8 सितम्बर, 1973 का नियमित आधार पर आणुमयिक ग्रेड III नियुक्त होने पर पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के प्रबंधक द्वारा उनकी आणुमयिक ग्रेड III के पद पर ज्येष्ठता सही रूप में निर्धारित की गई। यदि नहीं तो, संबंधित कर्मकार किस अनुसूची के अन्तर्गत है।

[सं० एल० 38012/1/81-डी IV(ए)]

नन्द लाल, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF LABOUR**ORDER**

New Delhi, the 13th August, 1981

S.O. 2686.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employees in relation to the management of Paradip Port Trust and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A and clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri M. V. Gangaraju shall be the Presiding Officer with headquarters at Bhubaneswar and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the seniority of Shri A. K. Padhi, in the cadre of Stenographer Grade III, was correctly fixed by the management of Paradip Port Trust on his appointment on a regular basis as Stenographer Gr. II, on the 8th September, 1973? If not, to what relief is the concerned workman entitled?

[No. E-38012/1/81-D.IV(A)]

New Delhi, the 19th September, 1981

S.O. 2687.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Govt. Industrial Tribunal, Jabalpur in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chandametta Colliery of Western Coalfields Limited, Pench Area Chandametta Group, Distt. Chhindwara (M.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 9th September, 1981.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT JABALPUR (M.P.)
Case No. CGIT/LC(R)(7)/1978

PARTIES :

Employers in relation to the Management of Chandametta Colliery of Western Coalfields Limited, Chandametta and their workmen represented through the Bhartiya Koyla Khardan Mazdoor Sangh, P.O. Chandametta, District Chhindwara (M.P.).

APPEARANCES :

For Union—Shri S. S. Shakarwar, Advocate.
For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY : Coal DISTRICT : Chhindwara (M.P.)

AWARD

In exercise of the powers conferred by Clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal vide Notification No. L-22013(2)/77-D.IV(A) dated 14-2-1978, for adjudication :—

“Whether the action of the management of Western Coalfields Limited, Pench Area, Chandametta Group (in relation to Chandametta Colliery) in dismissing Shri D. N. Tripathi, Sirdar, with effect from 21st January, 1975, is justified? If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. From the statements of claim filed by the parties and their rejoinders the facts giving rise to this reference may be stated as under :—

The workman Shri D. N. Tripathi was working as a Mining Sirdar in the Chandametta Colliery of the Western Coalfields Limited from 25-3-1974. A chargesheet was served on him in which it was, inter alia, alleged that on the day he remained absent from duty he instigated the other workmen to remain absent from work, that he was remaining absent as a matter of habit, that he was found drunk and guilty of riotous behaviour, that he was guilty of wilful insubordination, that he threatened other workers and subjected them to physical violence, that he was participating in an illegal strike and instigating other workers also to join illegal strike and that he was thus guilty for committing breach of the relevant provisions of the Mines Act and Industrial Disputes Act. On such a charge-sheet being served on the workman an enquiry was held. At the conclusion of the enquiry the Enquiry Officer found the workman guilty. The management accordingly accepted the report of the Enquiry Officer and by an order dated 17-1-1975 the workman was dismissed from service. The order of dismissal is the subject of the present reference.

3. In statement of claim the workman has alleged that because of his keen interest in union activities the management was hostile to him, that he was, not guilty of any of the charges for which an enquiry was held, that the enquiry held against him was bad in law and that the punishment awarded to him is not proportionate to the findings of the Enquiry Officer.

4. According to the management, the workman was properly charge-sheeted and there was a valid enquiry on the aforesaid charges. Objections taken with regard to the mode of enquiry were denied by the management. It was also stated that since the workman was holding the statutory post of a Mining Sirdar he was expected to obey and not violate the provisions of law. It is lastly urged that in view of the findings of the Enquiry Officer that the workman was guilty of misconduct the punishment awarded was fully justified.

5. On the aforesaid pleas of both the parties the following issues were framed :—

1. Whether the workman was transferred with ulterior motives on account of union activities?
2. Whether the domestic enquiry was proper and full opportunity was granted to the delinquent workman?
3. Whether the Enquiry Officer showed undue favour to the management by granting adjournment so as to suit the management in the matter of preparing witnesses?
4. Whether second show cause notice was given, if not the effect?
5. Whether the punishment awarded was proper?
6. Whether the Enquiry Officer was biased?
7. Whether the employer has lost confidence in the employee?
8. Whether Shri Tripathi is a workman and the reference is valid?
9. Relief and costs?

6. Out of the aforesaid issues, Issue Nos. 2, 3, 4, 6 and 8 were considered and decided vide order passed by my learned predecessor on December 19, 1980. It was held that the domestic enquiry was legal and proper; that the enquiry was conducted in adherence to the principle of natural justice, that the Enquiry Officer was not biased against the delinquent workman and that the second show cause notice was not necessary before awarding the punishment.

7. After the aforesaid findings on the aforesaid issues were recorded the case was fixed for the evidence on the remaining issues. No oral evidence was thereafter led by the parties and final arguments were heard on the basis of the oral and documentary evidence already on record. As already stated above, findings were reserved on Issues Nos. 1, 5, 7 and 9. I have considered the contentions of both the parties in the light of the material on record. My findings on the aforesaid issues are as under :—

Issue No. 1.—There was no ulterior motive in transferring the workman from the one incline to another incline in the same mine.

Issue No. 5.—The punishment awarded is proper.

Issue No. 7.—As the punishment awarded to the workman has been found to be proper no finding on this issue is necessary.

Issue No. 9.—The workman concerned is not entitled to any relief.

Reasons for the aforesaid findings :

Issue No. 1.—It is evident on the documentary as well as oral evidence that the workman was not transferred from one mine at one place to the other mine at other place. But he was allotted duty from one incline to another incline in the same mine. The management has full powers to allot duties to their workmen and unless the workman is transferred from one station to the other station such a change in the allotment of duties would not amount to transfer. If the change of duty from one place to another place in the same mine does not amount to transfer the question of ulterior motive on the part of the management does not arise. I therefore, hold that there was neither any transfer nor any question of ulterior motive on the part of the management in directing a change in the place of work of the workman Shri D. N. Tripathi. Issue No. 1 is accordingly found against the workman.

Issue No. 5.—It was urged on behalf of the workman that the major punishment of dismissal from service was not called for in this case. The nature of charges for which an enquiry was held against the workman has been reproduced above in paragraph 2. The workman was holding the post of Mining Sirdar which is a post under the Mines Act. As a Mining Sirdar he has a number of miners working under him. In spite of holding such a responsible post he has been found guilty of misconduct, for instigating other workmen to refrain from discharging their duties and such other

charges as have been found proved by the Enquiry Officer then I think the punishment awarded to the workman was the only proper punishment to be ordered in such a case. Accordingly, in my opinion, the punishment awarded to the workman was proper. Issue No. 5 is accordingly decided against the workman.

Issue No. 7.—In view of the finding on issue No. 5 that the punishment awarded to the workman is proper finding on this issue is not necessary.

Issue No. 9.—In view of the finding recorded on 11-12-1980 by my learned predecessor and the findings given above, the workman is not entitled to any relief. So far as the question of costs is concerned I, in the circumstances of this case, direct both the parties to bear their own costs as incurred.

Dated, 29-8-81.

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. L-22013(2)] 77-D IV(A)]

NAND LAL, Desk Officer.

आदेश

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1981

का०आ० 2688—इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद केन्द्रीय सरकार, औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के समक्ष लम्बित पड़े हैं,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि शीघ्र न्याय दिलाने के हित में यह आवश्यक है कि उक्त औद्योगिक विवाद से सबद्ध कार्यवाही को उक्त औद्योगिक अधिकरण में वापस लेकर उक्त औद्योगिक अधिकरण के कार्य को कम किया जाए ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 33 ख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद का केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता से वापस लेती है और उसे केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण सं० 3, धनबाद को निपटाने के लिये इस निर्देश के साथ स्थानांतरित करती है कि बाद का अधिकरण आगे कार्यवाही उस प्रक्रम से करेगा जिस पर वह उसे स्थानांतरित की जाए तथा विधि के अनुसार उसका निपटान करेगा।

अनुसूची

| क्रमांक | मामला संख्या | पक्षकारों के नाम |
|---------|--|--|
| 1 | 2 | 3 |
| 1 | प्रकरण अपील 7/80 धारा 33 ए और एस० के० आचार्य के प्रधान | बनाम इस्टर्न कोल फोल्ड्स लिमिटेड और अन्य |

[स० एस० 11025/4/80-डी-4 (बी)]

एस० एस० मेहता, डैस्क अधिकारी

ORDER

New Delhi, the 3rd September, 1981

S.O. 2688.—Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending disposal before the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta;

And whereas the Central Government is of opinion that it is necessary in the interest of speedy dispensation of justice to reduce the workload of the said Industrial Tribunal by withdrawing the proceedings in relation to the said industrial disputes from the said Industrial Tribunal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby withdraws the proceedings in relation to industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed from the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta and transfers the same for disposal to the Central Government Industrial Tribunal No. 3, Dhanbad with the direction that the latter Tribunal shall take up the proceedings from the stage at which they are transferred to it and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

| S No. | Case Number | Name of the Parties |
|-------|--|--|
| 1 | Misc. Appeal 7/80 Under Section 33A | Shri S.K. Acharya Vs Eastern Coalfields Limited and another. |

[No. S-11025 (480-D. IV(B))]

S. S. MEHTA Desk Officer.

New Delhi, the 24th September, 1981

S.O. 2689.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Surakachhar Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd., Korba and their workmen, which was received by the Central Government on the 15-9-1981.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT, INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR, (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R(15)/1980

PARTIES:

Employers in relation to the management of Surakachhar Colliery of M/s. Western Coalfields Ltd., Korba and their workman, Shri N. K. Mishra represented through the M.P. Colliery Workers' Federation, P.O. Banki-Mongra, District Bilaspur (M.P.).

APPEARANCES:

For Union—S/Shri H. N. Singh and N. K. Mishra.
For Management—Shri P. S. Nair, Advocate.

INDUSTRY: Coal.

DISTRICT: Bilaspur (M.P.).

AWARD

Dated: September 7, 1981

In exercise of the powers conferred by Clause 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 Government of India in the Ministry of Labour, has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Notification No. L-22012 (35)/79-L.IV(B), dated 29-2-1980:—

“Whether the action of the management of Surakachhar Colliery of Messrs. Western Coalfields Limited, Korba in not promoting Shri N. K. Mishra, Overman with effect from 28th October, 1975 and not paying him travelling allowance and a sum for disturbances is justified. If not, to what relief is the concerned workman entitled?”

2. Briefly stated the facts giving rise to this reference are as under:—

Shri N. K. Mishra, an employee of the Surakachhar Colliery in District Bilaspur hereinafter referred to as the workman, was employed as a Mining Sirdar in the said Colliery. While working on that post he applied for the post of Overman in the Kanhan Area Coal Mine of the Western Coalfields Limited and was selected as per letter Ex. M/1 dated 14-9-1975. In the appointment letter certain terms and conditions were incorporated but the workman accepted some and not the rest. However, after certain correspondence the workman

joined the post of Overman in the Kanhan Area Colliery on 28-10-1975. Since he was not agreeable to the terms and conditions incorporated in his appointment order the appointment was cancelled and he was advised to revert back to Surakachhar Colliery from where he was selected on the post of Overman at Kanhan. When the workman returned back to Surakachhar Colliery, he had demanded the post of Overman (which is a post of higher grade as compared to the post of Mining Sirdar) but since, according to the management he was, prior to his selection by the Kanhan Colliery, not working as an Overman and had not been promoted on that post, he was asked to join as a Mining Sirdar only. After return to Surakachhar the workman again applied for the post of Overman at the Gorbi Colliery but there also he did not join. Finally while working as a Mining Sirdar the workman was promoted as an Overman in November 1976. But by that time his Co-Mining Sirdars had been promoted in the month of March 1976. The workman raised a question about his delayed promotion as according to him his juniors were promoted earlier and though he was selected as an Overman in two different collieries the Surakachhar Colliery management did not promote him. The management, however, agreed to promote him by the end of November 1976. He was given notional seniority over his juniors but without any benefit of back wages.

3. Feeling aggrieved with this order of the Surakachhar management he raised the dispute. According to the management in the conciliation proceedings on an agreement was arrived as a consequence of which he was given notional seniority with fixation of his pay on that basis. The workman feeling still aggrieved pursued his dispute which has resulted in the reference to this Tribunal.

4. In the statement of claim made by the workman, it is alleged that after selection by the Kanhan Area Colliery he was not willing to join on the post of an Overman as all the terms and conditions offered to him were not acceptable to him; that dispute his unwillingness to go to the Kanhan Area Colliery the management of Surakachhar Colliery relieved him for joining on that post; that on his return from Kanhan area because of the cancellation of the order of his appointment as an Overman he should have been absorbed as an Overman and not as a Mining Sirdar; that his juniors were promoted and his claim was ignored and that this conduct on the part of the management was indicative of his victimisation.

5. The management of the Surakachhar Colliery of the Western Coalfields Ltd., in their statement of claim contend that the selection of the workman by the Kanhan Area Colliery, which is an independent administrative unit of the Western Coalfields Ltd., did not entitle the workman to an automatic promotion from the post of Mining Sirdar to the post of an Overman; that it was upto the workman either to accept the appointment at Kanhan or not to accept it; that the management was not bound to take back the workman after his appointment at Kanhan area was cancelled; that in spite of there being no obligation to take him back the management allowed him to be absorbed on the post of Mining Sirdar and that promotions were made in the light of the recommendations of the Departmental Promotion Committee (D.P.C.) and since the workman was not cleared for promotion in preference to his juniors his promotion was delayed.

6. In the light of the respective contentions of both the parties the following preliminary issues were framed which was decided against the management as per order passed on 11-12-1980:—

Preliminary Issues

1(a) Whether Shri N. K. Mishra Overman, was a workman during the relevant period of dispute?

(b) If no, whether this Court has jurisdiction to decide this dispute?

Thereafter the following Issues were framed on 14-4-1981:—

Issues on merit

1. Whether Shri Mishra was appointed as Overman vide letter dated 14-9-75 of the management and whether Shri Mishra joined as Overman on 28-10-1975?

2(a) Whether the management cancelled the appointment of Shri Mishra as Overman on 31-10-1977?

(b) if so, whether the order of reversion was justified?

3. Whether after 31-10-75 persons junior to Shri Mishra were promoted as Overman ignoring the claim of Shri Mishra?

4. (a) Whether Shri Mishra had applied through the management for the said post of Overman at Gorbi Project?

(b) Whether after the selection at Gorbi the management refused permission for release of Shri Mishra from Surakachhar Colliery?

5. Whether the action of the management in not promoting Shri Mishra is one of victimisation and unfair labour practice?

6. Whether the management wrongly disallowed the payment of travelling allowance and disturbance allowance to Shri Mishra?

7. Whether the matter was mutually settled earlier. If so, its effect?

8. Relief and costs?

7. In support of his statement the workman examined himself and tendered some documentary evidence also. Management also examined Shri K. P. Verma (M.W.1) and tendered documentary evidence. My findings on the aforesaid issues are as under:—

Issue No. 1:—Shri Mishra was appointed as an Overman by the management of the Kanhan Area Colliery and he joined there on 28-10-1975, but there is no reliable evidence that he joined there as an Overman.

Issue No. 2(a): The management of the Kanhan Colliery cancelled the appointment of Shri Mishra as an Overman on 31-10-1975.

Issue No. 2(b): There was no question of any reversion by the management of the Surakachhar Colliery.

Issue No. 3: Some juniors to Shri N. K. Mishra were promoted as an Overman but it cannot be said that his claim was ignored.

Issue No. 4(a): Shri Mishra had applied for the post of Overman at the Gorbi Project.

Issue No. 4(b): There was no refusal by the Surakachhar Colliery to release him for joining him that Colliery.

Issue No. 5: There is no evidence to find that the management of the Surakachhar Colliery is guilty of victimisation and unfair labour practice.

Issue No. 6: As per finding given below.

Issue No. 7: There is no evidence about the mutual settlement as alleged.

Issue No. 8: As per order passed.

REASONS

8. Issue No. 1:—It is not in dispute that the workman had applied for the post of an Overman in the Kanhan Area Colliery and on being selected appointment order Ex. M/1 was issued in his favour. Though he did not accept all the terms and conditions incorporated in the appointment order, but it is an admitted fact that he was relieved from the Surakachhar Colliery and went to the Kanhan Area Colliery. According to the workman he was released from Surakachhar and joined this post on promotion at Kanhan on 28-10-1975, but in his statement there is no evidence given by him that he actually joined his post on promotion on the aforesaid date. There is, however, documentary evidence Ex. W/6 dated 31-10-1975 which says that since in his letter dated 28th October, 1975 the workman had not accepted the terms and conditions offered vide appointment letter Ex. M/1 dated 14-9-1975 the appointment letter stood cancelled. From this oral and documentary evidence it is clearly established that an order appointing the workman as Overman in the Kanhan Area was issued but excepting the statement of the workman himself there is no evidence that he actually took over on the post of promotion i.e. the Overman at Kanhan Area. On the contrary, there is evidence (vide Ex. W/6) that since the workman had not accepted the terms and conditions offered to him the appointment order was cancelled. Consequently, it is held that the workman vide Kanhan Area Management's letter dated 14-9-1975 (Ex. M/1) he did not join on that post on 28-10-1975 as alleged.

9 Issue No 2(a) —As already had above the appointment order was cancelled vide Ex W/6 on 31/10/75. This act is not disputed by the workman also.

10 Issue No 2(b) —It is clear from Ex M/1, Ex W/6 and from the oral evidence given by the workman himself that from the very beginning the terms and conditions offered by the management of the Kanhan Area were not acceptable to him except the condition of appointment or a post of promotion and the pay scale offered to him. In these circumstances, when the workman had not joined his post on promotion in terms of his appointment order Ex M/1 the appointment order had to be cancelled and there was thus no question of reversion.

11 Issue No 3 —It is a fact admitted by the management's Witness (MW 1) Shri K. P. Verma and has been alleged by the workman also that after the appointment at the Kanhan Area Colliery on the post of Overman which was cancelled he was reverted back to the Surakachhar Colliery and was taken back on the post of Mining Sirdar—a post which he held prior to his selection by the Kanhan Area management on the post of Overman.

According to Shri K. P. Verma (MW 1) there were promotions at the Surakachhar Colliery in which Mining Sirdars junior to the workman were promoted on the recommendations of the DPC. There is no material brought on record either by the workman or the management to show as to what considerations weighed with DPC in selecting juniors to the workman and in not selecting him. Shri K. P. Verma has, however, denied that promotion to the workman was denied because of any displeasure towards him on the part of the management. According to him promotions were made on the basis of the recommendations of the DPC only. In his own statement the workman has not said as to how his claim for promotions was ignored by the management of the Surakachhar Colliery. The workman's selection on the post of Overman was by a separate administrative unit at Kanhan Area. Since because of his refusal to join there and because of the cancellation of the appointment Surakachhar Colliery management took him back as Mining Sirdar. Promotions in this colliery according to MW 1 were made on the basis of the recommendations of the DPC. The fact that he was selected for the post of Overman by another unit of the management would not entitle him to get promotion in his parent unit. However, there is evidence that promotions were made on the basis of the recommendations of the DPC only. If there was any reason for ignoring the case of the workman, the workman should have given evidence about the facts and circumstances indicative of his claim being ignored. In the absence of any evidence he is unable to hold that juniors of the workman Shri Mishra were promoted as Overman after ignoring the claim of Shri Mishra, the workman, in this case.

12 Issue No 4(a) —There is evidence that Shri N. K. Mishra had applied for the post of Overman at Gorbi but that appointment did not materialise.

13 Issue No 4(b) —There is no evidence that the management of the Surakachhar Colliery refused permission to relieve the workman, Shri Mishra, for joining at Gorbi Project.

14 Issue No 5 —The workman has no doubt alleged that his demand for promotion with effect from the date of his reporting at the Kanhan area had not met with success but it has to be remembered if the workman had applied for the post of promotion in another administrative unit it did not mean that his parent office was also bound to promote him. His parent office at Surakachhar Colliery had its own administrative set up and was governed by certain rules and procedure for promotion. If the workman's promotion at Kanhan area did not materialise, prima facie, on the ground of his refusal, then it did not mean that the Surakachhar Colliery management did not promote him because of victimisation and/or unfair labour practice.

15 Issue No 6 —In the dispute referred to this Tribunal for adjudication one of the questions is whether travelling allowance and disturbance allowance was not allowed to the workman. In his statement of claim the workman has admitted that for joining the post of promotion at Kanhan area he was paid travelling allowance but for his return journey from Kanhan travelling allowance and disturbance allowance were not paid. When the management's witness was in the witness box no question was put to him as to how the workman was entitled to travelling allowance for the return

journey from Kanhan and disturbance allowance. However, if the rules so require the workman shall be paid his return travelling allowance and disturbance allowance. As no rules were cited before this Tribunal justifying the aforesaid demand for the return journey T.A. and disturbance allowance the only order can be passed is that they should be paid to the workman if the rules so permit.

16 Issue No 7 —There is no evidence that there was any mutual settlement between the parties. There is, however, evidence that subsequent to the promotion of the workman's juniors the case of the workman was also considered and he was promoted on the post of Overman in November 1976 and given notional seniority from March 1976 when his juniors were promoted. The workman, however, claims that his pay on the post of promotion should be fixed and he should be paid wages of the promoted post from March 1976 and the fixation of his pay on the promoted post on notional basis of seniority from March 1976 would not satisfy his claim. This condition cannot be accepted.

In the statement of claim by the management it is alleged that it was in accordance with the mutual settlement that the workman was given notional seniority on the post of Overman. There is, however, no oral or documentary evidence about the settlement. It may be that such a settlement was arrived at between the parties but since the workman has been promoted and the question of his seniority and fixation of pay on the post of promotion has been rightly done the question of settlement does not remain of any importance.

17 Issue No 8 —According to the workman claim for travelling allowance for his journey from Surakachhar to Kanhan has already been satisfied. For the return journey the claim for travelling allowance can be made only against Kanhan area management and not against Surakachhar Colliery management. M/s WC Ltd the parent unit shall satisfy this claim if permissible under the rules. The claim for disturbance allowance shall similarly be satisfied if permitted by the rules by the Surakachhar Colliery.

18 In the circumstances of this case and for the reasons given above it is held —

1. The Surakachhar Colliery of M/s Western Coalfields Limited, Korba, was justified in not promoting Shri N. K. Mishra on the post of Overman from 28-10-1975,

2. That the workman Shri N. K. Mishra, has been paid his travelling allowance for the journey from Surakachhar Colliery to Kanhan Area Colliery but his claim for the return journey is not maintainable against Surakachhar Colliery. This claim shall, however, be satisfied by M/s Western Coalfields Ltd if permissible under the rules.

3. Surakachhar Colliery shall pay disturbance allowance to the workman, Shri N. K. Mishra if permissible under the rules as a consequence of his leaving Surakachhar Colliery for joining at the Kanhan Area Colliery.

Both the parties shall bear their own costs as incurred in these proceedings.

Dated 7/9/1981

Sd/-

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. L-22012(35)/79-D IV(B)]

S. S. MEHTA, Desk Officer

New Delhi, the 11th September, 1981

S.O. 2690.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Purbanchal Bank Limited, and then workman, which was received by the Central Government on the 5/9/81.

**BEFORE MR. JUSTICE R. BHATTACHARYA, M.A.,
B.L., PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA**

Reference No 75 of 1978

PARTIES

Employers in relation to the management of the Purbanchal Bank Limited, Gauhati

AND

Thier Workmen

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. P. C. Deka, Advocate
(Later on retired).

On behalf of Workmen—Mr. D. N. Choudhury, Advocate, with Mr. H. N. Sarma, Advocate.

STATE : Assam.

INDUSTRY : Banking.

AWARD

This is a reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 sent by the Central Government to this Tribunal for adjudication of an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of Purbanchal Bank Ltd., Gauhati and their workmen by an Order No. L-12012/46/78-D.I.L.A. dated 23rd/28th August, 1978. The dispute in question has been mentioned in the schedule to the order of reference in the following terms :

"Whether the action of the management of the Purbanchal Bank Limited, Gauhati in dismissing Shri Kamalakshya Das, Grade II Officer Nowgong Branch of the Bank with effect from 20-8-77 is legal and justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

A copy of this reference has been sent to the General Manager, Purbanchal Bank Limited, Ulubari, Gauhati, hereinafter referred to as the "Bank" and to the concerned workman Kamalakshya Das. Clearly there is no dispute that this reference has been made read with Section 2A of the Industrial Disputes Act, 1947. The workman concerned appeared in this case and has been contesting against the Bank.

2. In this case both the Bank and the workman have filed their respective written statement. The workman in this case, as stated earlier in the order dated 7-4-81 disposing of a preliminary issue regarding the validity of the domestic enquiry held against the workman, was dismissed on the ground of alleged misconduct after service of a charge-sheet and on the basis of the finding arrived at by the Enquiry Officer on the materials collected at the domestic enquiry. It appears from the records that at the instance of the Bank two preliminary issues were raised. The first issue was whether Kamalakshya Das involved in this case was a 'workman' under the Industrial Disputes Act and the second preliminary point was whether the domestic enquiry was legal and proper and whether the findings of the Enquiry Officer were based on evidence or perverse. The first preliminary point was decided by an order dated 19th September, 1979 and the second preliminary point as already stated was passed on 7th April, 1981. The case is long pending. It was started in September, 1978. Ultimately 19th and 20th of this month was fixed for peremptory hearing. Due to the action of the Bank the case could not be heard on 19th and 20th but ultimately, as agreed to by both the parties, 21st August, 1981 was fixed for hearing. When the case was taken up for hearing on 21st August the learned Advocate on behalf of the Bank appeared and submitted that he had instructions not to appear and retired. The circumstances and how this case proceeded will appear in the order passed on 19-8-1981 and 20-8-1981. However, when the Bank did not appear to contest on 21st August, 1981, the case was taken up for ex-parte hearing. The concerned workman Kamalakshya Das examined himself. Two witnesses who were cited by the Bank to give evidence in this case being present in the Tribunal on that day were examined by the Tribunal as its witnesses for ends of justice and for coming to a proper and just decision. Mr. Choudhury, learned Advocate assisted by Mr. H. N. Sarma learned Advocate appeared on behalf of the workman. The two preliminary points raised earlier by the Bank were decided against the Bank. It was first held that Kamalakshya Das was a workman under the provisions of the Industrial Disputes Act and that the domestic enquiry held by the Bank was improper and illegal and that Kamalakshya Das did not get any proper opportunity for his self-defence. It was further held that the findings of the Enquiry Officer in respect of Kamalakshya Das were biased and perverse. After this finding further hearing was necessary for the decision of the Tribunal whether on merits the charges levelled against Kamalakshya Das should be held to be proved and whether the order of dismissal was justified. For this purpose the peremptory hearing was fixed and the matter, as I have already indicated, has been heard ex-parte.

3. The charge-sheet served upon Kamalakshya Das is quoted below :

No. PURB/STAFF 5/77

Dated 5-5-1977

Shri Kamalakshya Das, J.O. II,
Purbanchal Bank Ltd.,
Ulubari, Gauhati-7.

Dear Sir,

Sub : Charge-Sheet

That after a preliminary enquiry it has been revealed (1) That you along with (1) Shri Hirenjra Kumar Boara, (2) Shri Naren Krishna Saima and (3) Sri Anil Barua on the 8-12-76 or from before entered into a criminal conspiracy to defraud the bank while you were on duty as employees of the bank in its Gauhati Branch and in fact criminally misappropriated a sum of Rs. 3,000 by making a false credit entry of Rs. 3000 in the C.D. Account of one of our constituents, Shri Meher Ali, bearing account No. 96 and withdrawing the same on a loose cheque when no cheque book was issued against the account, and

(2) that you later on in furtherance of the above said conspiracy with the said officers caused disappearance of the loose cheque in question and the relevant ledger page to avoid detection, and

(3) that your said act or acts amounted to gross misconduct for which the bank has suffered loss to the extent of Rs. 3,000.

4. That Charge-sheet has been marked Ext. M2 in this case. Let us see the evidence of Kamalakshya himself in this regard. The evidence of Kamalakshya is that on 8-12-76 he worked in the Bank as an Assistant. He received the charge-sheet. He stated that the allegations made in the charge-sheet against him were not at all correct. He has denied that he entered into a criminal conspiracy to defraud the Bank to the extent of Rs. 3,000 as alleged in the charge-sheet. His further evidence is that it is not correct that in furtherance of the conspiracy or otherwise he caused disappearance of the loose cheque or any ledger page as mentioned in the chargesheet. He has categorically stated that he committed no misconduct and that the Bank did not suffer any loss for his conduct and action in any manner. On 8-12-76 he passed several cheques but he did not pass the cheque of Meher Ali relating to account no. 96 in respect of which the misconduct has been alleged to have been committed. From him we get that there is a cheque passing register. We get the procedure as to how the cheque is dealt with when presented for payment. From him we get that at first the customer presents the cheque at the counter. The ledger keeper of the current account receives the cheque. On getting the cheque he issues a token and puts the token number on the cheque itself. Thereafter he gives two stamps on the cheque, one stating that the signature is verified and the other stating "pay cash". Then the ledger keeper passes the cheque with those stamps to the person who verifies the signature of the account holder. If he is satisfied regarding verification he will give his signature. Thereafter the cheque will come to the ledger keeper and he will verify whether the amount of the cheque is there in the account or not for payment. He also verifies whether the cheque presented was supplied to the account holder by the Bank. If the amount is payable then he will debit the cheque amount from the balance of the account. The ledger keeper will then give his initial on the cheque and record the number of the ledger folio on the cheque. He will also initial on the ledger sheet and thereafter the Officer will verify whether the account and amount have been properly passed. He will give his signature on the stamp "Pay Cash". Then the cheque will be sent to the person who writes the scroll. The scroll man will simply enter the amount of the cheque and the name of the account holder in the scroll book and he will give the number of the scroll book on the cheque. Then that will be sent to the cashier. The cashier will take the signature of the person who presented the cheque. He then enters the cheque amount and the name of the account holder in the cashier's scroll. From the evidence of the concerned workman we also get that the scroll man has nothing to do with the verification of the cheque amount or the signature with reference to the account and the specimen signature of the account holder. The scroll man is simply to make entry in the scroll book with reference to the cheque sent to him and has got no option to refuse entry because the cheque has already been passed for payment by a different officer. According to the Bank the cheque was fraudulently encashed and the amount was misappropriated on 8-12-76. The evidence of the concerned workman is that on that day

when the cheque in question was passed over to him he made an entry thereof in the scroll book. He did nothing more regarding the cheque with which we are concerned. There was no occasion for him to doubt about the cheque. His evidence further is that on 8-12-76 Hirendra Kumar Bora passed the cheque in question for payment. The relevant cheque passing register though originally filed by the Bank has subsequently been taken back. It is not before this Tribunal. On 8-12-76, according to the witness, Anil Kumar Barua was in-charge of the cheque passing register and the ledger. During the domestic enquiry cheque passing register was produced and against the relevant cheque i.e. the cheque in dispute no signature appeared. On 3-12-76 he passed some cheques and in the cheque passing register he gave his signature against those cheques he passed and those signatures were present in the cheque passing register when it was produced at the domestic enquiry. Hirendra Nath Bora, B. Chakravorty and the Agent himself passed the cheques on that day and they signed the cheque passing register. According to his evidence there was no signature against the disputed cheque. The evidence further is that all documents of payments and receipts for the day will appear in the daily voucher bundle. The voucher bundle relating to 8th December, 1976 is not before this Tribunal now. Kamalakshya further says that on 8-12-76, Hirendra K. Bora, Karuna K. Bora, Bijoy Chakravorty and the witness himself verified the signature of different cheques but he did not verify the signature of Meher Ali bearing accounts No. 96. The cheque of Meher Ali in the disputed cheque. We get also that loose cheques are those unused cheques which are returned to the Bank by the customers. Generally those cheques are in the custody of the Agent and if any account holder wants to use any loose cheque for withdrawal of money from his account due to loss of cheque book or for not bringing the cheque book with him, he should get the loose cheque by making an application in writing to the Agent and if the agent permits, a loose cheque may be supplied to the account holder for use and that cheque must be signed by the Agent. When such loose cheque is used the ledger keeper will make a note of such cheque when it comes to him in the ledger book. The evidence says that the ledger book is not a bound one but loose ledger sheets and they are tightened together in the ledger under a key. That key is in the custody of the Agent. Of course sometimes the key is handed over to the Officer-in-charge of the Current Account. Without the key it is not possible to take out any leaf of the ledger book or to insert a new ledger folio therein. This is the evidence of the concerned workman Kamalakshya Das. As I have already stated two witnesses of the Bank who were directed to be present at the Tribunal for hearing were present at the time of ex-parte hearing. For just and proper decision I put some questions to them and they were examined as Tribunal's witnesses.

5. TW-1 is M.N. Bora. He was the Agent of the Bank from 10th January, 1976 to 26th October, 1977. Kamalakshya was an Assistant in his Bank. In January 1977 for the first time he came to know that on 8-12-76 a cheque of Meher Ali was cashed. Unused cheques returned by the customers are known as loose cheques and they are kept in the drawers and placed in-charge of some officers. At that time there were five officer-in-charge of those cheques. He has also stated that for the use of unused loose cheque the account holder will have to apply in writing to the agent and on that application the cheque number supplied is written if the prayer is allowed. Loose cheques issued for use were signed by him. When he came to know about the disputed cheque he made enquiry about it but he could not find the said cheque. From this witness who was at the relevant time the agent, we also get that the scroll writer is to make entry in the scroll book in respect of cheques sent to him after it is passed. The ledger keeper is to make entry in the cheque passing register when the cheque is presented for payment. As soon as a cheque is passed by an officer he signs in a column in the cheque passing register. On 8-12-76 H. N. Bora was in-charge of verification of signature. He was also to verify the ledger and the specimen signature of the account holder. If anybody wants payment in a cheque that cheque is presented to the ledger keeper and on 8-12-76 Anil Barua was in-charge relating to account No. 96 in current account department. On 8-12-76 N. K. Sharma was the cashier who made payment to all the cheques. This gentleman is still in service. Anil Bora and H. N. Bora have been dismissed from service in connection with this incident. Nobody of the Bank says who in fact took the money after encashment. This witness has got no personal knowledge as to how the cheque in question was dealt with for pay-

ment on 8-12-76. During cross-examination by Mr. Choudhury the witness has stated that when a cheque is passed and comes to the scroll man that scroll man has no authority to stop payment. He is simply to make entry in the scroll. Account No. 96 was opened in 1972 and it was an inoperative account. The other I/W Jaladhar Das is I/W-2 in 1976 and 1977 he was the Development Officer of the Bank. He has stated that he has got no personal knowledge about the incident which happened on 8-12-76 but later on he was deputed to hold a preliminary enquiry and he submitted a report. In cross-examination this witness has stated that without the consent of the agent the ledger page cannot be changed. The day's voucher bundles are kept in the custody of the agent. After the day's work all vouchers, cheques and pay orders are bundled up, duly signed and countersigned and at the end of the day's work that bundle is kept in the custody of the agent. This is all the evidence which I get from the witnesses examined.

6. Let me now consider the evidence and circumstances to see how far the allegations in the charge-sheet against Kamalakshya Das have been proved and whether he could be held guilty of any of the charges. The evidence shows that one Meher Ali has a current account with the Bank. The account is inoperative for several years and the balance lying in the account is less than Rs. 100, that is much below Rs. 3000. The evidence shows that on 8-12-76 a cheque purported to have been issued by Meher Ali for an amount of Rs. 3000 was presented at the Bank and that the said cheque was passed and ultimately it was cashed, although there was not sufficient money in the account of Meher Ali. The evidence further is that the cheque which was presented was a loose cheque and not such cheque which was supplied to Meher Ali the account holder. Further evidence is that when the fraud was detected an attempt was made to get the cheque in question but it was found missing from the day's voucher bundle. I have already mentioned the procedure as to how when a cheque is presented at the Bank, it is ultimately cashed. At first the cheque is presented to the ledger keeper. There is no evidence who was the person presenting the cheque to the ledger keeper. Then it was passed on to the Officer who was to verify the signature of the account holder appearing on the cheque with his specimen signature kept in the Bank and also if the amount stated in the cheque lying in the account in question. There is no evidence that Kamalakshya Das verified the cheque. Then the cheque must have gone to the Officer who passed it for payment. The evidence further shows that different persons passed the cheque and not Kamalakshya. After the cheque was passed for payment it was sent for entry in the scroll book and on the day of occurrence, namely 8-12-76, the said cheque came to Kamalakshya Das and Kamalakshya Das made the entry in the scroll book. The evidence further shows that his simple duty was to make the entry with reference to the cheque and nothing else. After the said entry in the scroll book was made, the evidence shows that the cheque must have gone to the ledger keeper and from ledger keeper it was sent to the cashier for payment who before payment enters the particulars of the cheque in the cashier scroll. The cashier who made the payment is still in service but has not been examined to say who received the payment from him. It should be remembered that the Officer who passed the cheque was to give his signature in the cheque passing register. Kamalakshya Das has stated that the said cheque passing register with some relevant documents was produced at the domestic enquiry but except in the scroll book where there was the entry in the handwriting of Kamalakshya in no other document was there any writing or signature of the charge-sheeted person, namely Kamalakshya Das. The evidence is that in the cheque passing register there was the mention of the disputed cheque but there is no signature against that entry although the Passing Officer was to give his own signature. Kamalakshya has stated in this evidence quite clearly that on that day he passed some other cheques along with another Officer and he has also asserted that the disputed cheque had not been passed by him. In order to find Kamalakshya Das guilty of the charges framed against him, we are to see what part or parts Kamalakshya played in the process starting from the presentation of the cheque to the encashment of the cheque as already mentioned.

7. The only evidence that I get is that when the cheque came to him, he with reference to the cheque already passed made the entry in the scroll book. The concerned workman did nothing else in the process leading to the encashment. For the purpose of making entry in the scroll book or in

connection with that Kamalakshya had no reason or occasion to have any knowledge about the genuineness or otherwise of the disputed cheque. According to the evidence his duty was to make entry in the scroll book when any cheque is passed. In the present case, therefore Kamalakshya in a mechanical way made the entry in the scroll book with reference to the cheque received after it had been passed. There is no circumstance—not a bit of evidence which might implicate Kamalakshya with the allegations made in the chargesheet. The records of the domestic proceedings have been marked exhibit. It has already been held in the order passed in connection with the preliminary issue regarding the validity of the domestic enquiry that the finding of the Enquiry Officer was without basis and perverse. During that enquiry also no actual material or evidence was adduced against Kamalakshya save and except the evidence that he made the entry in the scroll book which Kamalakshya himself admitted. But this fact does not in any way incriminate Kamalakshya. Before me also Kamalakshya has admitted that he made the entry in the scroll book but he did nothing else in connection with the cheque. The two witnesses who are very important and material according to the Bank and who were requested to be present at the hearing of the Tribunal were Jaladhar Das and M. N. Bora. To see how far they are helpful for proper decision, I examined them. I find that one of them was the agent at the relevant time and I get that he had no personal knowledge about the incident. The other witness had no connection with the passing of the cheque and he had also no personal knowledge about the incident. In this case although the Bank had sufficient opportunity to contest and adduce evidence yet it did not avail itself of the opportunity. On the other hand, as I have already found, in my orders already passed that the Bank wanted to drag on the proceedings and wanted adjournment by making misrepresentation of facts and this was certainly in order to harass Kamalakshya Das. The absence of the Bank on the dates fixed for hearing may be due to the fact that it had the knowledge that the witnesses already cited and asked to appear on behalf of the bank would not give evidence in favour of the bank and that there is no witness to implicate Kamalakshya Das in the alleged misconduct as mentioned in the chargesheet. Clearly, therefore, I have reason to hold that the bank has not come forward to contest for want of evidence. However, whatever that may be, I hold that there is no evidence or circumstances to prove the allegations against Kamalakshya Das and that the charges levelled against him have not at all been proved. I have no manner of doubt that Kamalakshya Das is quite innocent of all the allegations and charges made against him.

8. Therefore, the order of dismissal passed against Kamalakshya Das is highly illegal, unreasonable and unjustified. The said order of dismissal passed by the bank against him is hereby set aside and consequently Kamalakshya Das is deemed to be still in service and consequently he is entitled to get all arrears of wages and other service benefits due to him. Within a month from the publication of this award, Kamalakshya Das shall report for duty at the Bank and the Bank shall allow him to work.

9. This is my award and the orders dated 19th September, 1979 and 7th April, 1981 regarding preliminary issues marked Annexures A and B respectively shall form part hereof.

Dated, the 24th August, 1981.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer
[No. L-12012/46/78-D I(A)]

ANNEXURE 'A'

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
CALCUTTA

Reference No. 75 of 1978

PARTIES:

Employers in relation to the management of the Purbanchal Bank Ltd., Gauhati.

AND

Their Workmen

PRESENT:

Shri Justice S. K. Mukherjee, Presiding Officer

APPEARANCES.

On behalf of Employers—Sri P. C. Deka, Advocate.

On behalf of Workmen—Sri D. N. Chaudhury, Advocate,
with Sri M. N. Sarma, Advocate.

ORDER

Dated, 19th September, 1979

By Order No. L-12012/46/78-D I(A), dated 23/28th August, 1978 the Government of India, Ministry of Labour referred an industrial dispute existing between the employers in relation to the management of the Purbanchal Bank Ltd., Gauhati and their workmen for adjudication to this Tribunal. The Schedule to the order of reference reads as follows:

"Whether the action of the management of the Purbanchal Bank Limited, Gauhati in dismissing Shri Kamalakshya Das, Grade II Officer, Nowgong Branch of the Bank with effect from 20-8-77 is legal and justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. A preliminary issue has been raised in this reference as to whether Sri Kamalakshya Das, the concerned workman is a workman within the meaning of Section 2(s) of the Industrial Disputes Act, 1947. It is contended on behalf of the management that he is not a workman. There is, therefore, no industrial dispute to adjudicate upon and the reference is incompetent.

3. It appears from Ext. M-1 that by an order of the General Manager dated 28th March, 1977 the concerned workman who was an assistant in the employment of the bank was promoted to the post of Junior Officer II with effect from 1-3-77 in the scale of Rs. 265-10-315-450-EB-20-510-30-600. It was stated in the order that on promotion he should be transferred to the Nowgong branch of the bank with immediate effect. The total wages inclusive of allowances after promotion was fixed at Rs. 516. There is no dispute that he was drawing a sum of Rs. 516 per month as total wages at the material time.

4. Section 2(s) of the Industrial Disputes Act defines 'workman' to mean any person (including an apprentice) employed in any industry to do any skilled or unskilled, manual, supervisory, technical or clerical work for hire or reward, whether the terms of employment be expressed or implied, and for the purpose of any proceeding under that Act in relation to an industrial dispute, includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of, that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person—

(i) ***

(ii) ***

(iii) who is employed mainly in a managerial or administrative capacity, or

(iv) who, being employed in a supervisory capacity, draws wages exceeding five hundred rupees per mensem or exercises, either by the nature of the duties attached to the office or by reason of the powers vested in him, functions mainly of a managerial nature."

It is not in dispute that prior to his promotion under the order dated 28th March, 1977 the concerned workman Sri Kamalakshya Das was discharging duties of a clerical nature. It was contended at the hearing that on promotion he was employed in a supervisory capacity. This was denied by the concerned workman. Sri Bimalendu Kumar Dhar, Chief Accountant of Purbanchal Bank Ltd. deposed on behalf of the management. He joined the services of the bank on 3rd July, 1978 long after the concerned workman had been dismissed. His evidence was that Sri Das on promotion to the post of Junior Officer, Gr. II was placed in the supervisory cadre. He was supposed to attend to complaints from different branches of the Bank, scrutinise advance statements and returns submitted by the branches and revive stagnant accounts. He could not say whether there was any person whose work he had to supervise. He said that he deposed with regard to the nature of duties of the concerned workman, on the basis of registers and documents available from the Branch Control Department to which the concerned workman was attached. He did not produce any register or document in

support of his statement. In answer to a question put to him by the Tribunal he admitted that he had no personal knowledge of the nature of duties of the concerned workman at the time of his dismissal. His reason for saying that the concerned workman was in the supervisory cadre was that when an assistant is promoted to the post of Junior Officer, Grade II he is allotted certain supervisory duties. In cross-examination he admitted that from the order of promotion it does not appear that the concerned workman was posted in the Branch Control Department nor was there any document on which he could rely for making that statement. He said that the Bank does not maintain any register of allocation of duties. A Junior Officer, he said, is to maintain the Day Book and the Scroll. He has to write ledger, supplementary registers and pass cheques. Cheques are usually passed by officers but sometimes the assistants in whom the Agent has confidence are also entrusted with the work of passing cheques. Even when the concerned workman was employed as an Assistant he was passing cheques. He admitted that he had no knowledge whether the duties of the concerned workman remained the same after promotion or they were changed. In conclusion, he deposed that he had no knowledge as to whether the concerned workman ever discharged any supervisory duty.

5. Sri Kamalakshya Das deposed that he was an Assistant prior to his promotion to the post of Junior Officer, Grade II. As an assistant his duties were, ledger writing, maintenance of Day Book, Scroll writing, preparation of supplementaries. He was also passing cheques. His clear evidence was that the nature of his duties after promotion remained the same as before. He denied that he was ever required to attend to any complaint from any constituent or from anyone else as Junior Officer, Grade II. He said he was never required to scrutinise advance statements and returns or take steps to revive stagnant accounts. He was not required to supervise the work of subordinates or of anyone else. He had no supervisory duty at all. Although by the letter of promotion he was to be transferred to Nowgong, in fact, he was not transferred and the part of the order relating to his transfer was cancelled. He remained at the Head Office and discharged the same duties as before. In cross-examination he said that he was working at the time of promotion at Gauhati branch where he continued to work after promotion. He was at the Head Office only for 10 or 12 days after which he was suspended. In the Head Office there is no such work as passing of cheques, writing of scroll and writing of ledgers. During his time at the Head Office he was practically sitting idle. No duty was allotted to him by the Bank. After he had attended the Head Office for 10 or 12 days he was suspended. He specifically denied that during the time he spent in the Head Office he performed any duties with regard to receipt of complaints or control of branches of the bank. He was not in the Branch Control Department at all. As regards passing of cheques, signatures on the cheques were tallied by other officers and not by him. He merely entered the cheques in the scroll book and put his initials. For passing a cheque his duties were that when a cheque was presented at the counter the same was examined by the Ledger Assistant who tallied the signature, check the balance and placed it before him, and then he only put his signature for payment. In the absence of officers, sometimes he tallied the signatures. He denied that Junior Officers supervise the work of assistants and that he was required to perform the duties of attending to complaints and taking action thereon.

6. Prima facie an Industrial Tribunal ought to proceed on the basis that a reference made under Section 10 of the Industrial Disputes Act by the appropriate Government is in order. It is for those who allege that the reference is incompetent to satisfy the Tribunal that it is so. The onus is therefore on the management to establish that the concerned workman is not a 'workman' in the contemplation of the Industrial Disputes Act and the reference is therefore incompetent. Apart from the question of onus, it will be necessary to examine whether on the evidence placed before the Tribunal it is legitimate to hold that the duties of the concerned workman were of a supervisory nature. In the written statement filed on behalf of the management it is not pleaded that the concerned workman was employed in a supervisory capacity drawing wages exceeding Rs. 500 per mensem. What is pleaded in paragraph 4 is that he used to perform managerial functions during the relevant period and the reference made on the wrong assumption that Sri Das was a workman is

entirely wrong and the Tribunal should therefore refuse to adjudicate upon a reference which is not an industrial dispute within the meaning of law. The pleading is therefore at variance with the case sought to be made out at the hearing. If a strict view of the pleadings is to be taken, the management ought not to be allowed to travel beyond their pleadings and allege that the concerned workman was employed in a supervisory capacity drawing wages exceeding Rs. 500 per mensem and is, therefore, not a workman. I do not propose to take too technical a view of the pleadings and do not object to the management to adduce evidence on the nature of duties of the concerned workman at the relevant point of time. It is strange that nobody who had any personal knowledge of the nature of duties of the concerned workman came forward to give evidence. Any superior officer or even any colleague or a contemporary employee could have given evidence on the relevant question but no such person deposed at the hearing. The Chief Accountant, Shri B. K. Dhar, who gave evidence joined the service of the bank long after the relevant date at a time when the concerned workman was not in employment of the Bank. There is not a scrap of documentary evidence from which it could be established that the concerned workman was employed in a supervisory capacity. The Chief Accountant frankly admitted that he had no personal knowledge of the nature of duties of the concerned workman at the time of dismissal nor could he rely on any document from which those duties could be shown. The little evidence that he gave was based on surmises. He thought that the concerned workman was working in the Branch Control Department of the Head Office. This was categorically denied by the concerned workman. He concluded by saying that he had no personal knowledge as to whether Sri Kamalakshya Das ever discharged any supervisory duty. The order of promotion also does not disclose that the concerned workman was employed in supervisory capacity. The only other person who deposed at the hearing was Sri Kamalakshya Das the concerned workman himself. He categorically stated that he had no supervisory duty. He was not transferred to Nowgong but continued to work in the Gauhati Office discharging the same duties after promotion as he had done before. During the very short time he was at the Head Office no work was allotted to him. Even the role he played in passing cheques was not of a supervisory character. The tallying of signatures and checking of the balance were done by others. He merely put his signature for payment.

7. Having regard to the evidence which has been made available to the Tribunal, I am constrained to hold that there is no material on which the Tribunal can hold that the concerned workman was employed in a supervisory capacity. The fact that he was a Junior Officer, Grade II by itself does not establish that his duties were of supervisory nature.

8. Learned advocate appearing on behalf of the concerned workman relied on the decision of the Supreme Court in *Ananda Bazar Patrika (Private) Ltd., and its workmen, 1969 II L.L.J. p. 670*, where it has been held that:

"The principle which should be followed in deciding the question whether a person is employed in a supervisory capacity or on clerical work is that if a person is mainly doing supervisory work but incidentally or for a fraction of the time also does some clerical work, it would have to be held that he is employed in supervisory capacity, and conversely if the main work done is of clerical nature, the mere fact that some supervisory duties are also carried out incidentally or as a small fraction of the work done by him will not convert his employment as a clerk into one in supervisory capacity."

In the facts and circumstances of the case with which I am concerned, there is nothing to indicate that the concerned workman was employed in supervisory capacity or that his duties were of a supervisory nature. I hold on the basis of the evidence I have, that Sri Kamalakshya Das, the concerned workman, is a "workman" in the contemplation of Sub-section (s) of Section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947.

9. Apart from the issue which I have answered, learned advocate on behalf of the Bank raised another issue on the basis of the pleadings, namely, that the present reference is incompetent as it was made by the Central Government in exercise of the powers conferred by clause (d) of Sub-section

(1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 and not under the said provision read with Section 2A of the Industrial Disputes Act, the contention being that as the dispute is concerned with the dismissal of an individual workman it can be referred to the Tribunal for adjudication only having regard to the provisions contained in Section 2A of the Industrial Disputes Act. In my opinion there is no substance in this contention. Power to refer an industrial dispute to the Industrial Tribunal is conferred by Section 10 and not by Section 2A. Section 2A merely provides that a dispute relating to discharge, dismissal, retrenchment or termination of the services of an individual workman shall be deemed to be an industrial dispute notwithstanding that no other workman nor any union of workmen is a party to the dispute. So long as the provisions of Section 2A are satisfied, the mere fact that the order of Reference does not allude to Section 2A can hardly be a ground for rejecting a reference as incompetent. The contention of the learned advocate therefore fails.

10. A date will be fixed for further hearing of the reference in due course.

Dated : 19-9-79.

Sd/-

S. K. MUKHERJEE, Presiding Officer

ANNEXURE 'B'

BEFORE MR. JUSTICE R. BHATTACHARYA, M.A.,
B.L., PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL : CALCUTTA
Reference No. 75 of 1978

PARTIES :

Employers in relation to the management of the
Purbanchal Bank Ltd., Gauhati.

AND

Their workmen

APPEARANCES :

On behalf of Employers—Mr. P. C. Deka, Advocate

On behalf of Workmen.—Mr. D. N. Choudhury, Advocate with Mr. H. N. Sarma, Advocate.

ORDER

Dated, 7th April, 1981

In this reference under Section 10 of the Industrial Disputes Act, the dispute relates to the dismissal of the concerned workman, Kamalakshya Das, Grade II Officer, Nowgong branch of the Purbanchal Bank Limited, Gauhati. The Purbanchal Bank Limited, Gauhati, hereinafter referred to as the "Bank", and the concerned workman appeared and filed their respective written statement. A preliminary point was raised from the side of the Bank as to whether the present dispute was an industrial dispute and whether Kamalakshya Das was a workman according to the definition of the Industrial Disputes Act. This Tribunal held by its Order dated 19th September, 1979 that Kamalakshya Das was a workman and that the dispute in question is an industrial dispute.

2. In this case the Bank's allegation, in short, is that the concerned workman along with some other employees entered into a criminal conspiracy to defraud the bank and misappropriated a sum of Rs. 3,000 by making a false credit entry in the account of a constituent of the Bank named Meher Ali and withdrew the said amount fraudulently. A preliminary enquiry was held and on the report of the said enquiry the management of the Bank issued a chargesheet against all the delinquents and held a domestic enquiry after giving all opportunities to the delinquents for self-defence. The Enquiry Officer on consideration of the evidence collected at the enquiry found the concerned workman and some others guilty of the charge. The management on consideration of the said report found the concerned workman and others guilty and gave another chance to the delinquents to show cause as to the proposed punishment. After second show cause notice and on consideration of the case of the delinquent the management dismissed the delinquents as mentioned including Kamalakshya Das.

3. Kamalakshya Das in his written statement challenged the propriety and legality of the domestic enquiry and it has been alleged that the enquiry was illegal, that he did not get any opportunity for self-defence and the report was biased. Of course, the concerned workman disputed the allegation that he was a party to the criminal conspiracy or in the matter of withdrawal of the amount stated. At the request of the management of the Bank the issue as to whether the domestic enquiry was legal and proper was heard and the management led evidence in that respect. The workman did not however examine any witness.

4. The question before me, at present, is whether or not the domestic enquiry held by the Bank was legal and proper, whether the delinquent was given proper opportunity for his self-defence and whether the report of the Enquiry Officer finding the concerned workman guilty is based upon proper evidence and to be accepted.

5. Several documents have been exhibited on the side of the management and a letter written by the concerned workman to the management dated 26-7-77 has been exhibited on his side.

6. Mr. P. C. Deka, the learned Advocate appeared on behalf of the Bank and Mr. D. N. Choudhury, learned Advocate with Mr. H. N. Sarma, learned Advocate appeared on behalf of the concerned workman Kamalakshya Das.

7. The first contention on behalf of the workman at this stage is that the workman was not given proper opportunity for his self-defence in the present case. In this connection it has been argued by Mr. Choudhury that at the domestic enquiry all on a sudden on the date of hearing without notice to the delinquent, the Enquiry Officer took certain documents for his consideration. No copy of those documents were served on Kamalakshya Das and as a result thereof he could not properly cross-examine the witnesses examined on the side of the Bank.

8. One D. K. Sharma, the Law Officer of the Bank was the Enquiry Officer. He examined at the domestic enquiry two witnesses—(i) Jaladhar Das who was the Development Officer of the Bank and who conducted the preliminary enquiry and submitted his reports, and (ii) Mahendra Bora, the Agent of the Banks Gauhati branch. Jaladhar while giving evidence before the Enquiry Officer produced his report which was marked Ext. 1 at the domestic enquiry. Ext. 2 was the statements of a co-delinquent Hiren Bora. It appears that two statements were recorded by Jaladhar during preliminary enquiry and they were marked Ext. 2. There were other documents which were seen by Jaladhar during preliminary enquiry and they were also marked exhibits at the domestic enquiry. It will appear that although Jaladhar was personally examined at the domestic enquiry, he did not make any incriminating statement against Kamalakshya Das save and except that he made an entry in the form of a scroll. With regard to this document the Enquiry Officer was cross-examined before me. He has admitted that at the time of domestic enquiry Ext. 2 meaning the statements of co-delinquent made at the preliminary enquiry were submitted. They appear in the records of the proceedings. Jaladhar Das has referred to them. The Enquiry Officer has stated that he does not remember if any copy of the statement was given to the delinquent. This is an evasive reply. He says that he did not consider Ext. 2 for his report and he does not remember if he read Ext. 2 although the said statement will appear in the records of the proceedings held by him. He then says that he made those documents exhibits because he thought they might help him in his enquiry. The report of the preliminary enquiry held by Jaladhar was marked Exhibit before the Enquiry Officer. He has admitted that he considered this report, Ext. 1. He has admitted that he did not supply any copy of this document to the delinquent. He has stated that at the time of enquiry he did not think that he should not rely upon the report of the preliminary enquiry. He has lately admitted that he should not have considered Ext. 1 at the time of enquiry. As I have already stated, in the records of the enquiry held by D. K. Sharma will appear all the records of the preliminary enquiry held by Jaladhar Das. Admittedly, Kamalakshya Das did not get any notice whatsoever that the Bank would utilise the papers of the preliminary enquiry. Moreover as D. K. Sharma was appointed to hold domestic enquiry independently he should not have considered the report of the preliminary enquiry and the statements of the co-delinquent recorded there. This has

certainly caused prejudice—serious prejudice against the concerned workman. The Enquiry Officer holding domestic enquiry certainly became biased and he prevented himself from coming to an independent and reliable decision and finding based upon the materials placed before him. He ought not to have paid any attention to the report of the preliminary enquiry and the statements of the co-delinquent recorded there. The Enquiry Officer himself admitted during evidence that he should not have considered the report of the preliminary enquiry.

9. The next contention on behalf of the workman is that there was no proper analysis of the evidence made by the Enquiry Officer and that there was no evidence at all connecting Kamalakshya Das with the allegations made regarding conspiracy, or misappropriation. In this connection I quote below the relevant portion of the charge served upon the delinquent:

- “(1) That you along with (1) Shri Hirendra Kumar Bora, (2) Shri Naren Krishna Sarma and (3) Shri Anil Barua on the 8-12-76 or from before entered into a criminal conspiracy to defraud the bank while you were on duty as employees of the bank in its Gauhati Branch and in fact criminally misappropriated a sum of Rs. 3,000 by making a false credit entry of Rs. 3,000 in the C.D. Account of one of our constituents, Shri Meher Ali, bearing account No. 96 and withdrawing the same on a loose cheque when no cheque book was issued against the account, and
- (2) that you later on in furtherance of the above said conspiracy with the said officers caused disappearance of the loose cheque in question and the relevant ledger page to avoid detection; and
- (3) that your said act or acts amounted to gross misconduct for which the bank has suffered loss to the extent of Rs. 3,000.”

10. I have gone through the entire records of the proceedings. I have also read the enquiry report submitted by D. K. Sharma. There were four chargesheeted persons including Kamalakshya Das Naren Kr. Sharma, Cashier was found not guilty as he paid the amount for the cheque in question to the token holder and there was no further evidence to connect him with the conspiracy or misappropriation. From the findings of the Enquiry Officer it appears that as against the concerned workman Kamalakshya Das he found that the said workman made an entry in the scroll in his own hand regarding the cheque. No other incriminating evidence has been found against him. There is no finding of the Enquiry Officer nor is there any indication that Kamalakshya Das while making the entry had any guilty mind or knowledge or any probability regarding the criminal conspiracy or the alleged misappropriation. Mere making an entry in the scroll gives no indication whatsoever without any further circumstance to connect Kamalakshya Das with the allegation made against him. Going through the records as they are and the way in which the report has been made, I find that the finding of guilt against Kamalakshya Das is based upon no evidence. It is without any basis. It should be stated that it is perverse. In this connection we should not forget that the Enquiry Officer had before him the preliminary report made by Jaladhar and also the statements recorded of a co-delinquent, Ext. 2. It is very reasonable to hold that the finding against Kamalakshya Das was biased.

11. It further appears that the Enquiry Officer had not no knowledge, not to speak about idea, regarding the rules to be considered for holding a domestic enquiry in case of misconduct because he himself says that he did not read the Bipartite settlement in respect of the bank employees before or at the time of enquiry. He does not appear to be a fit person to hold any enquiry when he had knowledge about the contents of the Bipartite settlement.

12. In view of my discussion and findings above, I need not deal with other circumstances. Suffice it to say and I am satisfied that the present enquiry as against Kamalakshya Das was improper and illegal and that Kamalakshya Das did not get any proper opportunity for his self-defence. I further find that the findings of the Enquiry Officer in respect of Kamalakshya Das are biased and perverse. As such I shall give an opportunity to the management of the Bank to produce before this Tribunal if it so likes proper materials in support of the chargesheet served upon Kamalakshya Das so that the Tribunal may decide whether the order of dismissal can be sustained.

13. A suitable date will be fixed for hearing of this case when some ready cases would be available for hearing in Assam. Of course, if parties are agreeable to get the matter heard here in Calcutta, they will be at liberty to do so and I shall fix an early date accordingly for hearing. To 19-6-81 for setting a date for final hearing. Inform parties.

Dated : 7-4-81.

R. BHATTACHARYA, Presiding Officer

New Delhi, the 19th September, 1981

S.O. 2691.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of India and their workman which was received by the Central Government on the 15th September, 1981.

BEFORE JUSTICE SHRI S. R. VYAS, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(69)/1980

PARTIES :

Employers in relation to the management of State Bank of India and their workman, Shri Banwari Lal Soni, represented through the State Bank of India and Subsidiary Bank Employees Union, C/o State Bank of India, Jabalpur (M.P.)

APPEARANCES :

For Workman.—Shri P. S. Nair, Advocate.

For Management.—Shri S. C. Jain, Advocate.

INDUSTRY : Bank

DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

AWARD

Dated September 7, 1981

By Notification No. I-12012/84/79-D.I.A. dated 23rd August, 1980, Government of India in the Ministry of Labour has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the action of the management of State Bank of India, Bilaspur in dismissing from service, Shri Banwari Lal Soni, Cashier-cum-Clerk, State Bank of India, Bilaspur from 5-4-1972 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?”

2. Briefly stated, the facts giving rise to the dispute referred to for the adjudication of this Tribunal are as under :—

(i) Shri Banwari Lal Soni, hereinafter referred to as the workman, was appointed as a Messenger at the Bilaspur Branch of the State Bank of India, hereinafter referred to as the Bank, on 8-6-1961. While working as a Messenger the workman was promoted as a Cashier-cum-Clerk in 1971. Before being absorbed on the post of Cashier-cum-Clerk his antecedents had to be verified. The Bank any how came to know that the workman was prosecuted on 9-9-1957 for an offence under Sec. 379 I.P.C. for committing a theft of Rs. 2/6/- by means of pick-pocketing. On being summarily tried by the Additional District Magistrate, Bilaspur, he was sentenced to pay a fine of Rs. 15/- and in case of default of payment of fine to undergo rigorous imprisonment (R.I.) for a week.

(ii) Before joining his services with the Bank the workman was required to give certain declaration. It was alleged by the Bank that Shri Banwari Lal Soni before joining the Bank gave a declaration that he was not a previous convict of any offence. Since from the records of the trial of the workman held in the Bilaspur Court it was found that he was convicted of the offence of a theft, the Bank acting under Sec. 10 of the Banking Regulations, Act discontinued his services with effect from 5-4-1972. The workman therefore appealed to the higher authorities of the Bank but all his appeals at different levels upto the highest level were dismissed. The workman accordingly raised a dispute before the Conciliation Officer before whom the Bank did not agree to continue

him in the Bank service. The matter was referred to the Government of India and finally the Dispute was referred to this Tribunal for adjudication. In the meantime, the workman had also filed a civil suit challenging the order of his termination of service but his suit was dismissed by the trial court and by the appellate court also on the ground that subject matter of the suit was of the nature of an industrial dispute and the Civil Courts had no jurisdiction to adjudicate upon it.

3. In the statement of claim of the workman, it was stated by him that after his appointment in June 8, 1961 he was confirmed on 8-12-1961 that after passing certain departmental examinations he was granted promotion as the post of a Cashier-cum-clerk; that he was neither tried nor convicted of the offence alleged against him; that he was neither given any charge-sheet nor any opportunity to defend himself; that his services were discontinued without following the prescribed procedure; that the provisions of Sec. 10 of the Banking Regulations Act did not apply to him; that looking to the time that had elapsed between the date of alleged conviction and sentence and the date on which his services were discontinued the Bank was not justified in invoking the provisions of Banking regulations Act and that on all these grounds he was entitled to be reinstated with all benefits of increments, back wages, promotions etc. etc.

4. In their statement of claim the Bank management has justified the action taken against the workman. It is stated that the workman had filed a false declaration at the time of his initial appointment with the Bank; that it was only after the verification of the workman's antecedents at the time of his promotion as a Cashier-cum-Clerk that it was revealed that he was a previous convict of an offence involving moral turpitude; that in view of the specific provisions of the Bank Regulations Act there was no necessity either for a domestic enquiry or for an opportunity to be given to the workman to defend himself as is generally done in other cases of misconduct while in service and that the Bank was fully justified, both on the facts as well as in law, in terminating the services of the workman.

5. The only issue for decision in this case was the dispute referred to for adjudication to this Tribunal. Both the parties led oral and documentary evidence in support of their respective contentions. During the course of the arguments a number of points were raised which are dealt with below. In my opinion, the following are the main points to be decided in this case:—

1. Whether the workman, Shri Banwari Lal Soni, was convicted of the offence of theft in the Court of Additional District Magistrate, Bilaspur in Criminal Case No. 1831/1957 and was sentenced to pay a fine of Rs. 15 or to undergo rigorous imprisonment for a week in case of default of payment of fine?
2. In case the workman was convicted as alleged by the Bank then whether the Bank was justified in terminating his services by virtue of the provisions of Sec. 10 of the Banking Regulations Act without holding a regular domestic enquiry?
3. To what relief are the parties entitled to?

6. My answers to the aforesaid questions are as under:—

Point No. 1.—The Bank management has proved that it was the workman, Shri Banwari Lal Soni, who was convicted of an offence of theft in Criminal Case No. 1831/57 in the Court of Additional District Magistrate, Bilaspur and was sentenced to pay a fine of Rs. 15 or in default of payment of fine to undergo to one week's rigorous imprisonment.

Point No. 2.—The Bank management was not justified in terminating the services of the workman because of the facts and circumstances of the case and also because the nature of the offence for which the workman was convicted cannot be said to involve any element of moral turpitude.

Point No. 3.—The workman is entitled to be reinstated on the post of Cashier-cum-Clerk. But in the circumstances of the case, he is not entitled to any benefit of back wages, increments, promotions etc. etc.

7. Reasons:—

Point No. 1(i).—The first point for consideration is whether Shri Banwari Lal Soni was convicted of an offence of theft as alleged by the Bank. Admittedly, no oral evidence has been given by the Bank to prove that the workman was prosecuted in the Court of Additional District Magistrate, Bilaspur, in Criminal Case No. 1831/57 and this trial resulted in his conviction for the offence of theft. The Bank, however, relies on documentary evidence to prove that Shri Banwari Lal Soni S/o Shri Nand Lal Soni, the workman in question was tried and convicted as aforesaid. The documentary evidence consist of Exts. M/1, M/2, M/6, M/7, M/10 and M/11. Ex. M/1 is the letter addressed to the Station Officer, City Police Station, Bilaspur by the Bank's agent enquiring about the previous trial and conviction of the workman. The Town Inspector vide Ex. M/2 (denied by the workman) reported that Shri Banwari Lal Soni S/o Shri Nand Lal Soni of Khaparganj, Bilaspur was arrested for having committed theft of a cash amount of Rs. 2/6/- by picking the pocket of one Shri Chait Ram of Bilaspur at the Motor Stand and on being prosecuted in the Court of Shri Sharma, A.D.M., was sentenced to a fine of Rs. 15 with one week's R.I. in default. Ex. M/6 is a copy of the judgment in the summary trial of one Banwari Lal son of Shri Nand Lal Marwari aged 22 years resident of Khaparganj, Bilaspur showing that he was tried and convicted of the aforesaid offence and sentenced to a fine of Rs. 15. Ex. M/7 is the order-sheet of the said trial dated 9th September, 1957 recording the result of the aforesaid trial, conviction and sentence. Ex. M/10 is a photostate copy of Ex. M/1 on which the Town Inspector, Police Station, Bilaspur endorsed his report. In this report it is stated that Banwari Lal Soni s/o Shri Nand Lal Soni of Khaparganj was arrested on 8th September, 1957 in Cr. No. 364 of 1957 under Section 370 I.P.C. He was prosecuted, tried and convicted in the Court of the Additional District Magistrate. Ex. M/11 is also a report to the same theft.

(ii) The workman in his statement as W.W. 1 has stated Shri R. K. Sharaf (M.W.) of the Raipur Office of the Bank who has only referred to the history of the workman's appointment, his subsequent promotion as Cashier-cum-Clerk and the aforesaid trial resulting his conviction. His oral evidence is admittedly based on official record and the copies of the proceedings of the criminal case which I have already referred to above. Since he had no personal knowledge regarding the previous trial and conviction nothing could either be said by him or expected of him.

(iii) The workman in his statement as W.W. 1 has stated that he was neither arrested nor prosecuted nor convicted of any offence much less of an offence of theft as alleged by the Bank. He has, on the contrary, stated that when his antecedents were enquired by the Bank at the time of his appointment the Bilaspur Police had vide Ex. M/5 reported that there was nothing on record against him at the Police Station. He also referred to the character certificates Ex. W/1 to W/3 issued by Gazetted Officers about his being of good moral character.

(iv) Commenting upon the aforesaid oral and documentary evidence it was urged on behalf of the workman that in the absence of any conclusive and reliable evidence to establish the identity of Banwari Lal S/o Shri Nand Lal Soni shown as the person tried and convicted in the aforesaid documentary evidence relied upon by the Bank and the present workman it could not and should not be held that the workman is the same person who was tried and convicted as indicated in the aforesaid police reports and judgment in the summary trial.

(v) The trial admittedly was held in 1957. This is clear from the judgment of the Criminal Court (Ex. M/6). The police report Ex. M/10 and Ex. M/11 also are to the same effect. In view of the lapse of time between the date of trial resulting in conviction and the date on which this question arose before this Tribunal it would not have been possible for anyone even the Police Officer concerned with the prosecution, to establish that the workman was the same person who was put up for trial and the trial resulted in his conviction. The Bank has, however, led reliable evidence that Banwari Lal S/o Shri Nand Lal Soni of Khaparganj, Bilaspur, was accused in the aforesaid trial and was convicted and sentenced for an offence of theft. It was not suggested that the documentary evidence relied upon by the Bank was either fabricated for this case or was a concocted piece of evidence. It was, however, said that in the Bank's record the workman

is shown as Banwari Lal S/o Shri Nand Lal Marwari, Resident of Khaparganj, Bilaspur. Further according to the workman his age as recorded in the Criminal Trial is 22 on the date of trial and conviction on 8-9-1957. As against this according to him, his age according to the School Leaving Certificate Ex. W/16 he was only 17 years because of his date of birth being 15-4-1940. These discrepancies appearing in the matter of age in the Criminal Court's judgement and the school Certificate, as also in the place of residence in my opinion do not help the workman. It is a well known fact that when the police prosecutes an accused in a Criminal Court the age is mentioned on the basis of approximation only and not after verification of the date of birth. On this ground, the age shown as 22 in the Criminal Court's Judgment cannot be a conclusive factor to held that the accused in that case is not the same person as the workman.

(vi) Regarding the place of residence shown as Khaparganj in the Criminal Court's record and Gondapara as shown in the Bank's record it has to be said that this also does not help the workman.

(vii) Evidence produced in proceedings before this Tribunal under the Industrial Disputes Act cannot be assessed on the same lines on which it is assessed in Criminal cases. The trial admittedly was held in the year 1957 and in the judgment of the Criminal Court (Ex. M/6) the age and place of residence must have been mentioned on the basis of the information given by the accused himself. When the Bank had produced reliable and documentary evidence the burden was on the workman to examine some person from Khaparganj Bilaspur to show that there was some other person by the name of Banwari Lal S/o Nand Lal and that he could be the accused in the aforesaid criminal case and not he. The accused admittedly is a resident of Bilaspur. He cannot be completely ignorant of the locality known as Khaparganj and Gondapara. Some residents of any of the two places could have come forward and pledged his oath to say that besides the workman concerned, there was some other person known as Banwari Lal S/o Nand Lal.

(viii) On the question that in the Criminal Court's judgment (Ex M/6) Banwari Lal's father name is shown as Nand Lal Marwari, but in the Bank's record he is shown as Banwari Lal S/o Nand Lal Sonar, R/o Laxmangarh (Rajasthan). Soni and Sonar are two synonymous words indicating that the person by profession is a goldsmith. Persons from Rajasthan are generally known as Marwaris. This fact is a well known fact and requires no evidence to prove it. Though, the workman says that he is Banwari Lal Soni but in the service sheet of the Bank, Ex. M/8 his name is recorded as Banwari Lal S/o Nand Lal Sonar. In this record also his date of birth is shown as 15-4-1940. Accordingly in my opinion, the workman Shri Banwari Lal S/o Shri Nand Lal Sonar (also called Soni) and Shri Banwari Lal S/o Shri Nand Lal Marwari shown as an accused in the Criminal Court's Judgment (Ex W/6) are one and the same person. As already stated above in the circumstances of this case the burden shifted on the workman to prove that the person shown as being tried and convicted in the aforesaid criminal case was some other person and not he. This burden has not been discharged by the workman concerned. Accordingly, considering the documentary evidence relied upon by the Bank, I am not inclined to place any reliance on the oral evidence given by the workman. I accordingly held that the workman Shri Banwari Lal S/o Shri Nand Lal Soni R/o Bilaspur who was tried and convicted as contended by the Bank is the same person. Point No. 1 is answered in favour of the Bank.

8. Point No. 2(ii) The second question is whether in spite of the workman's previous conviction for an offence of theft his services were liable to be discontinued in the light of the provisions of Sec. 10 of the Banking Regulations Act. Section 10 of the Banking Regulations Act reads as under :—

"Prohibition of employment of managing agents and restrictions on certain forms of employment—
(1) No Banking Company—(a) shall employ or be managed by managing agent; or (b) shall employ or continue the employment of any person—(i) who is or at any time has been, adjudicated insolvent or has suspended payment or has compounded with his creditors, or who is, or has been, convicted by a Criminal Court of an offence involving moral turpitude."

According to this provision there is a complete prohibition for a bank to continue the employment of any person who is or has been convicted by a Criminal Court of an offence involving moral turpitude. This section no doubt lays down that :—

(i) any person before his employment in the Bank if convicted by a Criminal Court of an offence involving moral turpitude; and

(ii) if while in the employment of the Bank is convicted of an offence by Criminal Court of an offence involving moral turpitude.

then the Bank can discontinue his employment. Thus any conviction of an offence by a Criminal Court of an offence involving moral turpitude whether before the employment or while in employment would justify the discontinuance of the services of the employee. However, the conviction must be not for any offence but must be for an offence involving moral turpitude. The offence of theft is no doubt not a petty offence but whether in a given case the offence committed by an accused does or does not have an element of moral turpitude will have to be determined on the facts and circumstances of each individual case.

(ii) A theft of petty amount by a person holding a position of trust or confidence will indicate an element of moral turpitude but in all cases of theft no inference about such an element may be possible. The words "moral turpitude" have not been defined. But generally they convey depravity in private and social duties, dishonest motive, depravity in moral character etc. etc. In this case the workman was born on 15-4-1940 (See Exs. M/16 and M/17, the School Leaving Certificates and the Service Sheet Ex. M/8. The date of conviction is 9-9-1957. The workman was, therefore, only 17 years old when he was tried and convicted. The nature of the offence was not very serious. At the Bilaspur Bus Stand a minor, aged 17 years of age, picked the pocket of one Shri Chait Ram and dishonestly removed a sum of Rs. 2/6/-. The trial was held under the provisions of Sec. 263 of the Code of Criminal Procedure 1898. Even under the provisions of that Code the accused could, according to the provisions of Sec. 562, be released on admonition instead of being sentenced. The amount involved was a very petty amount and the accused was admittedly a minor. All that can be said is that the aforesaid act of committing theft was an act of teenage delinquency committed by a boy who was not mature and was a minor. Considering all these facts and circumstances regarding the nature of the offence, the amount involved and the age of the offender, it cannot be said that the commission of the offence had an element of moral turpitude. A minor of 17 years of age, though not a child, but cannot be said to be of such mature understandings as to be fully conversant with his social and moral responsibilities. I am, therefore, unable to agree with the Bank that the offence committed by the workman in the year 1957 when he was only 17 years of age was an offence involving moral turpitude.

(iii) It is evident from the Bank's evidence that when the question of promotion and appointment of a workman from the post of Messenger to the post of Cashier-cum-Clerk was considered this workman was actually promoted but at that time some information was received about his previous conviction. After verification from the police record as well as from the Criminal Court's record once it was found that the workman was a previous convict the Bank rushed to the conclusion that since he was convicted of an offence involving moral turpitude, the provisions of Sec. 10 of the Banking Regulations Act were fairly and squarely attracted and the Bank was bound to discontinue his services. Such a hurried conclusion was in my opinion, without any due regard to the nature of the offence, the amount involved, the age of the accused and other relevant factors. There was no material with the Bank that after his initial appointment as a Messenger in 1961 there was anything in the work and conduct of the workman to justify such a hurried conclusion. On the contrary, the decision to promote him must have been taken after ascertaining all factors about his moral character and conduct while he was in service. In my opinion, therefore, the decision of the Bank in terminating his services by virtue of the provisions of Sec. 10 of the Banking Regulations Act was not at all called for.

(iv) The contention of the workman that there was no charge-sheet, no domestic enquiry, no opportunity to defend him etc. etc. is in my opinion irrelevant. Such a course becomes necessary when the workman while in service is found guilty of any misconduct or other act of commission or omission justifying in departmental action. Evidently, the Bank acted upon the provisions of the Banking Regulations Act and straightaway passed an order of discontinuance of his services. The Bank also appears to have been led away by the fact that while entering the service the workman had given a declaration dated 8th June, 1961 (Ex. M/6A) (inadvertently marked Ex. M/6 but now marked Ex. M/6A) in which he had declared that he was not convicted by a Criminal Court of an offence involving moral turpitude. The Bank would have been justified if any action had been taken against the workman for giving such a false declaration but this has not been done in this case as the impugned order of discontinuance of his service is based on the ground of previous conviction only.

(v) In the light of the reasons given above, my finding on Point No. 2 is that the Bank's management was not justified in terminating or discontinuing the services of the workman on the ground that he was a previous convict of an offence involving moral turpitude.

9. Point No. 3(i)—The next question is as to whether the workman is entitled to be reinstated on the post of Cashier-cum-Clerk with all the consequential benefits of back wages, increments, promotions etc.

(ii) Admittedly the impugned order was passed in 1972. After the conciliation proceedings the workman had filed a Civil Suit No. 1A/78 and 11A/78 (Ex. W/6 and W/7). This suit was dismissed on 7th April, 1978 (vide Ex. W/6) on the ground that the Civil Court had no jurisdiction to entertain the suit. Before the institution of the suit the workman had been approaching the higher authorities of the Bank for reconsideration of the impugned order, but till 1978 when his suit was dismissed he did not avail of the remedy provided by the Industrial Disputes Act. After the dismissal of his suit the workman approached the Central Government for a reference but his first application is said to have been rejected. It was on the second application that the present reference was made in October, 1980. The action on the part of the Bank's management for discontinuing or terminating the services of the workman cannot be said to be wholly unjustified. The delay in getting the reference made to this Tribunal cannot be wholly attributed to the Bank's management. The workman himself gave a false declaration. The impugned order has been held to be unjustified not because the workman was not tried and convicted but because of the error on the part of the Bank to too literally construe the words "moral turpitude" while applying the provisions of Section 10 of the Banking Regulations Act. All these facts and circumstances, in my opinion, do not justify an order against the Bank for an award of all the back wages and other consequential benefits. Ends of justice would be met by directing the Bank to reinstate the workman on the post of Cashier-cum-Clerk for which he was selected on promotion.

ORDER

Accordingly for the reasons given above, it is directed that the Bank shall reinstate the workman on the post of Cashier-cum-Clerk. The workman shall not be entitled to any back wages and other consequential benefits from the date of his discontinuance till the date of his reinstatement. In the circumstances of the case, both the parties shall bear their own costs as incurred.

7th September, 1981.

S. R. VYAS, Presiding Officer

[No. I-12012/84/79-D.II(B)]

N. K. VERMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 14 सितम्बर, 1981

का० अ० 2692.—केन्द्रीय सरकार, लोहा अथवा खान तथा मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण विधि नियम, 1978 के नियम 3 के साथ एडिन लोहा अथवा खान तथा मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण विधि अधिनियम, 1976 (1976 का 61) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का

प्रयोग करते हुए, एक केन्द्रीय सलाहकार समिति गठित करती है जिसमें निम्नलिखित सदस्य होंगे, अर्थात् —

- | | |
|---|--|
| 1. अवर सचिव, श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली | अध्यक्ष पदेन |
| 2. महानिदेशक (श्रम कल्याण) श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली | उपाध्यक्ष, पदेन |
| 3. कल्याण आयुक्त, लोहा अथवा खान और मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण संगठन, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश, बंगलौर। | केन्द्रीय सरकार के अधिकारी पदेन |
| 4. कल्याण आयुक्त, लोहा अथवा खान और मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण संगठन, बिहार और उड़ीसा, भुवनेश्वर। | |
| 5. कल्याण आयुक्त, लोहा अथवा खान और मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण संगठन, मध्य प्रदेश, जबलपुर। | |
| 6. कल्याण आयुक्त, लोहा अथवा खान और मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण संगठन, गोवा और महाराष्ट्र पानाजी, गोवा | |
| 7. कल्याण आयुक्त, लोहा अथवा खान और मैगनीज अथवा खान श्रम कल्याण संगठन, नील- घाड़ा। | लोहा अथवा खानों और मैगनीज अथवा खानों के नियोजकों के प्रतिनिधि |
| 8. श्री प्रो० जी० शर्मा, प्रबंधक, (औद्योगिक संबंध) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम, हैदराबाद। | |
| 9. श्री ए० आर० पिल्ले, मुख्य कार्मिक प्रबंधक, मैगनीज और इंडिया लि० नागपुर। | |
| 10. श्री एन० पी० वसिया, सलाहकार (इंड्रिय एंड एल०) स्टील अथवा इरॉन ऑफ इंडिया लि०, नई दिल्ली | |
| 11. श्री पी० आर० मरहू, मुख्य कार्मिकारी (अथवा खान), इंडियन आयरन एंड स्टील कम्पनी लिमिटेड, डाकघर बनेपुर, बनेपुर | लोहा अथवा खानों और मैगनीज अथवा खानों के अधिकारियों के प्रतिनिधि |
| 12. श्री पी० एन० सिंह उप-निदेशक, स्टील अथवा इरॉन ऑफ इंडिया लि०, नई दिल्ली। | |
| 13. श्री टी० प्रसाद, मुख्य कार्मिक प्रबंधक, खान हिबीजन, टाटा आयरन एंड स्टील कम्पनी (कच्चा साधन रिबो- लन), जमशेदपुर। | |
| 14. श्री बी० के० मोहली, गंगापुर लेबर यूनियन, डाकघर श्री सिद्धपुर, डाकघर मुन्नागढ़ (उड़ीसा) | |
| 15. श्री पी० के० वैनर्जी, जनरल सेक्रेटरी, नोआमुडी मजदूर यूनियन डाकघर नोआमुडी, जिला सिक्किम (बिहार) | लोहा अथवा खानों और मैगनीज अथवा खानों के अधिकारियों के प्रतिनिधि |
| 16. श्री के० मुथामेश्वर, मार्कन संयुक्त खादान मजदूर संघ, डाकघर तिरोडी, जिला सोलाघाट (मध्य प्रदेश) | |
| 17. श्री सत पाथ वर्मा, प्रेसिडेंट, खान मजदूर संघ, मार्कन पालामाऊ संघ, जालाटन गंज, जिला पालामाऊ (बिहार) | |

18. श्री अजय शंकर,
जनरल सेक्रेटरी, उडुपी स्टेड
कमेटी आफ सीटू, 7/11,
टाईप B (संशोधन) टाईप-9,
भुवनेश्वर-751007 } लौह अयस्क खानों और मैंगनीज
अयस्क खानों के अधिकारियों से प्रतिनिधि
19. श्री श्याम सुन्दर गुप्ता,
यकीन, चिरमिरी-497449,
जिला सर्गुजा (मध्य प्रदेश) }
20. श्रीमती मनोरमा सिन्हा, महिला प्रतिनिधि
भूतपूर्व पिन्तान सभा सदस्य और
समाज सेविका, सक्रिय हाउस के
नजदीक धनबाद, (बिहार)
21. कल्याण आशुबन्ध, (सुब्यालन), सचिव
श्रम मंत्रालय, नई दिल्ली।

[सं० यू०-23017/10/80-एम-IV]

आर० के० दास, अधीन सचिव

14. Shri B. K. Mohanty, Gangpur
Labour Union, P.O. Birmittapur
District Sundergarh (Orissa).
15. Shri P.K. Banerjee, General
Secretary, Noamundi Mazdoor
Union, P.O. Noamundi District
Singhbhum (Bihar).
16. Shri K. Nuthaneswar, C/o San-
yukta Khadan Mazdoor Sangh,
P.O. Tirodi, District Balaghat (Ma-
dhya Pradesh).
17. Shri Sai Pal Verma, President
Khan Mazdoor Sangh, C/o Pal-
amau Sandesh, Dalton Ganj,
District Palamau (Bihar).
18. Shri Ajeya Raut, General Secre-
tary, Orissa State Committee of
CITU, 7/13, Type B (Revised);
Unit 9, Bhubaneswar-751007.
19. Shri Shyam Sunder Gupta, Advo-
cate, Chirimui-497449 District
Sarguja (Madhya Pradesh).

Representatives of iron
ore mines and man-
ganese ore mines work-
ers.

20. Smt. Manorma Sinha, ex. M.L.A. ---Woman Representa-
and Social Worker, Near Circuit tive.
House, Dhanbad (Bihar).

21. Welfare Commissioner (Head- ---Secretary.
quarters), Ministry of Labour,
New Delhi.

[No. U-23017/10/80-M-IV]

R. K. DAS, Under Secy.

S.O. 2692.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Iron Ore Mines and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Act, 1976 (61 of 1976) read with rule 3 of the Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Fund Rules, 1978, the Central Government hereby constitutes a Central Advisory Committee consisting of the following members, namely:—

1. Additional Secretary, Ministry of Labour, New Delhi. —Chairman, ex-officio.
2. Director General (Labour Welfare) Ministry of Labour, New Delhi. ---Vice-Chairman, ex-officio.
3. Welfare Commissioner, Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Karnataka and Andhra Pradesh, Bangalore.
4. Welfare Commissioner, Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Bihar and Orissa, Bhubaneswar.
5. Welfare Commissioner, Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Madhya Pradesh, Jabalpur. Officers of the Central Government, ex-officio.
6. Welfare Commissioner, Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Goa and Maharashtra, Panaji-Goa.
7. Welfare Commissioner, Iron Ore and Manganese Ore Mines Labour Welfare Organisation, Bhilwara.
8. Shri O. D. Sharma, Manager (Industrial Relations), National Mineral Development Corporation, Hyderabad.
9. Shri A. R. Pillay, Chief Personnel Manager, Manganese Ore India Ltd., Nagpur.
10. Shri N.P. Dhusia, Adviser (W & S), Steel Authority of India Ltd., New Delhi.
11. Shri P.R. Meth, Chief Executive (Ore Mines), Indian Iron and Steel Company Ltd., P.O. Burnpur, Burnpur.
12. Shri P.N. Singh, Deputy Director (Industrial Relations) Steel Authority of India Ltd., New Delhi.
13. Shri T. Prasad, Chief Personnel Manager, Mines Division, Tata Iron and Steel Company, (Raw Material Division), Jamshedpur.

Representatives of iron
ore mines and mang-
anese ore mines employ-
ers.

का० आ० 2693.—केंद्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के माध्यम से पठित द्वारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिमूर्चना संख्या का०आ० 154, दिनांक 5 जनवरी, 1980 के अनुक्रम में नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ लिमिटेड, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पत्राची जुलाई, 1979 से 30 जून, 1980 तक, जिसमें यह विन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की ओर अवधि के लिए छूट देता है।

2 पूर्वोक्त छूट की पूर्ण निम्नलिखित हैं, अर्थात्—

(1) उक्त कारखाने का निष्पादक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियाँ, जैसे प्राप्ता में ओर ऐसी विशिष्टियाँ सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) अधिनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कार्य निरीक्षक, या नियम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदाधिकारी—

(i) धारा 14 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दो गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) अधिनियम, 1950 द्वारा दिया प्रेषित रजिस्टर ओर अधिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

(iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन प्रायश्चित्तों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिनियम के अधीन छूट दी जा रही है, तकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उद्देश्यों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए मशकत होगा —

- (क) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक से स्पष्ट करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिस उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहृत नियोजक के अधिनियमधीन किसी कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उनके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सशय से संबंधित ऐसे लेखा, बहीखा और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिनके आवश्यक समझते हैं; या
- (ग) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक को, उनके अधिकारी या मंत्रालय को ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज को नकल तैयार करता या उससे उद्धरण लेना।

प्रमाणपत्र का प्राप्ति

इस मामले में पूर्वपिछो प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदनपत्र की कार्यवाही पर समय लगा, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिछो प्रभाव से छूट देने से, किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस-38014/20/79-एच०आई०]

S.O. 2693.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 154 dated the 5th January, 1980, the Central Government hereby exempts the National Instruments Limited, Calcutta, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from 1st July, 1979 upto and inclusive of the 30th June, 1980.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall for the purposes of,—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of

which exemption is being granted under this notification; or

- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/20/79-HI]

का०शा० 2694.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना सं० का०शा० 1048 तारीख 3 अप्रैल, 1980 के अनुक्रम में सैसई हिन्दुस्तान एरोनाटिक्स लि० (कानपुर प्रभाग) कानपुर, प्रतिरक्षा मंत्रालय के अंतर्गत एक सार्वजनिक प्रतिष्ठान उपक्रम को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1980 से 30 जुलाई, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की वास्तविक जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियाँ सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की वास्तविक देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

- (1) धारा 44 की उपधारा 1 के अधीन, उक्त अवधि की वास्तविक दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियाँ को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
- (2) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अधिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
- (3) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिनियम के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

- (4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा।

- (क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहिया और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या
- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक की, अभिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक टिप्पणी

इस मामले में पूर्वपक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदनपत्र पर कार्रवाई करने में समय लगा। तथापि, यह, प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. एस०-38014/1/80 एच०आई०].

S.O. 2694.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1048 dated the 3rd April, 1980, the Central Government hereby exempts M/s. Hindustan Aeronautics Limited (Kanpur Division) Kanpur, a public sector undertaking under the Ministry of the period during which that factory was subject to the further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period, or
- ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period, or
- ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which

exemption is being granted under this notification; or

- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;
- be empowered to—

- require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/1/80-HI]

का०आ० 2695.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2780, तारीख 26 जुलाई, 1979 के अनुक्रम में भारत इलैक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, गाजियाबाद, जो रक्षा मंत्रालय के अधीन एक सरकारी क्षेत्र का उपक्रम है, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्राप्ति से और ऐसी विनिष्ठियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

- धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विनिष्ठियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ, या
- यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

13. यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिकलस्वरूप इस

अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकब में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

- (1) यह अधिनियम करने के प्रयोजनार्थ कि उस अधि के दौरान जब उक्त कारखाने के मध्य में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा—

- (क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अधिगोषाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के मदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहिया और अन्य दस्तावेज, ऐसी निरीक्षक या अन्य या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उक्त परीक्षा करने व, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक को उसके अधिकारी या सेवक का, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जगह बारे में निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किन्हीं रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण देना।

व्याख्यात्मक तालिका

इस मामले में पूर्वपेशी प्रभाव से छूट बेनी आवश्यक है। यह है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपेशी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम-38014/17/80-एच०आई०]

S.O. 2695.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 2789 dated the 26th July, 1979, the Central Government hereby exempts Bharat Electronics Limited, Ghaziabad, a public Sector Undertaking under the Ministry of Defence from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 41 of the said Act for the period ; or
- (ii) ascertaining whether register and record were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory ;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/17/80-HI]

का०आ० 2696 उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (घ) के अनुसरण में श्री कर्नैल सिंह के स्थान पर श्री एस०के० त्रिपाठी, सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, धर्म विभाग को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उक्त राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामनिर्दिष्ट किया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के धर्म मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 850 (अ), दिनांक 21 अक्टूबर, 1980 में निम्नलिखित मशौधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, "राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (घ) के अधीन नामनिर्दिष्ट" शीर्षक के नीचे मध 21 के मामले की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

"एस०के० त्रिपाठी,
सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन,
धर्म विभाग,
लखनऊ

[संख्या य-16012/1/81-एच०आई०]

S.O. 2696.—Whereas the State Government of Uttar Pradesh has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri S. K. Tripathi, Labour Secretary to the Govt. of U.P. to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri Karnail Singh ;

Now therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification—

tion of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 850(E), dated the 21st October, 1980, namely:—

In the said notification, under the heading "Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4", for the entry against item 26, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri S. K. Tripathi,
Secretary to the Govt. of Uttar Pradesh,
Labour Department, Lucknow."

[No. U-16012/1/81-H 1]

नई दिल्ली, 16 सितम्बर, 1981

कां०अ० 2697.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91 क के माध्यम से धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार लघु उद्योग सेवा संस्थान, विस्तारित केन्द्र संतनगर, हैदराबाद के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली अप्रैल, 1978 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की और अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाये जायेंगे;
- (2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त कारखाने के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनकी पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संदत्त अभिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किये जायेंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की वास्तविकता के दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां ऐसे प्ररूप में और ऐसी विनिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि के रखन देनी थीं;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उप-धारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की वास्तविकता दी गई किसी विवरणों की विनिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
 - (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथापेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
 - (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा किए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफल स्वरूप इन अधिसूचना छूट के अधीन दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उक्त अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किसी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए मसबत होगा:—

- (क) प्रधान या अग्रबहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है;

(ख) ऐसे प्रधान या अग्रबहित नियोजक के अधिभोगात्री ने किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के मध्य से संबंधित ऐसे लेखा बहियां और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अग्रबहित नियोजक की, उनके अधिकारी या सेवकों या ऐसे किसी व्यक्ति का जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति का जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की तपन तैयार करना या उसमें उद्घरण करना।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त अवेदन-पत्र देर से प्राप्त हुआ। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभावी से छूट से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस०-39014/18/79 एच०आई०]

New Delhi, the 16th September, 1981

"S.O. 2697.—In exercise of the powers conferred by section 88, read with section 91A, of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the regular employees of the Small Industries Service Institute, Extension Centre, Sanatnagar, Hyderabad from the operation of the said Act for the period from 1st April, 1978 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (herein after referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether returns and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations 1950 for the said period; or

(iii) Ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefit, in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory

be empowered to—

- require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- examine the principal or immediate employer his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application for exemption was received late. However it is certified that the grant of exemption with retrospective will not affect the interest of anybody adversely.

[No S-38014/18/79-III]

क्रा० अ० 2698—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय खाद्य निगम उज्जैन के विहित वर्गीय कर्मचारियों की उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से अप्रैल, 1979 के प्रथम दिन से फरवरी, 1980 की 29 तारीख तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जाएंगे;
- (2) इस छूट के होने हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनको पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संश्लेष अधिदायों के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजन, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है); ऐसी विवरणियां ऐसे प्रारूप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—

(i) धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को मर्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा क्या अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं, या

(iii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजन द्वारा किए गए उन फायदों का जिसके प्रतिकूलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, तबत और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं, या

(iv) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि उक्त अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे ऐसे कितनी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं निम्नलिखित कार्य करने के लिए मणका होगा:—

(क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अवज्ञा न करने कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उद्धार निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझते हैं, या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अधिधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक की, उनके अधिकर्ता या सेवक की या ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का यकिनयुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिमर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावही या अन्य दस्तावेज की नकद तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक शायन

इस मामले में पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वपिछी प्रभाव से छूट देना से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस०-38014/22/79-एच०आई०]

S.O. 2698.—In exercise of the powers conferred by section 88, read with section 91A, of the 'Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts the ministerial staff of the Food Corporation of India, Ujjain from the operation of the said Act for the period from 1st day of April, 1979 upto and inclusive of the 29th day of February, 1980.

The above exemption is subject to the following conditions:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;

- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; and
 - (iii) Ascertaining whether the employee: continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory.

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely

[No. S-38014/22/79-HI]

नई दिल्ली, 17 मिनम्बर, 1981

का० आ० 2699 —केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948(1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1481, तारीख 14 मई, 1980 के अनुक्रम में क्रिस्तुस्तान एरोनाटिक्स लिमिटेड (लखनऊ इंडीजन), लखनऊ के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के पर्वतन से पत्रली जून 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की ओर छूट के लिए छूट देती है।

727 GI/81—21

2. पूर्वोक्त छूट की जतने निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित हैं, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदविधान दिखाने जायेंगे।
- (2) इस छूट के तहत हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रवर्तनात्मक कार्य करने रहेंगे, जिसका पालन के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व सशक्त अभिदाय का पत्र पर हस्ताक्षर हो जाते,
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अभिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो ये वापिस नहीं किए जाएंगे;
- (4) उक्त कारखाने का नियोजन, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है), ऐसी विवरणियां, ऐसे प्राक्षर में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी;
- (5) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 43 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (i) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या
 - (ii) यह अभिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं; या
 - (iii) यह अभिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फाइलों को, जिसके प्रतिकलस्त्रक इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाले का हस्ताक्षर बना हुआ है या नहीं; या
 - (iv) यह अभिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किसी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा:—

- (क) प्रधान या अन्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अन्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या
- (ग) प्रधान या अन्यवहित नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाना, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके खाने में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है परीक्षा करना, या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य वस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्ववर्ती प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए आवश्यकताओं की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्ववर्ती प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रति-फल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम-38014/19/80-एच० आई०]

New Delhi, the 17th September, 1981

S.O. 2699.—In exercise of the powers conferred by section 88 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1481 dated the 14th May, 1980, the Central Government hereby exempts the regular employees of the Hindustan Aeronautics Limited (Lucknow Division), Lucknow from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) Ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory,

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found incharge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[S-38014/19/80-HI]

का० आ० 2700:—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 816, दिनांक 19 मार्च, 1980 के अनुक्रम में, हि हिन्दुस्तान एरॉनॉटिक्स लिमिटेड, पिम्परी, पुणे को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए, छूट देनी है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

- (1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की अवधि जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसे विवरणियाँ, ऐसे प्रश्न में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि के बाधन देनी थी;
- (2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाधन दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को स्थापित करने के प्रयोजनार्थ; या
 - (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या
 - (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिनके प्रति-फलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या
 - (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उक्त बन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा:—

- (क) प्रधान या अव्यवहिन नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहिन नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संबंध में संबंधित

ऐसे लेखा, बहियां और अन्य दस्तावेज ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें, और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

- (ग) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक शायन

इस मामले में पूर्वापक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक है। यह है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्ति आवश्यकता पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एम०-38014/23/80-एच० आई०]

S.O. 2700.—In exercise of the powers conferred by Section 87, read with section 91A, of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification No. S.O. 816 dated the 19th March, 1980, the Central Government hereby exempts the Hindustan Antibiotics Limited, Pimpri, Pune, from the operation of the said Act for a further period of one year from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or
 - ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;
- be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents

relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/23/80-HI]

का० आ० 2701.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1049 दिनांक 5 अप्रैल, 1980 के अनुक्रम में, वि इंडियन आयल ब्लैडिंग लिमिटेड, पी० 68, सी० सी० आर० ब्राह्मवर्सन रोड, पन्हापुर, कलकत्ता और वि इंडियन आयल ब्लैडिंग लि०, परिप्राक, टोम्बे बम्बई-74 को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे हमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्राप्ति में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि के बाबत देनी थी;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—

(i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या

(iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकल में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उप-बन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं।

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा—

- (क) प्रधान या व्यवहृत नियोजक से अपेक्षा करना कि यह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या व्यवहृत नियोजक के अधिभोगधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी से यह अपेक्षा करना कि यह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के रसायन से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और दस्तावेज ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या व्यवहृत नियोजक को उनके अधिभोगधीन किसी भी व्यक्ति की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रख गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक विषय

इस मामले में पूर्णतः प्रमाणित है कि यह आवश्यक है कि यह व्यक्ति के लिए ही प्रवेश पत्र पर कार्यवाई करने में समय लगा। तब, यह परमाणु कि जाना है कि पूर्वोक्त प्रमाण से छूट देना कि किसी के हित पर प्रतिष्ठित प्रमाण नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० - 38014/25/80-एच० आई०]

S.O. 2701.—In exercise of the powers conferred by section 87, read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1049, dated the 5th April, 1980, the Central Government hereby exempts the Indian Oil Blending Limited, P. 68, C.C.R. Diversion Road, Paharpur, Calcutta and the Indian Oil Blending Limited, Pir Pau, Trombay, Bombay-74, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory, be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, in the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/25/80-HI]

का० आ० 2702—केंद्राय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 91A के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1258, दिनांक 17 अप्रैल, 1980 के अनुक्रम में कोल इंडिया प्राइम रीवा, को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पहली जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है।

पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

- (1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसमें इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्राप्ति से और पूर्ण विनिश्चयिता सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि की बाबत देनी थी,
- (2) नियम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—
 - (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत ही गई किसी विवरणी की विनिश्चयिता को तैयार करने के प्रयोजनार्थ, या
 - (ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं, या

(iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उक्त आवक को, जिसके प्रतिकलम्बक इस अधिनियम के अधीन छूट दी जाती है, सन्दर्भ में और वस्तु रूप में होने का इकटार बना हुआ है, या नहीं, या

(iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अधिध के दौरान जब उक्त कारखाने के सम्बन्ध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया या नहीं, या

निम्नलिखित कार्य करने के लिये मसक्त होगा—

(क) प्रधान या अध्यावहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसे जानकारी देने उपरान्त निराक्षर या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यावहित नियोजक के अधिभाषाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उचित प्रवर्तन से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सन्दर्भ में संबंधित ऐसे लेखा, बहिया और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उचित परीक्षा करने दे, या उक्त ऐसा जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अध्यावहित नियोजक को, उसके अधिभाषाधीन या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति को जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके द्वारा वे उक्त निराक्षर या अन्य पदधारी के साथ यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करती, या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाग्रहा या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

आवश्यकताएँ

इन मामलों में पूर्वापेक्षाएँ प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के बिना प्रधान आवकपत्र की कार्रवाई पर समय लगा तर्जाम, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षा प्रभाव से छूट देने से किसी का हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता।

[संख्या एस०-38014/4/81-एच० आर्ड०]

S.O. 2702.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1258 dated the 17th April, 1980, the Central Government hereby exempts the Coal India Press, Ranchi, a subsidiary of the Coal India Limited, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary, or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely

[No. S-38014/4/81-HI]

नई दिल्ली, 15 सितम्बर, 1981

का० आ० 2703—केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स इन्डियन गोल्ड यूनियन, 43, चौरनी रोड, कलकत्ता-71 नामक स्थापन में सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को यह सूचना इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी नियमों के अधीन प्रवृत्त उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 14) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 38014/4/81-एच० आर्ड० II]

New Delhi, the 18th September, 1981

S.O. 2703.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs The Indian Gold Union, 43, Chowringhee Road, Calcutta-71 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35017(17)]80-PF-II]

का० आ० 2704.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ईस्टर्न कैरियर्स, 67/28, स्ट्रैंड रोड, कलकत्ता-6 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस० 35017/20/80-पी० एफ-2]

S.O. 2704.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs Eastern Carriers, 67/28, Strand Road, Calcutta-6, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establish;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017(20)]80-PF-II]

का० आ० 2705.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गेरीहट सोसाइटी, पी-11, गेरीहट रोड, कलकत्ता-29 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

[सं० एस० 35017/21/80-पी० एफ-2]

S.O. 2705.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs Gariahat Society, P-11, Gariahat Road, Calcutta-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establish;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35017/21]80-PF-II]

का० आ० 2706.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1188 तारीख 15 अप्रैल, 1980 के अनुक्रम में, सरकारी क्षेत्र के उपक्रम, भारतीय टेलीफोन उद्योग लिमिटेड, रायबरेली को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन में पहली जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देती है ।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें

इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां, ऐसे प्रारूप में और ऐसी विधिद्वारा सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (गोपनीय) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी:

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 46 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या
- (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (गोपनीय) विनियम, 1950 द्वारा यथा अधेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं, या
- (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिनके प्रतिकलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है नकद में और अन्य रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं ; या
- (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा :—

- (क) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहृत नियोजक के अधियोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रधान से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहिया और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं ; या
- (ग) प्रधान या अव्यवहृत नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना ।

व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्वोक्ती प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्रवाई पर समय लगा तथापि यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वोक्ती प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

[सं० एस-38014/4/80-एस० आई०]

S.O. 2706.—In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1188 dated the 15th April, 1980 the Central Government

hereby exempts Indian Telephone Industries Limited, Rae Bareilly, a public sector undertaking, from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No S-38014/4/80 III]

का० आ० 2707—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 815 तारीख 19 मार्च, 1980 के अन्तर्गत से पोल-परिवहन और परिवहन मंत्रालय के अधीन एक सार्वजनिक क्षेत्र, उपक्रम, कोचीन शिपयार्ड लि० कोचीन की उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से पक्षी जूलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है एक वर्ष की और अवधि के लिए छूट देनी है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं यद्यपि —

(1) उक्त कारखाने का नियाजन, उस अवधि की बाबत त्रिसक दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसका पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), ऐसी विवरणियाँ ऐसी प्राप्ति में और ऐसी विशिष्टियाँ सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी —

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ, या
- (ii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या
- (iii) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकल में और वस्तुस्थिति में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
- (iv) यह अभिलिखित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा —

- (क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या
- (ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधियोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रधान से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संदाय से संबंधित ऐसे लेखा, बहिया और अन्य दस्तावेज और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या
- (ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अधिकारता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तिपूर्ण कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक ज्ञापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र की कार्यवाही पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 38014/9/80-एच० आई०]

S.O. 2707.—In exercise of the powers conferred by section 47, read with section 91A, of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 815 dated the 19th March, 1980, the Central Government hereby exempts the Cochin Shipyard Limited, Cochin, a Public Sector Undertaking under the Ministry of Shipping and Transport from the operation of the said Act for a further period of one year from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or
- ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/9/80-HI]

का० आ० 2708—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 31) की धारा 91-क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदान शक्तियों का प्रयोग करने हुए सैमर्स इण्डियन इग एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड अफिशियल से संबंधित एण्टीबायोटिक्स प्लांट, बीरबल्ल, वाटर हन लेक प्लांट, अफिशियल बायोलेजीकल प्लांट, अफिशियल और

आरटी ग्वेयर वर्कशॉप, अफिशियल वा उपा अधिनियम व पब्लिक से 21 नवम्बर, 1979 से 23 नवम्बर 1980 तक जिसमें यह दिनांकी सी गमिन्-लिफ्ट है एक वर्ष की अवधि के लिए व देता है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं—

(1) उक्त कारखाने वा नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रयोजमान था (जिस इस्तेमाल हमके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है), सभी विवरणियाँ उसे प्राप्त करने में और सभी विवरणियों सहित दस्तावेज जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थीं,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 15 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक वा निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

- धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत ही गई किसी विवरणी की विवरणियों को मन्वजित करने के प्रयोजनार्थ, या
- यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गये थे या नहीं; या
- यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिनियम के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं या
- यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने व संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किसी उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए शक्त प्राप्त होगा—

- प्रधान या अन्यव्यक्ति नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक वा अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या
- ऐसे प्रधान या अन्यव्यक्ति नियोजक के अधिनियमोपधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उससे प्रधारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के सदाय से संबंधित ऐसे लेखा बहियों और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक वा अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दे, या उन्हें ऐसी जानकारी दे जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- प्रधान या अन्यव्यक्ति नियोजक को, उसके अधिकता या सेवक को, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाय, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक वा अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना, या
- ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर लेखाबहियों या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्घरण लेना।

व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पुष्पेश्वरी प्रभाव से छूट वेनी आवश्यक हो गई है, क्योंकि कर्मचारी राज्य बीमा निगम से छूट देने के लिए पत्राचार देर से प्राप्त हुई। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पुष्पेश्वरी प्रभाव की छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस-38014/6/81-एच० आई०]

S.O. 2708. In exercise of the powers conferred by section 87 read with section 91A of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby exempts Antibiotic Plant, Virbhandra, Water In Lake Plant, Rishikesh, Biological Plant, Rishikesh and auto repair workshop; Rishikesh belonging to M/s. Indian Drug and Pharmaceuticals Limited, Rishikesh from the operation of the said Act for a period of one year with effect from 24th November, 1979 upto and inclusive of the 23rd November, 1980.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found-in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the recommendation of the Employees' State Insurance Corporation for grant of exemption was received late. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/6/81-HI]

727G1/81—22

कां० 2709.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० प्रा० 937, दिनांक 31 मार्च, 1980 के अनुक्रम में, (1) भारत गोल्ड माईन्स प्राईवेट लिमिटेड (सेण्ट्रल वर्कशाप) ऊरगांव पोस्ट कोलार गोल्ड फील्ड्स (2) भारत गोल्ड माईन्स प्राईवेट लिमिटेड, (ऊरगांव बेरी) ऊरगांव पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स और (3) भारत गोल्ड माईन्स प्राईवेट लिमिटेड (ऊरगांव प्रिंटिंग प्रैस), ऊरगांव पोस्ट, कोलार गोल्ड फील्ड्स को पहली जुलाई 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की और अधि के लिए उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से छूट देती है।

2. पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात्:—

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि कहा गया है, ऐसी विवरणियाँ, ऐसे प्राप्ति में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अधि की बाबत देनी थी ;

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी :—

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ; या

(2) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अधि के लिए रखे गये थे या नहीं ; या

(3) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन कार्यों को, जिनके प्रतिफलस्वरूप इन अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद में और वस्तुरूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या

(4) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अधि के दौरान, जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं ;

निम्नलिखित कार्य करने के लिये सशक्त होगा :—

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से श्रद्धा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के अधिमोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी की उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रधान से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजूरी के संबंध से संबंधित ऐसे लेखा, बहियाँ और अन्य दस्तावेज, ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं; या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक को, उसके अधिकारी या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में पाया जाए, या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या

(घ) एस कारखाना, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी राजस्टर, संचावही या अन्य दस्तावेज को नकल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

व्याख्यात्मक भाषण

इस मामले में पूर्ववर्ती प्रभाव से छूट देने आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदन-पत्र को कारवाई पर समय लगा। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्ववर्ती प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस०-38014/11/80-एच० आई०]

S.O. 2709.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 937 dated the 31st March, 1980, the Central Government hereby exempts (1) Bharat Gold Mines Private Limited (Central Workshop), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields; (2) Bharat Gold Mines Private Limited (Oorgaum Dairy), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields and (3) Bharat Gold Mines Private Limited (Oorgaum Printing Press), Oorgaum Post, Kolar Gold Fields from the operation of the said Act for a further period from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which the factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said Act for the period; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or

(d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/11/80-HI]

क्र० आ० 2710.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्रिक कन्सल्टेन्ट्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 716, तुलसीयानी चैम्बर नारीमन पोइन्ट, मुम्बई-21, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस०—35018(86)/80-पी० एफ० II]

S.O. 2710.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs Bric Consultants (Private) Limited, 716, Tulsiani Chambers, Nariman Point, Bombay-21, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(86)/80-PF-II]

क्र० आ० 2711.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स चित्रगुप्त एजेंसीज पोर्ट रेडी, वेन्गुला, जिला रतनगिरी जिसके अन्तर्गत उसका 88, गोविन्द नगर दूसरी मंजिल, ब्लॉक सं० 15 दीक्षित रोड, विलेपार्ले (पूर्व) मुम्बई-57 स्थित मुख्यालय भी है; नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35018(87)/80-पी० एफ० II]

S.O. 2711.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs Chitragupta Agencies, Port Redi, Vengurla, District Ratnagiri including its Headquarter at 88, Govind Nagar, 2nd Floor, Block No. 15 Dixit Road, Vile Parle (East), Bombay-57, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(87)/80-PF-III]

क्र० आ० 2712.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सुधीर विन्यास (प्राइवेट) लिमिटेड, न्यू इन्डिया मैट्टर, पाणवली मंजिल, 17, कापरेज रोड, मुम्बई-38 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक

और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35018(92)/80-पी० एफ० II]

S.O. 2712.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs. Sudhin Vinyls (Private) Limited, New India Centre, 5th Floor, 17, Copperage Road, Bombay-38, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35018(92)/80-PF-II]

का०आ० 2713.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स मुदगल इण्डस्ट्रीज जनरल फाउण्डर्स एण्ड इंजीनियर्स, बंगलोर रोड, बेल्लारी-583101 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019(12)81-पी० एफ० II]

S.O. 2713.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs. Mudugal Industries General Founders and Engineers, Bangalore Road, Bellary-583101, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(12)/81-PF.II]

का०आ० 2714.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स यूनिवर्सल हैंडलूमस, सं० 9, कांजीवरम पैक्याप्पा मुदाली स्ट्रीट, मद्रास-2 जिसके अधीन उनका लेम्स गार्डन, मद्रास-2 स्थित कार्यालय भी है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019(267)/79-पी० एफ० II]

S.O. 2714.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs. Universal Handlooms, No. 9, Conjeevaram Pachyappa Mudali Street,

Madras-2, including its office at Langs Garden Road, Madras-2 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(267)/79-PF-II]

का०आ० 2715.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स पुलियनमाला इस्टेट, पुलियनमाला डाकघर, पुलियनमाला ग्राम, चडुमुबेनकोला तालुक, इडुक्की जिला, तामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019(288)/79-पी० एफ० II]

S.O. 2715.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs. Pulianmala Estate, Pulianmala Post Office, Pulianmala Village, Udumbanchola Taluk, Idukki District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S-35019(288)/79-PF-II]

का०आ० 2716.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मिसर्स सेंचुरी बिल्डर्स, 105, बी-ब्लॉक धाटकीडीह जमशेदपुर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

[सं० एस० 35019(294) 79-पी० एफ० II] (i)]

S.O. 2716.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the Employees in relation to the establishment known as Messrs Century Builders, 105, B-Block Dhatkidih, Jamshedpur-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

[No. S. 35019(294)/79-PF-II(i)]

मई विल्ली, 19 सितम्बर, 1981

का०आ० 2717.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 91क के साथ पठित धारा 87 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 936, दिनांक 25 मार्च, 1980 के

अनुक्रम में, कामोदर वैली कारपोरेशन के (1) 132 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन, कुमायधुबी, (2) 132 के.वी. ग्रिड सब-स्टेशन, नई सगाय, रामगढ़, और (3) दामोदर वैली कारपोरेशन सब-स्टेशन, लावडा का पहली जुलाई, 1980 से 30 जून 1981 तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए उक्त अधिनियम के प्रवर्तन में छूट देती है।

व्याख्यात्मक कृति

इस मामले में पूर्ववर्ती प्रभाव में छूट रसी आवश्यक था गई है, क्योंकि छूट के लिए प्राप्त आवेदनार्थ की कार्यवाही पर समय लागे। तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्ववर्ती प्रभाव में छूट देन से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[संख्या एस 380 14/14/80 एच.आई.]

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् —

(1) उक्त कारखाने का नियोजक, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधि कहा गया है), एसी विवरणियाँ, ऐसे प्रत्येक में और ऐसी विशिष्टियाँ सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (माघारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि की बाबत देनी थी,

(2) निगम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी—

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी की विशिष्टियाँ का सत्यापन करने के प्रयोजनार्थ, या
- (ii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख, उक्त अवधि के लिए रखे गए थे या नहीं, या
- (iii) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों का, जिसके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नक़्क़ में और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है, या नहीं; या
- (iv) यह अधिनियमित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए सशक्त होगा —

- (क) प्रधान या अभ्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है, या
- (ख) ऐसे प्रधान या अभ्यवहित नियोजक के अधिभोगाधीन किसी कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके पदधारी से यह अपेक्षा करना कि वह व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के संबंध में सम्बन्धित ऐसे लेखा, बहीयाँ और अन्य दस्तावेज ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष प्रस्तुत करें और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या
- (ग) प्रधान या अभ्यवहित नियोजक को, उसके अधिकर्ता या सेवक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाए या ऐसे किसी व्यक्ति की जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना, या
- (घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखाबही या अन्य दस्तावेज की नक़ल तैयार करना या उससे उद्धरण लेना।

New Delhi, the 19th September, 1981

S.O. 2717.—In exercise of the powers conferred by section 87, read with section 91A, of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 936, dated the 25th March, 1980, the Central Government hereby exempts (1) 132 K. V. Grid sub-station, Kumardhubi, (2) 132 K. V. Grid sub station, Narsa ai, Ramgarh, and (3) Damodar Valley Corporation sub station, Howrah belonging to the Damodar Valley Corporation from the operation of the said Act for a further period of one year with effect from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

(1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;

(2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub section (1) of section 45 of the said Act or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of,—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub section (1) of section 44 of the said Act for the period, or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the said Act has been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in-charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary, or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant or any person found in such factory, establishment, office or other premises or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No S-38014/14/80-HI]

कां० आ० 2718—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० आ० 1704 तारीख 9 जून, 1980 के अनुक्रम में इससे उपायुक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट कारखानों जो उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार में संबद्ध हैं, के नियमित कर्मचारियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन में पहली जुलाई, 1980 से 30 जून, 1981 तक, जिसमें वह दिन भी सम्मिलित है, को और अवधि के लिए छूट देती है।

2 पूर्वोक्त छूट की शर्तें निम्नलिखित हैं, अर्थात् :—

- (1) पूर्वोक्त कारखाना, जिसमें कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाभिधान दिखाए जायेंगे;
- (2) इस छूट के होने हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रमुखिधाय प्राप्त करने रहेगे, जिनका पाने के लिए वे इस अधिसूचना द्वारा दी गई छूट के प्रवृत्त होने की तारीख से पूर्व संवत् अभिदाया के आधार पर हकदार हो जाते;
- (3) छूट प्राप्त अवधि के लिए यदि कोई अधिदाय पहले ही किए जा चुके हों तो वे वापिस नहीं किए जायेंगे;
- (4) उक्त कारखाने का निर्वाजन, उस अवधि की बाबत जिसके दौरान उस कारखाने पर उक्त अधिनियम प्रवर्तमान था, (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अवधि" कहा गया है) नेमी विवरणियां ऐसे प्राहप में और ऐसी विशिष्टियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उसे उक्त अवधि की बाबत देनी थी,

- (5) निम्न द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का इस निमित्त प्राधिकृत कोई अन्य पदधारी,—

- (i) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन, उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणों की विशिष्टियों को स्थापित करने के प्रयोजनार्थ; या
- (ii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथा अपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख उक्त अवधि के लिए, रखे गए थे या नहीं; या
- (iii) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि कर्मचारी नियोजक द्वारा दिए गए उन फायदों को, जिसके प्रतिफल-स्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है, नकद और वस्तु रूप में पाने का हकदार बना हुआ है या नहीं; या
- (iv) यह अभिनिश्चित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारखाने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे किन्हीं उपबंधों का अनुपालन किया गया था या नहीं,

निम्नलिखित कार्य करने के लिए, मशकत होगा,—

- (क) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक से अपेक्षा करना कि वह उसे ऐसी जानकारी दे जिसे उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी आवश्यक समझता है; या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यक्षित नियोजक के अधिभोगाधोन किसी कारखाने स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में किसी भी उचित समय पर प्रवेश करना और उसके प्रभारी व्यक्ति से अपेक्षा करना कि वह समक्ष प्रस्तुत करे और उनकी परीक्षा करने दें, या उन्हें ऐसी जानकारी दें जिसे वे आवश्यक समझते हैं, या

(ग) प्रधान या अध्यक्षित नियोजक को, उसके अधिकर्ता या संचक की, ऐसे किसी व्यक्ति की जो ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर, में पाया जाय, या ऐसे किसी व्यक्ति को जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि कर्मचारी है, परीक्षा करना; या

(घ) ऐसे कारखाने, स्थापन, कार्यालय या परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उसमें उद्धरण लेना।

अनुसूची

| क्रमांक | कारखाने का नाम |
|---------|--|
| 1 | लघु उद्योग सेवा संस्थान कर्मशाला, जयपुर। |
| 2 | लघु उद्योग सेवा संस्थान, एकसटेशन, सेटर, जाधपुर। |
| 3 | लघु उद्योग सेवा संस्थान, एकसटेशन सेटर बिजयवाड़ा। |
| 4 | लघु उद्योग सेवा संस्थान में सम्बद्ध मशीन शाप-एन्-टूल रूम, कलकत्ता। |
| 5 | लघु उद्योग सेवा संस्थान, एकसटेशन सेटर, कोलम्बूर। |
| 6 | लघु उद्योग सेवा संस्थान, एकसटेशन सेटर, मद्रास। |
| 7 | लघु उद्योग सेवा संस्थान, लेबर फिनिशिंग सेटर, ईरोड। |
| 8 | केन्द्रीय कर्मशाला लघु उद्योग सेवा यूनिट, प्रिडी, मद्रास। |

व्याख्यात्मक भाषा

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने आवश्यक हो गई है, क्योंकि छूट के लिए आवेदन पत्र की कार्रवाई पर समय लगा, तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देने से किसी के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं० एस० 38014/40/80एस० आई०]

एन० बी० चावला, उप सचिव

S.O. 2718.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1704, dated the 9th June, 1980, the Central Government hereby exempts the regular employees of the factories special in the Schedule annexed hereto, belonging to the Government of India in the Ministry of Industry, from the operation of the said Act for a further period from the 1st July, 1980 upto and inclusive of the 30th June, 1981.

The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

- (1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees;
- (2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates;
- (3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded;
- (4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period); such

returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees State Insurance (General) Regulations, 1950;

- (5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

- (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period; or
- (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
- (iii) Ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
- (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory;

be empowered to—

- (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
- (c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
- (d) make copies of or take extracts from any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

SCHEDULE

| S. No. | Name of the factory |
|--------|--|
| 1. | Small Industries Service Institute Workshop, Jaipur. |
| 2. | Small Industries Service Institute, Extension Centre, Jodhpur. |
| 3. | Small Industries Service Institute, Extension Centre, Vijayawada. |
| 4. | Machine Shop-cum-Tool Room, attached to Small Industries Services Institute, Calcutta. |
| 5. | Small Industries Service Institute, Extension Centre, Coimbatore. |
| 6. | Small Industries Service Institute, Extension Centre, Madurai. |
| 7. | Small Industries Service Institute, Leather Finishing Centre, Erode. |
| 8. | Central Workshop Small Industries Service Unit, Guindy, Madras. |

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case, as the processing of the application for exemption took time. However, it is certified that the grant of exemptions with retrospective effect will not affect the interest of anybody adversely.

[No. S-38014/40/80-HI]
N. B. CHAWLA, Dy. Secy.

New Delhi, the 24th September, 1981

S.O. 2719.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan, Saraidhella, District, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 5th September, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2), DHANBAD

Reference No. 101 of 1979

In the matter of an industrial dispute under S. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES :

Employers in relation to the management of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan, Saraidhella, District Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen—Shri Nimal Saha, the concerned workman.

STATE : Bihar

INDUSTRY : Coal

Dhanbad, 31st August, 1981.

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-20012/40/79-D. III(A) dated 10th August, 1979 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :

Schedule

"Whether the demand of the workmen of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Karmik Bhawan Saraidhella, District Dhanbad that Shri Nimal Saha should be placed in the pay scheme of Special Grade (Clerical) with effect from the 27th December, 1978 is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"

2. Soon after the receipt of the reference notices were issued to the parties. The parties appeared before this Court through their authorised representatives and filed their respective written statements. After that they took several dates for filing a settlement in this case. Ultimately on 29-8-81 the parties filed a memorandum of settlement. As per the memorandum of settlement the concerned workman will be given one increment in his previous scale of Rs. 572—944 which will be effective from 1-4-1980 till the date, he was promoted to special grade (clerical). The concerned workman has also been promoted in Special Grade (Clerical) w.e.f. 31st December 1980. Since the terms of the settlement are beneficial to both the parties I accept the same. Accordingly, I pass the award in terms of the settlement which will form part of the award.

I. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012(40)/79-D III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. II, AT DHANBAD

In Reference No. 101 of 1979

Employers in relation to the Head Quarters Office of
Bharat Coking Coal Limited

AND

Their Workman

The parties above named beg to submit that without prejudice to the contentions of the parties contained in their respective written statement, the present dispute has been amicably settled on the following terms :—

- (1) That Shri Nimai Saha, the workman concerned will be given one increment in his then scale namely Rs. 572-29-804-35-944 only which will be effective from 1-4-1980 till the date, he was promoted to Special Grade (Clerical) i.e. 640-35-920-41-1084.
- (2) That the concerned workman was drawing Rs. 717 as his basic pay in April, 1980 and in pursuance of paragraph 1 above his assumed basic pay will be fixed at Rs. 746 and will continue till December, 1980.
- (3) That the above increment is given as special case and it will not create any precedence for other workman.
- (4) That the concerned workman has been promoted in special Grade (Clerical) w.e.f. 31st December, 1980 and his basic pay was fixed Rs. 780 on promotion in the post of special grade, Clerical. The workman concerned now will get Rs. 815 w.e.f. January, 1981 as basic pay inclusive of one increment of Rs. 35 in that grade (special grade, Clerical).
- (5) That the Total arrears in pursuance of one increment in the Clerical Grade I from April 1980 till December, 1980 and in the special grade from January, 1981 to August, 1981 will amount to Rs. 541.00 P. (Rupees five hundred and forty one) only, which the workman will be entitled.
- (6) That the parties will bear their own respective costs of this proceeding.
- (7) That the above terms of settlement finally resolves the dispute referred to the Hon'ble Tribunal for adjudication.
- (8) That the above terms are fair and proper.

It is therefore, humbly prayed that the above settlement may kindly be accepted and Award be passed in terms thereof.

For & on behalf of
Union/Workman

Sd/-
Nimal Saha

For & On behalf of
Bharat Coking Coal Limited
Sd/-

S. S. Mukherjee Advocate.
Advocate.
29-8-1981.

New Delhi, the 25th September, 1981

S.O. 2720.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Pyrites, Phosphates and Chemicals Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on the 17th September, 1981.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL (NO. 2) DHANBAD

Reference No. 12 of 1980

In the matter of an industrial dispute under S 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of M/s. Pyrites Phosphates and Chemicals Limited, Post Office Amjhore, District Rohtas and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers—Shri T. P. Choudhury,
Advocate.

On behalf of the workmen—Shri Lalit Burman, Secretary,
Amjhore Khan Mazdoor Union, Amjhore.

STAFF : Bihar. INDUSTRY M/s. Pyrites Phosphates and
Chemicals

Dhanbad, 14th September, 1981.

AWARD

This is a reference under S. 10 of the I.D. Act, 1947. The Central Government by its order No. L-29011/2/79 D.III.B dated 15th July, 1980 has referred this dispute to this Tribunal for adjudication on the following terms :

SCHEDULE

Whether the action of the management of M/s Pyrites, Phosphates and Chemicals Limited, P.O. Amjhore, District Rohtas in refusing to reinstate Shri Mathura Prasad, Shuttle Car Operator with effect from 14-10-73 is justified ? If not, to what relief the concerned workman is entitled ?

2. Before I proceed to deal with the case of the parties, I would like to place certain facts connected with it. On 5-2-73 at about 10 A.M. Shri Surajbhai Choubey, Security Sub Inspector of Pyrites, Phosphates and Chemicals Limited received information from Amjhore Police that they had information that some materials stolen from the company were lying in the house of Shri Mathura Prasad of village Tekkup. The Police requested Shri Choubey to arrange a Jeep so that a raid could be conducted. Shri Choubey along with some security men went to the police station and from there the police inspector, Amjhore went to the house of Shri Mathura Prasad in the village Tekkup and reached there at 12 Noon on 5-2-73. Shri Mathura Prasad was present in the house. The police searched the house and found one Angle, One pin, Fan belt and some bearings together with other materials which are used in Shuttle Car. The materials were seized by the police and a case was started against Shri Mathura Prasad. The articles were identified as belonging to the company by Shri D. N. Singh, Mechanical Foreman. The police after investigation submitted charge-sheet against Shri Mathura Prasad. The Trial Magistrate passed his order of conviction and sentence. But on appeal Shri Mathura Prasad was acquitted. In the meantime Pyrites, Phosphates and Chemicals Ltd. had started departmental proceeding against Shri Mathura Prasad. In the domestic enquiry Shri Mathura Prasad was found guilty of misconduct. The employers considered the enquiry report and passed an order of dismissal.

3. An industrial dispute was raised by the General Secretary, Amjhore Khan Mazdoor Union for the reason that the employees had refused to reinstate Shri Mathura Prasad w.e.f. 14-10-73 in view of the order of acquittal passed by the Appellate Court. On failure of conciliation this reference has been made.

4. Shri Mathura Prasad, Shuttle Car operator has taken the plea in this reference that at the time of raid he was not present in his house as he was on duty till 2.00 P.M. The time of raid was said to be at 1.00 P.M. The recovery of materials from his house is also said to be fabrication by the company's officials in conspiracy with Amjhore Police. A further plea has been taken that it was not established that the recovered material belong to the company. Further more, no report of theft of materials had been made before the police.

5. The management has admitted that there was no report to the police about theft of materials of the company. This raid was conducted by the police with the help of security staff of the company as the police had information that certain stolen articles of the company were in the house of Shri Mathura Prasad. The articles recovered consisted of parts of Shuttle Car, such as V. Belts, Axle Pins, Inner Link of Conveyer, Chain, Bearings and some serviceable parts identified by the Mechanical Foreman of the company. A charge-sheet dated 14/5-73 was issued against Shri Mathura Prasad who submitted a written reply. The reply was not considered to be satisfactory and domestic enquiry was ordered to be made. The enquiry started on 12-3-73 and

continued upto 16-7-73 in which Shri Mathura Prasad got every opportunity to defend himself. The witnesses for the management were cross-examined and a defence witness was also examined. The enquiry officer found that the charge levelled against Shri Mathura Prasad had been proved. His report was considered by the Chief Mining Engineer who was the competent authority, and he ordered Shri Mathura Prasad to be dismissed from service. A show cause was also invited with regard to the proposed punishment before finally ordering his dismissal. Shri Mathura Prasad was dismissed w.e.f. 14-10-73. According to the management mere acquittal by the Appellate Court is not enough to order reinstatement of a workman.

6. Before I proceed to discuss the case on merits, I would like to point out that at the commencement of the hearing Shri Lalit Burman representing the workman conceded that he would not challenge the fairness and propriety of the domestic enquiry. It was, therefore, recorded that the domestic enquiry was fair and proper. The parties agreed to admit into evidence the documents of both sides with regard to domestic enquiry, the First Information Report of the case and the two judgments of the Trial Court and the Appellate Court. This case was therefore heard on merits.

7. I need not discuss the case laws resting on the effect of judgment of acquittal of criminal court in the matter of dismissal of the workman. The concerned workman has been dismissed in a departmental enquiry in connection with the stealing of materials of the company and for putting the company to loss. Such materials were recovered by the police from his house in presence of the security personnel. The articles recovered were identified to be the property of the company. The Trial Magistrate held that the concerned workman was found to be in possession of stolen property, and hence recorded the order of punishment and sentence. The concerned workman was acquitted by the Appellate Court on the ground that the search was not conducted according to law, and that there was no satisfactory evidence to show that the articles recovered were the stolen property.

8. The position is clear that for the purpose of a criminal trial it was necessary to show that the property recovered was a stolen property for which the Appellate Court found that there was no satisfactory evidence. With regard to the recovery itself the learned Appellate Court found that the provision of S. 103 Cr. P.C. were not properly observed and therefore the search was not according to law. On the basis of those two facts there was bound to be acquittal. But such acquittal cannot be said to be a clean acquittal because apparently the concerned workman was given a benefit of doubt. If it was a case of clean acquittal there could be a good deal of force in saying that the company was bound to respect the court order and to reinstate the workman. But in this case the company felt that there was no clean acquittal and so they did not reinstate the concerned workman merely on the basis of acquittal by the Appellate Court.

9. It has been conceded by both sides that in a case like this it must always be considered as to whether the dismissal is justified because if it is not justified there is bound to be reinstatement irrespective of the decision of the criminal court. It has also been conceded that in a trial of a criminal case the law and facts of a particular case have to be considered from the point of view of criminal intent of an accused. But in a disciplinary proceeding the case has to be judged from the point of view of misconduct as laid down in the standing order of the company. It is therefore necessary to look into the evidence adduced at the time of domestic enquiry in order to ascertain whether the charge framed against the concerned workman has been proved.

10. Before we proceed to discuss the evidence, let us acquaint ourselves with the documents produced in this case. The management filed 16 documents and they are Exts. M1 to M16. Ext. M1 is a copy of the charge sheet dated 13-2-73. Ext. M2 is the reply to the charge sheet. Ext. M3 is the letter of appointment of enquiry officer Shri S. R. Rajan under manager. Ext. M4 is an office order cancelling the appointment of Shri Rajan, enquiry officer and appointment of Shri H. Sanyal, under manager. Ext. M5 is a corrigendum. In the charge-sheet, Ext. M1 Shri Mathura Prasad was mentioned and it was corrected through this corrigendum Shri Mathura Prasad. Ext. M6 is a list containing the proceeding of enquiry having 18 sheets. Ext. M7 is a copy of the list

of stolen materials. Ext. M8 is a copy of a letter dated 3rd February, 1973 addressed to the Police station, Amjhore under which some materials have been stolen from the garage and workshop of the company on 31-1-73. Ext. M9 is a letter by Shri Mathura Prasad addressed to the enquiry officer under which certain documents were demanded for being produced in court. Ext. M10 is a receipt granted by Shri Mathura Prasad for having received those documents from the enquiry officer. Ext. M11 is an attendance sheet from 4-2-73 to 10-2-73. Ext. M12 is enquiry report dated 1-9-73. Ext. M13 is a copy of show cause notice dated 12-9-73 issued to Shri Mathura Prasad and Ext. M15 is the reply of Shri Mathura Prasad to that show cause. Ext. M15 is an office order dated 14-10-73 dismissing Shri Mathura Prasad. Ext. M16 is the approval of Chief Mining Engineer for dismissal.

11. On behalf of the concerned workman certain documents have been filed and exhibited in evidence. Ext. W.1 is the certified copy of the judgment of the Court of Sessions, Appellate Jurisdiction, Allah of Criminal Appeal No. 140/77. It is under this judgment that Shri Mathura Prasad was acquitted. Ext. W. 2 is the original attendance card of Shri Mathura Prasad for the month of February, 1973. Ext. W.3 is the attendance card for January, 1973. Ext. W.3(a) is the original office pay slip of Shri Mathura Prasad showing payment to 3-3/4 days wages amounting to Rs. 6.12 only for February, 1973. Ext. W.4 is an office order dated 10-6-71 under which Shri Mathura Prasad, shuttle car operator was transferred w.e.f. 13-6-71. Ext. W.5 is another office order dated 1-7-72 under which Shri Mathura Prasad was transferred from the garage and workshop and posted under the Administrative control of the administration. Ext. W-6 is another office order dated 17-7-72 under which Shri Mathura Prasad was transferred from the administrative section to Civil section w.e.f. 24-7-72. Ext. W.7 is a letter of Amjhore Khan Mazdoor Union addressed to the Chief Mining Engineer, Pyrites, Phosphates and Chemicals Ltd., Amjhore in respect of an industrial dispute in the dismissal of Shri Mathura Prasad. A copy of this letter was forwarded to the Assistant Labour Commissioner (Central).

12. The management examined security Sub-Inspector, Shri Surajbali Choubey. He had accompanied the Sub-Inspector to the house of Shri Mathura Prasad and in his presence the Sub-Inspector searched the house of Shri Mathura Prasad and recovered certain articles which had been seized by the Sub-Inspector, Police. His evidence is that when they went to the house of Shri Mathura Prasad the door had been closed from within and on the demand made by the Sub-Inspector Shri Mathura Prasad opened the door. The security Sub-Inspector was accompanied by Shri Jogeshwar Singh, watchman who is also a witness in this case and supports the evidence of security Sub-Inspector. With regard to identification of materials as belonging to the company, we have the evidence of Shri D. N. Singh, mechanical foreman. He had gone to the police station to identify the articles as demanded by the mechanical engineer and the security Sub-Inspector. In his evidence he has listed 5 items and deposed that there were one or two more items which he did not remember. But he was definite that those materials belonged to the company. He submitted report to the mechanical engineer. These were parts of the shuttle car. Shri G. C. Singh, mechanical engineer has also deposed. He had ordered Shri D. N. Singh, mechanical foreman to go to the police station and to check the materials. He said that Shri D. N. Singh gave in writing that the materials belonged to our Project machinery. These are all the four witnesses examined by the management before the enquiry officer. Two of the witnesses are on the point of search of the house of Shri Mathura Prasad by the police and recovery of certain articles, and two of them are on the point that the materials which had been seized by the police were parts of company's machinery.

13. The enquiry officer took the statement of Shri Mathura Prasad. In his statement he has admitted that he had gone to his house on learning that the police was making search of his house. He found the Sub-Inspector of Police and the security Sub-Inspector at his house and they wanted to search his house. He was not allowed to go inside and the search was made and certain articles brought out. He was forced by the police to put his signature on the search list.

14. Now let us see the implications of the evidence so adduced. The Appellate Court judgment no doubt says that the search was not according to law and therefore no conviction

tion could be based on a search of that nature by the police. But, nevertheless, the search was made by the police in presence of the security Sub-Inspector of Pyrites, Phosphates and Chemicals Ltd. and the materials which were recovered were the parts of the company's machinery. It was upto the concerned workman to explain the presence of these articles into his house, which normally should not have been there. The concerned workman being a shuttle car operator worked under Shri D. N. Singh, mechanical foreman and some of the articles were identified by Shri D. N. Singh as parts of shuttle car. Shri D. N. Singh in his evidence has said that even while the concerned workman was working as shuttle car operator under him, some parts of machinery used to disappear and he made a report to superiors. Now the earliest statement of the concerned workman to the charge framed against him would go to show that he did not challenge the search as he did at later stage of the proceeding. His show cause was that the articles were used as play things by the boys in the street. But Shri D. N. Singh has said that some of the articles recovered were serviceable and at least one part was new. Shri D. N. Singh has further said that to his knowledge his company was the only one using shuttle car in Bihar and so these parts cannot be said to be materials ordinarily available in market. We cannot, therefore, say that the concerned workman obtained these articles by purchase from market so as to explain the presence of these articles in his house. Obviously, therefore, these articles were brought to the house of the concerned workman by some underhand means from the premises of the company. It is true that he cannot categorically say that the concerned workman has committed theft of these materials from the company. But

it was within his knowledge as a shuttle car operator that the shuttle car parts of the company were in his house. If it was brought by somebody in his house he had no reason to keep them in his house and he should have returned those to the company in order to show his bona fide. The position is that it has been established by the management that the articles recovered from the house of the concerned workman were parts of the company's machinery. Obviously, the removal of the parts from the company's premises and recovery of the articles from the house of the concerned workman would go to show that the company had to bear a loss or damage on account of the act of the concerned workman. Now, this is precisely the object of the charge which had been framed against the concerned workman. It is not the object of the departmental proceeding to establish a case of theft, but to establish misconduct which the management has no doubt established in this case.

15. Thus having considered the various aspects of the case, I hold that the action of the management of M/s. Pyrites, Phosphates and Chemicals Limited, P.O. Amjhore, District Rohtas in refusing to re-instate Shri Mathura Prasad, Shuttle Car Operator with effect from 14-10-73 is justified. Consequently, the concerned workman, Shri Mathura Prasad is not entitled to any relief.

This is my award.

J. P. SINGH, Presiding Officer
[No. L-29011/1/79-D.II(B)]
K. K. HANDA, Under Secy.

